आज़ादी का अमृत महोत्सव

बार्षिक प्रतिबेदन एबं लेखा परिक्षण प्रतिबेदन

Annual Report & Audit Report 2020-21

दि एशियाटिक सोसाइटी

संसद की अधिनियम (1984) के तहत राष्ट्रीय महत्व का एक स्वायत्त संस्थान
भारत सरकार

The Asiatic Society

An Autonomous Institution of National Importance under an Act of Parliament (1984)
Government of India

दि एशियाटिक सोसाइटी
का
वार्षिक प्रतिवेदन एवं लेखा परीक्षण प्रतिवेदन 2020-2021

दि एशियाटिक सोसाइटी
का
वार्षिक प्रतिवेदन एवं लेखा परीक्षण प्रतिवेदन
2020-2021

दि एशियाटिक सोसाइटी
1 पार्क स्ट्रीट, कोलकाता 700 016

प्रकाशक
डॉ सत्यब्रत चक्रवर्ती
महासचिव
दि एशियाटिक सोसाइटी
1 पार्क स्ट्रीट
कलकाता 700 016

डिसेम्बर, 2021

कवर डिजाइन : धीमान चक्रबर्ती

मुदक
शैली प्रेस प्रा: लि:
4ए मानिकतला मेन रोड
कलकाता 700 054
Email : sailleepress@yahoo.com

शोक संदेश

एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता निम्नलिखित सदस्यों, प्रतिष्ठित व्यक्तियों, सोसाइटी के शुभचिंतकों और अपने कर्मचारियों के अलावा उन सभी पीड़तों के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करता है, जिनका निधन कोविड -19 महामारी से हुआ:

श्री प्रणव मुखर्जी

प्रोफेसर अनीसुज्जमान
प्रोफेसर हरि वासुदेवन
प्रो. आनंद देव मुखोपाध्याय
प्रोफेसर अमितेंद्रनाथ टैगोर
प्रोफेसर रॉबिंस बर्लिंग
प्रोफेसर तूलिका सेन
प्रोफेसर द्वारका नाथ बोस
प्रोफेसर डी एन झा
प्रोफेसर मनुदेव भट्टाचार्य
प्रोफेसर अब्दुस सुभान
प्रोफेसर उत्तरा चक्रवर्ती
डॉ सुधीर चक्रवर्ती
डॉ मनीष प्रधान
श्री लक्ष्मण पाई
पंडित जसराज
श्री बसु चटर्जी
श्री निमाई भट्टाचार्य
श्री अजीत योगी
श्री सोमेन मित्र
श्री चुनी गोस्वामी
श्री मोनू मुखर्जी

डॉ. (श्रीमती) कपिला वात्स्यायन
प्रोफेसर आलोक रंजन दासगुप्ता
प्रोफेसर अमलेंदु बंद्योपाध्याय
प्रोफेसर शिशिरकणा धर चौधरी
प्रोफेसर रथींद्र नारायण बसु
प्रोफेसर विनय श्रीवास्तव
प्रोफेसर मधुकर अनंत मेहंदी
प्रोफेसर चित्रा घोष
प्रोफेसर शुभाशिस बिस्वास
प्रोफेसर दीपंकर बसु
प्रोफेसर सत्येंद्रनाथ बर्मन
श्री सौमित्र चट्टोपाध्याय
श्री देबेश रॉय
श्रीमती अमला शंकर
उस्ताद गुलाम मुस्तफा खान
श्री एस. पी. बालसुब्रमण्यम
श्रीमती बिजॉय मुखोपाध्याय
श्री. श्यामल चक्रवर्ती
मेजर जसवंत सिंह
श्री सुनील कोठारी [नृत्य]
श्री दिबयेन्दु दत्ता चौधरी

विषय-सूची

1.	एशियाटिक सोसाइटी की यात्रा	...	9
2.	अध्यक्षीय संबोधन	...	12
3.	महासचिव का अभिभाषण	...	18
4.	एशियाटिक सोसाइटी की कार्यकारी परिषद (2020-22)	...	21
5.	योजना समिति और स्थायी वित्त समिति	...	23
6.	समितियां और उप-समितियां	...	25
7.	वर्ष 2020 के लिए पदकों, पट्टिकाओं और व्याख्यानाओं के लिए चयनित पुरस्कार विजेता	...	28
8.	अप्रैल 2020-मार्च 2021 के दौरान कार्यकारी परिषद द्वारा अपनाए गए प्रमुख संकल्प और प्रतिवेदित बस्तुएँ	...	31
9.	एशियाटिक सोसाइटी का प्रकाशन	...	38
10.	पुस्तकालय संभाग की गतिविधियाँ	...	40
	पुस्तकालय	...	40
	संग्रहालय	...	43
	संरक्षण	...	44
	रेप्रोग्राफी	...	45
11.	शैक्षणिक विभाग की गतिविधियां	...	46
	A. आंतरिक अनुसंधान परियोजनाएं	...	47
	B. परिचालित बाहरी अनुसंधान परियोजनाएं	...`	50
	C. स्वीकृत बाह्य अनुसंधान परियोजना (परिचालित होना बाकी है)	...	53

D. बाहरी अनुसंधान परियोजना: एशियाटिक सोसायटी द्वारा होस्ट किया गया ... 53

E. व्याख्यान/सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/संवाद ... 53

F. अकादमिक कार्यक्रम 2020-2021 ... 53

12. विशिष्ट गतिविधियां ... 58

13. एशियाटिक सोसाइटी के कर्मचारी (2020-2021) ... 60

14. वित्त, लेखा, बजट और लेखा परीक्षा ... 67

विजुअल्स (दृश्य-श्रव्य)

1 एशियाटिक सोसाइटी की यात्रा

यात्रा का आरंभ

एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता भारत में शिक्षा की सबसे पुरानी संस्था है और इसने भारतीय इतिहास के पुनरुद्धार और इसके पुनर्जागरण के प्रयास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसकी स्थापना 15 जनवरी, 1784 को सुप्रीम कोर्ट, कलकत्ता के ग्रैंड जूरी हॉल में सम्मानित भाषाविद और एंग्लो-वेल्श वंश के विद्वान सर विलियम जोन्स के द्वारा एक सभा में की गई थी।

सर विलियम जोन्स (1746-1794) 1783 में कलकत्ता सुप्रीम कोर्ट में अवर न्यायाधीश के रूप में नियुक्त हुए। सर जोन की इच्छा पाश्चात्य विषयक अध्ययन के लिए एक नियमित संगठन स्थापित करना था। तत्कालीन गवर्नर जनरल वारेन हेस्टिंग्स की खुद भारतीय शास्त्रीय भाषाओं और साहित्य में गहरी दिलचस्पी थी। कंपनी के अधिकारियों का भी एक दल पाश्चात्य अध्ययन के लिए काफी सक्रिय थे। इसलिए जोन्स के विचार को बहुत आसानी से लागू किया गया।

15 जनवरी 1784 को, ऐसे तीस सक्रिय और प्रेरित यूरोपीयन विद्वान कलकत्ता के सर्वोच्च न्यायालय के ग्रैंड जूरी कक्ष में मिले और संस्था द एशियाटिक सोसाइटी की स्थापना के लिए जोन्स के प्रस्ताव अनुमोदित किया।

अनुसंधान की सीमा एशिया के भौगोलिक सीमाओं में ही होगी, और मनुष्य के द्वारा निष्पादित कार्य या प्रकृति द्वारा उत्पादित चीजें इन सीमाओं के भीतर इनके अनुसंधान का लक्ष्य होगा – मेमोरेंडम ऑफ आर्टिकल्स ऑफ द एशियाटिक सोसाइटी में निहित इस बयान को उस ऐतिहासिक बैठक में सर विलियम जोन्स द्वारा तैयार किया गया था। इस प्रकार एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता की लंबी यात्रा शुरू हुई।

प्रारंभिक दिन

विलियम जोन्स सोसाइटी के सबसे पहले अध्यक्ष बने और अपनी मृत्यु 1794 तक इस पद पर बने रहे। वॉरेन हेस्टिंग्स सोसाइटी के पहले संरक्षक थे। तब से संरक्षक का पद गवर्नर

जनरल और स्वतंत्रता के बाद पश्चिम बंगाल के राज्यपाल के पास है। प्रारंभ में, सोसाइटी के सदस्य के रूप में केवल यूरोपीय नागरिक थे। 1829 में ही यह संभव हुआ कि भारतीयों को भी सोसाइटी का हिस्सा बनने की अनुमति प्रदान की गई। राजेंद्रलाल मित्रा 1885 में इस संगठन के पहले भारतीय अध्यक्ष बने। स्थापना के प्रारंभिक वर्षों के दौरान, संगठन बिना किसी स्थायी भवन के कार्य करता रहा। 1805 में सरकार द्वारा, इसे जमीन दिए जाने के बाद, इसका एक आधिकारिक भवन 1808 तक बनकर तैयार हो गया। सोसायटी की वर्तमान इमारत का निर्माण 1961 में उसी स्थान पर किया गया था एवं 22 फरवरी 1965 को पूर्व भारतीय राष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने इसका उद्घाटन किया था।

पिछली दो शताब्दियों के दौरान सोसाइटी के नाम में कई बदलाव हुए जैसे बंगाल की एशियाटिक सोसाइटी (1832-1935), द रॉयल एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल (1936-1951) और जुलाई 1952 से इसे एशियाटिक सोसाइटी के रूप में जाना जाता है।

दृष्टि और उद्देश्य

सोसायटी के मुख्य उद्देश्य हैं:

- एशिया में मानविकी और विज्ञान में अनुसंधानों को संगठित करना, प्रारंभ करना और बढ़ावा देना,
- अनुसंधान संस्थानों, वाचनालय, संग्रहालयों, सभागारों और व्याख्यान कक्षों की स्थापना, निर्माण करना, रखरखाव और परिचालित करना,
- उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए व्याख्यान, सेमिनार, संगोष्ठी, चर्चा, सभाएँ आयोजित करना और पदक, पुरस्कार और छात्र वृत्ति आदि प्रदान करना।
- वित्त की प्राप्ति करना ताकि किसी पत्रिका, पुस्तक या अन्य साहित्य प्रकाशित किया जा सके जिसे सोसाइटी अपने उद्देश्यों के प्रचार के लिए उपयुक्त समझे;

समय के साथ, एशियाटिक सोसाइटी को अपने उद्देश्यों की सीमा और फलस्वरूप अनुसंधान के क्षेत्र का विस्तार करना पड़ा। बेशक यह अपने संस्थापक सर विलियम जोन्स द्वारा जारी किए गए मूल जनादेश से आगे नहीं बढ़ा है कि यह मनुष्य द्वारा किए गए कार्य और प्रकृति द्वारा उत्पादित के साथ ही कार्यान्वित होगा। आधुनिक समय में मानव ज्ञान में निरंतर बढ़ते केंद्रीय आवश्यकताओं के अनुरूप अब तक इस जनादेश का पूरी तरह से पालन किया जा रहा है।

एशियाटिक सोसाइटी ने भारत के अतीत की खोज में अग्रणी और सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विलियम जोन्स, चालस विल्किंस, एचटी कोलबरुक, बीएच हॉडसन, फ्रांसिस विल्फोर्ड, सैमुअल डेविस, एचएच विल्सन, जेम्स प्रिंसेप जैसे महान इंडोलॉजिस्ट और ओरिएंटलिस्ट ने एशियाटिक सोसाइटी के लिए बौद्धिक संपदा का भंडार तैयार किए।

सोसायटी देश की सांस्कृतिक विरासत का संग्रहालय बनी रही है और सोसायटी पिछले 200 से अधिक वर्षों से मूल्यवान पांडुलिपियों और अपने संसाधनों के आधार पर अन्य दस्तावेज को संग्रहित करके एक बड़े केंद्र के रूप में कार्य करके सांस्कृतिक विरासत का प्रसार करने में लगी हुई है।

राष्ट्रीय महत्व के संस्थान

कई मायनों में एशियाटिक सोसाइटी इस देश में कई प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों जैसे ट्रॉपिकल चिकित्सा स्कूल, भारतीय संग्रहालय, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, प्राणी सर्वेक्षण के विकास, भारतीय वानस्पतिक सर्वेक्षण, इत्यादि इत्यादि के लिए मातृ संस्था रही है।

सोसाइटी के महत्व और कला और विज्ञान के सभी क्षेत्रों में इसके अपार योगदान को मान्यता देने के लिए भारत सरकार ने 1984 में अपने द्विशताब्दी वर्ष के दौरान संसद के एक अधिनियम द्वारा एशियाटिक सोसाइटी को राष्ट्रीय महत्व की संस्था के रूप में मान्यता प्रदान किया। 1984 के एशियाटिक सोसाइटी अधिनियम, के तहत भारत सरकार ने भविष्य में इसके रखरखाव और विकास के लिए आवश्यक वित्तीय सहायता प्रदान करने की जिम्मेदारी संभाली। वर्तमान में, सोसायटी संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के तहत एक स्वायत्त संगठन है।

प्रशासन

सोसायटी पश्चिम बंगाल सोसायटीज पंजीकरण अधिनियम, 1961 के तहत पंजीकृत है। यह एक सदस्यों की सोसायटी है। सोसायटी के मामलों का प्रशासन, निर्देशन और प्रबंधन सोसायटी के सदस्यों

द्वारा निर्वाचित एक बीस सदस्यीय परिषद में निहित है। चुनाव हर दो साल में होता है। परिषद के सदस्य मुख्य रूप से विभिन्न शैक्षणिक विषयों के विशेषज्ञ विद्वान होते हैं। इसके अलावा, भारत सरकार द्वारा चार नामांकित व्यक्ति हैं। पश्चिम बंगाल सरकार का एक नामित और एशियाटिक सोसाइटी कर्मचारी संघ का एक प्रतिनिधि भी नामांकित होता है। परिषद की महीने में एक बार अनिवार्य रूप से बैठक होती है। कई स्थायी समितियाँ हैं जो परिषद को अपने मिशन को लागू करने में मदद करती हैं। इसके अलावा एशियाटिक सोसाइटी का एक योजना बोर्ड भी है जो इसे सोसाइटी के विकास कार्यक्रमों की योजना और कार्यान्वयन के संबंध में सलाह देता है। इसी तरह, एक स्थायी वित्त समिति जिसमें केंद्रीय सरकार, राज्य सरकार और परिषद के नामित सदस्य शामिल होते हैं, जो वित्तीय निहितार्थ वाले सभी मामलों पर परिषद को सलाह देते हैं।

यात्रा जारी है

11 जनवरी, 1984 को कोलकाता में सोसाइटी के द्वि-शताब्दी समारोह में, भारत की तत्कालीन प्रधान मंत्री अपने उद्घाटन भाषण में श्रीमती इंदिरा गांधी ने कहा, कुछ संस्थान इतिहास को दर्शाते हैं और कुछ इसमें योगदान करते हैं। इस सोसाइटी ने

दोनों ही काम किया। अब तक, सोसायटी अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सभी मोर्चों पर अपने कार्यक्रमों को भविष्य की दिशा में आगे ले जा रही है।

2

अध्यक्षीय संबोधन

शुरुआत मार्च 2020 में हुआ था। इससे पहले, चीन में नवंबर 1919 से इस बीमारी के फैलने की छिटपुट खबरें आ रही थीं, जिसे बाद में कोविड 19 नाम दिया गया। चीन के बाहर किसी ने भी इसे गंभीरता से नहीं लिया। लेकिन मार्च 2020 से यह बीमारी दुनिया के अलग-अलग देशों में फैलने लगी। और रोग विद्युतीकरण की गति से विस्तार पाने लगा। कुछ ने इसे बिल्कुल अलग प्रकार का 'वैश्वीकरण' कहा है। पहले 20 वीं सदी के उत्तरार्ध में, अगर यह अर्थव्यवस्था का वैश्वीकरण था, तो अब यह बीमारी - कोविड 19 का वैश्वीकरण है । कुछ इसे सिर्फ एक बीमारी नहीं बल्कि मानव इतिहास की सबसे भयावह घटना कहना पसंद करते हैं। 1 जून, 2021 को वलडोमीटर डेटा शो के अनुसार, दुनिया के 222 देश इस बीमारी से प्रभावित हो चुके हैं।

ऐतिहासिक अनुभव

इस तरह की विनाशकारी बीमारियों ने पहले भी लोगों और समाजों को प्रभावित किया है। उदाहरण के लिए, प्राचीन ग्रीस में एथेंस में ५वीं शताब्दी ईसा पूर्व में, प्लेग महामारी ने अनुमानित 75,000 से 100,000 लोगों की जान ले ली। प्रसिद्ध एथेनियन विद्वान पेरिकल्स की प्लेग से मृत्यु हो गई। फिर से, मध्ययुगीन काल के दौरान, 14वीं शताब्दी में विशेष रूप से 1347 से 1351 तक प्लेग अपने सबसे घातक रूप में फिर से जीवित हो गया, जिसे यूरोप में ब्लैक डेथ के रूप में जाना जाता है। बुबोनिक प्लेग के रूप में भी जाना जाता है, इसकी उत्पत्ति जूनोटिक स्रोतों से हुई है, इस महामारी ने पूर्व से यूरोप तक एक विस्तृत क्षेत्र की यात्रा की और व्यापार और वाणिज्य की तीव्रता के कारण लोगों की बढ़ती आवाजाही के साथ वृद्धि हुई। 1361-62 में प्लेग इंग्लैंड लौट आया जिससे उसकी आबादी का लगभग 20 प्रतिशत मर गया। इसके बाद, 14वीं और 15वीं शताब्दी के दौरान प्लेग रुक-रुक कर लौटता रहा। इंग्लैंड में अंतिम प्रकोप 1665-66 में हुआ था, जिसे लंदन के महान प्लेग के रूप में जाना जाता है, जिसने 18 महीनों में अनुमानित 100,000 लोगों को मार डाला - लंदन की आबादी का लगभग एक चौथाई। एक और महामारी - जिसे 'स्पेनिश पलू' के

रूप में इतिहास में जाना जाता है - हालांकि इसकी उत्पत्ति और प्रमुख प्रकोप स्पेन में नहीं था - 1918 से 1919 तक प्रथम विश्व युद्ध में हुई और दुनिया भर में कहीं न कहीं 20 से 50 मिलियन लोगों के मारे जाने का अनुमान है। कुछ अनुमानों ने इस सबसे घातक महामारी में मृत्यु की संख्या को 100 मिलियन तक बढ़ा दिया है। यह ध्यान रखना दिलचस्प है कि 'संगरोध' शब्द इसी स्रोत से आया है क्योंकि बीमारी से प्रभावित लोगों की संख्या को तट पर पहुंचने की अनुमति नहीं थी और उन्हें क्वारंटाइन नामक जहाज में कैद कर दिया गया था। इंग्लैंड में अंतिम प्रकोप 1665-66 में हुआ था, जिसे लंदन के महान प्लेग के रूप में जाना जाता है, जिसने 18 महीनों में अनुमानित 100,000 लोगों को मार डाला - लंदन की आबादी का लगभग एक चौथाई। एक और महामारी - जिसे 'स्पेनिश पलू' के रूप में इतिहास में जाना जाता है - हालांकि इसकी उत्पत्ति और प्रमुख प्रकोप स्पेन में नहीं था - 1918 से 1919 तक प्रथम विश्व युद्ध में हुई और दुनिया भर में कहीं न कहीं 20 से 50 मिलियन लोगों के मारे जाने का अनुमान है। कुछ अनुमानों ने इस सबसे घातक महामारी में मृत्यु की संख्या को 100 मिलियन तक बढ़ा दिया है। यह ध्यान रखना दिलचस्प है कि 'संगरोध' शब्द इसी स्रोत से आया है क्योंकि बीमारी से प्रभावित लोगों की संख्या को तट पर पहुंचने की अनुमति नहीं थी और उन्हें क्वारंटाइन नामक जहाज में कैद कर दिया गया था। इंग्लैंड में अंतिम प्रकोप 1665-66 में हुआ था, जिसे लंदन के महान प्लेग के रूप में जाना जाता है, जिसने 18 महीनों में अनुमानित 100,000 लोगों को मार डाला - लंदन की आबादी का लगभग एक चौथाई। एक और महामारी - जिसे 'स्पेनिश पलू' के रूप में इतिहास में जाना जाता है - हालांकि इसकी उत्पत्ति और प्रमुख प्रकोप स्पेन में नहीं था - 1918 से 1919 तक प्रथम विश्व युद्ध में हुई और दुनिया भर में कहीं न कहीं 20 से 50 मिलियन लोगों के मारे जाने का अनुमान है। कुछ अनुमानों ने इस सबसे घातक महामारी में मृत्यु की संख्या को 100 मिलियन तक बढ़ा दिया है। यह ध्यान रखना दिलचस्प है कि 'संगरोध' शब्द इसी स्रोत से आया है क्योंकि बीमारी से प्रभावित लोगों की संख्या को तट पर पहुंचने की अनुमति नहीं थी और उन्हें क्वारंटाइन नामक जहाज में कैद कर दिया गया था।

भारत का ऐतिहासिक अनुभव

भारत प्लेग के इस आवधिक प्रकोप से अछूता नहीं था जो 19वीं शताब्दी के अंत में एक प्रमुख तरीके से हुआ था। जब उस समय प्लेग से पीड़त लोगों की सेवा करने में विवेकानंद और निबेदिता ने प्रमुख भूमिका निभाई, तो इसे इस बीमारी से लड़ने के पहले मानवीय प्रयास के रूप में जाना गया। दिलचस्प बात यह है कि उनकी ओर से इस प्रयास के साथ-साथ लोगों को टीका लगाने के औपनिवेशिक शासकों के प्रयास को लोगों के कड़े विरोध का सामना करना पड़ा। 1918 में भारत में फिर से महामारी आई जब अनुमानित रूप से 18 मिलियन लोग मारे गए थे। 1918 में स्वच्छता आयोग द्वारा जारी एक रिपोर्ट में यह दस्तावेज किया गया था कि गंगा सहित देश की सभी नदियाँ शवों से लदी हुई थीं। जहां तक शवों के निस्तारण का सवाल है तो क्या अब इतिहास खुद को दोहरा रहा है?

प्लेग से अधिक, हैजा और मलेरिया की घटनाएँ अधिक बार होती थीं और इसके प्रभाव में कहीं अधिक घातक थे। कोई विश्वसनीय सांख्यिकीय आंकड़ा नहीं है लेकिन अनुमान लगाया गया है कि ग्रामीण बंगाल के 1/3 लोग इन बीमारियों के कारण नष्ट हो गए थे। गाँव दर गाँव में लोगों में बीमारी से प्रभावित लोगों से दूर भागने की आदत विकसित हो गई। कुछ अति गंभीर मामलों में परिजन भी मरने वाले को अकेला छोड़कर वहां से चले गए। क्या इतिहास का यह हिस्सा भी खुद को दोहरा रहा है?

महामारी अब - सीमा और तीव्रता

मानव इतिहास में पहले की महामारी की घटनाओं की तुलना में, वर्तमान 'कोविड 19' का प्रकोप कहीं अधिक गंभीर, कहीं अधिक विनाशकारी और कहीं अधिक व्यापक और गहन है। जबकि महामारी के कारण मृत्यु और पीड़ा के पहले के आंकड़े काफी हद तक काल्पनिक थे क्योंकि कोई वैज्ञानिक जनगणना प्रचलित नहीं थी - वर्तमान समय में इस बीमारी पर दुनिया भर में आंकड़े सटीक और वैज्ञानिक हैं - हालांकि दुख और पीड़ा से संबंधित आंकड़ों के दमन की कुछ शिकायतें हैं। मृत्यु - उदाहरण के लिए, भारत में। 1 जून, 2021 तक पूरी दुनिया में इस बीमारी से पीड़त लोगों की संख्या 17 करोड़ 14 लाख को पार कर चुकी है जबकि मरने वालों की संख्या 35 लाख को पार कर चुकी है। और यह, विनाश पैदा करने वाले सूक्ष्म वायरस से लड़ने के लिए आधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी के सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद। प्रारंभिक अवस्था में, विरोधाभासी रूप से, विकासशील देशों की तुलना में विकसित देश और शहरी क्षेत्र अधिक प्रभावित हुए लेकिन दूसरे चरण में इसकी अधिक भरपाई की गई जहां विकासशील देशों के साथ-साथ उन

देशों के ग्रामीण क्षेत्र भी समान रूप से प्रभावित हुए हैं। इस बिंदु पर कुछ आंकड़ों का उल्लेख किया जा सकता है। 1 जून, 2021 तक के आंकड़े इस प्रकार हैं: अमेरिका- पीड़त 34.15 करोड़, मृत्यु 6.09 लाख, ब्रिटेन 44.37 लाख पीड़त और मृत्यु 1 लाख 27 हजार; फ्रांस ने झेले 56.17 लाख, मरे 1 लाख 9 हजार; इटली ने 42.17 लाख पीड़त, 1 लाख 26 हजार की मौत; जर्मनी ने 36.90 लाख पीड़त, 89.2 हजार की मृत्यु, रूस ने 50.81 लाख, 1.21 लाख की मृत्यु हुई। गैर-यूरोपीय देशों में ब्राजील सबसे अधिक प्रभावित हुआ जिसमें 16.66 करोड़ लोग पीड़त हुए और 4.63 लाख लोग मारे गए। यह हाल ही में दूसरी लहर में है,

भारत में भयावह स्थिति

पीड़त और मृत लोगों की पूर्ण संख्या भारत में कम भयानक नहीं है। वास्तव में, भारत दूसरे स्थान पर है, जहां तक महामारी के प्रभाव का संबंध है, अमेरिका के बाद दूसरे स्थान पर है। भारत में अब तक इस बीमारी से प्रभावित लोगों की कुल संख्या इस प्रकार है: 2 करोड़ 80 लाख से अधिक लोग पीड़त हैं और 3 लाख 50 हजार से अधिक लोग मारे जा रहे हैं। राष्ट्रीय विमान की तरह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी यह बीमारी पूरे भारत में फैल चुकी है। यद्यपि राज्यवार और राज्य के भीतर, क्षेत्रवार रोग के प्रसार की प्रकृति में व्यापक भिन्नता है, फिर भी भारत में कुछ राज्य ऐसे हैं जहां स्थिति अत्यंत गंभीर है। इस श्रेणी में उच्च रैंकिंग वाले राज्य महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़ आदि हैं। जहां तक बीमारी के प्रसार का संबंध है, पश्चिम बंगाल भी उच्च रैंक की श्रेणी में है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि समय के साथ राज्यों के बीच उनके रैंकों के संबंध में स्थिति में तेजी से कमी आई है - यह दर्शाता है कि कोई भी राज्य खतरे से परे नहीं है। उदाहरण के लिए उत्तर-पूर्वी क्षेत्र जो प्रारंभिक चरण में अपेक्षाकृत मुक्त था, अब तेजी से सामने आ रहा है और वहां भी यह बीमारी खतरनाक रूप से बढ़ रही है। ऐसी विकट स्थिति में, यह निराशाजनक है कि भारत की विशाल जनसंख्या की तुलना में मृत्यु से संबंधित प्रति व्यक्ति आंकड़े (सीएफआर) कई अन्य विकसित देशों की तुलना में कम है। उदाहरण के लिए उत्तर-पूर्वी क्षेत्र जो प्रारंभिक चरण में अपेक्षाकृत मुक्त था, अब तेजी से सामने आ रहा है और वहां भी यह बीमारी खतरनाक रूप से बढ़ रही है। ऐसी विकट स्थिति में, यह निराशाजनक है कि भारत की विशाल जनसंख्या की तुलना में मृत्यु से संबंधित प्रति व्यक्ति आंकड़े (सीएफआर) कई अन्य विकसित देशों की तुलना में कम है।

दूसरी लहर

दिसंबर 2020 से जब बीमारी की वृद्धि दर घटने लगी, जिसके कारण सरकार अर्थव्यवस्था को 'अनलॉक' करने लगी और 'नई सामान्य' स्थिति को बहाल करने की उम्मीद में, अचानक, विनाशकारी 'दूसरी लहर' अप्रैल 2021 से शुरू हुई और पूरे को अपनी चपेट में ले लिया। बिजली की गति से देश की। दूसरी लहर के विनाशकारी प्रभाव का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि भारत ने केवल मई, 2021 में 1.2 लाख नई मौतों के साथ 90 लाख नए कोविड मामले जोड़े। इसकी तुलना में अमेरिका में सबसे खराब महीना दिसंबर 2020 का था जब वहां 65.3 लाख नए मामले जुड़ रहे थे। इससे पहले, नए मामलों में दैनिक वृद्धि का विश्व रिकॉर्ड अमेरिका के पास था, जब उसने प्रति दिन 3.3 लाख जोड़ा था, लेकिन भारत ने इस रिकॉर्ड को पार कर लिया जब मई 2021 में, दैनिक जोड़ 4 लाख प्रति दिन से अधिक हो गया। खुशी की बात है कि यह स्थिति अब घटकर 1 रह गई है। प्रति दिन 2 लाख अतिरिक्त लेकिन इस स्थिति में भी, भारत अपने दैनिक जोड़ के रिकॉर्ड में पहले स्थान पर है। मई 2021 में भारत की कोविड की परीक्षा किसी भी देश में किसी भी महीने में महामारी की शुरुआत के बाद से सबसे खराब मामलों और घातक मामलों की संख्या के मामले में देखी गई थी।

सूखे आंकड़े मानव दुख को प्रकट नहीं करते हैं।

पिछले साल महामारी के प्रारंभिक चरण में, जब इटली में प्रतिदिन औसतन 800 लोग मर रहे थे, विश्व जनमत कांप रहा था। लेकिन हमें इस बात का अंदाजा नहीं था कि भारत में एक समय में मौत का आंकड़ा बढ़कर 4500 हो जाएगा। हालांकि यह अब घटकर 2500 हो गया है, फिर भी यह एक चकनाचूर खबर भी है। पश्चिम बंगाल में पिछले साल बीमारी के चरम पर, मृत्यु दर बढ़कर 62 प्रति दिन हो गई, लेकिन मई 2021 में यह बढ़कर 183 (28 मई)

हो गई। अब यह घटकर 120 प्रतिदिन हो गई है। फिर से एक गरीब सांत्वना है।

इन विनाशकारी घटनाओं के मामले में, सरकार कैसे प्रतिक्रिया दे रही है? और लोग कैसी प्रतिक्रिया दे रहे हैं? एक बात के लिए, दुनिया भर में कोविड 19 की घटना के सामने, 'न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन' का मिथक चकनाचूर हो गया है। राज्य और सार्वजनिक एजेंसियों को अब स्थिति के एकमात्र उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया जाता है। भारत में सरकार की प्रतिक्रिया बेहद अपर्याप्त रही है। बेशक इस स्थिति से निपटने के लिए सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती थी, लेकिन हम इस तथ्य को कैसे स्वीकार कर सकते हैं कि हजारों लोग मर जाएंगे, जैसा कि उन्होंने किया, केवल ऑक्सीजन समर्थन की कमी के कारण। और वो भी, महामारी की शुरुआत के एक साल बाद? टीके तो खोज लिए गए हैं लेकिन सरकार की टीकाकरण नीति कहां है? लाखों और लाखों लोगों को प्रभावित करने वाली टीकाकरण नीति पर कोई समन्वित सोच नहीं थी, यह वैक्सीन पात्रता पर निम्नलिखित सरकारी नीति की रूपरेखा से स्पष्ट हो जाएगा। इस तरह की पहली घोषणा 16.1.21 को की गई थी कि केवल सेना और चिकित्सा अधिकारियों सहित अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ता ही इसे प्राप्त करने के हकदार होंगे। इसे 1.3.21 को बदल दिया गया था जिसके माध्यम से 60 और 45+ से ऊपर का कोई भी व्यक्ति कॉमरेडिटीज के साथ हकदार होगा। 1.4.21 को कॉमरेडिडिटी के बावजूद 45 से ऊपर के सभी लोगों को शामिल करके इसे बढ़ा दिया गया था। ५वाँ परिवर्तन 1.5.21 को किया गया था जब 15-44 आयु वर्ग को शामिल किया गया था और 50% (केंद्र) 25% (राज्य) और 25% (निजी) की वितरण नीति निर्धारित की गई थी। अंतिम परिवर्तन 21.6.21 को किया गया है जब 75% नि:शुल्क टीकाकरण (केंद्र 50%, राज्य 25%) घोषित किया गया था, जिसमें निजी निकायों की शेष 25% हिस्सेदारी थी। कुछ समय पहले यह भी कहा गया था कि राज्य अंतरराष्ट्रीय बाजार से टीके खरीद सकता है लेकिन यह पूरी तरह विफल रहा। अमेरिका जैसे देश में, न केवल टीके मुफ्त उपलब्ध कराए जाते हैं, बल्कि आबादी के निर्दिष्ट वर्गों के लिए टीकों के लिए नकद प्रोत्साहन दिया जाता है। इस बीमारी के फैलने के मद्देनजर, न केवल इसने कोई निवारक उपाय नहीं किया बल्कि गुप्त उद्देश्यों से निर्देशित होने के कारण इसने राजनीतिक सभाओं और धार्मिक सभाओं को प्रोत्साहित किया। जब, महामारी की शुरुआत में, सरकार ने 4 घंटे के नोटिस के साथ देशव्यापी अनिश्चितकालीन तालाबंदी कर दी, यह पूरे भारत के राज्यों की सीमाओं के पार काम करने वाले हजारों और हजारों प्रवासी मजदूरों के प्रति बेहद असंवेदनशील रहा। इसके परिणामस्वरूप उनमें से सैकड़ों लोगों की मृत्यु हुई और बाकियों के लिए अनकही पीड़ा। रातों-रात अपनी आजीविका गंवाने वाले लाखों असंगठित कामगारों को राहत देने के लिए सरकार की कोई नीति नहीं थी।

लेकिन उपरोक्त कमियों के बावजूद, सरकार ने स्थिति से निपटने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। अस्पतालों में भीड़भाड़ है और अब बिस्तर मिलना मुश्किल है लेकिन एक बार जब आप भर्ती हो जाते हैं, तो आपको सब कुछ मुफ्त मिल जाता है। निजी क्षेत्र के अस्पताल और नर्सिंग होम भी बड़े पैमाने पर सामने आए हैं लेकिन लागत बहुत अधिक है और आम आदमी की पहुंच से बाहर है। और जैसा कि ऐसे मामलों में होता है, लोगों की बेबसी का फायदा उठाकर एंबुलेंस से लेकर अस्पतालों से लेकर दवाइयों तक, जलते घाटों तक इधर-उधर भाग दौड़ हो रही है. उपचार केन्द्रों से लेकर जलते घाटों तक - पूरे समाज में भय का एक चौतरफा माहौल व्याप्त है - यह भय कि यदि कोई पीड़त है, तो उसकी मृत्यु हो सकती है, उसकी अनदेखी और किसी का ध्यान नहीं है।

भारत में महामारी की दूसरी लहर की कुछ और परेशान करने वाली विशेषताओं का उल्लेख किया जा सकता है। a) अप्रैल और मई में भारत में कुल 2.27 करोड़ लोग इस बीमारी से प्रभावित हुए हैं, जिनमें से 1 करोड़ से अधिक लोग मई में प्रभावित हुए हैं। b) अप्रैल और मई में कुल 169,000 लोगों की मौत हुई है जबकि पिछले 1 साल में 163000 लोगों की इस बीमारी से मौत हुई थी; c) जबकि पिछले १ वर्ष में यह रोग मुख्य रूप से शहरी क्षेत्रों तक ही सीमित था, दूसरी लहर के दौरान इसने ग्रामीण क्षेत्रों को भी अपनी चपेट में ले लिया है; d) एक अनुमान से पता चलता है कि 1 से 7 मई के बीच 18-40 वर्ष आयु वर्ग के प्रभावित लोगों की संख्या 49.70% थी। इससे पता चलता है कि जहां पहले चरण में मुख्य रूप से बुजुर्ग लोग प्रभावित हुए, वहीं दूसरे चरण में, अपेक्षाकृत बड़ी संख्या में युवा पीढ़ी के लोग प्रभावित हुए हैं। और उनमें से कई इस बीमारी के कारण दम तोड़ चुके हैं। एक अनुमान से पता चलता है कि महामारी के कारण 9346 बच्चे अनाथ हो गए हैं। आसन्न तीसरी लहर का पूर्वानुमान है जहां बच्चे भी प्रभावित हो सकते हैं।

अर्थव्यवस्था, समाज और शिक्षा पर प्रभाव।

लेकिन बीमारी के प्रसार से संबंधित सांख्यिकीय आंकड़ों से अधिक महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक, सामाजिक और आर्थिक स्तर पर इसके प्रभाव के साथ-साथ मानवीय धारणा और अंतर-मानवीय संबंधों के सूक्ष्म स्तर पर इसका प्रभाव है। हालांकि अंतरिक्ष मुझे इसके तात्कालिक और दीर्घकालिक नतीजों सहित मैक्रो स्तर पर इनके संचयी प्रभाव का विश्लेषण करने की अनुमति नहीं देगा, अब मैं संक्षेप में अपनी ओर से कुछ त्वरित टिप्पणियां जोड़ सकता हूं।

अर्थव्यवस्था के स्तर पर, लगभग 9 महीने तक जारी कुल लॉकडाउन की अचानक घोषणा का अर्थव्यवस्था के हर क्षेत्र पर विनाशकारी प्रभाव पड़ा। परिवहन, विनिर्माण, आतिथ्य और पर्यटन क्षेत्र के साथ-साथ अनौपचारिक क्षेत्र लाखों लोगों को रोजगार देता है। हजारों लोग अपंग हो गए जिसके परिणामस्वरूप इन क्षेत्रों में लगे लोगों की नौकरी चली गई। 20-21 की पहली तीन तिमाहियों में, जीडीपी में पिछले वर्ष की तुलना में 23 प्रतिशत की गिरावट आई - दुनिया के सभी देशों में जीडीपी में सबसे अधिक गिरावट। पूरे वित्त वर्ष 20-21 के लिए अंतिम अनुमान से पता चलता है कि चौथी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद में 1.6% की वृद्धि हुई, लेकिन पूरे वित्तीय वर्ष में यह 7.3% घट गई। दूसरी लहर की शुरुआत के बाद इस साल अप्रैल से स्थानीय लॉकडाउन का व्यापक उपकरण निश्चित रूप से प्रतिकूल प्रभाव डालेगा, जिसका विवरण अभी तक उपलब्ध नहीं है। सीएमआईई रिपोर्ट से पता चलता है कि अप्रैल से मई 2021 के बीच नौकरी का कुल नुकसान 2.5 करोड़ से अधिक रहा है, जिससे बेरोजगारी दर 3.9 प्रतिशत बढ़ गई है। आने वाले महीनों में यह स्थिति और विकराल होने की संभावना है। 'वर्क फ्रॉम होम' उपकरण जिसका उपयोग निजी क्षेत्र के कर्मचारियों और आईटी क्षेत्र की एक बड़ी संख्या द्वारा किया गया है, अपरिहार्य है, लेकिन इसके परिणामस्वरूप इन कर्मचारियों के लिए काम के माहौल की हानि, कोई परिभाषित काम के घंटे और कोई परिभाषित नहीं है। काम का बोझ। लेकिन चूंकि नियोक्ता अब इस वजह से बड़ी स्थापना लागत बचा रहे हैं, यह महामारी की समाप्ति के बाद भी जारी रहने की संभावना है। बैठकें, सेमिनार, कार्यशालाएं अब ऑनलाइन आयोजित की जा रही हैं। परिस्थितियों में, यह अब अपरिहार्य है लेकिन यह आमने-सामने बातचीत के तरीकों की जीवन शक्ति और कीड़ा को याद करता है।

फैलती महामारी से गरीब कैसे प्रभावित हुए हैं, इसका खुलासा हाल ही में बढ़ते चिकित्सा बिलों के आंकड़ों से हुआ है, जिसने करोड़ों भारतीयों को गरीबी में धकेल दिया है। जेब से बाहर स्वास्थ्य खर्च ने पिछले 55 मिलियन भारतीयों को गरीबी में मजबूर कर दिया है। हर जगह विशेषज्ञ इस बात से सहमत हैं कि स्वास्थ्य देखभाल में सरकारी समर्थन एक सुरक्षा जाल हो सकता है जो उन लोगों की रक्षा करता है जिन्हें चिकित्सा बिलों के कारण गरीबी में धकेल दिया जाता है। यह विडंबना है कि विकासशील देशों की तुलना में विकसित देशों में जेब से बाहर (ओओपी) चिकित्सा खर्च बहुत कम है। सबसे अधिक कोविड मामलों वाले देशों में, फ्रांस में सबसे कम ओओपी चिकित्सा खर्च 9% है जबकि भारत में सबसे अधिक 63% है। तुर्की, जर्मनी, यूके और यूएस में ध्ध्ह खर्च 20% से कम है। फिर, भारत के भीतर भी, एक स्पष्ट असमानता है,

अपर्याप्त और अक्षम सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यय ने 2020-21 में भारतीय आर्थिक सर्वेक्षण को टिप्पणी करने के लिए प्रेरित किया है। एक राष्ट्र का स्वास्थ्य गंभीर रूप से उसके नागरिकों पर एक समान, सस्ती और जवाबदेह स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली तक पहुंच पर निर्भर करता है। सर्वेक्षण में अनुमान लगाया गया है कि स्वास्थ्य देखभाल पर सार्वजनिक खर्च में सकल घरेलू उत्पाद के 1% से 2.5 - 3% की वृद्धि निजी व्यय को कुल स्वास्थ्य देखभाल खर्च के 65% से 30% तक कम कर सकती है।

साल भर से चली आ रही कोरोना महामारी का हमारे देश की पूरी शिक्षा व्यवस्था पर विनाशकारी प्रभाव पड़ा है। और इसने हमारे देश में 'डिजिटल डिवाइड' को और तेज कर दिया है। पूरे देश में स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय बंद हैं। पुस्तकालय, प्रयोगशालाएं और अनुसंधान संस्थान, मेडिकल कॉलेज गैर-कार्यात्मक हैं। आईआईटी, आईआईएम टेक्नोलॉजी कॉलेज बंद हैं। अनुसंधान परियोजनाएं बंद हो रही हैं। निस्संदेह उनमें से कई वर्चुअल मोड के माध्यम से कार्य कर रहे हैं। उनमें से अधिकांश द्वारा ऑनलाइन शिक्षा और ऑनलाइन परीक्षाओं का सहारा लिया जा रहा है। दरअसल आज पूरी शिक्षा व्यवस्था इसी वर्चुअल मोड के जरिए चलाई जा रही है। लेकिन इस संबंध में दो बातों का ध्यान रखना होगा। वर्चुअल मोड और शिक्षा की ऑनलाइन प्रणाली एक पूरक उपकरण हो सकती है लेकिन यह शिक्षण के आमने-सामने मोड को कभी भी प्रतिस्थापित नहीं कर सकती है। जो छात्र इस प्रणाली से गुजर

रहे हैं वे पहले से ही ऊब महसूस कर रहे हैं और ध्यान नहीं दे रहे हैं। कठिनाई न केवल छात्र की ओर है बल्कि कई शिक्षक शिक्षण के इस तरीके से जुड़े कार्यप्रणाली और तकनीकी मुद्दों से निपटने के लिए अक्षम हैं। और फिर, व्यावहारिक कक्षाओं, व्यावहारिक प्रशिक्षण, नैदानिक प्रशिक्षण या कार्यशाला के अनुभवों के बारे में क्या? पूरे देश में 2.6 करोड़ छात्रों के लिए इस साल लिखित परीक्षा बंद होने के कारण, देश को अभी भी उन छात्रों के लिए मूल्यांकन के वैकल्पिक और कुशल तरीके का जवाब मिलना बाकी है। व्यावहारिक कक्षाओं, व्यावहारिक प्रशिक्षण, नैदानिक प्रशिक्षण या कार्यशाला के अनुभवों के बारे में क्या? पूरे देश में 2.6 करोड़ छात्रों के लिए इस साल लिखित परीक्षा बंद होने के कारण, देश को अभी भी उन छात्रों के लिए मूल्यांकन के वैकल्पिक और कुशल तरीके का जवाब मिलना बाकी है। व्यावहारिक कक्षाओं, व्यावहारिक प्रशिक्षण, नैदानिक प्रशिक्षण या कार्यशाला के अनुभवों के बारे में क्या? पूरे देश में 2.6 करोड़ छात्रों के लिए इस साल लिखित परीक्षा बंद होने के कारण, देश को अभी भी उन छात्रों के लिए मूल्यांकन के वैकल्पिक और कुशल तरीके का जवाब मिलना बाकी है।

एक अधिक महत्वपूर्ण और गंभीर मुद्दा हमारे देश में मौजूद डिजिटल डिवाइड का सवाल है। सरकार द्वारा चलाए जा रहे अधिकांश शैक्षणिक संस्थानों और छात्रों के पास बहुत ही खराब ढांचागत समर्थन है। आवश्यक तकनीकी ज्ञान की कमी है, एंड्रॉइड सिस्टम या कंप्यूटर जैसे इंस्ट्रुमेंटल सपोर्ट न के बराबर हैं, ग्रामीण इलाकों में इंटरनेट सपोर्ट की कमी है और सिस्टम के संचालन की लागत शायद ही उनके द्वारा वहन की जा सकती है। इसने नव-निरक्षरों को जन्म दिया है, विशेष रूप से आबादी के सीमांत वर्गों के बीच।

'महामारी के दौरान सीखने की हानि' पर एक अध्ययन में, जहां पांच राज्यों के 437 सरकारी स्कूलों में 16067 स्कूली बच्चों के आंकड़े थे, यह पाया गया कि कक्षा II से कक्षा VI तक के 42% छात्रों ने कम से कम एक विशिष्ट मूलभूत क्षमता खो दी है। भाषाएँ जो उन्होंने पिछले वर्षों में हासिल की हों। गणित के संगत आंकड़े 82% हैं। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट (सीएसई) की एक अन्य खोज में, यह नोट किया गया था कि कोविड 19 महामारी ने भारत की स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली को गंभीर रूप से उजागर कर दिया है। जबकि शहरी भारत में तैयारियों की दयनीय स्थिति सुर्खियों में रही है, ग्रामीण इलाकों से एक अधिक चिंताजनक परिदृश्य सामने आ रहा है। यह देखते हुए कि भारत में हर दूसरे नए कोविड 19 मामले का हिसाब है और हर तीसरी मौत 21 मई को विश्व स्तर पर दर्ज की गई है, इसने आगे बताया, जो बात सभी की नजरों से बच गई वह यह है कि मई में भारत से रिपोर्ट किया गया हर दूसरा नया मामला और मौतें ग्रामीण जिलों से हुईं। इसका मतलब है कि उस महीने दुनिया में दर्ज किया गया हर चौथा मामला ग्रामीण भारत का था।

मानो ये काफी नहीं हैं, वैज्ञानिक हमें आसन्न तीसरी लहर के बारे में बता रहे हैं! पूरी दुनिया को आज भी कोविड-१९ का खौफ सता रहा है।

दिनांक: 7 जून, 2021

स्वपन कुमार प्रमाणिक
अध्यक्ष

3

महासचिव की रिपोर्ट : 2020-2021

आदरणीय अध्यक्ष महोदय, माननीय परिषद के सदस्य और सदस्य, प्रिय सहयोगियों और एशियाटिक सोसाइटी के मित्र, वर्ष 2020-2021 के लिए एशियाटिक सोसाइटी की वार्षिक रिपोर्ट आपके सामने रखने में सक्षम होने के लिए खुद को सम्मानित महसूस कर रहा हूं।

आपको याद होगा कि हमने अपनी रिपोर्ट की अवधि (अप्रैल 2020 के बाद) की शुरुआत राष्ट्रीय लॉकडाउन (25.03.2020 से) की घोषणा के साथ एक भयानक बाधा के तहत की थी, जो कि COVID के वैश्विक प्रकोप के राक्षसी प्रभाव के कारण सभी पर जोर दिया गया था- 19. इस हमेशा शक्तिशाली वायरस ने दुनिया को सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और साथ ही मनो-सांस्कृतिक रूप से सभी अक्षांशीय और अनुदैधय विभाजनों को काटकर झटका दिया है। 'आइसोलेशन', 'डिस्टेंसिंग', 'क्वारंटाइन' आदि के कुल प्रभाव ने पूरी तरह से एक नई और अप्रत्याशित दुनिया का निर्माण किया है।

शुरुआती झटके और झटके के बाद हम धीरे-धीरे अपनी अकादमिक और अन्य गतिविधियों को मुख्य रूप से संचार के आधुनिक तकनीकी मोड और संबंधित साधनों का उपयोग करके वापस ले गए। वर्ष 2020-22 के लिए एशियाटिक सोसायटी की नई परिषद के चुनाव पर रोक लगा दी गई। इसलिए, समाज के नियमन के अनुसार, पुरानी परिषद कार्य करती रही। 236वीं वार्षिक आम सभा और पुरस्कार वितरण समारोह को स्थगित करना पड़ा था। सोसाइटी का मासिक बुलेटिन और त्रैमासिक जर्नल पहली बार अप्रैल, 2020 से ऑनलाइन प्रकाशित किया गया था। प्रकाशन और अन्य प्रशासनिक गतिविधियाँ मूल रूप से 'घर से काम' करके तब तक जारी रहीं जब तक कि जून 2020 में केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा चरणों में अनलॉक आदेश जारी नहीं किए गए। सभी जानकारी हमारे मासिक बुलेटिन में उपलब्ध है,

पीछे मुड़कर देखने पर, एक रहस्योद्घाटन हर आम दिमाग को घेर लेता है। एक साथ रखो वे जीवन की अपार हानि में निरंतर दर्द हैं, भारी चिंताओं के साथ खंडित मन, जबरन दूरी और सामाजिक परित्याग आदि और आगे। संचयी रूप से उन्होंने दुनिया के सभी हिस्सों में मानव समूहों की विविध श्रेणियों को हर बोधगम्य तरीके से प्रभावित किया है। इन सभी नकारात्मक कारकों की सीमा के बावजूद सभी स्तरों के लोगों ने दी गई सीमाओं के भीतर अपने जीवन को यथासंभव सार्थक रूप से जारी रखने के लिए अपनी अनुकूली रणनीतियों को विकसित करने का प्रयास किया। हमने दिसंबर, 2020 से धीरे-धीरे परिषद और अन्य समिति की बैठकें आयोजित करना शुरू कर दिया।

इस अवधि के दौरान हमारी शैक्षणिक गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण (जिनमें से अधिकांश ऑनलाइन आयोजित किए गए थे) पहले से ही हैं संलग्न अनुभागीय रिपोर्टों में उल्लेख किया गया है। इनमें विभिन्न पैनल चर्चाएं, बंदोबस्ती व्याख्यान, विशेष दिनों या अवसरों का पालन (जैसे विश्व पर्यावरण दिवस), मासिक बुलेटिन, जर्नल और सामयिक संस्मरण जैसे प्रदर्शनियां और प्रकाशन शामिल हैं। कुछ प्रकाशन ऑनलाइन भी जारी किए गए थे। इसके अलावा, शोध परियोजनाएं इन-हाउस रिसर्च फेलो और बाहरी विद्वानों दोनों द्वारा की जा रही थीं। इन सभी शैक्षणिक गतिविधियों के विषयों की किस्में सोसायटी के जनादेश के अनुरूप हैं और पीयर रिव्यू कमेटी (2011) द्वारा पहचाने और अनुशंसित और योजना बोर्ड द्वारा समर्थित प्रमुख क्षेत्रों को भी कवर करती हैं।

इस अवधि की प्रमुख शैक्षणिक उपलब्धियां महात्मा गांधी की 150वीं जयंती और पंडित ईश्वर चंद्र विद्यासागर की द्विशताब्दी के संबंध में सभी प्रतिबद्ध कार्यक्रमों को पूरा करना था। इन गतिविधियों में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार, विशेष व्याख्यान और कई महत्वपूर्ण प्रकाशन शामिल थे (कृपया अनुभागीय रिपोर्टों से देखें)। इसके अलावा, 238वां स्थापना दिवस भी उचित तरीके से मनाया गया, जिसमें पश्चिम बंगाल के माननीय राज्यपाल और एशियाई समाज के संरक्षक श्री जगदीप धनखड़ ने भाग लिया। उनके साथ प्रथम महिला श्रीमती भी थीं। सुदेश धनखड़। स्थापना दिवस पर व्याख्यान प्रोफेसर पी. मजूमदार, राष्ट्रीय विज्ञान अध्यक्ष, भारत सरकार और संस्थापक निदेशक, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बायोमेडिकल जीनोमिक्स, कल्याणी द्वारा दिया गया। भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कोलकाता के एमेरिटस प्रोफेसर भी। प्रोफेसर मजूमदार ने मानव इतिहास और संस्कृति के मार्गदर्शक के रूप में जीन पर बात की जिसकी सभी ने सराहना की। इस अवसर पर हमारे हालिया प्रकाशन सरस्वती: द रिवर पार एक्सीलेंस का विमोचन माननीय सांसद (राज्य सभा) डॉ स्वप्न दासगुप्ता ने किया। माननीय राज्यपाल और डॉ दासगुप्ता दोनों ने हाल के वर्षों में सोसाइटी की विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों के बारे में बहुत कुछ बताया। महामारी कारकों से संबंधित प्रतिबंधों की मौजूदा स्थिति के कारण वर्ष 2019 के लिए पुरस्कार देने का समारोह आयोजित नहीं किया जा सका। पुरस्कार विजेताओं को सूचित कर दिया गया है और पुरस्कार विजेताओं तक डाक या कूरियर सेवाओं या अन्य तरीकों से पहुंचने की व्यवस्था की जा रही है।

सोसाइटी ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती को उपयुक्त रूप से मनाने का निर्णय लिया। शुरुआत दो व्याख्यानों के आयोजन से की गई है। एक 23.01.2021 को ऑनलाइन आयोजित किया गया था, नेताजी पर एक समर्पित शोधकर्ता श्री गिरीश मैती द्वारा दिया गया था और दूसरा 30.01.2021 को सोसायटी के साल्ट लेक परिसर में भौतिक मोड में आयोजित किया गया था। दूसरा व्याख्यान कोलकाता के प्रेसीडेंसी कॉलेज के पूर्व प्राचार्य प्रोफेसर अमल कुमार मुखोपाध्याय ने दिया। चर्चा का विषय महात्मा गांधी और नेताजी सुभाष चंद्र बोस: उनका पारस्परिक प्रवचन था।

हमने ँ . का पालन शुरू किया- 1885 में एशियाटिक सोसाइटी के पहले भारतीय अध्यक्ष डॉ. राजेंद्रलाल मित्रा के जन्मदिन के अवसर पर उनकी शताब्दी। यह 15 फरवरी, 2021 को आयोजित किया गया था। हमने आने वाले महीनों के दौरान इस महत्वपूर्ण घटना को सार्थक तरीके से देखने की योजना बनाई है।

साथियों, मैं दोहराना चाहता हूं कि नई परिषद अपने कार्यकाल के दौरान एशियाटिक सोसाइटी की समृद्ध अकादमिक परंपराओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। हमें पूरी उम्मीद है कि हम सक्रिय भागीदारी और अपने सदस्यों, कार्यालय में सहयोगियों,

मित्रों और शुभचिंतकों के पूरे सहयोग के साथ लक्ष्य तक पहुंचने में सक्षम होंगे जैसा कि हमें अतीत में मिला था। कृपया स्वस्थ रहें और सुरक्षित रहें। सादर।

दिनांक: 7 जून, 2021

एस.बी. चक्रवर्ती

महासचिव

अनुलेख परिशिष्ट भाग: लगभग नए वित्तीय वर्ष यानी 2021-22 की शुरुआत में ही पूरा देश फिर से कोरोना की दूसरी लहर की चपेट में आ गया. हमारा शहर कोलकाता और बाहरी जिले 2020 की तरह ही चिंता और तनाव से गुजर रहे हैं। हमें घर से काम करने के लिए फिर से तालाबंदी कर दी गई है। हमें अगले आदेश तक थोपी गई सीमाओं के तहत अपनी गतिविधियों को जारी रखना है।

हम उन सभी परिषद सदस्यों, सोसायटी के सदस्यों, स्टाफ सदस्यों और उन सभी असंख्य आत्माओं को अपनी सम्मानजनक श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, जो इस महत्वपूर्ण चरण के दौरान ण्ध्ब्ब्ञ सहित विभिन्न कारणों से समाप्त हो गए।

4

एशियाटिक सोसाइटी की परिषद (2020-2022)

अध्यक्ष:

प्रोफेसर स्वपन कुमार प्रामाणिक

उपाध्यक्ष:

प्रोफेसर सुभाष रंजन चक्रवर्ती

प्रोफेसर बासुदेब बर्मन

प्रोफेसर अतिस कुमार दासगुप्ता

प्रोफेसर प्रदीप भट्टाचार्य

महासचिव:

डॉ सत्यब्रत चक्रवर्ती

कोषाध्यक्ष:

डॉ. सुजीत कुमार दास

मानव विज्ञान सचिव:

प्रोफेसर रंजना राय

जैविक विज्ञान सचिव:

प्रोफेसर अशोक कांति सान्याल

ऐतिहासिक और पुरातत्व सचिव:

प्रोफेसर अरुण कुमार बंद्योपाध्याय

पुस्तकालय सचिव:

प्रोफेसर तपती मुखर्जी

चिकित्सा विज्ञान सचिव:

डॉ शंकर कुमार नाथ

भाषाविज्ञान सचिव:

श्री श्याम सुंदर भट्टाचार्य

भौतिक विज्ञान सचिव:

प्रोफेसर राजकुमार रायचौधरी

प्रकाशन सचिव:

डॉ. रामकृष्ण चटर्जी

संयुक्त भाषाविज्ञान सचिव:

डॉ. एम. फिरोज

सदस्य:

प्रोफेसर नबनारायण बंद्योपाध्याय

प्रोफेसर सोमनाथ मुखोपाध्याय

प्रोफेसर महिदास भट्टाचार्य

डॉ. बिष्णुपद दत्ता

भारत सरकार के प्रतिनिधि:

अपर सचिव (आई/सी एशियाटिक सोसाइटी), संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार

महानिदेशक, राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद, कोलकाता

सचिव और क्यूरेटर, विक्टोरिया मेमोरियल हॉल, कोलकाता

निदेशक, पूर्वी क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र, कोलकाता

पश्चिम बंगाल सरकार के प्रतिनिधि:

सार्वजनिक निर्देश निदेशक (डीपीआई), उच्च शिक्षा विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार

एशियाटिक सोसायटी कर्मचारी संघ के प्रतिनिधि:

प्रोफेसर रंजीत सेन

- परिषद ने 7 जून, 2021 को पदभार ग्रहण किया।

5 योजना बोर्ड और स्थायी वित्त समिति

योजना बोर्ड

[एशियाटिक सोसायटी अधिनियम, 1984 की धारा 8(1) के तहत गठित]

1. सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार
   अध्यक्ष
2. अपर सचिव और वित्तीय सलाहकार, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार
   सदस्य
3. महानिदेशक, राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद, कोलकाता
   सदस्य
4. महानिदेशक, राजा राम मोहन राय पुस्तकालय प्रतिष्ठान, कोलकाता
   सदस्य
5. सचिव और क्यूरेटर, विक्टोरिया मेमोरियल हॉल, कोलकाता
   सदस्य
6. प्रमुख सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, सरकार। पश्चिम बंगाल के
   सदस्य
7. अध्यक्ष, एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता
   सदस्य
8. महासचिव, दि एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता
   संयोजक

स्थायी वित्त समिति

[विनियम 4ए (1) के अनुसार गठित]

1.	अपर सचिव और वित्तीय सलाहकार, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार	अध्यक्ष
2.	महानिदेशक, राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद, कोलकाता	सदस्य
3.	निदेशक, पूर्वी क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र, कोलकाता	सदस्य
4.	सरकार के नामांकित व्यक्ति। पश्चिम बंगाल (वर्तमान में रिक्त)	सदस्य
5.	महासचिव, एशियाटिक सोसाइटी	सदस्य
6.	कोषाध्यक्ष, एशियाटिक सोसाइटी	सदस्य
7.	प्रोफेसर अशोक कांति सान्याल, जैविक विज्ञान सचिव, दि एशियाटिक सोसाइटी	सदस्य

(परिषद द्वारा मनोनीत)

6 समितियां और उप समितियां

पुस्तकालय समिति

[उपनियम V के अनुसार गठित]

1. **प्रोफेसर स्वपन कुमार प्रामाणिक,**
   अध्यक्ष
2. **डॉ. सत्यब्रत चक्रवर्ती,**
   महासचिव
3. **डॉ सुजीत कुमार दास,**
   कोषाध्यक्ष
4. **प्रोफेसर तपती मुखर्जी,**
   पुस्तकालय सचिव
5. **डॉ रामकृष्ण चटर्जी,**
   प्रकाशन सचिव
6. **प्रोफेसर अरुण कुमार बंद्योपाध्याय,**
   ऐतिहासिक और पुरातत्व सचिव
7. **श्री श्याम सुंदर भट्टाचार्य,**
   भाषाशास्त्र सचिव
8. **डॉ. शंकर कुमार नाथ,**
   चिकित्सा विज्ञान सचिव
9. **प्रोफेसर अशोक कांति सान्याल,**
   जैविक विज्ञान सचिव
10. **प्रोफेसर राजकुमार रॉयचौधरी,**
    भौतिक विज्ञान सचिव

11. **प्रोफेसर रंजना राय,**
मानव विज्ञान सचिव
12. **डॉ. एम. फिरोज,**
संयुक्त भाषाविज्ञान सचिव
13. **प्रोफेसर दीधिति चक्रवर्ती**
14. **प्रोफेसर शचीन्द्र नाथ भट्टाचार्य**
15. **डॉ निबेदिता गांगुली**

प्रकाशन समिति

[उपनियम XXXVII के अनुसार गठित]

1. **प्रोफेसर स्वपन कुमार प्रामाणिक,**
अध्यक्ष
2. **डॉ. सत्यब्रत चक्रवर्ती,**
महासचिव
3. **डॉ. सुजीत कुमार दास,**
कोषाध्यक्ष
4. **डॉ रामकृष्ण चटर्जी,**
प्रकाशन सचिव
5. **प्रोफेसर सुभाष रंजन चक्रवर्ती,**
उपाध्यक्ष
6. **प्रोफेसर तपती मुखर्जी,**
पुस्तकालय सचिव
7. **प्रोफेसर अरुण कुमार बंद्योपाध्याय,**
ऐतिहासिक और पुरातत्व सचिव,
8. **श्री श्याम सुंदर भट्टाचार्य,**
भाषाशास्त्र सचिव
9. **प्रोफेसर अशोक कांति सान्याल,**
जैविक विज्ञान सचिव
10. **डॉ. एम. फिरोज,**
संयुक्त भाषाविज्ञान सचिव
11. **प्रोफेसर अपराजित बसु**
12. **डॉ अरुणाभ मिश्रा**
13. **श्री निर्बेद रॉय**
14. **डॉ. बिजन कुंडू**
15. **डॉ. निर्मल बंद्योपाध्याय**
16. **डॉ रजत सान्याल**
17. **डॉ शंकर प्रसाद चक्रवर्ती**
18. **डॉ सव्यसाची चटर्जी**

आमंत्रित सदस्य:

1. **प्रोफेसर रंजना राय**
मानव विज्ञान सचिव
2. **प्रोफेसर राम अहलाद चौधरी**
3. **डॉ शतरूपा दत्ता मजूमदार**

बिब्लियोथेका इंडिका समिति

[उपनियम XXXVIII के अनुसार गठित]

1. **प्रोफेसर स्वपन कुमार प्रामाणिक,**
अध्यक्ष
2. **डॉ. सत्यब्रत चक्रवर्ती,**
महासचिव
3. **डॉ सुजीत कुमार दास,**
कोषाध्यक्ष
4. **प्रोफेसर तपती मुखर्जी,**
पुस्तकालय सचिव
5. **डॉ रामकृष्ण चटर्जी,**
प्रकाशन सचिव
6. **श्री श्याम सुंदर भट्टाचार्य,**
भाषाशास्त्र सचिव
7. **डॉ. एम. फिरोज,**
संयुक्त भाषाविज्ञान सचिव
8. **प्रोफेसर नबनारायण बंद्योपाध्याय**
9. **प्रोफेसर महिदास भट्टाचार्य**
10. **प्रोफेसर बदीउर रहमान**
11. **प्रोफेसर बेला भट्टाचार्य**
12. **प्रोफेसर तारकनाथ अधिकारी**
13. **प्रोफेसर बिजया गोस्वामी**
14. **प्रोफेसर अमित भट्टाचार्य**

शैक्षणिक समिति

1. **प्रोफेसर स्वपन कुमार प्रामाणिक,**
   अध्यक्ष
2. **डॉ. सत्यव्रत चक्रवर्ती,**
   महासचिव
3. **डॉ सुजीत कुमार दास,**
   कोषाध्यक्ष
4. **प्रोफेसर सुभाष रंजन चक्रवर्ती,**
   उपाध्यक्ष
5. **प्रोफेसर अतीस कुमार दासगुप्ता,**
   वाइस प्रेसिडेंट
6. **प्रोफेसर प्रदीप भट्टाचार्य,**
   वाइस प्रेसिडेंट
7. **प्रोफेसर बासुदेब बर्मन,**
   वाइस प्रेसिडेंट
8. **डॉ रामकृष्ण चटर्जी,**
   प्रकाशन सचिव
9. **प्रोफेसर तपती मुखर्जी,**
   पुस्तकालय सचिव
10. **प्रोफेसर रंजना राय,**
    मानव विज्ञान सचिव
11. **प्रोफेसर अरुण कुमार बंद्योपाध्याय,**
    ऐतिहासिक और पुरातत्व सचिव
12. **डॉ शंकर कुमार नाथ,**
    चिकित्सा विज्ञान सचिव
13. **श्री श्याम सुंदर भट्टाचार्य,**
    भाषाशास्त्र सचिव
14. **प्रोफेसर नबनारायण बंद्योपाध्याय**
15. **प्रोफेसर सोमनाथ मुखोपाध्याय**
16. **प्रोफेसर महिदास भट्टाचार्य**
17. **प्रोफेसर सत्यबती गिरि**
18. **प्रोफेसर नीला मजूमदार**
19. **प्रोफेसर सुस्नात दास**
20. **प्रोफेसर मुसरफ हुसैन**
21. **प्रोफेसर बदीउर रहमान**
22. **प्रोफेसर श्यामल कुमार चक्रवर्ती**
23. **डॉ. चंद्रमल्ली सेनगुप्ता**
24. **डॉ. रामकुमार मुखोपाध्याय**

संग्रहालय पुन: अभिविन्यास और विकास समिति

1. **प्रोफेसर ईशा मोहम्मद**
   [समिति के अध्यक्ष];
2. **प्रोफेसर स्वपन कुमार प्रामाणिक,**
   अध्यक्ष
3. **डॉ. सत्यव्रत चक्रवर्ती,**
   महासचिव
4. **डॉ सुजीत कुमार दास,**
   कोषाध्यक्ष
5. **डॉ रामकृष्ण चटर्जी,**
   प्रकाशन सचिव
6. **प्रोफेसर तपती मुखर्जो,**
   पुस्तकालय सचिव
7. **प्रोफेसर सोमनाथ मुखोपाध्याय**
8. **श्री अनुराग कुमार**
9. **प्रोफेसर आदिनाथ दास**
10. **डॉ सौमेन खमरुई**
11. **सुश्री शांति माझी**
12. **डॉ आर पी सविता**

इस अवधि के दौरान, सोसाइटी का कार्यकलाप निम्नलिखित बैठकों के माध्यम से संचालित किया गया:

- परिषद की बैठक : 10 (दस)
- मासिक आम बैठक : 5 (Five
- पुस्तकालय समिति की बैठक : 8 (आठ)
- प्रकाशन समिति की बैठक : 6 (छ:)
- बिब्लियोथेका इंडिका समिति की बैठक : 2 (दो)
- बिब्लियोथेका इंडिका समिति की बैठक : 8 (आठ)
- स्थायी वित्त समिति की बैठक : 1 एक)

7

वर्ष 2020 के लिए एशियाटिक सोसाइटी के विभिन्न पदकों, पट्टिकाओं और व्याख्यानों के प्राप्तकर्ताओं का नाम

पदक/पट्टिका

1. **टैगोर शांति पुरस्कार**

   विलियम रेडिस, प्रख्यात अंग्रेजी कवि और रवींद्रनाथ टैगोर के अनुवादक, शांति के प्रति मानव समझ के विकास में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए।

2. **रवींद्रनाथ टैगोर जन्म शताब्दी पट्टिका**

   प्रोफेसर विश्वनाथन प्रसाद तिवारी, प्रख्यात हिंदी कवि, मानव संस्कृति में उनके रचनात्मक योगदान के लिए।

3. **पंडित ईश्वर चंद्र विद्यासागर स्वर्ण पट्टिका**

   श्री हर्ष मंदर, प्रख्यात मानवाधिकार और शांति कार्यकर्ता और स्तंभकार, समकालीन सामाजिक मुद्दों में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए।

4. **इंदिरा गांधी सोने की पट्टिका**

   उस्ताद अमजद अली खान, पद्म विभूषण, प्रख्यात भारतीय शास्त्रीय सरोद वादक, मानव प्रगति की दिशा में अंतर-सांस्कृतिक सहयोग की समझ में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए।

5. **प्रोफेसर सुकुमार सेन मेमोरियल गोल्ड मेडल**

   प्रोफेसर समीरन चक्रवर्ती, अकादमिक क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए रवींद्र भारती विश्वविद्यालय में वैदिक अध्ययन केंद्र के पूर्व निदेशक।

6. **मेघनाद साहा मेमोरियल गोल्ड मेडल**

   प्रोफेसर श्रीराम रामास्वामी, एफआरएस, जेसी बोस नेशनल फेलो और भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु में भौतिकी के प्रोफेसर, भौतिकी के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए।

7. बार्कले मेमोरियल मेडल

प्रोफेसर पार्थ पी. मजूमदार, नेशनल साइंस चेयर और प्रतिष्ठित प्रोफेसर और संस्थापक निदेशक, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बायोमेडिकल जीनोमिक्स , कल्याणी, उनके लिए जैविक विज्ञान के विकास में महत्वपूर्ण योगदान।

8. जीएसआई सेसक्विसेंटेनियल स्मारक पदक

प्रोफेसर तलत अहमद, कश्मीर विश्वविद्यालय के कुलपति, पृथ्वी विज्ञान के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए।

9. डॉ. नरेश चंद्र सेन गुप्ता गोल्ड मेडल

जस्टिस फातिमा बीवी, भारत के सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश, प्राचीन और मध्यकालीन भारत में समाज और कानून के क्षेत्र में योगदान के लिए।

10. प्रोफेसर सुहृत चंद्र मित्र स्मारक पट्टिका

प्रोफेसर गिरीश्वर मिश्रा, प्रख्यात सामाजिक वैज्ञानिक और मनोवैज्ञानिक, मनोविज्ञान में महत्वपूर्ण योगदान के लिए।

11. प्रोफेसर हेम चंद्र रायचौधुरी जन्म शताब्दी स्वर्ण पदक

प्रोफेसर केसवन वेलुथाटप्रख्यात भारतीय इतिहासकार, अकादमिक क्षेत्र में उनके रचनात्मक योगदान के लिए।

12. अनुसूचित जाति चक्रवर्ती पदक

प्रोफेसर दीपक कुमार बरुआ, भूतपूर्वपाली के प्रोफेसर, कलकत्ता विश्वविद्यालय और पूर्व निदेशक, नव नालंदा महाविहार, नालंदा,

प्राचीन भारतीय भाषाओं के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए

13. आर पी चंदा शताब्दी पदक

डॉ अन्नपूर्णा चट्टोपाध्याय, पूर्व पाठक और इतिहास विभाग के प्रमुख, राजा नरेंद्र लाल खान महिला कॉलेज और विद्यासागर विश्वविद्यालय, पश्चिम मेदिनीपुर के अतिथि शिक्षक और अनुभवीपुरातत्व शोधकर्ता, पुरातत्व में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए।

14. रणधीर रॉय मेमोरियल गोल्ड मेडल

पंडित कुशल दास, प्रख्यात भारतीय शास्त्रीय सितार और सुरबहार वादक, वाद्य संगीत में उनके रचनात्मक योगदान के लिए।

15. प्रोफेसर निर्मल नाथ चटर्जी मेडल

डॉ अबू सईद बैद्य, जादवपुर विश्वविद्यालय के भूवैज्ञानिक विज्ञान विभाग में पोस्ट डॉक्टरल रिसर्च फेलो, आर्थिक भूविज्ञान के ज्ञान में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए।

16. शरतलाल बिस्वास मेमोरियल मेडल

सुश्री मधुपर्णा पाउली, वरिष्ठ अनुसंधान फेलो, भूविज्ञान विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, के लिए खनिज विज्ञान और पेट्रोलॉजी में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रकाशित कार्य।

व्याख्यानमाला:

1. पंडित ईश्वर चंद्र विद्यासागर व्याख्यानमाला

प्रोफेसर अमिय देव,जादवपुर विश्वविद्यालय के तुलनात्मक साहित्य विभाग के पूर्व प्रोफेसर और पूर्व कुलपति, विद्यासागर विश्वविद्यालय, मानविकी के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए।

2. राजा राजेंद्रलाल मित्र स्मारक व्याख्यान

प्रोफेसर तापती गुहा-ठाकुरताप्रख्यात सांस्कृतिक इतिहासकार, इंडोलॉजिकल स्टडीज के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए।

3. इंदिरा गांधी स्मृति व्याख्यान

प्रोफेसर रामचंद्र गुहा,प्रख्यात भारतीय लेखक और स्तंभकार, उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए ऐतिहासिक और दार्शनिक प्रवृत्तियों के क्षेत्र में।

4. प्रोफेसर सुनीति कुमार चटर्जी स्मृति व्याख्यान

प्रोफेसर ई. अन्नामलाईप्रख्यात भाषाविद्, भाषाविज्ञान के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए।

5. डॉ. सत्येंद्र नाथ सेन स्मृति व्याख्यान

प्रोफेसर असिस कुमार बनर्जी, सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए, कलकत्ता विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र के एमेरिटस प्रोफेसर और कलकत्ता विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति।

6. डॉ. पंचानन मित्र मेमोरियल लेक्चररशिप

प्रोफेसर सरित कुमार चौधरी, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश में मानव विज्ञान के प्रोफेसर और पूर्व निदेशक, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल, मानव विज्ञान के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए।

7. आभा मैती मेमोरियल एनुअल लेक्चरशिप

प्रोफेसर मालिनी भट्टाचार्य,प्रख्यात शिक्षाविद क्षेत्र में महिला आंदोलन, उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए भारतीय महिलाओं के विकास की दिशा में

8. डॉ. बिमानबिहारी मेमोरियल लेक्चरशिप

प्रोफेसर कानन बिहारी गोस्वामी, पूर्व प्रोफेसर और प्रमुख, बंगाली विभाग, रवींद्र भारती विश्वविद्यालय और एमेरिटस प्रोफेसर, बंगाली विभाग, रामकृष्ण मिशन विवेकानंद विश्वविद्यालय, बंगाली भाषा और साहित्य के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए।

9. स्वामी प्रणवानंद मेमोरियल लेक्चरशिप

डॉ. नृसिंह प्रसाद भादुड़ी,प्रख्यात इंडोलॉजिस्ट, उनके लिएधर्म और संस्कृति के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान।

10. प्रोफेसर माया देब स्मारक व्याख्यान

प्रोफेसर मीना हरिहरन, सेंटर फॉर हेल्थ साइकोलॉजी, हैदराबाद विश्वविद्यालय में प्रोफेसर, फॉरदलित भारतीय ग्रामीण महिलाओं की मनोवैज्ञानिक/सामाजिक समस्याओं पर उनका महत्वपूर्ण शोध कार्य।

11. सुधा बसु मेमोरियल द्विवार्षिक व्याख्यान

प्रोफेसर जोगेन चौधरी, प्रख्यात भारतीय चित्रकार, उनके महत्वपूर्ण के लिएललित कला और संस्कृति के क्षेत्र में योगदान।

8

अप्रैल 2020–मार्च 2021 के दौरान परिषद के द्वारा स्वीकृत किए गए प्रमुख संकल्प और आइटम्स

29 मई, 2020 को आयोजित परिषद की बैठक

एजेंडा आइटम नंबर १ के तहत, महासचिव ने सदस्यों को बताया कि मौजूदा महामारी की स्थिति के कारण कार्यालय 24 मार्च, 2020 से बंद है और केवल आवश्यक सेवाओं को बनाए रखा गया था, उन्होंने सदस्यों को सूचित किया कि शैक्षणिक समिति की बैठक नहीं हो सकती है। मार्च, 2020 का महीना और परिषद की बैठक जो 27 मार्च, 2020 को होने वाली थी, स्थगित कर दी गई, उन्होंने यह भी बताया कि मौजूदा महामारी की स्थिति के कारण सोसायटी किसी भी अनुभागीय बैठक को आयोजित करने की स्थिति में नहीं है। अप्रैल, 2020 के दौरान परिषद की बैठक। इसके अलावा, उन्होंने सदस्यों को अवगत कराया कि इस अवधि के दौरान कर्मचारियों ने घर से काम किया था और अप्रैल 2020 और मई 2020 के मासिक बुलेटिन सहित कई प्रकाशन डिजिटल प्लेटफॉर्म पर किए गए थे।

परिषद ने तथ्यों को नोट किया।

30 जून, 2020 को आयोजित परिषद की बैठक

परिषद ने वर्ष 2019 के एशियाटिक सोसाइटी के विभिन्न पदकों, पट्टिकाओं और व्याख्यानों के प्राप्तकर्ताओं के नामों को सोसायटी की वेबसाइट पर प्रदर्शित करने और उन्हें सोसायटी के मासिक बुलेटिन में प्रकाशित करने के निर्णय के साथ मंजूरी दी।

30 जुलाई, 2020 को आयोजित परिषद की बैठक

1. परिषद ने तथ्यों को नोट किया और सोसायटी के कर्मचारियों के लिए एनपीएस शुरू करने के प्रस्ताव की जांच के लिए गठित समिति द्वारा की गई निम्नलिखित सिफारिशों को स्वीकार किया:

   i. एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता में राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) के

कार्यान्वयन के लिए पंजीकरण प्रक्रिया जल्द से जल्द शुरू और पूरी की जा सकती है;

ii. जुलाई 2020 के महीने में शामिल होने वाले कर्मचारियों के लिए, बाद के नए जॉइनर्स सहित, उनके एनपीएस योगदान को बरकरार रखा जा सकता है और एनपीएस पंजीकरण प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें एनपीएस खातों में जमा करने के बाद संचित राशि जमा की जा सकती है;

iii. सोसाइटी के उन कर्मचारियों के लिए, जो 01.01.2004 को या उसके बाद डअर्थात भारत सरकार द्वारा एनपीएस की शुरूआत की तारीख. में शामिल हुए हैं, उन्हें ईपीएफ (ईपीएफ योजना से बाहर निकलने के माध्यम से) से एनपीएस में कटौती के साथ स्विच करना होगा। -एनपीएस पंजीकरण प्रक्रिया पूरी होने के बाद बाद में निर्धारित की जाने वाली तारीख;

iv. सोसायटी के उन कर्मचारियों के लिए, जो 01.01.2004 से पहले शामिल हुए हैं डअर्थात भारत सरकार द्वारा एनपीएस की शुरूआत की तारीख, उन्हें ईपीएफ से बाहर निकलने के लिए एनपीएस में शामिल होने या ईपीएफ योजना में जारी रखने के बीच एक विकल्प दिया जाएगा। शर्त यह है कि ईपीएफ में नियोक्ता के योगदान की गणना करते समय 15,000 रुपये की ईपीएफ वेतन सीमा लागू होगी। एनपीएस पंजीकरण प्रक्रिया के पूरा होने पर विकल्प और परिणामी परिवर्तनों का प्रयोग करने के लिए एक कट-ऑफ तिथि तय की जाएगी;

v. चालू वित्त वर्ष (अर्थात 2020-21) के भीतर पूरी प्रक्रिया को पूरा करने का प्रयास किया जाना है और जब तक ईपीएफ और एनपीएस के बीच ऐसा स्विच ओवर नहीं हो जाता, तब तक ईपीएफ में नियोक्ता के योगदान के संबंध में यथास्थिति बनाए रखी जा सकती है।

2. परिषद ने संचार नोट कियासोसाइटी के भर्ती नियमों के प्रस्तावित संशोधन से संबंधित कुछ मुद्दों पर तत्काल कार्रवाई करने के लिए संस्कृति मंत्रालय के ए एंड ए अनुभाग से प्राप्त संख्या एफ.सं.20-15/2019-ए एंड ए दिनांक 19.07.2020 के अनुसार और फैसला किया:

i. 5 वर्ष से अधिक समय से रिक्त पड़े पदों को समाप्त करने के मंत्रालय के प्रस्ताव की जांच और इस संबंध में आवश्यक सिफारिशें करने के लिए एक समिति का गठन करना।

ii. 2 वर्ष से अधिक और 5 वर्ष से कम समय से रिक्त पड़े पदों के पुनरूद्धार का प्रस्ताव तत्काल मंत्रालय को भेजना।

iii. सोसायटी के मौजूदा भर्ती नियमों के अनुसार २ साल से कम समय से खाली पड़े पदों को तुरंत भरने के लिए।

iv. मंत्रालय द्वारा उक्त पत्र में मांगे गए विभिन्न पदों के परिवर्तन का आवश्यक औचित्य बनाने के लिए सोसायटी के कर्मचारियों के लिए भर्ती नियम बनाने के लिए पहले से गठित समिति की बैठक बुलाना।

v. एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता की वर्तमान स्थिति में इसकी कार्यात्मक आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए जनशक्ति की आवश्यकता की आवश्यक समीक्षा करने के लिए एक समिति का गठन करना।

परिषद ने ऊपर (i) और (v) में उल्लिखित समितियों के गठन के लिए महासचिव को भी अधिकृत किया और उपरोक्त (v) में उल्लिखित समिति में मंत्रालय के एक या दो विशेषज्ञों को शामिल करने का निर्णय लिया।

28 अगस्त, 2020 को आयोजित परिषद की बैठक

1. परिषद ने संस्कृति मंत्रालय को संचार के बाद 29 मई, 2020 को हुई परिषद की बैठक के एजेंडा आइटम

नंबर 2 और 9 के संकल्प के साथ-साथ 04.08.2020 को परिषद द्वारा की गई अपील के बाद नवीनतम स्थिति की समीक्षा की। 2020 माननीय संस्कृति मंत्री, भारत सरकार। भारत के, श्री प्रहलाद सिंह पटेल। अपील निम्नलिखित आधारों पर की गई थी:

i. संस्कृति मंत्रालय के निर्देश संख्या एफ संख्या 20-5/2015-ए एंड ए (भाग) दिनांक 23.07.2020 के जवाब में, परिषद ने संस्कृति मंत्रालय के प्रतिनिधियों से मिलकर एक उच्च शक्ति समिति के गठन के लिए अनुरोध किया, एशियाटिक सोसाइटी की परिषद, सोसाइटी के कर्मचारी और एक या दो बाहरी विशेषज्ञ, जो 01.12.1998 से पहले शामिल हुए कर्मचारियों के लिए ६५ वर्ष तक सेवा विस्तार से संबंधित पूरे मामले की समीक्षा करें (देखें। सेवा नियमों के उप-कानून VI.B और ऐं 18) और इस पुराने मुद्दे को उचित दृष्टिकोण के साथ हल करने के लिए कुछ ठोस उपाय सुझाएं;

ii. परिषद ने संस्कृति मंत्रालय से अनुरोध किया कि वह कर्मचारियों के लिए पेंशन पर विचार करने सहित कुछ वैकल्पिक साधन प्रदान किए बिना जल्दबाजी में कार्य न करें जो अन्यथा बहुत बुरी तरह प्रभावित होंगे; तथा

iii. परिषद ने विशेष रूप से प्रचलित महामारी की स्थिति के दौरान यथास्थिति बनाए रखने के लिए जोरदार ढंग से व्यक्त किया, जिसने कर्मचारियों के सभी वर्गों को पहले से ही कई तरह से प्रभावित किया है और इसलिए उन्हें और अधिक वित्तीय कठिनाई में नहीं धकेलना है।

बैठक से कुछ मिनट पहले, परिषद को इस संबंध में ईमेल द्वारा मंत्रालय का अवलोकन प्राप्त हुआ कि मामला मंत्रालय के उच्च अधिकारी के पास विचाराधीन है और निर्णय की सूचना सोसाइटी को यथासमय दी जाएगी। इस पृष्ठभूमि में, परिषद ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि मंत्रालय से संचार प्राप्त होने तक वह 01.12.1998 से पहले कार्यभार ग्रहण करने वाले कर्मचारियों के लिए 65 वर्ष तक सेवा विस्तार के मुद्दे को यथास्थिति बनाए रखेगी। सेवा नियमों के उप-नियम VI.B और SR 18) का संबंध है, विशेष रूप से मौजूदा महामारी की स्थिति को ध्यान में रखते हुए। विस्तार की यह स्थिति लंबे समय से जारी है और इसलिए वर्तमान परिषद किसी भी वैकल्पिक सुरक्षात्मक उपायों के बिना विशेष रूप से महामारी की स्थिति के तहत एकतरफा कदम उठाना उचित नहीं मानती है। यह आगे कर्मचारियों को एक कठिन संकट में धकेल देगा। यहां तक कि माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भी कई अवसरों पर स्पष्ट रूप से यह सुनिश्चित करने के लिए व्यक्त किया कि इस COVID-19 चरण के दौरान मेहनतकश लोगों पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

उपरोक्त के मद्देनजर, परिषद ने सर्वसम्मति से कर्मचारियों के लिए पेंशन योजना पर विचार सहित कुछ वैकल्पिक सुरक्षात्मक उपायों को विकसित करने से पहले विस्तार के मामले को अभी बंद नहीं करने का निर्णय लिया। इन परिस्थितियों में, परिषद ने 30.07.2020 की परिषद की बैठक के दौरान स्थगित किए गए चार कर्मचारियों के विस्तार के मामलों की अनुमति देने और 28.08.2020 की बैठक में विचार के लिए कार्यालय द्वारा प्राप्त किए गए विस्तार के दो आवेदनों को भी स्वीकृत करने का निर्णय लिया। 2020। परिषद ने इस संबंध में शीघ्र आवश्यक कार्रवाई करने के लिए महासचिव को अधिकृत किया।

29 सितंबर, 2020 को आयोजित परिषद की बैठक

1. परिषद ने सभी बंदोबस्ती व्याख्यानों को वर्चुअल मोड में आयोजित करने और स्थिति के अनुसार या तो व्यक्तिगत रूप से या डाक द्वारा प्राप्तकर्ताओं को पदक / पट्टिका सौंपने का निर्णय लिया।

2. परिषद ने प्रोफेसर कुणाल घोष, पीएच.डीडीएससी को फिर से नामित किया। एफएनए, एक आजीवन सदस्य और भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी की परिषद में वर्ष 2021 के लिए सोसायटी के फेलो।

3. किसी अन्य मद के तहत महासचिव ने बताया कि उन्होंने 2020-22 के लिए एशियाटिक सोसाइटी की परिषद के पदाधिकारियों और अन्य सदस्यों के चुनाव के लिए चुनाव समिति के अध्यक्ष को पत्र लिखकर सदस्यों की चिंता व्यक्त की है. सितंबर, 2020 के महीने के लिए मासिक आम बैठक में उठाया गया। अध्यक्ष ने अपने जवाब में मौजूदा महामारी की स्थिति की आशंका को दोहराया और समिति के परिसर में अपने वोट डालने के लिए सदस्यों की भौतिक उपस्थिति पर प्रतिबंध लगाया। मौजूदा चुनाव विनियम। इस बीच, सोसायटी के प्रशासनिक अधिकारी, जिन्हें आवश्यक प्रशासनिक सहायता और रसद प्रदान करना आवश्यक है, ने भी इस संबंध में अध्यक्ष के साथ कुछ चर्चा की।

24 नवंबर, 2020 को आयोजित परिषद की बैठक

1. वर्ष 2019-20 के लिए एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के वार्षिक लेखों को मंजूरी दी और महालेखा परीक्षक, सेंट्रल, कोलकाता के कार्यालय द्वारा लेखाओं की लेखा परीक्षा और प्रमाणन की व्यवस्था करने के लिए महासचिव को अधिकृत किया।

24 दिसंबर, 2020 को आयोजित परिषद की बैठक

1. जबकि एशियाटिक सोसाइटी के परिषद सदस्य संस्कृति मंत्रालय, सरकार द्वारा जारी अनिवार्य निर्देशों की अवहेलना नहीं कर सकते। भारत के 23.07.2020 और 07.12.2020 को सोसायटी के मौजूदा विनियमों और उप-नियमों के अनुसार जहां तक कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति की आयु का संबंध है, वे कर्मचारियों द्वारा संबोधित हालिया अभ्यावेदन के वितरण की जिम्मेदारी को पूरी तरह से नजरअंदाज नहीं कर सकते हैं। 10.08.2020 को माननीय संस्कृति मंत्री, 10.12.2020 को संस्कृति मंत्रालय के सचिव और 22.12.2020 को एशियाटिक सोसाइटी के महासचिव को संघ, जो उनकी सेवाओं के विस्तार को जारी रखने के कारण को सही ठहराता है सोसायटी के उप-नियमों के साथ-साथ सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन और चिकित्सा लाभ की अनुपलब्धता के अनुसार। साथ - साथ, माननीय संस्कृति मंत्री को दिनांक 04.08.2020 को संबोधित परिषद की अपील ने इस कारण से अपनी प्रासंगिकता समाप्त नहीं की है कि मौजूदा लाभों को तत्काल रोकने के लिए कुछ वैकल्पिक पैकेज के बारे में सोचने या प्रदान किए बिना, यह केवल अमानवीय प्रतीत होगा , विशेष रूप से प्रचलित महामारी की स्थिति में। इसके अलावा, जब प्रणाली 1984 से काफी लंबे समय तक निर्बाध रूप से चलती है, तो इसे रातों-रात बदलने के लिए चर्चा, अनुनय और सभी तीन हितधारकों की भागीदारी से एक व्यावहारिक समाधान की आवश्यकता होती है, जैसे संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार , एशियाटिक सोसाइटी की परिषद के साथ-साथ एशियाटिक सोसाइटी के कर्मचारी। इसलिए, परिषद इस मौजूदा गतिरोध से बाहर निकलने का रास्ता खोजने के लिए सभी संभावित कोणों से मामले को देखने के लिए सार्वजनिक हित में एक उच्च शक्ति समिति के गठन के लिए संस्कृति मंत्रालय से अपनी पिछली अपील को दृढ़ता से महसूस करती है और दोहराती है। इससे इस विरासत संस्थान के सुचारू कामकाज में मदद मिलेगी और इसके दिए गए जनादेश और प्रतिबद्ध शैक्षणिक कार्यक्रमों को पूरा करने में मदद मिलेगी, जिसके लिए इसने अर्जित किया है और न केवल इस देश में बल्कि विदेशों से भी शिक्षाविदों से सराहना प्राप्त कर रहा है।

परिषद संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार से गंभीरता से फिर से जांच करने और अपने पहले से जारी निर्देशों पर पुनर्विचार करने का अनुरोध करती है और एक उचित समाधान लंबित है, परिषद ने दिसंबर, 2020 के महीने के दौरान प्रार्थना किए गए मामलों को 31.03

तक बढ़ाने का प्रस्ताव किया है। 2021 मौजूदा मानदंड का पालन करते हुए। परिषद संस्कृति मंत्रालय से भी अनुरोध करती है कि वह एशियाटिक सोसाइटी के कर्मचारियों के लिए पेंशनरी लाभ देने के मुद्दे को शीघ्रता से उठाए डजो कि 2000 से संस्कृति मंत्रालय के साथ सोसायटी के पत्राचार के अनुसार लंबे समय से देय प्रतीत होता है.अन्य के समान संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के तहत समान संगठन।

2. किसी अन्य मद के तहत अध्यक्ष की अनुमति से, महासचिव ने बताया कि श्री जगदीप धनखड़, माननीय राज्यपाल और एशियाटिक सोसाइटी के संरक्षक ने सोसाइटी के 238वें स्थापना दिवस के अवसर पर उपस्थित होने की कृपया सहमति व्यक्त की है। 15 जनवरी, 2021 को विद्यासागर हॉल में सुबह 11:00 बजे से मनाया जाता है। महासचिव ने सदस्यों को यह भी बताया कि इस अवसर पर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बायोमेडिकल जीनोमिक्स के संस्थापक निदेशक और भारतीय विज्ञान अकादमी के अध्यक्ष प्रोफेसर पार्थ पी. मजूमदार स्थापना दिवस भाषण देंगे और उन्होंने सभी सदस्यों से इस पर उपस्थित रहने का अनुरोध किया. अवसर।

महासचिव ने यह भी बताया कि सोसाइटी की 236वीं वार्षिक आम बैठक 4 जनवरी 2021 को COVID 19 से संबंधित सभी सुरक्षा मानदंडों का पालन करते हुए आयोजित की जाएगी और बैठक को सोसाइटी के फेस बुक पेज पर लाइव स्ट्रीम किया जाएगा।

प्रकाशन सचिव ने बताया कि सरस्वती: द रिवर पार एक्सीलेंस नामक पुस्तक शीघ्र ही जारी होने की उम्मीद है।

महासचिव ने इसे मौजूदा परिषद के सदस्यों के सहयोग को रिकॉर्ड में रखा। उन्होंने परिषद की ओर से संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। महासचिव ने एशियाटिक सोसाइटी के सभी कर्मचारियों को मौजूदा परिषद के पिछले ढाई साल के कार्यकाल में उनके पूर्ण सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

19 जनवरी, 2021 को हुई परिषद की बैठक

1. परिषद ने एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता की नई सदस्यता खोलने के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया और इसमें शामिल पूरी प्रक्रिया की जांच करने और परिषद की अगली बैठक में इस संबंध में अपनी टिप्पणियों/सिफारिशों को रखने के लिए निम्नलिखित सदस्यों के साथ एक समिति गठित करने का निर्णय लिया। :

   i. अध्यक्ष के रूप में प्रोफेसर बासुदेव बर्मन
   ii. प्रोफेसर सुभाष रंजन चक्रवर्ती
   iii. प्रोफेसर तपती मुखर्जी
   iv. डॉ रामकृष्ण चटर्जी
   v. प्रोफेसर रंजीत सेन
   vi. डॉ. बिष्णुपद दत्ता

2. परिषद ने 01.01.2021 से सोसायटी के कर्मचारियों और उनके पात्र आश्रित परिवार के सदस्यों के बाह्य रोगी चिकित्सा उपचार के लिए चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति योजना को अपनाने का निर्णय लिया। इस योजना के तहत, पंजीकृत चिकित्सा चिकित्सकों की सलाह पर आउट पेशेंट चिकित्सा में होने वाले खर्च की प्रतिपूर्ति केंद्र सरकार की स्वास्थ्य योजना डसीजीएचएस, कोलकाता दर, 2014 में निर्दिष्ट मानदंडों का पालन करते हुए की जाएगी। परिषद ने आगे इस उद्देश्य के लिए एक विस्तृत दिशानिर्देश तैयार करने और प्रसारित करने का निर्णय लिया।

3. किसी भी अन्य मद के तहत, सोसायटी के प्रकाशन सचिव डॉ. रामकृष्ण चटर्जी ने परिषद से अनुरोध किया कि वह राजा राजेंद्रलाल मित्रा, एक पॉलीमैथ और एशियाटिक सोसाइटी के पहले भारतीय अध्यक्ष की 200 वीं जयंती पूरे वर्ष उचित तरीके से मनाए।

प्रकाशन सचिव भी मेटकाफ हॉल में रखी गई एक लाख से अधिक की दुर्लभ और महत्वपूर्ण पुस्तकों और दस्तावेजों के स्थानांतरण के बारे में समाज की अत्यधिक चिंता पर प्रकाश डाला और महासचिव से जल्द से जल्द समाधान के लिए माननीय मंत्री के साथ मामले को उठाने का अनुरोध किया। इस मुद्दे को।

25 फरवरी, 2021 को हुई परिषद की बैठक

1. परिषद ने प्रोफेसर अन्नपूर्णा चट्टोपाध्याय बंदोबस्ती पुरस्कार डप्रतिलिपि संलग्न.के लिए उप-नियम तैयार करने के लिए 15.02.2021 को आयोजित अपनी बैठक में अकादमिक समिति द्वारा गठित उप-समिति की सिफारिशों को संशोधन के साथ मंजूरी दी कि पुरस्कार एक काम के लिए होगा इस संबंध में आयोजित बैठक की तारीख से पिछले तीन पूर्ववर्ती कैलेंडर वर्षों के दौरान प्रकाशित। परिषद ने इसे सामान्य सदस्यों द्वारा अनुमोदन के लिए सोसायटी की अगली मासिक आम बैठक के समक्ष रखने का भी निर्णय लिया।

2. परिषद ने तथ्यों को नोट किया और वित्तीय वर्ष 2020 में केवल कोलकाता नगर निगम को 90,61,464/- डरुपये नब्बे लाख इकसठ हजार चार सौ चौंसठ.के बकाया संपत्ति कर की पूरी राशि के भुगतान की व्यवस्था को मंजूरी दी- 21 . का लाभ उठाकर कोलकाता नगर निगम प्रोत्साहन (संपत्ति कर प्रार्थना के लिए ब्याज और दंड की छूट) योजना-2020.

3. परिषद ने प्रस्ताव को सैद्धांतिक रूप से स्वीकार कर लिया और प्रत्येक श्रेणी में संबंधित उप-नियमों में आवश्यक संशोधन करके सभी बंदोबस्ती व्याख्यानों के साथ-साथ एशियाटिक सोसाइटी के विभिन्न पुरस्कारों पर कार्रवाई शुरू करने के लिए निम्नलिखित सदस्यों के साथ एक समिति गठित करने का निर्णय लिया:

   i. प्रोफेसर बासुदेव बर्मन — अध्यक्ष,
   ii. प्रोफेसर सुभाष रंजन चक्रवर्ती — सदस्य
   iii. प्रोफेसर तापती मुखर्जी — सदस्य
   iv. डॉ. निबेदिता गांगुली — सदस्य
   v. डॉ. सुजीत कुमार दास — संयोजक

4. किसी अन्य मद के तहत सोसायटी के प्रकाशन सचिव डॉ. रामकृष्ण चटर्जी ने सदस्यों को बताया कि 2 मार्च, 2021 से 8 मार्च, 2021 तक 1 पार्क स्ट्रीट स्थित एशियाटिक सोसाइटी के परिसर में एक पुस्तक बाजार का आयोजन किया जाएगा.

   डॉ. रामकृष्ण चटर्जी ने वर्ष 2019 के लिए सोसायटी के विभिन्न पुरस्कारों को सौंपने का उल्लेख किया, जो महामारी की स्थिति के कारण पूरा नहीं किया जा सका। परिषद ने निर्णय लिया कि अप्रैल 2021 से सोसायटी कोलकाता स्थित प्राप्तकर्ताओं को सोसायटी की मासिक आम बैठक में जहां तक संभव हो, इन पुरस्कारों को दे सकती है।

23 मार्च, 2021 को आयोजित परिषद की बैठक

1. महासचिव ने बताया कि गठित समिति ने मुद्रा भवन का दौरा किया और क्षेत्रीय निदेशक, एएसआई, कोलकाता से मुलाकात की। महासचिव द्वारा विधिवत रूप से समर्थित चर्चा के कार्यवृत्त क्षेत्रीय निदेशक, एएसआई को भेजे गए थे और उनसे प्राप्त प्रतिक्रिया के बाद, महासचिव ने सचिव, संस्कृति मंत्रालय को एक पत्र लिखा, और अपनी अगली नियुक्ति के लिए कहा कोलकाता का दौरा किया ताकि समस्या के तत्काल समाधान के लिए परिषद के सदस्यों का एक प्रतिनिधिमंडल उनसे मिल सके।

   प्रकाशन सचिव डॉ. रामकृष्ण चटर्जी ने परिषद से अनुरोध किया कि वह पश्चिम बंगाल के माननीय राज्यपाल और सोसाइटी के संरक्षक से मिलकर उन्हें पूरी स्थिति से अवगत कराएं।

2. परिषद ने पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव के कारण मई के पहले सोमवार डयानी 3 मई 2021. के बजाय जून के पहले सोमवार [यानी 7 जून 2021] को सोसायटी की 237वीं वार्षिक आम बैठक आयोजित

करने के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। परिषद ने यह भी संकल्प लिया कि सोसायटी की 237वीं वार्षिक आम बैठक में एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के पुरस्कार वितरण समारोह की व्यवस्था के संबंध में निर्णय बाद में महामारी की स्थिति को देखते हुए लिया जाएगा। परिषद ने आगे पश्चिम बंगाल के माननीय राज्यपाल और सोसायटी के संरक्षक को परिषद के निर्णय से अवगत कराने का निर्णय लिया।

3. अध्यक्ष की अनुमति से किसी अन्य मद के तहत, प्रोफेसर नबनारायण बंद्योपाध्याय ने बताया कि प्रोफेसर तपोधीर भट्टाचार्जी, पूर्व कुलपति, असम विश्वविद्यालय 30 मार्च, 2021 को दोपहर 3 बजे इतिहास के काव्य पर केके हांडिक स्मृति व्याख्यान देंगे। संस्कृत माध्यमिक महाकाव्यों में। उन्होंने सभी सदस्यों से इस कार्यक्रम में भाग लेने का अनुरोध किया।

सोसायटी के प्रकाशन सचिव डॉ. रामकृष्ण चटर्जी ने परिषद से अनुरोध किया कि एशियाटिक सोसाइटी के प्रथम अध्यक्ष राजा राजेंद्रलाल मित्रा की २००वीं जयंती मनाने के लिए एक विस्तृत योजना बनाई जाए। उन्होंने परिषद से इस उद्देश्य के लिए गठित आयोजन समिति में ईजेडसीसी के निदेशक का नाम शामिल करने का अनुरोध किया.

9

एशियाटिक सोसाइटी का प्रकाशन

अपनी स्थापना के ठीक चार वर्षों के बाद, एशियाटिक सोसाइटी ने 1788 में एशियाटिक रिसर्च के प्रकाशन के साथ अपना प्रकाशन शुरू किया। सर विलियम जोन्स के शब्दों में, यदि एशिया के विभिन्न हिस्सों में प्रकृतिवादी, रसायनज्ञ, पुरातनपंथी, दार्शनिक और विज्ञान के लोग अपनी टिप्पणियों को लिखने के लिए प्रतिबद्ध करेंगे और उन्हें कलकत्ता में एशियाटिक सोसाइटी को भेजेंगे, तो यह फल-फूल जाएगा; यदि इस तरह के संचार लंबे समय तक रुके रहेंगे तो यह समाप्त हो जाएगा; और यदि वे पूरी तरह से समाप्त हो जाएं, तो वह मर जाएगा। सोसाइटी अतीत की तरह अपनी महिमा और उच्च शैक्षणिक स्तर को बनाए रखने के लिए मूल और उल्लेखनीय किताबें और लेख प्रकाशित कर रही है, और सोसाइटी देश में पहला प्रकाशन घर होने के लिए सीखने की दुनिया में जानी जाती है।

दो सांविधिक समितियां, प्रकाशन समिति और बिब्लियोथेका इंडिका समिति, एशियाटिक सोसाइटी के जर्नल में प्रकाशन के लिए लेख, संचार, पुस्तक-समीक्षा की सिफारिश करती है और पांडुलिपियों को विभिन्न श्रृंखलाओं में पुस्तक रूप में प्रकाशन के लिए, अर्थात बिब्लियोथेका इंडिका, मोनोग्राफ, संगोष्ठी और सार्वजनिक व्याख्यान, कैटलॉग और ग्रंथ सूची कार्य आदि और कुछ विविध प्रकाशनों के तहत कार्य जारी रखा है।

एशियाटिक सोसाइटी विभिन्न अवसरों पर जर्नल, मासिक बुलेटिन और कुछ पुस्तिकाओं के अलावा उपर्युक्त श्रृंखला में पुस्तकें प्रकाशित करती है।

इस अवधि के दौरान (01.04.2020 - 31.03.2021) 17 पुस्तकों के शीर्षक, एशियाटिक सोसाइटी के जर्नल के चार अंक, मासिक बुलेटिन के दस अंक और पुस्तिकाओं सहित दो अन्य प्रकाशन प्रकाशित हुए हैं।

एशियाटिक सोसाइटी बुक बाजार का आयोजन 2 मार्च 2021 से 8 मार्च 2021 तक ण्ध्म्ब्ड-19 प्रोटोकॉल का पालन करते हुए किया गया है। पुस्तक-विक्रेताओं, शैक्षणिक संस्थानों, पुस्तकालयों आदि से भी बिक्री की आय बढ़ाने के लिए संपर्क करने का प्रयास किया गया है।

2020-2021 के दौरान प्रकाशन

● पुस्तकें

1. प्रबुद्ध भारत: अंडरस्टैंडिंग अम्बेदक इन द पैसेज ऑफ टाइम/ सं अरुण बंदोपाध्याय
2. सादिक हेदयात एमांग इंडियन्स, महमूद आलम द्वारा एक परिचय के साथ संपादित
3. फ्लाईंग फीदर : कलर ड्राइंग ऑफ बर्ड्स इन द कलेक्शन ऑफ द एशियाटिक सोसाइटी (1810-1815)अशोक कांति सान्याल द्वारा संपादित
4. विजन एंड क्रिएशन : 1630 से 1947 ई. तक कलकत्ता की पुरानी धार्मिक वास्तुकला और स्मारकों का सर्वेक्षण सोमनाथ मुखोपाध्याय और कल्याण चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा
5. ऋग्वेद संहिता-वसंती भाष्य,खंड II अंग्रेजी में अनुवादित रिक्स के साथ बसंत कुमार गांगुली द्वारा लिप्यंतरित और एनोटेट किया गया
6. काराकातत्त्वसंग्रह: काराका संबंधों पर कुछ उत्तर-पाणिनियन व्याकरणिक कार्यों का संग्रहकरुणासिंधु दास द्वारा संपादित
7. आनंदवर्धन के ध्वनी के सिद्धांत की उत्पत्ति-इसकी तकनीकी, ऐतिहासिक और साहित्यिक पृष्ठभूमिविद्युत बरन घोष द्वारा
8. सरस्वती: द रिवर पार एक्सीलेंसएसके आचार्य, कुणाल घोष और अमल कारी द्वारा संपादित
9. अश्वलायण का श्रौत सूत्ररामनारायण विद्यारत्न द्वारा संपादित गगय नारायण की टिप्पणी के साथ
10. मृच्छकटिका: एक असंख्य प्रिज्मविश्वनाथ बनर्जी द्वारा संपादित
11. सन्निपताचंद्रिकाब्रह्मानंद गुप्ता और अबीचल चट्टोपाध्याय द्वारा संपादित
12. सद्धर्मपुंडरीकासूत्रममध्य एशियाई सुश्री से एनडी मिरोनोव की रीडिंग के साथ। नलिनाक्ष दत्त द्वारा संशोधित
13. सामाजिक-कानूनी परिप्रेक्ष्य में धर्मशास्त्रताप्ती मुखर्जी द्वारा संपादित
14. स्याम देश के संग्रह का एक वर्गीकृत सूचीपत्रअर्चना राय द्वारा संकलित
15. शास्त्रीय वास्तु पाठ में धर्मनिरपेक्ष वास्तुकलाअनसूया भौमिको द्वारा
16. जयदेव से गुरुदेव तक का साहित्यिक संगीत श्रीकुमार चटर्जी द्वारा
17. उदयनाचार्य की आत्मतत्त्वविवेक शंकर मिश्रा, भगीरथ ठक्कुरा और रघुनाथ तारकिकासिरोमणि की टिप्पणियों के साथ महामहोपाध्याय विंध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदिन और पंडित लक्ष्मण शास्त्री द्रविड़ द्वारा संपादित

● पत्रिकाएँ

जर्नल ऑफ द एशियाटिक सोसाइटी,

Vol. LXII	सं. 1	2020
	सं. २	२०२०
	सं. ३	२०२०
	सं. ४	२०२०

एशियाटिक सोसायटी का मासिक बुलेटिन,

Vol. XLIX	सें. 4 – 10	2020= 7 संस्करण
Vol. L	सें. 1 – 3	2021 = 3 संस्करण

पुस्तिकाँ

वार्षिक प्रतिवेदन 2019-2020

प्रकाशनो की सूची, जनवरी 2021

बिक्रिय प्रक्रिया बाद में दिया जाएगा

10

गतिविधियां : पुस्तकालय अनुभाग

पुस्तकालय

एशियाटिक सोसाइटी का पुस्तकालय अपने दो सौ सैंतीस वर्षों के लंबे गौरवशाली इतिहास के साथ सोसायटी का सबसे महत्वपूर्ण घटक है। पुस्तकालय में ओरिएंटल स्टडीज के लिए निर्धारित पांडुलिपियों और कलाकृतियों के अलावा पुस्तकों और पत्रिकाओं के विशाल संग्रह से समृद्ध है। इसका महत्व संख्यात्मक ताकत में नहीं बल्कि इसकी समृद्ध और अनूठी सामग्री में है।

होल्डिंग में विभिन्न यूरोपीय, चीन-तिब्बती, रूसी, दक्षिण एशियाई, फारसी, उर्दू, अरबी, पाली, प्राकृत, बंगाली, संस्कृत और अन्य भारतीय भाषाओं में 1,33,564 से अधिक पुस्तकें और 1,09,000 बाउंड वॉल्यूम हैं। सोसाइटी का पुस्तकालय अध्ययन की विभिन्न शाखाओं में शोध करने वाले और भारत और विदेशों के विभिन्न हिस्सों से संबंधित विद्वानों को ग्रंथ सूची और प्रलेखन सेवाएं प्रदान करता है। पुस्तकों, पत्रिकाओं, माइक्रोफिल्म और माइक्रोफिश से सुसज्जित वाचनालय सोमवार से शुक्रवार तक सुबह 9.45 बजे से शाम 7.00 बजे तक और शनिवार को सुबह 10 बजे से शाम 5.00 बजे तक पाठकों के लिए खुला रहता है, इंटरनेट और ई-मेल के माध्यम से पाठकों की सेवाएं भी सफलतापूर्वक प्रदान की गई हैं। समय - समय पर। जर्नल ऑफ द एशियाटिक सोसाइटी में प्रकाशित लेखों के कम्प्यूटरीकृत सूचकांक से भी पाठकों द्वारा परामर्श लिया जाता है। पुस्तकालय की गतिविधियों की योजना और निगरानी परिषद द्वारा गठित पुस्तकालय समिति द्वारा की जाती है। एशियाटिक सोसाइटी के पुस्तकालय द्वारा कोविड-19 की महामारी की अवधि के दौरान उपयोगकर्ताओं को सर्वोत्तम स्तर की सेवाएं प्रदान करने का प्रयास किया गया है।

अवधि के दौरान गतिविधियाँ:

- सब्स्क्राइब्ड जर्नल्स को रिमोट एक्सेस प्रदान किया गया: सेज - 42 शीर्षक, कैमाब्रज यूनिवर्सिटी प्रेस - 5 शीर्षक, टेलर और फ्रांसिस - 6 शीर्षक।
- कैमाब्रज यूनिवर्सिटी प्रेस की ऑनलाइन पाठ्य पुस्तकों को रिमोट ट्रायल एक्सेस प्रदान किया गया: 705 शीर्षक।
- ऋषि ई-पुस्तकों को रिमोट ट्रेल एक्सेस प्रदान किया गया: पुस्तकों की कुल संख्या = 4140 डसमाजशास्त्र (851), इतिहास (197), राजनीति विज्ञान (523), दर्शनशास्त्र (827), मास कॉम। (403) और शिक्षा (1339)।
- ऑक्सफोर्ड स्कॉलरशिप ऑनलाइन (ई-बुक्स) का रिमोट ट्रायल एक्सेस: किताबों की कुल संख्या = 9026 डनृविज्ञान (611), सामाजिक कार्य (43), इतिहास (4872), राजनीति विज्ञान (609), दर्शन (559), मास कॉम . (505), समाजशास्त्र (348) और सार्वजनिक नीति (1479)।
- पुस्तकालय भौतिक रूप से भारत और विदेश के पाठकों और विद्वानों के लिए खुला था 185 दिन और 1067 पाठकों की सेवा की।
- 257 पुस्तकों का परिग्रहण किया गया है और 367 पुस्तकों को विभिन्न भाषाओं और विभिन्न विषयों में संसाधित किया गया है।
- पुस्तकालय की सदस्यता 378 पत्रिकाओं के मुद्दे। पुस्तकालय को विनिमय पर पत्रिकाओं के 109 अंक प्राप्त हुए और 47 अवधि के दौरान उपहार के रूप में पत्रिकाओं के मुद्दे।
- 1067 पाठकों ने पुस्तकालय का प्रयोग किया। पाठकों को 517 पुस्तकें जारी की गईं और 1173 पुस्तकें उनके द्वारा लौटा दी गईं।

पुस्तकों और पत्रिकाओं की प्रदर्शनी और प्रदर्शन:

समय-समय पर सोसायटी द्वारा आयोजित विभिन्न संगोष्ठियों और सम्मेलनों के एक भाग के रूप में विभिन्न विषयों पर प्रदर्शनियां अक्सर आयोजित की जाती हैं। सोसाइटी में गणमान्य व्यक्तियों को उनके दौरे पर सम्मानित करने के लिए, एशियाटिक सोसाइटी के खजाने को प्रदर्शित करने वाली प्रदर्शनियां भी आयोजित की जाती हैं। इन प्रदर्शनियों में पुस्तकालय दुर्लभ पुस्तकों, पत्रिकाओं, तस्वीरों, दस्तावेजों आदि को प्रदर्शित करता है, जिसमें पुस्तकालय के समृद्ध और विविध संसाधनों पर जोर दिया जाता है। COVID 19 की महामारी की अवधि के दौरान, बोलचाल, वेबिनार और प्रदर्शनियों के बाद पुस्तकों और पत्रिकाओं के आभासी और भौतिक प्रदर्शनों की व्यवस्था की गई, जिन्हें विद्वानों और मीडिया ने बहुत सराहा।

- **24 जुलाई, 2020:** एह महामारी से बीमार वैश्विक परिदृश्य की पृष्ठभूमि के खिलाफ उच्च शिक्षा में पुस्तकालय की भूमिका पर ऑनलाइन बोलचाल।

  वक्ता:

  डॉ. नारायण चंद्र घोष, लाइब्रेरियन, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट कलकत्ता और डॉ. प्रीतम गुरे, लाइब्रेरियन, द एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता।

- **2 अगस्त 2020:** पर एक आभासी प्रदर्शनी आचार्य प्रफुल्ल चंद्र रॉय की जयंती - आचार्य प्रफुल्ल चंद्र रॉय और एशियाटिक सोसाइटी के साथ उनके प्यारे रिश्ते

- **7 अगस्त, 2020:**रवींद्रनाथ टैगोर को उनकी पुण्यतिथि के अवसर पर एक ऑनलाइन श्रद्धांजलि - रवीन्द्रनाथ टैगोर और पर्यावरण पर पैट्रिक गेडेस: दिमाग का संगम।

  वक्ता:

  प्रो. तापती मुखर्जी, पुस्तकालय सचिव, द एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता और श्री अरुणेंदु बंद्योपाध्याय, प्रसिद्ध निबंधकार।

- **10 अक्टूबर, 2020:** राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को उनकी 150वीं जयंती के अवसर पर एक आभासी

श्रद्धांजलि- एक गांधीवादी मानवविज्ञानी प्रोफेसर निर्मल कुमार बोस, द एशियाटिक सोसाइटी के पूर्व अध्यक्ष की नजर में महात्मा।

- **19 दिसंबर, 2020:** के दौरे के अवसर पर माननीय प्रहलाद सिंह पटेल, मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पर्यटन और संस्कृति, भारत सरकारदुर्लभ पुस्तकों और पत्रिकाओं के प्रदर्शन की व्यवस्था की गई 19 दिसंबर 2020 को।

- **15 जनवरी, 2021:** एशियाटिक सोसाइटी के स्थापना दिवस के अवसर पर का एक प्रदर्शन

  दुर्लभ पुस्तकों और पत्रिकाओं की व्यवस्था की गई।

  पश्चिम बंगाल के माननीय राज्यपाल श्री जगदीप धनखड़ ने दौरा किया इस अवसर पर पुस्तकालय

उपरोक्त सभी ऑनलाइन कार्यक्रम सोसायटी के यूट्यूब चैनल (https://www.youtube.com/c/TheAsiaticSociety) पर उपलब्ध हैं।

डिजिटाइजेशन:

सोसायटी अपने समृद्ध संग्रह के डिजिटलीकरण कार्यक्रम को बढ़ावा देने की योजना बना रही है। इन-हाउस डिजिटाइजेशन कार्यक्रम के तहत, कुल 125 पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण किया गया है और 1219 से अधिक दस्तावेजों (पुस्तकों और पांडुलिपियों सहित) का मेटाडेटा बनाया गया है।डिजिटलीकरण के काम में तेजी लाने के लिए, डिजिटाइजेशन के पहले चरण [11,397 पांडुलिपियों (लगभग 15,00,000 पृष्ठ)] के लिए एक कार्य आदेश सर्वोत्तम मूल्य बोली लगाने वाले को जारी किया गया है और काम जल्द ही शुरू हो जाएगा।.

डिजिटल पुरालेख:

सोसायटी के डिजिटल आर्काइव को नया रूप दिया गया है और 542 पांडुलिपियां, 585 माइक्रोफिश संग्रह सामग्री, 425 किताबें सोसायटी के आंतरिक सर्वर पर अपलोड की गई हैं। वर्तमान में, संग्रह केवल सोसायटी परिसर के लैन पर उपलब्ध है।

डिजिटल लाइब्रेरी:

सॉल्ट लेक स्थित सोसायटी के नवनिर्मित भवन में तीसरी मंजिल पर डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना की गई है। डिजिटल लाइब्रेरी की सामग्री में एशियाटिक रिसर्च (1788-1839), ग्लीनिंग्स इन साइंस, जर्नल ऑफ द एशियाटिक सोसाइटी के सभी खंड, इयरबुक, बिब्लियोथेका इंडिका सीरीज की सभी किताबें, संस्मरण आदि शामिल हैं। साल्ट-लेक क्षेत्र के पाठक अपनी आवश्यकताओं के अनुसार डिजिटल पुस्तकालय का दौरा करते हैं और उसका उपयोग करते हैं।

वेब ओपेक:

वेब ओपेक सक्रिय है। डेटाबेस को नियमित रूप से अपडेट किया जा रहा है। कैटलॉग प्रविष्टियों की खोज के लिए समाज के सदस्यों के साथ-साथ बाहरी शोधकर्ताओं और विद्वानों द्वारा इसका बहुत अच्छा उपयोग किया जा रहा है। महामारी की अवधि के दौरान दुनिया भर के विद्वानों द्वारा ओपेक का व्यापक उपयोग किया गया और उनकी मांगों के आधार पर संदर्भ सेवाएं प्रदान की गईं।

पुस्तकालय स्वचालन:

पुस्तकालय स्वचालन के एक भाग के रूप में, छह प्रशिक्षुओं को विशुद्ध रूप से अस्थायी आधार पर नियुक्त किया गया था और वे पूर्ण कैटलॉगिंग और अन्य संबद्ध कार्यों के लिए लिबसिस पैकेज में डेटा दर्ज करने में लगे हुए थे। 3015 वोल्ट के लिए डेटा। सितंबर 2020 से मार्च 2021 तक पुस्तकालय प्रशिक्षुओं द्वारा लिबसिस में पुस्तकों की प्रविष्टि की गई है। 526 खंडों के लिए डेटा। इस अवधि के दौरान पुस्तकालय के कर्मचारियों द्वारा पुस्तकों की प्रविष्टि की गई है।

पुस्तकालय पुस्तकों का भौतिक स्टॉक सत्यापन

सितंबर 2019 में किताबों की बारकोडिंग की मदद से भौतिक सत्यापन का काम शुरू किया गया था। 31 मार्च 2021 को सत्यापित प्रिंट पुस्तकों की कुल संख्या 32,390 थी।

परिसंचरण:

मैनुअल सकुलेशन सिस्टम के साथ-साथ ऑटोमेटेड सकुलेशन सिस्टम को साथ-साथ बनाए रखा जाता है।

संग्रह विकास:

बजट प्रावधान के अनुसार पुस्तकों और पत्रिकाओं की खरीद हासिल कर ली गई है। सदस्यों, शोधार्थियों और कर्मचारियों द्वारा पुस्तकों के चयन के लिए प्रसिद्ध प्रकाशन गृहों के कैटलॉग का उपयोग किया गया।

इस अवधि के दौरान प्रख्यात आगंतुक:

- श्री प्रहलाद सिंह पटेल, माननीय मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पर्यटन और संस्कृति, भारत सरकार 19 दिसंबर 2020 को।
- 15 जनवरी 2021 को सोसाइटी के 237 वें स्थापना दिवस के अवसर पर पश्चिम बंगाल के माननीय राज्यपाल श्री जोगदीप धनखड़।

संग्रहालय

एशियाटिक सोसाइटी का संग्रहालय विभिन्न भाषाओं और लिपियों में पांडुलिपियों के अमूल्य और अद्वितीय संग्रह का भंडार है। एशियाटिक सोसाइटी द्वारा वर्णनात्मक विवरणात्मक और टेबुलर दोनों तरह से प्रकाशित कैटलॉग की एक अच्छी संख्या जो पांडुलिपियों के अध्ययन और शोध के उल्लेखनीय कार्य हैं। सोसाइटी का पाण्डुलिपि संग्रह विविध और समृद्ध है और इसमें अधिकांश भारतीय भाषाओं और लिपियों को शामिल किया गया है। सोसाइटी के संग्रहालय में अब कुल पांडुलिपियों की संख्या 50,000 से अधिक है। पांडुलिपियों को विभिन्न संग्रहों के तहत जमा किया जाता है, जैसे भारतीय संग्रहालय संग्रह, सरकार। संग्रह, समाज संग्रह, नया समाज संग्रह, आरके देव संग्रह, हॉजसन संग्रह, इस्लामी संग्रह। सोसाइटी के पास सबसे पुरानी पांडुलिपि ७ वीं शताब्दी ईस्वी की कुब्जिकामातम है जो गुप्त ब्राह्मी लिपि में लिखी गई है।

पाण्डुलिपियों को छोड़कर एशियाटिक सोसाइटी के संग्रहालय और पाण्डुलिपि अनुभाग में भी विभिन्न धातुओं के पुराने सिक्के, तांबे की प्लेटों पर उत्कीर्ण शिलालेख और 78 मूल्यवान तेल-चित्र, ज्यादातर चित्र हैं। इनमें से कई रॉबर्ट होम, जोशुआ रेनॉल्ड्स, गुइडो, डेनियल आदि द्वारा चित्रित किए गए थे। इस संग्रहालय में रखे जाने वाले प्रसिद्ध चित्र क्लियोपेट्रा, बनारस के एक घाट, क्लाउड पर सोए हुए कामदेव, वॉरेन हेस्टिंग्स, जॉन डेविट, वेलेस्ली और मसीह। हैं।

एशियाटिक सोसाइटी के पास पत्थर और धातु दोनों की मूर्तियां संख्या और ऐतिहासिक महत्व के मामले में समृद्ध हैं। इनमें से, ब्रह्मा, सामग्री-ब्लैक बेसाल्ट स्टोन, अवधि 12 वीं सीएडी, विष्णु, सामग्री- ब्लैक बेसाल्ट स्टोन, अवधि 11 वीं शताब्दी ईस्वी, धूरम राजा की पीतल की छवि, (वर्तमान में, यह छवि भूटान में है) 1864, अशोकन रॉक एडिक्ट्स 250 ईसा पूर्व से संग्रहालय की इस वस्तु में से कुछ दुर्लभ हैं।

संग्रहालय में 18वीं और 19वीं शताब्दी में ब्रिटिश सर्वेक्षणकर्ताओं द्वारा तैयार किए गए सर्वेक्षण मानचित्रों की एक बड़ी संख्या भी है। कुछ उल्लेखनीय मानचित्र भारत के सामाजिक-राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक परिदृश्य में परिवर्तन को दर्शाते हैं।

इसके अलावा, एशियाटिक सोसाइटी का संग्रहालय बड़ी संख्या में पुराने पत्रों और दुर्लभ पुस्तकों को संरक्षित करता है, जिनमें से कुछ सोसाइटी की स्थापना के ठीक बाद 1784 के हैं।

अवधि के दौरान संक्षिप्त गतिविधियाँ:

- पांडुलिपियों को सूचीबद्ध करने का कार्य प्रगति पर है। पांडुलिपियों के 9064 फोलियो और 98 टॉप शीट/ हैंडलिस्ट के फोलिएशन का कार्य भी किया जा चुका है।

- विभिन्न संग्रहों के 686 वैष्णव ग्रंथों की पुन: जांच एवं अनुपालन किया जा चुका है।
- पांडुलिपियों (दर्शनशास्त्र) की वर्णनात्मक सूची प्रकाशन के लिए प्रस्तुत की गई है।
- सोसाइटी की विभिन्न गतिविधियों और व्यक्तिगत संग्रह से संबंधित 360 अक्षरों वाली 6 अंग्रेजी फाइलों की सामग्री का दस्तावेजीकरण किया गया है।
- इस अवधि के दौरान, भारतीय मूल के 51 पाठकों और विद्वानों को सेवा प्रदान की गई, जिन्होंने एशियाटिक सोसाइटी के संग्रहालय के वाचनालय में 450 पांडुलिपियों और अन्य दस्तावेजों से परामर्श किया।
- इस अवधि के दौरान देश के भीतर से 3 आगंतुकों ने संग्रहालय का दौरा किया है।
- गोदरेज का नव स्थापित आर्ट रिपोजिटरी तस्वीरों को सुरक्षित रखने के लिए बनाता है।

ऑनलाइन कार्यक्रम:

- एशियाटिक सोसाइटी के संग्रहालय खजाने पर आभासी प्रदर्शनी। सोसाइटी का पहला ऑनलाइन कार्यक्रम।
- 15 जनवरी 2020 को स्थापना दिवस के अवसर पर पांडुलिपियों, पत्रों, लिथोग्राफ, सिक्कों की प्रदर्शनी
- 18 मई 2020 को शिक्षाविदों और संग्रहालय पेशेवरों द्वारा टेली-वार्ता के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस का आयोजन।
- 30 अगस्त 2020 को आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय की 159वीं जयंती के अवसर पर प्रदर्शनी
- का ऑडियो-विजुअल विवरण सचित्र पांडुलिपि देवी महात्म्यम में व्यक्त की गई कथा कला 22 अक्टूबर 2020।
- श्री प्रहलाद सिंह पटेल, माननीय मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पर्यटन एवं संस्कृति, भारत सरकार के 19 दिसंबर 2020 को दौरे के अवसर पर प्रदर्शनी।

संरक्षण

एशियाटिक सोसाइटी की संरक्षण प्रयोगशाला 1984 से विशेष देखभाल और भक्ति के साथ दुर्लभ पुस्तकों, पांडुलिपियों, प्लेटों, मानचित्रों आदि को संरक्षित और पुनसथापित कर रही है। प्रभाग के कार्य अत्यधिक तकनीकी हैं और क्षति से बचने के लिए कार्य सटीकता से किए जा रहे हैं। इस प्रभाग के कुशल और पेशेवर रूप से प्रशिक्षित कर्मचारी मध्यकालीन पांडुलिपियों और पुरानी और दुर्लभ पुस्तकों सहित बाध्य सामग्री पर व्यापक उपचार करने में सक्षम हैं।

अवधि के दौरान संक्षिप्त गतिविधियाँ:

पुस्तकों की संख्या और एम.एस.एस. संरक्षण बिंदु से भौतिक रूप से सत्यापित किया गया 448

उपरोक्त से किताबी कीड़ा पीड़त पुस्तकों और एमएसएस की संख्या को धूमिल किया गया 575

चादरों की संख्या (पैच से भरी) लेमिनेशन से पहले डी-लैमिनेट की गई थी 461

उपचार से पहले चादरों की संख्या पृष्ठांकित की गई थी 1,126

लेमिनेशन से पहले भंगुर और नाजुक चादरों की संख्या को डी-अम्लीकृत किया गया था 555

भंगुर और नाजुक चादरों की संख्या का मिलान किया गया 555

एमएसएस की गर्म खाने और जमी हुई चादरों की संख्या, और दुर्लभ पुस्तकों को इसकी मरम्मत के लिए सावधानी से अलग किया गया था 254

फाड़ने से पहले फटी हुई चादरों की संख्या को ठीक किया गया था 310

इलाज के लिए जांच की गई कागज पांडुलिपि की भंगुर और नाजुक चादरों की संख्या 362

कागज पांडुलिपियों की भंगुर और नाजुक चादरों की संख्या बहाल 362

टिशू पेपर (यूके मूल) और सेलूलोज एसीटेट फॉइल का उपयोग करके टुकड़े टुकड़े की गई नाजुक चादरों की संख्या 1,028

टिशू पेपर (यूके मूल) और सीएमसी और एमसी पेस्ट का उपयोग करके टुकड़े टुकड़े की गई नाजुक चादरों की संख्या 818

मेंडिंग और लेमिनेशन के बाद ट्रिम की गई चादरों की संख्या 557

विभागीय रूप से बाध्य मात्राओं की संख्या 147

वॉल्यूम सर्पिल बाइंडिंग की संख्या 32

रेप्रोग्राफी

रेप्रोग्राफी फोटोग्राफी या जेरोग्राफी जैसे यांत्रिक या विद्युत माध्यमों के माध्यम से ग्राफिक्स का पुनरुत्पादन है। एशियाटिक सोसाइटी के अनुभाग रेप्रोग्राफी अनुभाग को फोटोकॉपी, डिजिटलीकरण और सामान्य फोटोग्राफी का काम सौंपा गया है।

अवधि के दौरान अनुभाग द्वारा किए गए कार्यों का विवरण नीचे दिया गया है:

1) **फोटोकॉपी:** इस अवधि के दौरान अनुभाग ने पाठक सेवा के तहत पुस्तकालय सामग्री की 4985 फोटोकॉपी और आधिकारिक उद्देश्य के लिए आधिकारिक दस्तावेजों की 8074 फोटोकॉपी तैयार की।

2) **डिजिटाइजेशन:** इससे पहले अनुभाग को पुरानी और दुर्लभ पांडुलिपियों और समाज की पुस्तकों के डिजिटलीकरण के लिए एक परियोजना दी गई थी ताकि इन अमूल्य संग्रहों को उपयोगकर्ताओं द्वारा बार-बार संभालने से रोका जा सके। बाद में आधुनिक तकनीक से निपटने के लिए इस परियोजना का विस्तार किया गया। एक 'बुकआई 2', एक 'बुकआई 4' स्कैनर और डिजिटल कैमरा की मदद से डिजिटलीकरण का काम किया जाता है। इस अवधि के दौरान अनुभाग ने 32 पांडुलिपियों से 1,960 फोलियो के 1,960 एक्सपोजर तैयार किए।

3) **सामान्य फोटोग्राफी:** यह अनुभाग समाज द्वारा आयोजित संगोष्ठियों, व्याख्यानों, कार्यशालाओं और सोसाइटी का दौरा करने वाले महत्वपूर्ण गणमान्य व्यक्तियों के फोटो कवरेज के लिए भी जिम्मेदार है। ये तस्वीरें सोसायटी के मासिक बुलेटिन में नियमित रूप से प्रकाशित होती हैं। विद्वानों द्वारा मांगे गए पुस्तकों से फोटो भी लिए गए थे। अवधि के दौरान 360 नं. आधिकारिक उद्देश्य के लिए तस्वीरें ली गईं।

11

शैक्षणिक संभाग की गतिविधियां

अनुसंधान, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों और सम्मेलनों, कार्यशालाओं, बंदोबस्ती / स्मारक व्याख्यान, विशेष व्याख्यान और प्रदर्शनियों सहित शैक्षणिक गतिविधियाँ एशियाटिक सोसाइटी की सबसे महत्वपूर्ण फ्रंटल गतिविधियों में से एक हैं। 2020-2021 (अप्रैल 2020 - मार्च 2021) में आयोजित ऐसी गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है:

1. रिसर्च फेलो: 20
2. चालू 'आंतरिक' अनुसंधान परियोजनाएं : 19
3. चालू 'बाहरी' अनुसंधान परियोजनाएं: 20
4. अनुसंधान सहायक: 09
5. वेबिनार / राष्ट्रीय सेमिनार : 14
6. बंदोबस्ती/स्मारक व्याख्यान : 07
7. विशेष व्याख्यान : 06
8. स्थापना दिवस व्याख्यान: 01
9. पुस्तक विमोचन कार्यक्रम: 03
10. प्रदर्शनियां: 05
11. अन्य शैक्षणिक कार्यक्रम: 06

इन अनुसंधानों और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों का विवरण नीचे दिया गया है:

A. आंतरिक अनुसंधान परियोजनाएं:

निम्नलिखित अनुसंधान अध्येता विभिन्न परियोजनाओं में लगे हुए हैं:

1. परियोजना: लोकगीत और संस्कृति

- रिसर्च फेलो का नाम: श्री बिस्वजीत बिस्वास
- पर्यवेक्षक का नाम: प्रोफेसर रजत कांति दास
- शामिल होने की तिथि: 07.06.2017
- विषय: मटुआ धार्मिक संप्रदाय: एक नृवंशविज्ञान लेंस के साथ लोकगीत, आध्यात्मिकता का एक अध्ययन और पश्चिम बंगाल में इसकी स्वीकृति
- कार्यकाल 31.12.2020 को पूरा हुआ।
- अंतिम रिपोर्ट अभी प्रस्तुत नहीं की गई

2. परियोजना: डॉ.जाकिर हुसैन फैलोशिप

- रिसर्च फेलो का नाम: इमरान फिलिप
- पर्यवेक्षक का नाम: डॉ कौस्तभ मणि सेनगुप्ता
- शामिल होने की तिथि: 20.03.2017
- विषय: बंगाल में लिंग, धर्म और मुस्लिम महिलाओं की बदलती स्थिति, (1873-1952)
- कार्यकाल 31.03.2021 को पूरा हुआ।
- अंतिम रिपोर्ट अभी प्रस्तुत नहीं की गई

3. परियोजना: महिला अध्ययन

- रिसर्च फेलो का नाम: डॉ. परम चटर्जी
- पर्यवेक्षकों का नाम: प्रो इशिता मुखोपाध्याय और प्रो रंजना रे।
- शामिल होने की तिथि: 16.04.2018
- विषय: मासिक धर्म के सामाजिक-सांस्कृतिक पहलू: पश्चिम बंगाल और दक्षिण भारत के दो अन्य राज्यों की तुलना में
- में किशोरियों का एक अध्ययन
- कार्यकाल 15.04.2021 (तीसरे वर्ष) को पूरा किया गया था।

4. परियोजना: टैगोर अध्ययन

- रिसर्च फेलो का नाम: श्रीमती। सुलगना सह:
- पर्यवेक्षक का नाम: डॉ तापती मुखर्जी
- शामिल होने की तिथि: 18.04.2018
- विषय: रवींद्रनाथ टैगोर और श्रीलंका: एक जीवंत आमना सामना
- कार्यकाल 17.04.2021 (तीसरा वर्ष) को पूरा किया गया था

5. परियोजना: तिब्बती अध्ययन

- रिसर्च फेलो का नाम: श्री दीपांकर सालुई
- पर्यवेक्षक का नाम: प्रो संजीत कुमार साधुखान
- शामिल होने की तिथि: 18.04.2018
- विषय: भारतीय राजाओं का एक ऐतिहासिक कालक्रम पैग जॉन जांग पर आधारित है
- कार्यकाल 17.04.2021 (तीसरा वर्ष) को पूरा हुआ।

6. परियोजना: इस्लामी इतिहास और संस्कृति

- रिसर्च फेलो का नाम: एम् आलमगीर हुसैन
- पर्यवेक्षक का नाम: प्रो. सूफीर रहमानी
- शामिल होने की तिथि: 15.05 2018।
- विषय: बंगाल पॉलिटिक्स एज रिफ्लेक्टेड इन द मुस्लिम एडिटेड प्रिंट मीडिया (1906-47)
- कार्यकाल 14.05 2021 (तीसरा वर्ष) को पूरा किया गया था।

7. परियोजना: शरत चंद्र रॉय अनुसंधान फैलोशिप

- रिसर्च फेलो का नाम: श्रीमती। अमृता दास गुप्ता
- पर्यवेक्षक का नाम: प्रोफेसर रंजना राय
- शामिल होने की तिथि: 22.04.2015
- विषय: : पश्चिम बंगाल के शहरी क्षेत्रों में रहने वाले प्रवासी आदिवासी समूहों के बीच एक अध्ययन: सांस्कृतिक विरासत का मूल्यांकन।
- अवधि पूर्ण और अंतिम रिपोर्ट नवंबर 2020 को प्रस्तुत की गई।

8. परियोजना: राजेंद्र लाला मित्र फेलोशिप इन बौद्ध अध्ययन

- रिसर्च फेलो का नाम: श्री प्रियांकु चक्रवर्ती
- पर्यवेक्षक का नाम: प्रोफेसर ऐश्वर्या बिस्वास
- शामिल होने की तिथि: 27.02.2017
- विषय: त्रिपुरा में बौद्ध धर्म: पुरालेख, मूर्तियां और वास्तुकला की व्याख्या (सी। 6 वीं - 12 वीं शताब्दी। सीई)
- कार्यकाल 31.03.2021 को पूरा होगा।
- अंतिम रिपोर्ट अभी प्रस्तुत नहीं की गई

09. परियोजना: सर विलियम जोन्स संस्कृत अध्ययन में शोध अध्येतावृत्ति

- रिसर्च फेलो का नाम: श्रीमती। तिस्ता बिस्वास
- पर्यवेक्षक का नाम: प्रो तारक नाथ अधिकारी
- शामिल होने की तिथि: 13.02.2017
- विषय: स्कंद पुराण में परिलक्षित वैदिक संस्कृति के कुछ तत्व
- 31 मार्च को कार्यकाल पूरा हुआ। 2021.
- अंतिम रिपोर्ट अभी प्रस्तुत नहीं की गई

10. परियोजना: चिकित्सा का इतिहास

- रिसर्च फेलो का नाम: श्री। सुमन हाजरा
- का नाम पर्यवेक्षक: प्रो. गोपाल कृष्ण चक्रवर्ती
- शामिल होने की तिथि: 10.02.2017
- विषय: कोलकाता में टीकाकरण और बाल स्वास्थ्य: औपनिवेशिक से वर्तमान युग तक
- कार्यकाल 31.03.2021 को पूरा हुआ।
- फाइनल रिपोर्ट अभी जमा नहीं हुई है।

11. परियोजना: विज्ञान का इतिहास

- रिसर्च फेलो का नाम: श्रीमती। सुजाता बनर्जी
- पर्यवेक्षक का नाम: प्रोफेसर अरुण बंदोपाध्याय और प्रोफेसर राजकुमार रॉयचौधरी।
- शामिल होने की तिथि: 21.02.2017
- विषय: भारत में विज्ञान और तकनीकी शिक्षा: भारतीय का एक अध्ययन का संस्थान
- विज्ञान, बैंगलोर और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर (1909-1964)
- कार्यकाल 20.02.2020 को पूरा हुआ।
- अंतिम रिपोर्ट 31.12.2020 को प्रस्तुत की गई।

12. परियोजना: विज्ञान का इतिहास

- रिसर्च फेलो का नाम: सुनयना मैती
- पर्यवेक्षकों का नाम: प्रोफेसर अरुण बंदोपाध्याय और प्रोफेसर राजकुमार रॉयचौधरी।
- शामिल होने की तिथि: 01.03.2017
- विषय: वैज्ञानिक और तकनीकी शिक्षा का इंटरफेस, और औद्योगिक अनुसंधान
- भारत में, c.1920s-1960s: द सेंट्रल ग्लास एंड सिरेमिक्स रिसर्च इंस्टीट्यूट, और

- साहा इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर फिजिक्स
- कार्यकाल 31.03.2021 को पूरा हुआ।
- फाइनल रिपोर्ट अभी जमा नहीं हुई है।

13. परियोजना: इंडोलॉजी

- रिसर्च फेलो का नाम: डॉ. प्रग्नापरमिता बिस्वास
- पर्यवेक्षक का नाम: डॉ तापती मुखर्जी
- शामिल होने की तिथि: 20.03.2017
- विषय: फ्रेडरिक मैक्स-मुलर की इंडोलॉजी रिविजिटेड: ए होलिस्टिक अप्रोच टू
- टर्निंग पॉइंट्स का मूल्यांकन करें
- कार्यकाल 31.03.2021 को पूरा हुआ।
- फाइनल रिपोर्ट अभी जमा नहीं हुई है।

14. परियोजना: इंडोलॉजी

- रिसर्च फेलो का नाम: श्रीमती स्मिता हलदर
- पर्यवेक्षक का नाम: प्रो. सुष्मिता बसु मजूमदार
- शामिल होने की तिथि: 15.02.2017
- विषय: मालवा कॉरिडोर की खोज: शहरों और व्यापार मार्गों से परे (सी। तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व से तीसरी शताब्दी सीई)
- कार्यकाल 14.02.2020 को पूरा हुआ।
- अंतिम रिपोर्ट 30.03.2021 को प्रस्तुत की गई।

15. परियोजना: उत्तर-पूर्व भारत अध्ययन

- रिसर्च फेलो का नाम: सुश्री मैरी वनलालथनपुई
- पर्यवेक्षक का नाम: प्रोफेसर पाउला बनर्जी
- शामिल होने की तिथि: 07.03.2017
- विषय: महिला और चर्च राजनीति, मिजोरम प्रेस्बिटेरियन चर्च का एक अध्ययन और मिजोरम का बैपटिस्ट चर्च
- कार्यकाल 31.03.2021 को पूरा हुआ।
- फाइनल रिपोर्ट अभी जमा नहीं हुई है।

16. परियोजना: उत्तर पूर्व भारत अनुसंधान अध्ययन

- रिसर्च फेलो का नाम: श्रीमती। मानसी दिलीप नाडकर्णी
- पर्यवेक्षक का नाम: श्री श्यामसुंदर भट्टाचार्य
- शामिल होने की तिथि: ३१.०३.२०१७
- विषय: के कुकी-चिन लोगों की सामाजिक-भाषाई प्रोफाइल मणिपुर (स्माइट के विशेष संदर्भ में)
- कार्यकाल 30.03.2020 को पूरा हुआ।
- अंतिम रिपोर्ट नवंबर 2020 को प्रस्तुत की गई।

17. परियोजना:उचित नामों का वैदिक शब्दकोश

- शोध अध्येताओं का नाम:
- 1. समीमा यास्मीन

  शामिल होने की तिथि: 19.07.2019।

  पूरा होने की तिथि: 18.07.2021। (दूसरा साल)
- 2. श्रीमती। प्रणति घोषाली

  शामिल होने की तिथि: 24.07.2019।

  पूरा होने की तिथि: 23.07.2021। (दूसरा साल)

  माननीय का नाम। परियोजना निदेशक: प्रो. समीरन चक्रवर्ती

18. परियोजना:पंडित ईश्वर चंद्र विद्यासागर रिसर्च फेलोशिप

- शोध अध्येताओं का नाम: श्री प्रद्युत शिल डभाषा और साहित्य.
- पर्यवेक्षक का नाम: प्रो महिदास भट्टाचार्य
- शामिल होने की तिथि: .27.01.2020
- विषय: 'विद्यासागर शिक्षा ओ समाजभावनर आलोक

बिरसिम्हा ओ तत्समलग्ना ग्रामगुलीर बर्तमान शिक्षागत इबोंग समाजगत अबस्थान'

- समापन की तिथि: 26.01.2022 (द्वितीय वर्ष)

19. परियोजना: पंडित ईश्वर चंद्र विद्यासागर रिसर्च फेलोशिप

- श्रीमती बासुधिता बसु डसामाजिक विज्ञान.
- पर्यवेक्षक का नाम : प्रो स्वपन कुमार प्रमाणिक
- शामिल होने की तिथि: 27.01.2020।
- विषय: सुधारक पर पुनर्विचार: विद्यासागर का चिकित्सा और स्वास्थ्य में योगदान
- पूरा होने की तिथि: 26.01.2022। (दूसरा साल)

बी. चालू बाहरी अनुसंधान परियोजनाएं:

01. परियोजना: परियोजना: तकनीकी की प्राचीन भारतीय अवधारणा श्रीकुमार के शिल्परत्न में प्रतिपादित विज्ञान

- परियोजना अन्वेषक: डॉ रीता भट्टाचार्य
- परियोजना के प्रारंभ होने की तिथि: 16.03.2015
- पूरा होने की तिथि: 14.09.2019
- अंतिम रिपोर्ट 08.10.2020 को प्रस्तुत की जाती है।

02. परियोजना: ललितकला ओ नंदंतत्तवर परिभाषी

- परियोजना अन्वेषक: डॉ सोमनाथ मुखर्जी
- परियोजना के प्रारंभ होने की तिथि: 22.06.2016।
- पूरा होने की तिथि: 30.04.2020
- अंतरिम रिपोर्ट नियमित रूप से प्रस्तुत की जाती है।

03. परियोजना : पूर्व के उत्कीर्ण चित्रों का एक संग्रह भारत (चौथी से 13वीं शताब्दी सीई)

- परियोजना अन्वेषक: प्रोफेसर गौतम सेनगुप्ता, डॉ सायंतनी पालो और डॉ रजत सान्याली
- परियोजना के प्रारंभ होने की तिथि: 01.06.2017
- पूरा होने की तिथि: 31.05.2021।
- अंतरिम रिपोर्ट नियमित रूप से प्रस्तुत की जाती है।
- काम जारी है।

04. परियोजना: बंगालीका अनुवाद संताल लोक कथाओं संकलित, संताली से अंग्रेजी में अनुवादित रेवरेंड पीओ बोडिंग।

- परियोजना अन्वेषक: श्री कुमार राणा
- परियोजना के प्रारंभ होने की तिथि: 28.07.2017।
- पूरा होने की तिथि: 30.06.2019
- अंतिम रिपोर्ट 04.11.2020 को प्रस्तुत की जाती है और प्रकाशन के लिए भेजी जाती है।

05. परियोजना: विकास प्रक्रिया को समझना: A पश्चिम बंगाल में 'डिनोटिफाइड' जनजातियों का मामला।

- परियोजना अन्वेषक: डॉ बिधान कांति दासो
- परियोजना के प्रारंभ होने की तिथि: 28.02.2018
- पूरा होने की तिथि: 30.04.2021।

06. परियोजना: यूटोपिया को संशोधित करना: मौलाना भसानी और चार एरिया इन आसाम

- परियोजना अन्वेषक: डॉ गोर्की चक्रवर्ती
- परियोजना के प्रारंभ होने की तिथि: 01.03. 2017
- पूरा होने की तिथि: 31.01. 2021.

07. परियोजना: बंगाल के सामाजिक-सांस्कृतिक परिदृश्य में एशियाई समाज की भूमिका और अठारहवीं और मध्य-उन्नीसवीं सदी में इडो-ऑक्सीडेंट बातचीत को आकार देने में

- परियोजना अन्वेषक: प्रो. तापती मुखर्जी

- परियोजना के प्रारंभ होने की तिथि: 05.09.2017।
- पूरा होने की तिथि: 04.09.2021।
- अंतरिम रिपोर्ट नियमित रूप से प्रस्तुत की जाती है।

08. परियोजना: स्वयं सहायता समूह गतिविधियों में संलग्न महिलाओं के सशक्तिकरण पर आर्थिक पर्यावरण और संस्कृति का प्रभाव: उत्तर और उत्तर-पूर्व भारत में चयनित राज्यों का एक अध्ययन

- परियोजना अन्वेषक: प्रोफेसर शर्मिष्ठा बनर्जी और डॉ श्रीमती अरिजिता दत्ता
- परियोजना के प्रारंभ होने की तिथि: 18.09.2017।
- पूरा होने की तिथि: 17.09.2019।
- अंतिम रिपोर्ट 01.12.2020 को प्रस्तुत की गई और प्रकाशन अनुभाग को भेजी गई।

09. परियोजना: बंगाली उपसर्गों और प्रत्यय का एक शब्दकोश

- प्रधान अन्वेषक: डॉ अनीता बंद्योपाध्याय
- परियोजना के प्रारंभ होने की तिथि: 01.07.2017।
- पूरा होने की तिथि: 01.07.2021।
- अंतरिम रिपोर्ट नियमित रूप से प्रस्तुत की जाती है।
- काम जारी है।

10. परियोजना। रामायण और महाभारत में पाई जाने वाली कला का प्रदर्शन - एक सामाजिक-सांस्कृतिक दृष्टिकोण

- प्रधान अन्वेषक: डॉ बिजोया गोस्वामी और डॉ नंदिनी भौमिक।
- परियोजना के प्रारंभ होने की तिथि: 12.10.2017
- पूरा होने की तिथि: 11.10.2020।

11. परियोजना: प्रधान उपनिषदों में परिलक्षित समाज

- मुख्य जाँचकर्ता: प्रो. मृणाल कांति गंगोपाध्याय
- परियोजना के प्रारंभ होने की तिथि: 11.01.2018।
- पूरा होने की तिथि: 17.02.2021
- अंतिम रिपोर्ट नवंबर 2020 को प्रस्तुत की जाती है और प्रकाशन अनुभाग को भेजी जाती है।

12. परियोजना: दो अप्रकाशित नव्या न्याय पांडुलिपियों का संपादन और अनुवाद।

- मुख्य जाँचकर्ता: स्वर्गीय प्रो. सुबुद्धि चरण गोस्वामी (2019 तक)।
- मुख्य जाँचकर्ता : प्रो. संजीत साधुखान 11.10.2019 से।
- परियोजना के प्रारंभ होने की तिथि: 30.09.2018
- पूरा होने की तिथि: 10.10.2021।
- अंतरिम रिपोर्ट नियमित रूप से प्रस्तुत की जाती है। काम जारी है।

13. परियोजना: एक वंचित सामाजिक समूह के इतिहास को पुन: प्राप्त करना: उन्नीसवीं और बीसवीं शताब्दी केरल में पुलायस के विविध अनुभव

- प्रधान अन्वेषक: प्रो. राजशेखर बसु और प्रो. अरुण कुमार बंद्योपाध्याय।
- परियोजना के प्रारंभ होने की तिथि: 20.05.2018।
- पूरा होने की तिथि: 30.09.2021।
- अंतरिम रिपोर्ट नियमित रूप से प्रस्तुत की जाती है। काम जारी है।

14. परियोजना: एशियाई समाज का एक कालानुक्रमिक इतिहास: 1784-2018 से एक समयरेखा अध्ययन

- प्रधान अन्वेषक: डॉ निबेदिता गांगुली
- परियोजना के प्रारंभ होने की तिथि : 12.02.2019

- पूरा होने की तिथि: 11.08.2021।
- अंतरिम रिपोर्ट नियमित रूप से प्रस्तुत की जाती है।
- काम जारी है।

15. परियोजना: चाखेसांग भाषा का नृवंशविज्ञान अध्ययन: एक मात्रात्मक दृष्टिकोण

- परियोजना अन्वेषक: डॉ. सिबांसु मुखर्जी
- प्रारंभ होने की तिथि: 01.07.2019
- पूरा होने की तिथि: 30.06.2021।
- अंतरिम रिपोर्ट नियमित रूप से प्रस्तुत की जाती है।
- काम जारी है।

16. परियोजना: नवद्वीप और वैष्णव समुदाय के वैष्णव मंदिर

- प्रधान अन्वेषक: डॉ। बुद्धदेब बंद्योपाध्याय (17.03.2021 से)
- प्रारंभ होने की तिथि: 12.07.2019
- पूरा होने की तिथि: 11.07.2021। (द्वितीय वर्ष)
- अंतरिम रिपोर्ट नियमित रूप से प्रस्तुत की जाती है।
- काम जारी है

17. परियोजना: कर्णप्रकाश - 11वीं शताब्दी सीई के महत्वपूर्ण संस्करण का एक महत्वपूर्ण खगोलीय कर्ण पाठ, अंग्रेजी अनुवाद

- प्रधान अन्वेषक: डॉ सोमनाथ चटर्जी
- प्रारंभ होने की तिथि: 25.10.2019।
- पूरा होने की तिथि: 24.10.2021।
- काम जारी है।

18. परियोजना: प्रजनन विकल्प और महिलाओं के प्रजनन स्वास्थ्य व्यवहार: उत्तर-पूर्व और मध्य भारत की जनजातियों के बीच एक तुलनात्मक अध्ययन

- प्रधान अन्वेषक: डॉ पुरबा चट्टोपाध्याय
- सह-अन्वेषक: प्रो सुदेशना बसु मुखर्जी
- प्रारंभ होने की तिथि: 01.10.2019।
- पूरा होने की तिथि: 30.09.2022।
- काम जारी है।

19. परियोजना:भारतीय स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में लुप्तप्राय औषधीय पौधों की भूमिका और औपनिवेशिक बंगाल में उनके संरक्षण का एक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य

- प्रधान अन्वेषक: बैसाखी बंद्योपाध्याय
- प्रारंभ होने की तिथि: 29.04.2019
- पूरा होने की तिथि: 28.04.2021
- अंतरिम रिपोर्ट नियमित रूप से प्रस्तुत की जाती है।
- काम जारी है

20. परियोजना: क्या हम साबित कर सकते हैं कि हम कभी गलत नहीं जानते? त्रुटि के प्रभाकर सिद्धांत का पुनर्मूल्यांकन

- प्रधान अन्वेषक: डॉ मैनक पाली
- प्रारंभ होने की तिथि: 01.01.2021
- पूरा होने की तिथि: 31.12.2022

सी.स्वीकृत बाहरी परियोजना अभी शुरू की जानी है

1. 'अथर्ववेद-अंग्रेजी अनुवाद की पिप्पलदा-संहिता, सूचकांक और इसकी सामग्री और इतिहास का लेखा-जोखा' परियोजना के प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर दीपक भट्टाचार्य,

डी. बाहरी अनुसंधान परियोजना: एशियाई समाज द्वारा आयोजित।

1. डॉ. दुर्गा बसु, इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस

रिसर्च (ICSSR) की वित्तीय सहायता से भारत की वर्नाक्यूलर टेम्पल आर्किटेक्चर नामक परियोजना पर काम कर रही हैं।

- अनुसंधान परियोजना के प्रारंभ होने की तिथि 01.01.2019।
- काम जारी है।

ई. व्याख्यान/सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/वार्तालाप

वर्ष 2020-21 के दौरान राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पर्याप्त संख्या में शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। ज्यादातर मामलों में कार्यक्रम विश्वविद्यालयों या प्रसिद्ध शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से थे। इन शैक्षिक कार्यक्रमों में देश-विदेश के विभिन्न भागों से प्रख्यात विद्वानों ने भाग लिया और अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए। संबंधित कार्यक्रम के समन्वयक वर्तमान में प्रकाशनों के लिए उन पत्रों के संपादन में व्यस्त हैं। कुछ सम्मेलनों की कार्यवाही पहले ही प्रकाशित की जा चुकी है। कुछ कार्यवाही प्रेस में हैं और संगोष्ठियों की अन्य कार्यवाही के संपादन का कार्य जारी है।

यहां नीचे हम केवल व्याख्यान/सेमिनार/सम्मेलन के शीर्षक दे रहे हैं

अप्रैल, 2020 :

कोविड 19 के कारण कोई शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित नहीं किया गया।

मई, 2020 :

- **18 मई 2020**

18 मई 2020 को अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस का आयोजन एशियाटिक सोसाइटी कोलकाता के संग्रहालय अनुभाग द्वारा आयोजित अपने संग्रहालय के खजाने की एक आभासी प्रदर्शनी।

शिक्षाविदों और संग्रहालय के पेशेवरों द्वारा टेली वार्ता।

जून, 2020:

- **5 जून 202`0,**

विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में ऑनलाइन संवाद।

वक्ता: प्रो. अशोक कांति सान्याल, प्रो. (डॉ.) शंकर कुमार घोष, प्रो. अरुण कुमार बंदोपाध्याय, प्रो. स्वाति नंदी चक्रवर्ती।

- **22 जून 2020,**

भारतीय संविधान की व्याख्या पर वेबिनार जैसा कि डॉ बीआर अंबेडकर की कल्पना है।

अध्यक्ष : प्रो स्वपन कुमार प्रमाणिक

जुलाई 2020:

- **24 जुलाई 2020**

महामारी से बीमार वैश्विक परिदृश्य की पृष्ठभूमि के खिलाफ पुस्तकालय उच्च शिक्षा की भूमिका पर वेबिनार।

वक्ता: डॉ नारायण चंद्र घोष और डॉ प्रीतम गुरे

समन्वयक: प्रो. तापती मुखर्जी

- **27 जुलाई 2020,**

मुद्रित पुस्तकों बनाम ई-पुस्तकों पर ऑनलाइन पैनल चर्चा।

अगस्त, 2020:

- **5 अगस्त 2020,**

आचार्य प्रफुल्ल चंद्र रे और एशियाई समाज के साथ उनके प्यारे संबंधों पर आभासी प्रदर्शनी।

आयोजक: एशियाई समाज का पुस्तकालय।

- **7 अगस्त 2020,**

मन के पर्यावरण संगम पर रवींद्रनाथ टैगोर और पैट्रिक

गेडेस पर वेबिनार:।

वक्ता: प्रो. तपती मुखोपाध्याय और श्री अरुणेंदु बंदोपाध्याय।

- **15 अगस्त 2020,**

  प्रिंट संस्करण का विमोचन प्रबुद्ध भारत: समय बीतने में अंबेडकर की समझ अध्यक्ष: प्रोफेसर अरुण बंदोपाध्याय

- **24 अगस्त 2020,**

  एक महामारी के पैनोरमा पर वेबिनार: ण्ध्न्ध्3–१९।

  अध्यक्ष : डॉ. काजल कृष्णा बानिकी

  मॉडरेटर: डॉ शंकर कुमार नाथ।

सितंबर 2020:

- **14 सितंबर 2020,**

  आशु भाषणा प्रतियोगिता: कोविड-19 का मानव जाति पर प्रभाव।

- **16 सितंबर 2020,**

  18वीं सदी के लिथोग्राफ के माध्यम से समाज के एक संक्षिप्त स्केच पर आभासी प्रदर्शनी का खुलासा हुआ।

- **18 सितंबर 2020,**

  जीएसआई सेसक्विसेंटेनियल स्मारक व्याख्यान 2019

  वक्ता: प्रोफेसर सोमनाथ दासगुप्ता, आईआईएसईआर के आईएनएसए वरिष्ठ वैज्ञानिक और पूर्व कुलपति असम विश्वविद्यालय

  विषय:ए टेल ऑफ थ्री सुपरकॉन्टिनेंट: द इंडियन कनेक्शन''।

- **24 सितंबर 2020:**

  प्राचीन भारत में स्वास्थ्य, स्वच्छता और महामारी पर वेबिनार: रोकथाम और उपचार।

  वक्ता: प्रो. नबनारायण बंद्योपाध्याय, प्रो. दिधिति चक्रवर्ती, प्रो. ताप्ती मुखर्जी, प्रो. अंजलिका मुखर्जी, प्रो. बिजोया गोस्वामी।

- **26 सितंबर 2020,**

  हिंदी वेबिनार पंडित ईश्वरचंद्र विद्यासागर: नवभारत के सृजक।

  समन्वयक : प्रो. डॉ. राम अहलाद चौधरी (चु.तिया)।

  वक्ता: डॉ कमल किशोर गोयनका, डॉ जया प्रियदर्शिनी शुक्ला, श्री लाल सिंह, श्री बीरवद्र काकरीडोली, डॉ अर्चना पांडे, श्रीमती मधुरिमा भट्टाचार्य।

- **28 सितंबर 2020,**

  प्रिंटर और प्रकाशक के रूप में ईश्वरचंद्र विद्यासागर पर ऑनलाइन प्रदर्शनी।

- **30 सितंबर 2020,**

  विद्यासागर स्मरण पर ऑनलाइन पैनल चर्चा: आदिवासी उन्नयन ओ मातृभाषा शिक्षा।

  समन्वयक: बोरो बस्के

  वक्ता: प्रो. पबित्रा सरकार, प्रोफेसर महिदास भट्टाचार्य, श्रीमती अर्चना बनर्जी, कुमार राणा।

अक्टूबर, 2020:

- **1 अक्टूबर 2020,**

  महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के समापन समारोह का आयोजन।

  एशियाटिक सोसायटी में आयोजित एक अंतर विभागीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता।

- **२ अक्टूबर २०२०,**

  महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के समापन समारोह का आयोजन।

एशियाटिक सोसाइटी में गांधीजी के जीवन और विरासत की समीक्षा पर विशेष व्याख्यान।

अध्यक्ष: डॉ सत्यब्रत चक्रवर्ती।

- **5 अक्टूबर 2020,**

वर्तमान महामारी कोविड -19 के आलोक में बौद्ध धर्म के पुनरीक्षण पर वेबिनार।

वक्ता: प्रो. सुनीति कुमार पाठक और प्रो. अंगराज चौधरी।

समन्वयक: डॉ बंदना मुखर्जी

- **9 अक्टूबर 2020,**

बंगाली लिपियों में सुधार पर वेबिनार: विद्यासागर और परे।

वक्ता: प्रो. पबित्रा सरकार, प्रो. पलाश बरन पाल और प्रो. असिस खस्तागीर।

समन्वयक: श्री श्याम सुंदर भट्टाचार्य।

- **10 अक्टूबर 2020,**

महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर, गांधीवादी मानवविज्ञानी की नजर में महात्मा पर एक विशेष व्याख्यान: प्रो. निर्मल कुमार बोस, एशियाटिक सोसाइटी के पूर्व अध्यक्ष।

अध्यक्ष: डॉ सत्यब्रत चक्रवर्ती।

- **14 अक्टूबर 2020,**

तीसरा राजा राजेंद्रलाल मित्रा स्मृति व्याख्यान।

विषय: राजेंद्रलाल मित्रा - बीसवीं शताब्दी में एक समय यात्री- इंचानन मित्र स्मृति व्याख्यान 2019।

विषय: माइग्रेशन नैरेटिव्स और पहचान अभिकथनों पर विशेष फोकस के साथ नागा मौखिक परंपरा।

अध्यक्ष: डॉ. अनुंगला एयर, सामाजिक मानवविज्ञानी और पूर्व निदेशक, विभाग। उच्च शिक्षा के, सरकार। नागालैंड का।

- **21 अक्टूबर 2020,**

स्वामी प्रणवानंद स्मृति व्याख्यान, 2019।

विषय स्वामी विवेकानंद से स्वामी प्रणवानंद तक बंगाल का सांस्कृतिक इतिहास।

अध्यक्ष : प्रो. अचिंता बिस्वास

- **22 अक्टूबर 2020,**

एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के संग्रह में पांडुलिपि देवी महात्म्यम में कथात्मक कला का एक ऑडियो विजुअल चित्रण।

- **31 अक्टूबर 2020,**

राष्ट्रीय एकता दिवस (राष्ट्रीय एकता दिवस) के उपलक्ष्य में शपथ ग्रहण।

नवंबर, 2020

4 नवंबर 2020,

फ्लाइंग फेदर्स: कलर ड्रॉइंग्स ऑफ बर्ड्स इन द कलेक्शन ऑफ द एशियाटिक सोसाइटी, 1810-1815 नामक एल्बम का विमोचन, अशोक कांति सान्याल द्वारा संपादित।

श्री सौमेन मित्रा, आईपीएस द्वारा जारी किया गया एल्बम।

- **4 नवंबर 2020**

डॉ. सुब्रत मुखर्जी, आई.एफ.एस. द्वारा सुंदरवन के रहस्योद्घाटन पर विशेष व्याख्यान।

- **9 नवंबर 2020,**

डॉ. सत्यब्रत चक्रवर्ती, महासचिव, द एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता द्वारा डिजिटल स्टैंडी का उद्घाटन समारोह।

- **26 नवंबर 2020,**

संविधान के पुनरीक्षण पर वेबिनार: 70 वर्षों की यात्रा।

अध्यक्ष: डॉ. सत्यब्रत चक्रवर्ती एशियाटिक सोसाइटी कोलकाता के महासचिव

दिसंबर, 2020:

महामारी के कारण दिसंबर 2020 के महीनों में कोई शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित नहीं किया गया था।

जनवरी, 2021:

- **9 जनवरी 2021**

राजस्थानी प्रचारिणी सभा और द एशियाटिक सोसाइटी के सहयोग से ऑनलाइन एलपीटेसिटरी मेमोरियल लेक्चर 2020।

मुख्य-नोट पता : डॉ. फॉस्टो फ्रेशी, अध्यक्ष, सोसाइटी इंडोलोगिका 'लुइगी पियो टेस्सिटोरी' उडीन, इटली। वक्ता: डॉ. जियानलुका रुबागोटी, इटली, कोलकाता के महावाणिज्य दूतावास, श्री श्याम सुंदर भट्टाचार्य, भाषाशास्त्र सचिव, एशियाटिक सोसाइटी।

- **15 जनवरी 2021**

एशियाटिक सोसाइटी के विद्यासागर हॉल में सुबह 11.00 बजे 238वां स्थापना दिवस समारोह।

मुख्य अतिथि: श्री जगदीप धनखड़, पश्चिम बंगाल के माननीय राज्यपाल, एशियाटिक सोसाइटी के संरक्षक और प्रथम महिला श्रीमती। सुदेश धनखड़।

स्थापना दिवस व्याख्यान प्रोफेसर पार्थ पी. मजूमदार, राष्ट्रीय विज्ञान अध्यक्ष, सरकार। भारत के, संस्थापक निदेशक, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बायोमेडिकल जीनोमिक्स, कल्याणी, एमेरिटस प्रोफेसर, भारतीय सांख्यिकी संस्थान, और अध्यक्ष, भारतीय विज्ञान अकादमी।

विषय: मानव इतिहास और संस्कृति के लिए एक गाइड के रूप में जीन।

डॉ स्वपन दासगुप्ता माननीय संसद सदस्य डराज्य सभा. द्वारा सरस्वती: द रिवर पार एक्सीलेंस नामक पुस्तक का विमोचन।

- **23 जनवरी 2021**

सुभाष चंद्र बोस की १२५वीं जयंती के उपलक्ष्य में एशियाई समाज ने नेताजी को श्रद्धांजलि पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया।

अध्यक्ष : श्री गिरीश मैती (मुख्य भाषण)

- **30 जनवरी 2021**

सुभाष चंद्र बोस की 125 वीं जयंती मनाने के लिए विशेष व्याख्यान, नेताजी सुभाष चंद्र बोस को श्रद्धांजलि राजेंद्रला मित्र भवन, सीएल-24, सेक्टर II, साल्ट लेक, कोलकाता 700091 में आयोजित

विषय: 'महात्मा गांधी और नेताजी सुभाष चंद्र बोस: पारस्परिक प्रवचन'।

अध्यक्ष: प्रोफेसर अमल कुमार मुखोपाध्याय, प्रतिष्ठित राजनीतिक वैज्ञानिक और प्रेसीडेंसी कॉलेज के पूर्व प्राचार्य।

- **30 जनवरी 2021- 8 फरवरी 2021**

सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती के अवसर पर रेखा चित्रम के सहयोग से आयोजित एक कला प्रदर्शनी का उद्घाटन एशियाटिक सोसाइटी की पूर्व अध्यक्ष प्रो. ईशा महम्मद द्वारा किया गया। यह प्रदर्शनी दोपहर 1-7 बजे के बीच खुली थी।

- **31 जनवरी 2021**

आभा मैती वार्षिक स्मृति व्याख्यान 2019।

वक्ता: प्रोफेसर निर्मला बनर्जी

विषय : 'लिंग को समझना आज हमारे लिए क्यों महत्वपूर्ण है?'

फरवरी, 2021:

- **5 फरवरी 2021**

हुमायूँ कबीर हॉल में साहित्य के रूप में वेदों पर एक विशेष व्याख्यान।

अध्यक्ष: प्रोफेसर समीरन चंद्र चक्रवर्ती।

- **8 फरवरी 2021**

  डॉ । सत्येंद्र नाथ सेन स्मृति व्याख्यान, 2019।

  विषय : 'देश में आर्थिक मंदी और कोरोना महामारी की स्थिति की मौजूदा समस्याओं के समाधान के लिए एक वैकल्पिक रास्ता।'

  अध्यक्ष: डॉ असीम कुमार दासगुप्ता

मार्च, 2021:

- **2-8 मार्च 2021**

  बुक बाजार 2021 का आयोजन विद्यासागर हॉल प्रतिदिन दोपहर 1-7 बजे से।

- **8 मार्च 2021**

  महामारी वर्ष में प्रकाशन विश्व पर एक बोलचाल।

  वक्ता: डॉ राम कुमार मुखोपाध्याय, प्रोफेसर अनिल आचार्य और श्री त्रिदिव चटर्जी।

12

अन्य गतिविधियां

सोशल मीडिया में उपस्थिति

फेसबुक, ट्विटर, यूट्यूब, व्हाट्सएप आदि के माध्यम से सोशल मीडिया में सोसाइटी की मजबूत उपस्थिति है।

- सोसाइटी के फेसबुक पेज (https://www.facebook.com/The-Asiatic-Society-Kolkata-455881717925308) में उक्त अवधि में 1200 से अधिक फॉलोअर्स जोड़े गए। सोसाइटी इस प्लेटफॉर्म पर अपने नियमित अपडेट पोस्ट करती है और कई लाइव कार्यक्रम भी आयोजित किए गए हैं। 120 से अधिक पद बनाए गए हैं और उक्त वर्ष में कुल पहुंच 1.1 लाख से अधिक थी।
- सोसाइटी के ट्विटर अकाउंट (https://twitter.com/asiatic_society) में 300 से अधिक फॉलोअर्स जोड़े गए और नियमित अपडेट भी यहां पोस्ट किए जाते हैं। 50 से ज्यादा ट्वीट और 250 रीट्वीट किए जा चुके हैं। पिछले वर्ष इसके कार्यक्रम की कुल पहुंच 41,000 से अधिक थी।
- वैश्विक दर्शकों तक बेहतर पहुंच के लिए सोसायटी का यूट्यूब चैनल (https://www.youtube.com/c/TheAsiaticSociety) भी शुरू किया गया है। वर्तमान में, इस चैनल में 900 से अधिक ग्राहक हैं और इस अवधि में सोसायटी द्वारा 35 से अधिक वीडियो अपलोड किए गए हैं, जो विश्व स्तर पर अनुशंसित है।
- समाज ने बेहतर संचार के लिए और घटनाओं को और अधिक फैलाने के लिए सोसायटी के कर्मचारियों के साथ व्हाट्सएप गरुप भी बनाया। समाज अपने कार्यक्रमों को संस्कृति मंत्रालय द्वारा बनाए गए व्हाट्सएप समूहों पर भी नियमित

रूप से अपनी घटनाओं को और अधिक बढ़ावा देने के लिए पोस्ट करता है।

इन पहलों के साथ, सोसायटी की अपनी वेबसाइट भी है, और इसके दर्शकों और सोसायटी के सदस्यों तक पहुंचने के लिए बल्क ईमेल सेवा का भी उपयोग किया जाता है।

वेबसाइट

- सोसायटी की वेबसाइट (www.asiaticsocietykolkata.org) नियमित आधार पर बनाए रखा और अपडेट किया जाता है। सोसाइटी द्वारा प्रकाशित सभी बुलेटिन और जर्नल पिछले 2 वर्षों से दुनिया भर के पाठकों के लिए वेबसाइट पर अपलोड किए गए हैं। वेबसाइट में सुधार भी प्रक्रियाधीन है।

सर्वर और कंप्यूटर

- नेटवर्क स्विच, सर्वर और कंप्यूटर (डेस्कटॉप और लैपटॉप दोनों) और अन्य सहायक उपकरण (प्रिंटर, स्कैनर, केबल आदि) को ठीक से बनाए रखा जा रहा है। सर्वरों का बैकअप डलाइब्रेरी ऑटोमेशन सॉफ्टवेयर-लिबसिस, डिजिटल आर्काइव-डीस्पेस. नियमित रूप से लिया जा रहा है।

हिंदी कार्यक्रम

- 9 नवंबर 2020 को डिजिटल स्टैंडी के उद्घाटन के अवसर पर, एशियाटिक सोसाइटी के फेसबुक पेज पर हिंदी में एक छोटा ऑडियो-विजुअल कार्यक्रम लाइव-स्ट्रीम किया गया।
- सोसाइटी के स्टाफ सदस्यों के बीच एक असाधारण प्रतियोगिता और हिंदी दिवस के महत्व के बारे में दो भाषणों के साथ 14 सितंबर 2020 को हिंदी दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण सोसायटी के फेसबुक पेज पर किया गया।

13

एशियाटिक सोसाइटी के कर्मचारी [2020-2021]

1. **डॉ. प्रीतम गुरे**
   पुस्तकालय अध्यक्ष
2. **श्री धीमान चक्रवर्ती**
   वित्त नियंत्रक
3. **श्री अरुपरतन बागची**
   प्रशासनिक अधिकारी
4. **श्री प्रदीप कुमार सह**
   लेखा अधिकारी
5. **श्री दिलीप कुमार रॉय**
   अनुभाग अधिकारी
6. **श्री तापस चटर्जी**
   अनुभाग अधिकारी
7. **श्रीमती सुजाता मिश्रा**
   सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष
8. **श्रीमती अमिता भट्टाचार्य (घोषाल)**
   सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष
9. **श्री रमाप्रसन्ना सिन्हा**
   संरक्षण अधिकारी
10. **श्री निर्मलेंदु घोषाल**
    प्रकाशन अधिकारी

11. **डॉ बंदना भट्टाचार्य**
अनुसंधान अधिकारी

12. **श्रीमती आरती कुंडू**
रेप्रोग्राफी सह फोटोग्राफी अधिकारी

13. **श्री अर्पण घोष**
सुरक्षा अधिकारी

14. **श्री सुब्रत बनर्जी**
मुनीम

15. **श्री भास्कर घोषी**
मुनीम

16. **श्री नंदा राय**
सहायक सुरक्षा अधिकारी

17. **श्री सुशील कुमार रॉय**
सहायक सुरक्षा अधिकारी

18. **श्री गदाधर हाजरा**
वरिष्ठ सहायक

19. **श्रीमती सुतपा सेनगुप्ता**
वरिष्ठ सहायक

20. **श्री अचिंत कुमार डे**
वरिष्ठ सहायक [28.02.2021 को सेवानिवृत्त]

21. **श्री सोमेंद्र नाथ दास**
वरिष्ठ सहायक

22. **श्रीमती बंदना भट्टाचार्य**
वरिष्ठ सहायक

23. **श्रीमती दीपा घटकी**
वरिष्ठ सहायक

24. **श्री संजय राय चौधरी**
वरिष्ठ सहायक

25. **श्री असीम कुमार दत्ता**
वरिष्ठ सहायक

26. **श्री स्वरूप मन्ना**
वरिष्ठ सहायक

27. **श्री सरोज कुमार मैती**
वरिष्ठ सहायक

28. **श्री मुरारी भट्टाचार्य:**
वरिष्ठ सहायक

29. **श्री रथींद्रनाथ भट्टाचार्य:**
आशुलिपिक

30. **श्री पलाश कांति दत्ता**
आशुलिपिक

31. **श्रीमती अनुराधा बाइसैक**
आशुलिपिक

32. **श्री सुखेंदु बिकाश पाली**
वरिष्ठ प्रकाशन सहायक

33. **डॉ शक्ति मुखर्जी**
वरिष्ठ प्रकाशन सहायक

34. **डॉ दलिया बंडूरी**
वरिष्ठ प्रकाशन सहायक

35. **श्रीमती रूपा मुखोपाध्याय**
वरिष्ठ तकनीकी सहायक

36. **शब्बीर अहमद**
वरिष्ठ तकनीकी सहायक

37. **श्री जयंत सिकदर**
वरिष्ठ तकनीकी सहायक

38. **श्री अमित घोष**
रखरखाव अभियान्ता

39. **डॉ केका अधिकारी (बनर्जी)**
संग्रहाध्यक्ष

40. **डॉ. बिबेकानंद बनर्जी**
वरिष्ठ सूचीपत्र [31.01.2021 को सेवानिवृत्त]

41. **डॉ जगतपति सरकार**
वरिष्ठ सूचीपत्र

42. **एसएसएफआई अलकादेरी**
सूची बनानेवाला

43. **डॉ अर्चना राय**
सूची बनानेवाला

44. **सुश्री फरहीन सबा**
सूची बनानेवाला

45. **श्री तन्मय दास**
सहायक रखरखाव अभियंता

46. **सुश्री सलमा खान**
पुस्तकालय सूचना सहायक

47. **श्री स्वप्ननील चटर्जी**
पुस्तकालय सूचना सहायक

48. **सुश्री उमा रक्षित**
पुस्तकालय सूचना सहायक

49. **श्री दिलीप कुमार दे**
संरक्षण सहायक (एलआईए)
[31.10.2020 को सेवानिवृत्त]

50. **श्रीमती मोली भौमिक**
संरक्षण सहायक (एलआईए)

51. **श्रीमती गौरी मित्र**
संरक्षण सहायक (एलआईए)

52. **श्री कल्याण सेन**
संरक्षण सहायक (एलआईए)

53. **श्री दिबाकर मैती**
संरक्षण सहायक (एलआईए)

54. **श्रीमती अनीता रॉय**
संरक्षण सहायक (एलआईए)

55. **श्री अशोक झा**
कनिष्ठ सहायक [30.04.2020 को सेवानिवृत्त]

56. **श्री गोबिंदलाल चटर्जी**
कनिष्ठ सहायक [30.04.2020 को सेवानिवृत्त]

57. **श्री कल्याण रॉय**
कनिष्ठ सहायक [30.11.2020 को सेवानिवृत्त]

58. **श्री सोमनाथ भट्टाचार्य (1)**
कनिष्ठ सहायक

59. **श्री सुब्रत मुखर्जी**
कनिष्ठ सहायक [30.09.2020 को सेवानिवृत्त]

60. **श्री सुब्रत सरकार**
कनिष्ठ सहायक [31.01.2021 को सेवानिवृत्त]

61. **श्री तमाल घोष**
कनिष्ठ सहायक

62. **रियाज अहमद**
कनिष्ठ सहायक

63. **श्री दिब्येंदु दत्ता चौधरी**
कनिष्ठ सहायक [22.05.2020 को निधन हो गया]

64. **श्री देबासिस दत्ता**
कनिष्ठ सहायक

65. **श्री मुरारी मजूमदार**
कनिष्ठ सहायक

66. **श्री स्वपन कुमार दास**
कनिष्ठ सहायक

67. **श्री परेश चक्रवर्ती**
कनिष्ठ सहायक

68. **श्री अनुपम चौधरी:**
कनिष्ठ सहायक

69. **श्री उत्पल भद्र:**
कनिष्ठ सहायक

70. **श्री सुप्रभात मजूमदार**
कनिष्ठ सहायक

71. **श्री तापस कर्मकार**
कनिष्ठ सहायक

72. **श्री रामप्रवेश कुम्हार**
कनिष्ठ सहायक

73. **श्री आसीम कृष्ण रॉय**
कनिष्ठ सहायक

74. **श्री प्रशांत गांगुली**
रेप्रोग्राफी सह फोटोग्राफी सहायक

75. **श्री समिक बिस्वास**
प्रकाशन सहायक सह प्रूफ रीडर

76. **सुश्री सागरिका सूर**
प्रकाशन सहायक सह प्रूफ रीडर

77. **श्री आलोक दोलुई**
तथ्य दाखिला प्रचालक

78. **श्री दीपकर सुकुल**
निम्न श्रेणी लिपिक [31.01.2021 को सेवानिवृत्त]

79. **श्री भोलानाथ गांगुली**
निम्न श्रेणी लिपिक

80. **श्री गोपाल आइच**
निम्न श्रेणी लिपिक

81. **श्री तपन घटक**
निम्न श्रेणी लिपिक

82. **श्री सुचंद मुखर्जी**
निम्न श्रेणी लिपिक

83. **श्रीमती माला चटर्जी**
निम्न श्रेणी लिपिक

84. **श्री शत्रुघ्न माणिक्य**
निम्न श्रेणी लिपिक

85. **श्री भास्कर घोष**
निम्न श्रेणी लिपिक

86. **श्रीमती प्रणति मित्र**
निम्न श्रेणी लिपिक

87. **श्रीमती छंदा दे**
निम्न श्रेणी लिपिक

88. **श्रीमती सतरूपा बनर्जी**
निम्न श्रेणी लिपिक

89. **सुश्री सुदीप्त नस्कर**
निम्न श्रेणी लिपिक

90. **श्री काशीनाथ गुँइ**
निम्न श्रेणी लिपिक

91. **श्री कृष्णेंदु दत्ता चौधरी**
निम्न श्रेणी लिपिक

92. **श्री प्रणब कुमार माजी**
अवर श्रेणी लिपिक

93. **श्री संदीप राजोरिया**
निम्न श्रेणी लिपिक

94. **श्री राहुल दोलुई**
अवर श्रेणी लिपिक

95. **श्री आकाश दास**
निम्न श्रेणी लिपिक

96. **श्री अतिम कुमार मंडल**
निम्न श्रेणी लिपिक

97. **श्री ज्योतिर्मय टुडू**
अवर श्रेणी लिपिक

98. **श्री सुजॉय भौमिक**
अवर श्रेणी लिपिक

99. **सुश्री तिथि पॉल**
निम्न श्रेणी लिपिक

100. **श्री श्यामल चक्रवर्ती**
हेड सिक्योरिटी गार्ड

101. **श्री विश्वनाथ नंद्य:**
हेड सिक्योरिटी गार्ड

102. **श्री बादल चटर्जी**
हेड सिक्योरिटी गार्ड

103. **श्री गौरंगा सामली**
हेड सिक्योरिटी गार्ड

104. **मुस्ताक होसियन**
हेड सिक्योरिटी गार्ड

105. **श्री चक्रधर बेरा**
चालक

106. **श्री दुलाल चंद्र दे**
चालक

107. **श्री तपन कुमार दोलुई**
चालक

108. **अब्दुल रशीद**
इलेकाट्रिक मिस्त्री

109. **श्री लक्षन चंद्र माणिक**
बढ़ई

110. **श्री अस्तो घोष**
रसोइया

111. **श्री श्यामल मंडल**
लिफ्टवाला

112. **श्री तापस दास**
बाइंडर/मेंडर

113. **श्री रवींद्रनाथ दे**
बाइंडर/मेंडर

114. **श्री अलीप घोष**
बाइंडर/मेंडर

115. **श्री सोमनाथ भट्टाचार्य (2)**
बाइंडर/मेंडर

116. **श्री शंकर दास**
बाइंडर/मेंडर

117. **श्री गोपाल चंद्र सिन्हा**
बाइंडर/मेंडर

118. **श्री राकेश शर्मा**
बाइंडर/मेंडर

119. **एसके सजहान**
परिचारक [31.12.2020 को सेवानिवृत्त]

120. **श्री सुशील चंदा**
परिचारक

121. **श्री राध्याश्याम मिश्रा**
परिचारक

122. **श्री काली चरण शॉ**
परिचारक

123. **श्री गौतम दास**
परिचारक

124. **श्रीमती साबित्री दासगुप्ता**
परिचारक

125. **श्री प्रकाश घोष**
परिचारक

126. **श्री संजय परिधा**
जूनियर अटेंडेंट

127. **श्री विद्याधर साहू**
जूनियर अटेंडेंट

128. **श्री तपन घोराय**
जूनियर अटेंडेंट

129. **श्री देबनारायण सह:**
जूनियर अटेंडेंट

130. **श्री विश्वजीत घोष**
जूनियर अटेंडेंट

131. **श्रीमती तुतुल दे**
जूनियर अटेंडेंट

132. **श्री अमित कुमार घोष**
जूनियर अटेंडेंट

133. **श्री संजीत सिंह**
जूनियर अटेंडेंट

134. **श्री रणजीत सिंह**
जूनियर अटेंडेंट

135. **श्रीमती लीना बनर्जी**
जूनियर अटेंडेंट

136. **श्री प्रेम शंकर सिंह**
जूनियर अटेंडेंट

137. **श्रीमती दीपाली दे**
जूनियर अटेंडेंट

138. **श्री काशीनाथ नंद्यो**
जूनियर अटेंडेंट

139. **श्री भरत कुम्हार**
जूनियर अटेंडेंट

140. **श्री राजेश पोलाई**
जूनियर अटेंडेंट

141. **श्री रितेश प्रधान**
जूनियर अटेंडेंट

142. **श्रीमती शर्मिष्ठा लहा**
जूनियर अटेंडेंट

143. **श्री सुरोजीत दास**
जूनियर अटेंडेंट

144. **श्री राकेश कुम्हार**
जूनियर अटेंडेंट

145. **श्री सौरभ मजी**
जूनियर अटेंडेंट

146. **श्री चंदन हेला**
जूनियर अटेंडेंट

147. **श्री भाग्यजय शतपथ्य:**
जूनियर अटेंडेंट

148. **सुश्री श्राबनी दत्ता चौधरी**
जूनियर अटेंडेंट

149. **श्री हरीश दास**
सुरक्षा कर्मी

150. **श्री उत्तम दास**
सुरक्षा कर्मी

151. **श्री शिबाजी पाण्डेय**
सुरक्षा कर्मी

152. **श्री तारकेश्वर चौबे**
सुरक्षा कर्मी

153. **श्री बंसी बेवर:**
सुरक्षा कर्मी

154. **श्री राज कुमार प्रसाद**
सुरक्षा कर्मी

155. **श्री अमल पाल**
सुरक्षा कर्मी

156. **श्री शिबोप्रसाद बनर्जी**
सुरक्षा कर्मी

157. **श्री माणिक मुखर्जी**
सुरक्षा कर्मी

158. **श्री प्रदीप चक्रवर्ती**
सुरक्षा कर्मी

159. **श्री बिभास दत्ता**
सुरक्षा कर्मी

160. **श्री स्वपन सरकार**
सुरक्षा कर्मी

161. **श्री रवींद्रनाथ दास**
सुरक्षा कर्मी

162. **श्री राजकिशोर प्रसाद**
सुरक्षा कर्मी

163. **श्री सुदर्शन बेरा**
सुरक्षा कर्मी

164. **श्री अतनु बताब्याल**
सुरक्षा कर्मी

165. **श्री अशोक कुमार राय**
सुरक्षा कर्मी

166. **श्री बासुदेब दास**
सुरक्षा कर्मी

167. **श्री उत्तम संतरा**
सफाईवाला

168. **श्री निहार रंजन मजूमदार**
सफाईवाला

169. **श्री तपन कुमार दास**
सफाईवाला

170. **श्री भारत हेला**
सफाईवाला

171. **श्रीमती लक्ष्मी हेला**
सफाईवाला

172. **सफीक अली खान**
सफाईवाला

173. **सुश्री पारुल देबि**
सफाईवाला

174. **श्री वानीब्रत भट्टाचार्य**
सिस्टम इंजीनियर डसंविदात्मक आधार.

175. **श्रीमती सुरंजना चौधरी**
प्रकाशन सहायक सह प्रूफ रीडर डसंविदात्मक आधार.

176. **श्री चंदन अधिकारी:**
अनौपचारिक मजदूर

177. **श्री रतन दत्ता**
अनौपचारिक मजदूर

178. **श्री गुड्डू प्रसाद**
अनौपचारिक मजदूर

179. **श्री राजेश क्र. पांडे**
अनौपचारिक मजदूर

180. **श्री छद्दू सरकार**
अनौपचारिक मजदूर

181. **एकरामुल हक**
अनौपचारिक मजदूर

182. **श्री विकेश कुमार सिंह**
अनौपचारिक मजदूर

183. **सुश्री शिल्पा कारी**
अनौपचारिक मजदूर

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता

वार्षिक लेखा परीक्षा
2020-2021

*** जैसा कि 6 डिसेम्बर, 2021 की आयोजित एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता की असाधारण सामान्य बैठक मे अपनाया गया।**

14

वार्षिक लेखा परीक्षा 2020-2021

31 मार्च 2021 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के लेखों पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट

हमने 31 मार्च 2021 को द एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता (सोसाइटी) के संलग्न तुलन-पत्र का, उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए नियंत्रक की धारा 19(2) के तहत आय-व्यय खाता और प्राप्तियों और भुगतान खातों का लेखा-जोखा किया है। और महालेखा परीक्षक (कर्तव्य, शक्तियां और सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1 971, एशियाटिक सोसाइटी अधिनियम, 1984 की धारा -5 (2) के साथ पढ़ा गया। ये वित्तीय विवरण सोसायटी के प्रबंधन की जिम्मेदारी हैं। हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपने ऑडिट के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर राय व्यक्त करें।

2. इस अलग लेखा परीक्षा रिपोर्ट में भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG) की टिप्पणियों में केवल लेखांकन व्यवहार पर, वर्गीकरण के संबंध में, सर्वोत्तम लेखांकन प्रथाओं के अनुरूप, लेखांकन मानकों और प्रकटीकरण मानदंडों आदि शामिल हैं। वित्तीय पर लेखापरीक्षा अवलोकन कानून, नियमों और विनियमों (अर्थात औचित्य और नियमितता) और दक्षता-सह-प्रदर्शन पहलुओं, आदि के अनुपालन के संबंध में लेनदेन, यदि कोई हो, निरीक्षण रिपोर्ट/सीएजी की लेखापरीक्षा रिपोर्ट के माध्यम से अलग से रिपोर्ट किए जाते हैं।

3. हमने भारत में आम तौर पर स्वीकृत ऑडिटिंग मानकों के अनुसार अपना ऑडिट किया है। 'इन मानकों के लिए आवश्यक है कि हम वित्तीय विवरण भौतिक गलत विवरणों से मुक्त हैं या नहीं, इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए हम लेखा परीक्षा की योजना बनाते हैं और निष्पादित करते हैं।

एक लेखापरीक्षा में वित्तीय विवरणों में राशियों और प्रकटीकरणों का समर्थन करने वाले साक्ष्यों का परीक्षण के आधार पर परीक्षण करना शामिल है। एक लेखापरीक्षा में उपयोग किए गए लेखांकन सिद्धांतों और प्रबंधन द्वारा किए गए महत्वपूर्ण अनुमानों का आकलन करने के साथ-साथ वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन भी शामिल है। हम मानते हैं कि हमारी लेखापरीक्षा हमारी राय के लिए एक उचित आधार प्रदान करती है।

4. हमारी लेखापरीक्षा के आधार पर, हम रिपोर्ट करते हैं कि:

i. हमने सभी जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं, जो हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार, हमारी लेखापरीक्षा के प्रयोजन के लिए आवश्यक थे;

ii. इस रिपोर्ट द्वारा निपटाए गए बैलेंस शीट, आय और व्यय खाते और प्राप्तियां और भुगतान खाते को वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्धारित प्रारूप में तैयार किया गया है।

iii. हमारी राय में, एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता द्वारा उचित लेखा पुस्तकों और अन्य प्रासंगिक अभिलेखों का रखरखाव किया गया है, जैसा कि ऐसी पुस्तकों की हमारी जांच से प्रतीत होता है।

iv. हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि

खातों पर टिप्पणियाँ:

ए। आय और व्यय खाता

1.1 आय

1.1.1 अर्जित ब्याज (अनुसूची 17): रु 30.40 लाख

एमओसी और सोसायटी के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए, सहायता अनुदान और अग्रिम के खिलाफ सभी ब्याज और अन्य कमाई अनिवार्य रूप से भारत सरकार को प्रेषित की जानी थी (भारत सरकार), खातों को अंतिम रूप देने के तुरंत बाद। सोसायटी ने अपने द्वारा प्राप्त अनुदानों पर ब्याज के रूप में 30.40 लाख अर्जित किए थे, और इसने इस राशि को भारत सरकार को देय होने के रूप में दिखाने के बजाय 'आय' के रूप में मान्यता दी। पिछले वर्ष की लेखापरीक्षा रिपोर्ट में इसी तरह की टिप्पणियों को उजागर किए जाने के बावजूद, सोसायटी ने इस संबंध में आवश्यक कदम नहीं उठाए। इसके परिणामस्वरूप अर्जित ब्याज को अधिक बताया गया और 'वर्तमान देनदारियों और प्रावधानों' को कम बताया गया। द्वारा 30.40 लाख प्रत्येक। नतीजतन, घाटे को उसी राशि से कम करके दिखाया गया था।

बी जनरल

2.1 सोसायटी ने मार्च माह से संबंधित 'सुरक्षा एवं हाउस कीपिंग प्रभार' (5.76 लाख) एवं 'विद्युत प्रभार' (0.99 लाख) का भुगतान किया। 2020, और इसे चालू वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान व्यय के रूप में दिखाया, बजाय इसे पूर्व अवधि के खर्चों के रूप में दिखाने के।

2.2 पिछले वर्ष में इसी तरह की टिप्पणियों को उजागर किए जाने के बावजूद लेखापरीक्षा प्रतिवेदन, सोसाइटी ने निम्नलिखित मामलों में आवश्यक कदम नहीं उठाए:

ए) 'किराया प्राप्य' और 'सदस्यता प्राप्य', 46.66 लाख रुपये की राशि और 20.62 लाख, क्रमशः, साल दर साल संचित की समीक्षा करने की आवश्यकता है।

बी) सोसायटी ने बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर सेवानिवृत्ति लाभों के लिए आईसीएआई द्वारा जारी लेखा मानक 15 के उल्लंघन में प्रावधान नहीं किया है।

2.3 सोसायटी ने 'जर्नल सदस्यता का अग्रिम भुगतान' मद में 28.88 लाख की राशि बुक की थी। हालांकि, इसमें शामिल राशि पिछले दो से पांच वर्षों से असमायोजित पड़ी हुई है। इसकी समीक्षा करने की जरूरत है।

सी. सहायता अनुदान

सोसायटी को भारत सरकार से प्राप्त अनुदान द्वारा वित्तपोषित किया जाता है। वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान, इसे (18.53 करोड़) की राशि का अनुदान प्राप्त हुआ। इसके अलावा, पिछले वर्ष की अव्ययित शेष राशि {1 .01 करोड़ थी। वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान, इसने 22.07 करोड़ खर्च किए, जिससे अतिरिक्त व्यय हुआ 2.53 करोड़, जो इसके आंतरिक संसाधन उत्पादन से मिले थे।

डी शुद्ध प्रभाव

जाल पिछले पैराग्राफ में दी गई टिप्पणियों में से यह है कि घाटा (आय से अधिक व्यय होने के कारण) 30.40 लाख से कम बताया गया था, के लिए 31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष।

ई. प्रबंधन पत्र

कमियां जिन्हें लेखापरीक्षा रिपोर्ट में शामिल नहीं किया गया है, उन्हें उपचारात्मक/सुधारात्मक कार्रवाई के लिए अलग से जारी एक प्रबंधन पत्र के माध्यम से महासचिव, एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के ध्यान में लाया गया है।

v. पिछले पैराग्राफों में हमारी टिप्पणियों के अधीन, हम रिपोर्ट करते हैं कि बैलेंस शीट और आय और व्यय खाता और इस रिपोर्ट द्वारा निपटाए गए प्राप्तियां और भुगतान खाते खातों की पुस्तकों के अनुरूप हैं।

vi. हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, उक्त वित्तीय विवरण, लेखा नीतियों और खातों पर टिप्पणियों के साथ पढ़े जाते हैं, और ऊपर बताए गए महत्वपूर्ण मामलों और अनुबंध में उल्लिखित अन्य मामलों के अधीन हैं। यह लेखा परीक्षा रिपोर्ट, भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुरूप एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण देती है:

a. जहां तक यह 31 मार्च 2021 को एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के मामलों की स्थिति के तुलन पत्र से संबंधित है, और

b. जहां तक यह घाटे के आय और व्यय खाते से संबंधित है, उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के लिए और उनकी ओर से

जगह: कोलकाता

दिनांक: 22. 11.2021

(दीपक नारायण)

लेखापरीक्षा महानिदेशक

(मध्य) कोलकाता

अनुलग्नक

A. आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता

आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली निम्नलिखित कारणों से पर्याप्त नहीं है:

i. कोई आंतरिक लेखापरीक्षा नियमावली प्रयोग में नहीं है।

ii. सोसायटी में कोई आंतरिक लेखा परीक्षा विंग नहीं है। संस्कृति मंत्रालय के आंतरिक लेखा परीक्षा विंग के माध्यम से सोसायटी की गतिविधियों की समय-समय पर लेखा परीक्षा की जा रही है। तथापि, वित्तीय वर्ष 2016-17 की लेखापरीक्षा के बाद से ऐसी कोई लेखापरीक्षा नहीं की गई है।

B. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता

समाज की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली निम्नलिखित क्षेत्रों में पर्याप्त नहीं है:

i. संस्था का संगठनात्मक चार्ट अपने अधिकारियों और कर्मचारियों के कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के आवंटन को स्पष्ट रूप से इंगित नहीं करता है।

ii. इसके खातों के शीर्ष को कोडित नहीं किया गया है।

iii. सोसायटी के पास अपने कर्मचारियों और अन्य व्यक्तियों/संस्थाओं को भुगतान किए गए लंबे समय से लंबित अग्रिमों के समायोजन के लिए उचित तंत्र नहीं है।

iv. सोसायटी या तो बिल रजिस्टर या व्यय नियंत्रण रजिस्टर का रखरखाव नहीं कर रही है।

v. सोसायटी की नकद रसीदों में से नकद संवितरण की अनुमति दी जा रही है।

vi. चेक प्रोटेक्टर का उपयोग नहीं किया जा रहा है।

vii. आवर्ती भुगतानों, जैसे ईपीएफ, टीडीएस, टेलीफोन बिल, बिजली बिल आदि के संबंध में तारीखों का कोई शेड्यूल तैयार नहीं किया गया है।

viii. कोई केंद्रीकृत खरीद प्रणाली नहीं है।

ix. यह सुनिश्चित करने के लिए कि स्टॉक के स्तर को तदनुसार बनाए रखा जा सकता है, विभिन्न उपभोग्य स्टॉक के लिए स्टॉक स्तर के संबंध में कोई मानदंड तय नहीं किया गया है।

C. अचल संपत्तियों और सूची के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

सोसायटी 'स्थायी संपत्ति रजिस्टर' का रखरखाव नहीं कर रही है। इसके अलावा, कोई भौतिक नहीं, के दौरान 'स्थायी संपत्ति' (इन्वेंट्री सहित) का सत्यापन किया गया था वित्तीय वर्ष 2020-21।

D सांविधिक देयताएं

सोसायटी ने 'सांविधिक देयताएं' मद के तहत 0.37 लाख की राशि बुक की, जिसे वित्तीय वर्ष 2014-15 से बकाया के रूप में दिखाया गया है। सात वर्ष से अधिक पुरानी होने के कारण इस राशि की समीक्षा किए जाने की आवश्यकता है।

एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता

वर्ष 2020-21 के लिए एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के खातों पर अलग लेखा परीक्षा रिपोर्ट में किए गए खातों पर टिप्पणियों पर सोसायटी का जवाब, अधिनियम 1971 के लेखा परीक्षा महानिदेशक (केंद्रीय), कोलकाता एवं नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कर्तव्य, शक्तियां और सेवा की शर्तें) के कार्यालय द्वारा धारा 19/2 के तहत लेखा परीक्षित

अनु.स.	लेखा परीक्षा द्वारा खातों पर टिप्पणियां	एशियाटिक सोसाइटी का उत्तर
A	**आय-व्यय लेखा**	
1.1	**आय**	
1.1.1	**अर्जित ब्याज (अनुसूची 17): रु.30.40 लाख** श्दण और सोसायटी के बीच समझौता ज्ञापन (श्दळ) के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए, सहायता अनुदान और अग्रिम के खिलाफ सभी ब्याज और अन्य आय, भारत सरकार को अनिवार्य रूप से प्रेषित की जानी थी (भारत सरकार), खातों को अंतिम रूप देने के तुरंत बाद। सोसायटी ने रुपये कमाए थे। इसके द्वारा प्राप्त अनुदानों पर ब्याज के रूप में 30.40 लाख, और इसने इस राशि को 'आय' के रूप में मान्यता दी, इसे भारत सरकार को देय होने के रूप में दिखाने के बजाय। पिछले वर्ष की लेखापरीक्षा रिपोर्ट में इसी तरह की टिप्पणियों को उजागर किए जाने के बावजूद, सोसायटी ने इस संबंध में आवश्यक कदम नहीं उठाए। इसके परिणामस्वरूप अर्जित ब्याज को अधिक बताया गया और 'वर्तमान देनदारियों और प्रावधानों' को रुपये से कम बताया गया। 30.40 लाख प्रत्येक। नतीजतन, घाटे को उसी राशि से कम करके दिखाया गया था।	संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त सहायता अनुदान के प्रति सभी ब्याज और अन्य आय का लेखा वर्ष-दर-वर्ष आधार पर एक समान पैटर्न में किया गया है और इसे वर्षों से पूंजीकृत किया गया है।
B	**साधारण**	
2.1	सोसाइटी ने मार्च 2020 के महीने से संबंधित 'सुरक्षा और हाउस कीपिंग चार्ज' (5.76 लाख रुपये) और 'बिजली शुल्क' (0.99 लाख रुपये) का भुगतान किया और इसे चालू वित्तीय वर्ष 2020- 21 के	मार्च, 2020 माह से संबंधित 'सुरक्षा एवं हाउस कीपिंग चार्ज' (5.76 लाख रुपये) और 'बिजली शुल्क' (0.99 लाख रुपये) का प्रावधान वर्ष 2019-20 में प्राप्तियां नहीं होने के कारण नहीं किया जा सका। एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के खातों

अनु.स.	लेखा परीक्षा द्वारा खातों पर टिप्पणियां	एशियाटिक सोसाइटी का उत्तर
	दौरान, इसे पूर्व अवधि व्यय के रूप में दिखाने के बजाय खर्च के रूप में दिखाया।	की पुस्तकों को बंद करने के भीतर यानी 31 मार्च, 2020 तक विक्रेताओं से बिलों/चालानों की संख्या। सभी बिल अप्रैल, 2020 के महीने में प्राप्त किए गए थे और वर्ष 2020-21 के दौरान 'सुरक्षा और हाउस कीपिंग चार्ज' और 'बिजली शुल्क' के तहत भुगतान किया गया था। यद्यपि वर्ष 2019-20 के दौरान बिल प्राप्त नहीं होने के कारण प्रावधान नहीं किया जा सका लेकिन वर्ष 2020-21 के दौरान 12 महीने के खर्च (अर्थात मार्च, 2020 से फरवरी, 2021 तक) बुक किए गए हैं।
2.2	पिछले वर्ष की लेखापरीक्षा रिपोर्ट में इसी तरह की टिप्पणियों को उजागर किए जाने के बावजूद, सोसायटी ने निम्नलिखित मामलों में आवश्यक कदम नहीं उठाए:	
a)	'किराया प्राप्य' और 'सदस्यता प्राप्य', रुपये की राशि। क्रमश: 46.66 लाख और 20.62 लाख रुपये की समीक्षा करने की आवश्यकता है, क्योंकि वे साल दर साल जमा हो रहे हैं।	ए) प्राप्तियों को वर्ष दर वर्ष आधार पर एक समान पैटर्न में लेखा किया गया है। संचित शेष राशि की समीक्षा की जाएगी और उसके अनुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।
b)	सोसायटी ने बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर सेवानिवृत्ति लाभों के लिए आईसीएआई द्वारा जारी लेखा मानक 15 के उल्लंघन में प्रावधान नहीं किए हैं।	बी) चूंकि सेवानिवृत्ति लाभों का भुगतान जिसमें ग्रेच्युटी और छुट्टी नकदीकरण शामिल है, नकद आधार पर किया जाता है और वर्ष-दर-वर्ष आधार पर बजट में प्रदान किया जाता है, वित्त वर्ष 2020-21 में ऐसा कोई प्रावधान नहीं किया गया है। इसके अलावा, सोसायटी पूरी तरह से भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित है और कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति लाभों के भुगतान को पूरा करने के लिए इसके पास कोई निवेश / स्वयं का धन नहीं है, इसलिए वर्ष 2020-21. के लिए सोसायटी के खातों की पुस्तकों में ऐसा कोई प्रावधान नहीं किया गया है।
2.3	सोसायटी ने एक लाख रुपये की राशि बुक की थी। 'जर्नल सब्सक्रिप्शन का अग्रिम भुगतान' शीर्ष के तहत 28.88 लाख। हालांकि, इसमें शामिल राशि पिछले दो से पांच वर्षों से असमायोजित पड़ी हुई है। इसकी समीक्षा करने की जरूरत है।	2020-21 से पहले जर्नल सब्सक्रिप्शन के खिलाफ असमायोजित अग्रिम 28.79 लाख रुपये के बजाय 28.88 लाख रुपये होंगे (2017-17 से पहले 3042/- रुपये, 2016-17 के लिए 19,84,939/- रुपये, 8 रुपये ,90,887/- 2017-18 के लिए और रुपये 9,292/- 2018-19 के लिए)।

अनु.स.	लेखा परीक्षा द्वारा खातों पर टिप्पणियां	एशियाटिक सोसाइटी का उत्तर
		एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के पुस्तकालय अनुभाग को जर्नल की सदस्यता के लिए अनुचित अग्रिमों के विरुद्ध जर्नल की प्राप्तियों के अभिलेखों की जाँच के लिए सूचना दी गई। समायोजन चालू वर्ष में पुस्तकालय अनुभाग से प्रतिवेदन प्राप्त होने पर किया जायेगा।
C	**अनुदान** सोसायटी को भारत सरकार से प्राप्त अनुदान द्वारा वित्तपोषित किया जाता है। वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान, इसे रु। का अनुदान प्राप्त हुआ। 118.53 करोड़। इसके अलावा, पिछले वर्ष की अव्ययित शेष राशि रु. 1.01 करोड़। वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान, इसने रु। 22.07 करोड़, जिससे रुपये का अतिरिक्त व्यय हुआ। 2.53 करोड़, जो इसके आंतरिक संसाधन उत्पादन से मिले थे।	एक वर्ष के सहायता अनुदान का उपयोगिता प्रमाणपत्र (यूसी) उस विशेष वर्ष (इस मामले में, 2020-21) के लिए प्राप्तियों और भुगतान खाते के आधार पर और उस वर्ष की गतिविधियों के लिए अग्रिम भुगतान (इस मामले में2020-21) के आधार पर तैयार किया जाता है। जो प्राप्तियों और भुगतान खाते के माध्यम से परिलक्षित होते हैं, उन्हें संबंधित वर्ष के उपयोगिता प्रमाण पत्र में सहायता अनुदान के उपयोग के रूप में शामिल किया जाता है। यह समान रूप से अभ्यास किया गया है।
D	**शुद्ध प्रभाव** पिछले पैराग्राफ में दी गई टिप्पणियों का शुद्ध प्रभाव यह है कि घाटा (आय से अधिक व्यय होने के कारण) 31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए 30.40 लाख रुपये से कम करके आंका गया था।	लेखापरीक्षा के सुझावों को नोट कर लिया गया है। कुछ मामलों में सुधार/समायोजन प्रविष्टियों के माध्यम से सुधारात्मक कार्रवाई पहले ही की जा चुकी है जैसा कि संबंधित पैराग्राफ में उल्लेख किया गया है और शेष टिप्पणियों के लिए उचित कार्रवाई की जा रही है।
E	**Management Letter** कमियां जिन्हें लेखापरीक्षा रिपोर्ट में शामिल नहीं किया गया है, उन्हें उपचारात्मक/सुधारात्मक कार्रवाई के लिए अलग से जारी एक प्रबंधन पत्र के माध्यम से महासचिव, एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के ध्यान में लाया गया है।	प्रबंधन पत्र दिनांक 22.11.2021 में उल्लिखित कमियों पर लेखापरीक्षा के सुझावों को नोट कर लिया गया है। इसमें उल्लिखित सभी सात बिंदुओं पर सुधारात्मक कार्रवाई शुरू कर दी गई है और वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान आवश्यक लेखा सुधार के लिए उचित कार्रवाई की जाएगी।

जगह: कोलकाता
दिनांक: 23.11.2021

हस्ताक्षरित
(सुजीत कुमार दास)
कोषाध्यक्ष

हस्ताक्षरित
(एस. बी. चक्रवर्ती)
महासचिव

दि एशियाटिक सोसाइटी कोलकाता

वार्षिक खाता
2020-2021

*** जैसा कि 6 डिसेम्बर, 2021 की आयोजित एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता की असाधारण सामान्य बैठक मे अपनाया गया।**

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता

31 मार्च 2021 तक बैलेंस शीट

	क्रम	चालू वर्ष ₹	विगत वर्ष ₹
फंड और देनदारियां			
पूंजी कोष	1	423389415.20	441699261.75
भंडार और अधिशेष	2	0.00	0.00
निर्धारित / बंदोबस्ती निधि	3	23867640.99	23037777.99
सुरक्षित ऋण और उधार	4	0.00	0.00
असुरक्षित ऋण और उधार	5	0.00	0.00
आस्थगित ऋण देयताएं	6	0.00	0.00
वर्तमान देयताएं और प्रावधान	7	10783920.55	31547594.69
कुल		**458040976.74**	**496284634.43**
संपत्ति			
अचल संपत्तियां	8	263932701.13	243012340.53
निवेश - निर्धारित / बंदोबस्ती निधि से	9	19088423.00	19113376.00
निवेश- अन्य	10	43789500.00	43789500.00
वर्तमान संपत्ति, ऋण और अग्रिम, आदि।	11	131230352.61	190369417.90
विविध व्यय डजिस हद तक बट्टे खाते में डाला या समायोजित नहीं किया गया है.		0.00	0.00
कुल		**458040976.74**	**496284634.43**
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	24		
आकस्मिक देयताएं और खातों पर टिप्पणियां	25		

जगह: कोलकाता
दिनांक: 23.11.2021

हस्ताक्षरित
(सुजीत कुमार दास)
कोषाध्यक्ष

हस्ताक्षरित
(एस. बी. चक्रवर्ती)
महासचिव

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता

३१ मार्च २०२१ को बैलेंस शीट का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 1 पूंजी कोष	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
	रु.	रु.	रु.	रु.
वर्ष की शुरुआत में शेष राशि		441699261.75		423917503.44
जोड़ें: वर्ष के दौरान समायोजन		21192385.14		619004.00
जोड़ें: कॉर्पस/पूंजीगत निधि के लिए योगदान				
डसहायता अनुदान: पूंजीगत संपत्ति का निर्माण. जोड़ें/(कटौती):		0.00		5439000.00
आय और व्यय खाते से हस्तांतरित शुद्ध आय (व्यय) की शेष राशि		(39502231.69)		12961762.31
वर्ष के अंत में शेष राशि		**423389415.20**		**441699261.75**

अनुसूची 2. भंडार ७ अधिशेष	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
	रु.	रु.	रु.	रु.
1 संपत्ति कोष				
अंतिम खाते के अनुसार	0.00		0.00	
वर्ष के दौरान परिवर्धन	0.00		0.00	
घटाएं: वर्ष के दौरान कटौतियां	0.00	0.00	0.00	0.00
2 पुनर्मूल्यांकन आरक्षित				
अंतिम खाते के अनुसार	0.00		0.00	
वर्ष के दौरान परिवर्धन	0.00		0.00	
घटाएं: वर्ष के दौरान कटौतियां	0.00	0.00	0.00	0.00
3 विशेष रिजर्व				
अंतिम खाते के अनुसार	0.00		0.00	
वर्ष के दौरान परिवर्धन	0.00		0.00	
घटाएं: वर्ष के दौरान कटौतियां	0.00	0.00	0.00	0.00
4 जनरल रिजर्व				
अंतिम खाते के अनुसार	0.00		0.00	
वर्ष के दौरान परिवर्धन	0.00		0.00	
घटाएं: वर्ष के दौरान कटौतियां	0.00	0.00	0.00	0.00
कुल		**0.00**		**0.00**

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता

31 मार्च 2021 को बैलेंस शीट का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

(राशि रू में)

अनुसूची 3. **बंदोबस्ती निधि और निर्धारित निधि**

क्र. सं.	फंड श्रेणी	ओपनिंग बैलेंस	कोष में वृद्धि			कुल	निधियों के उद्देश्यों के प्रति उपयोग/व्यय					कुल	वर्ष के अंत में शुद्ध शेष राशि
		ए	बी			[ए+बी]	सी[मैं]					सी	[ए+बी-सी]
			दान/ अनुदान/ योगदान	फंड के खाते में किए गए निवेश से आय	अन्य परिवर्धन		पूंजीगत व्यय [i]		राजस्व व्यय [ii]			सी [i] + सी [ii]	
							अचल संपत्ति	अन्य	वेतन, मजदूरी और भत्ते, आदि।	किराया	अन्य प्रशासनिक व्यय		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
ए	बंदोबस्ती निधि [अनुसूची३ (ए) में निधिवार ब्योरा]	21632884.74	0.00	1207063.00	0.00	22839947.74	0.00	0.00	0.00	0.00	16300.00	16300.00	22823647.74
बी	निर्धारित निधि [अनुसूची 3 (बी) में निधिवार ब्योरा]	1404893.25	0.00	0.00	0.00	1404893.25	0.00	0.00	360900.00	0.00	0.00	360900.00	1043993.25
	कुल [ए+ बा]	**23037777.99**	**0.00**	**1207063.00**	**0.00**	**24244840.99**	**0.00**	**0.00**	**360900.00**	**0.00**	**16300.00**	**377200.00**	**23867640.99**
	पिछला साल	**21918710.99**	**384500.00**	**1324748.00**	**0.00**	**23627958.99**	**0.00**	**0.00**	**66000.00**	**0.00**	**524181.00**	**590181.00**	**23037777.99**

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता
३१ मार्च २०२१ को बैलेंस शीट का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

(राशि रू में)

अनुसूची 3.(ए) बंदोबस्तीफंड – फंड के हिसाब से ब्रेकअप

क्र. सं.	बंदोबस्ती निधि का शीर्षक	ओपनिंग बैलेंस	कोष में वृद्धि			कुल	निधियों के उद्देश्यों के प्रति उपयोग/व्यय					कुल	वर्ष के अंत में शुद्ध शेष राशि
		ए	बी			[ए+बी]	सी[मैं]					सी	[ए+बी-सी]
			दान/ अनुदान/ योगदान	फंड के खाते में किए गए निवेश से आय	अन्य परिवर्धन		पूंजीगत व्यय [i]		राजस्व व्यय [ii]			सी [i] + सी [ii]	
							अचल संपत्ति	अन्य	वेतन, मजदूरी और भत्ते, आदि।	किराया	अन्य प्रशासनिक व्यय		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
1	आभा मैती व्याख्यान कोष	492352.02	0.00	27472.06	0.00	519824.08	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	519824.08
2	अन्नाडेलमेडलफंड	503937.10	0.00	28118.48	0.00	532055.58	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	532055.58
3	बीबीमजूमदारलेक्चरफंड	422150.06	0.00	23554.96	0.00	445705.02	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	445705.02
4	बार्कलेमेडलफंड	512259.88	0.00	28582.87	0.00	540842.75	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	540842.75
5	बिमला चरण लॉकॉल। निधि	18248.38	0.00	1018.22	0.00	19266.60	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	19266.60
6	बिमला चरण विधि पदक कोष	481759.23	0.00	26881.01	0.00	508640.24	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	508640.24
7	बीरेनरॉयमेडलफंड	61913.89	0.00	3454.65	0.00	65368.54	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	65368.54
8	डीपीखेतानमेडलफंड	504400.85	0.00	28144.36	0.00	532545.21	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	532545.21
9	डॉ प्रभातीमुखर्जीमेडलफंड	417252.43	0.00	23281.68	0.00	440534.11	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	440534.11
10	हेम च. रॉय चौधरी मेडलफंड	106868.55	0.00	5963.01	0.00	112831.56	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	112831.56

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता
31 मार्च 2021 को बैलेंस शीट का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

(राशि रू में)

अनुसूची 3.(ए)- (Continued)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
11	भारतीय विज्ञान कांग्रेस कोष	522981.62	0.00	29181.12	0.00	552162.74	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	552162.74
12	इंदिरा गांधी पदक कोष	498834.53	0.00	27833.77	0.00	526668.30	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	526668.30
13	इंदिरा गांधी व्याख्यान कोष	662308.75	0.00	36955.24	0.00	699263.99	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	699263.99
14	जॉयगोविंदालॉमेडलफंड	525673.21	0.00	29331.30	0.00	555004.51	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	555004.51
15	माया देबमेडलफंड	371493.95	0.00	20728.47	0.00	392222.42	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	392222.42
16	मेघनाद साहामेमोरियलफंड	490110.40	0.00	27346.98	0.00	517457.38	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	517457.38
17	एनएनचटर्जीमेडलफंड	491117.68	0.00	27403.19	0.00	518520.87	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	518520.87
18	नरेश चौ. सेनगुप्ता पदक कोष	480510.28	0.00	26811.32	0.00	507321.60	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	507321.60
19	पंचानन मित्र व्याख्यान कोष	151757.03	0.00	8467.68	0.00	160224.71	0.00	0.00	0.00	0.00	4100.00	4100.00	156124.71
20	पॉलजोन्सबरुहलमेडलफंड	473341.61	0.00	26411.32	0.00	499752.93	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	499752.93
21	प्रमथनाथबोसमेडलफंड	485371.17	0.00	27082.55	0.00	512453.72	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	512453.72
22	प्रशांत रॉय और गीता रॉयमेडलफंड	196649.98	0.00	10972.60	0.00	207622.58	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	207622.58
23	प्रियव्रतरॉयमेडलफंड	224309.14	0.00	12515.91	0.00	236825.05	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	236825.05
24	पंडित ईश्वरचंद्रविद्यासागर लेक फंड	1373553.41	0.00	76640.98	0.00	1450194.39	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	1450194.39
25	राजस्थानी फंड	543279.01	0.00	30313.66	0.00	573592.67	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	573592.67
26	रामप्रसाद चंद्र पदक कोष	415088.46	0.00	23160.94	0.00	438249.40	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	438249.40

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता
31 मार्च 2021 को बैलेंस शीट का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

(राशि रू में)

अनुसूची 3.(ए)- (Continued)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
27	रणधीर रॉयमेडलफंड	239373.81	0.00	13356.48	0.00	252730.29	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	252730.29
28	शरत चंद्र रॉयमेडलफंड	488911.46	0.00	27280.08	0.00	516191.54	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	516191.54
29	सुनीति कुमार चटर्जी व्याख्यान कोष	368338.13	0.00	20552.38	0.00	388890.51	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	388890.51
30	एससी चक्रवर्ती मेडलफंड	487296.52	0.00	27189.98	0.00	514486.50	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	514486.50
31	एसएनडे और मंजुलाडेमेडलफंड	503297.51	0.00	28082.79	0.00	531380.30	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	531380.30
32	एसएनसेन व्याख्यान कोष	242800.17	0.00	13547.67	0.00	256347.84	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	256347.84
33	शरतलाल विश्वास मेडलफंड	484675.19	0.00	27043.71	0.00	511718.90	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	511718.90
34	सर जदुनाथ सरकार मेडलफंड	475342.40	0.00	26522.96	0.00	501865.36	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	501865.36
35	सर विलमजोन्समेडलफंड	355913.15	0.00	19859.10	0.00	375772.25	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	375772.25
36	सुधा बसु स्मृति व्याख्यान कोष	368275.29	0.00	20548.88	0.00	388824.17	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	388824.17
37	सुकुमार सेनमेडलफंड	496872.48	0.00	27724.29	0.00	524596.77	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	524596.77
38	सुरित सी मित्र मेडलफंड	471021.07	0.00	26281.84	0.00	497302.91	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	497302.91
39	स्वामी प्रणबानंदमेडलफंड	331047.36	0.00	18471.65	0.00	349519.01	0.00	0.00	0.00	0.00	6100.00	6100.00	343419.01
40	GSI Sesquicent Com L/M Fund	907128.50	0.00	50615.59	0.00	957744.09	0.00	0.00	0.00	0.00	6100.00	6100.00	951644.09
41	टैगोर शांति पुरस्कार कोष	388577.60	0.00	21681.70	0.00	410259.30	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	410259.30
42	विदेशी दान - जापान	3596491.48	0.00	200675.57	0.00	3797167.05	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	3797167.05
	कुल	**21632884.74**	**0.00**	**1207063.00**	**0.00**	**22839947.74**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**16300.00**	**16300.00**	**22823647.74**

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता
31 मार्च 2021 को बैलेंस शीट का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

(राशि रू में)

अनुसूची 3 (बी) -निर्धारित फंड - फंड वार ब्रेकअप

क्र. सं.	निर्धारित निधि का शीर्षक	ओपनिंग बैलेंस	कोष में वृद्धि			कुल	निधियों के उद्देश्यों के प्रति उपयोग/व्यय					कुल	वर्ष के अंत में शुद्ध शेष राशि
		ए	बी			[ए+बी]	सी[मैं]					सी	[ए+बी-सी]
			दान/ अनुदान/ योगदान	फंड के खाते में किए गए निवेश से आय	अन्य परिवर्धन		पूंजीगत व्यय [i]		राजस्वव्यय [ii]			सी [i] + सी [ii]	
							अचल संपत्ति	अन्य	वेतन, मजदूरी और भत्ते, आदि।	किराया	अन्य Adminis-trative व्यय		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
1	पांडुलिपि संसाधन केंद्र (एएसके-एमआरसी)	533494.50	0.00	0.00	0.00	533494.50	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	533494.50
2	भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (INSA)	321984.60	0.00	0.00	0.00	321984.60	0.00	0.00	90900.00	0.00	0.00	90900.00	231084.60
3	भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद	355463.00	0.00	0.00	0.00	355463.00	0.00	0.00	270000.00	0.00	0.00	270000.00	85463.00
4	प्रकाशन के लिए पश्चिम बंगाल सरकार अनुदान	25000.00	0.00	0.00	0.00	25000.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	25000.00
5	आयुर्वेदिक चिकित्सा पर संगोष्ठी के लिए भारत सरकार अनुदान	63365.10	0.00	0.00	0.00	63365.10	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	63365.10
6	इंदिरा गांधी मानब संग्रहालय	45000.00	0.00	0.00	0.00	45000.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	45000.00
7	भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद	63.20	0.00	0.00	0.00	63.20	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	63.20
8	भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद	60522.85	0.00	0.00	0.00	60522.85	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	60522.85
	कुल	**1404893.25**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**1404893.25**	**0.00**	**0.00**	**360900.00**	**0.00**	**0.00**	**360900.00**	**1043993.25**

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता
31 मार्च 2021 को बैलेंस शीट का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 4 सुरक्षित ऋण और उधार		वर्तमान साल		पिछला साल	
		रु.	रु.	रु.	रु.
1	केंद्र सरकार		0.00		0.00
2	राज्य सरकार (निर्दिष्ट करें)		0.00		0.00
3	वित्तीय संस्थानों		0.00		0.00
4	बैंकों		0.00		0.00
5	अन्य संस्थान और एजेंसियां		0.00		0.00
6	डिबेंचर और बांड		0.00		0.00
7	अन्य (निर्दिष्ट करें)		0.00		0.00
	कुल		**0.00**		**0.00**

अनुसूची 5 असुरक्षित ऋण और उधार		वर्तमान साल		पिछला साल	
		रु.	रु.	रु.	रु.
1	केंद्र सरकार		0.00		0.00
2	राज्य सरकार (निर्दिष्ट करें)		0.00		0.00
3	वित्तीय संस्थानों		0.00		0.00
4	बैंकों		0.00		0.00
5	अन्य संस्थान और एजेंसियां		0.00		0.00
6	डिबेंचर और बांड		0.00		0.00
7	सावधि जमा		0.00		0.00
8	अन्य (निर्दिष्ट करें)		0.00		0.00
	कुल		**0.00**		**0.00**

अनुसूची 6 आस्थगित ऋण देयताएं		वर्तमान साल		पिछला साल	
		रु.	रु.	रु.	रु.
ए	पूंजी उपकरण और अन्य संपत्तियों के दृष्टिबंधक द्वारा सुरक्षित स्वीकृतिया		0.00		0.00
बी	अन्य		0.00		0.00
	कुल		**0.00**		**0.00**

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता
31 मार्च 2021 को बैलेंस शीट का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 7 वर्तमान देयताएं और प्रावधान		वर्तमान साल		पिछला साल	
		रु.	रु.	रु.	रु.
ए	**वर्तमान देनदारियां**				
1	स्वीकृतियां		0.00		0.00
2	विविध लेनदार				
	i] सामान के लिये	0.00		0.00	
	ii] अन्य	0.00	0.00	71422.89	71422.89
3	अग्रिम प्राप्त [सदस्यता]		10500.00		15500.00
4	अर्जित ब्याज लेकिन ऋण/उधार पर देय नहीं		0.00		0.00
5	सांविधिकदेयताएं				
	i] सामान के लिये	0.00		0.00	
	ii] अन्य	2399470.20	2399470.20	2406868.00	2406868.00
6	अन्य वर्तमान देयता		6695593.35		7338093.80
कुल [ए]		**9105563.55**		**9831884.69**	
बी	**प्रावधानों**				
1	कराधान के लिए		0.00		0.00
2	उपहार	0.00		10000000.00	
3	सेवानिवृत्ति / पेंशन		0.00		0.00
4	संचित अवकाश नकदीकरण		0.00		10000000.00
5	व्यापार वारंटी / दावे		0.00		0.00
6	अन्य	1678357.00		1715710.00	
	कुल [बी]		**1678357.00**		**21715710.00**
	कुल [ए + बी]		**10783920.55**		**31547594.69**

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता
31 मार्च 2021 को बैलेंस शीट का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

(राशि रू में)

अनुसूची8 : अचल संपत्ति

संपत्ति श्रेणी		सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास				नेटब्लॉक	
	मूल्यह्रास की दर	वर्ष की शुरुआत में लागत/ मूल्यांकन	वर्ष के दौरान परिवर्धन	वर्ष के दौरान समायोजन	वर्ष के अंत में लागत/ मूल्यांकन	वर्ष के शुरुआत के रूप में	वर्ष के दौरान परिवर्धन	वर्ष के दौरान कटौती	वर्ष के अंत तक कुल	पर जैसा कि चालू वर्ष के अंत	पर जैसा कि पिछले वर्ष के अंत
		[1]	[2]	[3]	[4=1+2-3]	[5]	[6]	[7]	[8=5+6-7]	[9=4-8]	10
क. अचल संपत्तियां :											
1. भूमि :											
ए] फ्रीहोल्ड	0%	5371000.00	0.00	0.00	5371000.00	0.00	0.00	0.00	0.00	5371000.00	5371000.00
बी] लीजहोल्ड	0%	59100.00	0.00	0.00	59100.00	354.96	0.00	0.00	354.96	58745.04	58745.04
2. भवन											
ए] फ्रीहोल्डलीड पर	10%	99339064.05	638885.00	28251739.00	128229688.05	21490450.67	10648382.00	0.00	32138832.67	96090855.38	77848613.38
बी] लीजहोल्ड भूमि पर	10%	232764.00	0.00	0.00	232764.00	159720.70	7304.00	0.00	167024.70	65739.30	73043.30
3. संयंत्र और मशीनरी	15%	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
4. वाहन	15%	3651417.00	0.00	0.00	3651417.00	2161082.03	223550.00	0.00	2384632.03	1266784.97	1490334.97
5. फर्नीचर और स्थिरता	10%	32885361.34	3038377.00	0.00	35923738.34	20448931.83	1395562.00	0.00	21844493.83	14079244.51	12436429.51
6. कार्यालय उपकरण	15%	48458743.66	1983923.00	0.00	50442666.66	27797235.27	3384455.00	0.00	31181690.27	19260976.39	20661508.39
7. कंप्यूटर, सॉफ्टवेयर और नेटवर्किंग	40%	22370606.20	341697.00	0.00	22712303.20	18324373.47	1726533.00	0.00	20050906.47	2661396.73	4046232.73
8. विद्युत प्रतिष्ठान	10%	14433649.21	0.00	0.00	14433649.21	7309063.50	712459.00	0.00	8021522.50	6412126.71	7124585.71
9. पुस्तकालय पुस्तकें और पत्रिकाएं	0%	106231866.32	76448.00	4880637.60	111188951.92	0.00	0.00	0.00	0.00	111188951.92	106231866.32

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता
31 मार्च 2021 को बैलेंस शीट का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

(राशि रू में)

अनुसूची8 : अचल संपत्ति

संपत्ति श्रेणी		सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास				नेटब्लॉक	
	मूल्यह्रास की दर	वर्ष की शुरुआत में लागत/ मूल्यांकन	वर्ष के दौरान परिवर्धन	वर्ष के दौरान समायोजन	वर्ष के अंत में लागत/ मूल्यांकन	वर्ष के शुरुआत के रूप में	वर्ष के दौरान परिवर्धन	वर्ष के दौरान कटौती	वर्ष के अंत तक कुल	पर जैसा कि चालू वर्ष के अंत	पर जैसा कि पिछले वर्ष के अंत
		[1]	[2]	[3]	[4=1+2-3]	[5]	[6]	[7]	[8=5+6-7]	[9=4-8]	10
10. नलकूप और जल आपूर्ति	10%	5991318.85	0.00	0.00	5991318.85	2727507.67	326381.00	0.00	3053888.67	2937430.18	3263811.18
11. अन्य संपत्तियां											
ए] माइक्रोफिल्म और दस्तावेजीकरण	0%	5930073.86	0.00	0.00	5930073.86	5930073.86	0.00	0.00	5930073.86	0.00	0.00
बी] सुश्री और कला वस्तुएं- संग्रहालय	0%	4406170.00	133280.00	0.00	4539450.00	0.00	0.00	0.00	0.00	4539450.00	4406170.00
वर्तमान वर्ष का कुल[ए]		349361134.49	6212610.00	33132376.60	388706121.09	106348793.96	18424626.00	0.00	124773419.96	263932701.13	243012340.53
पिछला साल		286172268.49	17120803.00	46068063.00	349361134.49	89569956.96	16778837.00	0.00	106348793.96	243012340.53	
ख. पूंजीगतकार्य प्रगति पर :											
साल्ट लेक कैंपस		0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
पार्क स्ट्रीटबिल्डिंग		0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
चालू वर्ष का कुल [बी]		0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
पिछला साल		45120833.00	0.00	45120833.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
कुल [ए+बी]		349361134.49	6212610.00	33132376.60	388706121.09	106348793.96	18424626.00	0.00	124773419.96	263932701.13	243012340.53
पिछला साल		331293101.49	17120803.00	91188896.00	349361134.49	89569956.96	16778837.00	0.00	106348793.96	243012340.53	

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता
31 मार्च 2021 को बैलेंस शीट का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 9. निर्धारित / बंदोबस्ती निधि से निवेश	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
	रु.	रु.	रु.	रु.
1 सरकारी प्रतिभूतियों में		0.00		0.00
2 अन्य स्वीकृत प्रतिभूतियां		0.00		0.00
3 शेयरों	0.00		0.00	
4 डिबेंचर और बांड		0.00		0.00
5 सहायक और संयुक्त उद्यम		0.00		0.00
6 अन्य: एसबीआई पार्क स्ट्रीट और यूबीआई पार्क स्ट्रीट के साथ टीडीआर		19088423.00		19113376.00
कुल		**19088423.00**		**19113376.00**

अनुसूची 10. निवेश – अन्य	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
	रु.	रु.	रु.	रु.
1 सरकारी प्रतिभूतियों में		500.00		500.00
2 अन्य स्वीकृत प्रतिभूतियां		0.00		0.00
3 शेयरों		0.00		0.00
4 डिबेंचर और बांड		0.00		0.00
5 सहायक और संयुक्त उद्यम		0.00		0.00
6 अन्य: एसबीआई पार्क स्ट्रीट के साथ टीडीआर		43789000.00		43789000.00
कुल		**43789500.00**		**43789500.00**

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता
31 मार्च 2021 को बैलेंस शीट का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 11. वर्तमान संपत्ति, ऋण और अग्रिम, आदि।	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
	रु.	रु.	रु.	रु.
ए वर्तमान संपत्ति				
1 सूची				
ए स्टोर और पुर्जे	0.00		0.00	
बी ढीले उपकरण	0.00		0.00	
सी व्यापार का कुल माल				
(i) तैयार माल [मुद्रित प्रकाशन]	29300861.00		26553657.00	
(ii) कार्य प्रगति पर है	0.00		0.00	
(iii) कच्चा माल [संरक्षण सामग्री]	24871.00	29325732.00	14878.00	26568535.00
2 विविध देनदार				
ए छह महीने से अधिक की अवधि के लिए बकाया ऋण	35881.22		35881.22	
बी अन्य	0.00	35881.22	0.00	35881.22
3 हाथ में नकद शेष		36242.00		46129.00
4 बैंक बैलेंस				
ए अनुसूचित बैंकों के साथ				
(i) चालू खाते पर	5595512.7		10211346.39	
(ii) जमा खाते पर	0.00		0.00	
(iii) बचत खाते पर	6350524.86	11946037.56	39069420.86	49280767.25
बी गैर-अनुसूचित बैंकों के साथ				
(i) चालू खाते पर	0.00		0.00	
(ii) जमा खाते पर	0.00		0.00	
(iii) बचत खाते पर	0.00	0.00	0.00	0.00
5 डाकघर बचत खाता		0.00		0.00
कुल [ए]		**41343892.78**		**75931312.47**

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता
31 मार्च 2021 को बैलेंस शीट का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 11. वर्तमान संपत्ति, ऋण और अग्रिम, आदि।			चालू वर्ष		विगत वर्ष	
			रु.	रु.	रु.	रु.
बी	**ऋण, अग्रिम और अन्य आस्तियां**					
1	**ऋण**					
	ए	कर्मचारियों	671148.00		561527.00	
	बी	समान गतिविधियों में संलग्न अन्य संस्थाएं	0.00		0.00	
	सी	अन्य	0.00	671148.00	0.00	561527.00
2	**नकद या वस्तु के रूप में या प्राप्त किए जाने वाले मूल्य के लिए वसूली योग्य अग्रिम और अन्य राशि**					
	ए	पूंजी खाते पर	50719451.00		78083343.00	
	बी	सलाह जर्नल सदस्यता के लिए भुगतान	8101481.31		7768797.91	
	सी	सुरक्षा जमा	1445589.84		1445589.84	
	डी	अग्रिम धन	2500.00		2500.00	
	इ	आयकर विभाग डटीडीएस.के साथ	684.00		684.00	
	एफ	अन्य डकर्मचारी/विद्वान/आपूर्तिकर्ता.	14521163.73	74790869.88	15958428.73	103259343.48
3	**अर्जित आय**					
	ए	निर्धारित/बंदोबस्ती निधि से निवेश पर	1926430.00		1333794.00	
	बी	निवेश पर- अन्य	4827184.00		3003299.00	
	सी	ऋण और अग्रिम पर	0.00		0.00	
	डी	प्राप्य किराया	4665945.40		3865485.40	
	इ	सदस्यता प्राप्य	2062414.55		1748282.55	
	एफ	टीडीएस प्राप्य	939900.00		666374.00	
	जी	संस्थागत सदस्यता शुल्क प्राप्य	2568.00	14424441.95	0.00	10617234.95
4	**प्राप्य दावे**			0.00		0.00
	कुल [बी]			**89886459.83**		**114438105.43**
	कुल [ए+बी]			**131230352.61**		**190369417.90**

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता

31 मार्च 2021 को समाप्ति वर्ष के लिए आय और व्यय खाता

आय	क्रम	चालू वर्ष ₹	विगत वर्ष ₹
बिक्री / सेवा से आय	12	0.00	0.00
अनुदान/सब्सिडी	13	185350000.00	231953000.00
शुल्क / सदस्यता	14	364438.00	541587.50
निवेश से आय	15	2360424.00	2340624.00
रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय।	16	1235583.00	1541708.00
अर्जित ब्याज	17	3039623.00	4261347.00
अन्य कमाइ	18	39199.34	499684.00
समाप्त स्टॉक में वृद्धि / (कमी)	19	2757197.00	946132.00
कुल [A]		**195146464.34**	**242084082.50**
व्यय			
स्थापना व्यय	20	179805996.00	181334683.00
अन्य प्रशासनिक व्यय, आदि।	21	36478949.03	31000089.08
अनुदान, सब्सिडी आदि पर व्यय।	22	0.00	0.00
रुचि	23	0.00	8711.11
मूल्यह्रास [वर्ष के अंत में कुल योग अनुसूची 8 के अनुरूप]	8	18424626.00	16778837.00
कुल [B]		**234709571.03**	**229122320.19**
व्यय से अधिक आय का शेष होना (ए-बी)		(39563106.69)	12961762.31
पूर्व अवधि समायोजन		60875.00	0.00
विशेष रिजर्व में स्थानांतरण		0.00	0.00
जनरल रिजर्व में / से स्थानांतरण		0.00	0.00
शेष अधिशेष होना/(घाटा) कार्पस/पूंजीगत निधि में अग्रेषित		**(39502231.69)**	**12961762.31**
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	24		
आकस्मिक देयताएं और खातों पर टिप्पणियां	25		

जगह: कोलकाता
दिनांक: 23.11.2021

हस्ताक्षरित
(सुजीत कुमार दास)
कोषाध्यक्ष

हस्ताक्षरित
(एस. बी. चक्रवर्ती)
महासचिव

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता

31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाते का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 12. बिक्री / सेवाओं से आय		चालू वर्ष		विगत वर्ष	
		रु.	रु.	रु.	रु.
1	बिक्री से आय		0.00		0.00
2	सेवाओं से आय		0.00		0.00
	कुल		**0.00**		**0.00**

अनुसूची 13. अनुदान/सब्सिडी		चालू वर्ष		विगत वर्ष	
		रु.	रु.	रु.	रु.
	(अप्रतिसंहरणीय अनुदान और प्राप्त सब्सिडी)				
1	केंद्र सरकार		185350000.00		231953000.00
2	राज्य सरकार (निर्दिष्ट करें)		0.00		0.00
3	सरकारी संस्थाएं		0.00		0.00
4	संस्थाएं / कल्याण निकाय		0.00		0.00
5	अंतरराष्ट्रीय संगठन		0.00		0.00
6	अन्य	0.00		0.00	
	कुल		**185350000.00**		**231953000.00**

अनुसूची 14. शुल्क / सदस्यता		चालू वर्ष		विगत वर्ष	
		रु.	रु.	रु.	रु.
1	प्रवेश / प्रवेश शुल्क		0.00		37250.00
2	वार्षिक शुल्क / सदस्यता		350300.00		358399.75
3	आजीवन सदस्यता शुल्क		14138.00		145937.75
4	संगोष्ठी / कार्यक्रम शुल्क		0.00		0.00
5	सलहाकरी संस्था का शुल्क		0.00		0.00
6	अन्य		0.00		0.00
	कुल		**364438.00**		**541587.50**

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता
31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाते का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 15. निवेश से आय	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
	रु.	रु.	रु.	रु.
(निहित/बंदोबस्ती निधि से निवेश से होने वाली आय निधियों में अंतरित)				
1 बंदोबस्ती निधि के प्रति निवेश पर ब्याज **[WD-01]**		1207063.00		1324748.00
2 लाभांश	0.00		0.00	
3 किराया **[WD-02]**		2360424.00		2340624.00
4 अन्य	0.00		0.00	
कुल		**3567487.00**		**3665372.00**
बंदोबस्ती निधि में स्थानांतरित		**1207063.00**		**1324748.00**
निवेश से शुद्ध आय		**2360424.00**		**2340624.00**

अनुसूची 16. रॉयल्टी, प्रकाशन, आदि से आय	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
	रु.	रु.	रु.	रु.
1 रॉयल्टी से आय		0.00		0.00
2 प्रकाशनों से आय		1235583.00		1453093.00
3 अन्य : तस्वीरों की बिक्री / प्रतिकृतियां		0.00		88615.00
कुल		**1235583.00**		**1541708.00**

एस.एन.अन्य : फोटो/प्रतिकृतियों की बिक्री [मद संख्या ३ का विवरण]	
ए स्मृति चिन्ह की बिक्री	0.00
बी फोटो एलबम की बिक्री	0.00
कुल	**0.00**

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता

31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाते का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 17. अर्जित ब्याज	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
	रु.	रु.	रु.	रु.
1 सावधि जमा पर:				
(ए) अनुसूचित बैंकों के साथ [WD-01]	1978057.00		2566276.00	
(बी) गैर-अनुसूचित बैंकों के साथ	0.00		0.00	
(सी) संस्थानों के साथ	0.00	1978057.00	0.00	2566276.00
2 बचत खातों पर				
(ए) अनुसूचित बैंकों के साथ	948175.00		1372044.00	
(बी) गैर-अनुसूचित बैंकों के साथ	0.00		0.00	
(सी) संस्थानों के साथ	0.00	948175.00	0.00	1372044.00
3 ऋण पर				
(ए) **कर्मचारी / कर्मचारी**				
(i) एचबीएलओएन पर ब्याज	2834.00		55160.00	
(ii) कंप्यूटर ऋण पर ब्याज	68064.00		120136.00	
(iii) स्कूटर ऋण पर ब्याज	42493.00		147731.00	
(बी) अन्य	0.00	113391.00	0.00	323027.00
4 **देनदारों और अन्य प्राप्तियों पर ब्याज**		0.00		0.00
कुल		**3039623.00**		**4261347.00**

अनुसूची 18. अन्य कमाई	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
	रु.	रु.	रु.	रु.
1 आस्तियों की बिक्री/निपटान		0.00		0.00
2 निर्यात प्रोत्साहनों का एहसास		0.00		0.00
3 विविध प्राप्तियां		39199.34		499684.00
	39199.34		**499684.00**	

एस.एन.विविध रसीद [मद संख्या 3 का विवरण]		चालू वर्ष ₹
ए	माइक्रो फिल्म / जेरॉक्स	28513.00
बी	स्क्रैप सामग्री की बिक्री	0.00
सी	सेवा शुल्क	0.00
डी	अन्य	10686.34
कुल		**39199.34**

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता
31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाते का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 19. तैयार माल / प्रगति पर काम और कच्चे माल के स्टॉक में वृद्धि / (कमी)	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
	रु.	रु.	रु.	रु.
1 आखरी बचा हुआ माल				
(ए) तैयार माल [मुद्रित प्रकाशन]	29300861.00		26553657.00	
(बी) कार्य प्रगति पर है	0.00		0.00	
(सी) कच्चा माल [संरक्षण सामग्री]	24871.00	29325732.00	14878.00	26568535.00
2 कम: प्रारंभिक स्टॉक				
(ए) तैयार माल [मुद्रित प्रकाशन]	26553657.00		25558047.00	
(बी) कार्य प्रगति पर है	0.00		0.00	
(सी) कच्चा माल [संरक्षण सामग्री]	14878.00	26568535.00	64356.00	25622403.00
कुल		**2757197.00**		**946132.00**

अनुसूची 20. स्थापना व्यय	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
	रु.	रु.	रु.	रु.
1 **मजदूरी वेतन**		136617909.00		139604118.00
2 भत्ते और बोनस		8296218.00		8604266.00
3 ईपीएफ में नियोक्ता का योगदान		12588510.00		13006614.00
4 ईपीएफ पर प्रशासनिक शुल्क		677403.00		703394.00
5 अन्य निधियों में योगदान (एनपीएस)		0.00		0.00
6 वेतन योगदान छोड़ें		48840.00		95260.00
7 कर्मचारी कल्याण व्यय		48502.00		121918.00
8 कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति और अंतिम लाभों पर व्यय		19294941.00		15966815.00
9 अवकाश यात्रा रियायत (एलटीसी)		391491.00		703449.00
10 अवकाश नकदीकरण (एलटीसी)		132444.00		374777.00
11 चिकित्सा व्यय की प्रतिपूर्ति		1616762.00		1973044.00
12 मानदेय		1800.00		84200.00
13 समाचार पत्र और टेलीफोन शुल्क की प्रतिपूर्ति		91176.00		96828.00
कुल		**179805996.00**		**181334683.00**

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता
31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाते का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

एस.एन.	वेतन और मजदूरी [मद संख्या 1 का टूटना]	₹
ए	नियमित कर्मचारियों को वेतन और मजदूरी	133983764.00
बी	संविदा कर्मचारियों को वेतन और मजदूरी	2634145.00
	कुल	**136617909.00**

अनुसूची 21. अन्य प्रशासनिक व्यय, आदि।		**चालू वर्ष**		**विगत वर्ष**	
		रु.	रु.	रु.	रु.
ए	**यात्रा और वाहन व्यय**				
1	यात्रा भत्ता [टीए/डीए]	0.00		76321.00	
2	स्थानीय वाहन (स्टाफ)	21193.00		218112.00	
3	स्थानीय वाहन (अन्य)	9000.00	30193.00	0.00	294433.00
बी	**संचार शुल्क:**				
1	Telephone	21978.00		63401.00	
2	डाक और संचार शुल्क	163338.00		296926.00	
3	इंटरनेट शुल्क	464625.00	649941.00	299591.00	659918.00
सी	**मरम्मत और रख रखाव:**				
1	मरम्मत और रखरखाव- भवन	377943.00		282186.00	
2	मरम्मत और रखरखाव- लिफ्ट	235676.00		97483.00	
3	मरम्मत और रखरखाव- एसी मशीन	659534.00		659797.00	
4	मरम्मत और रखरखाव- जेनरेटर	13570.00		14108.00	
5	मरम्मत और रखरखाव- फर्नीचर	9943.00		2350.00	
6	मरम्मत और रखरखाव- कंप्यूटर	276207.00		93102.00	
7	मरम्मत और रखरखाव- विद्युत	135757.00		262303.00	
8	मरम्मत और रखरखाव- उपकरण	65913.00		32862.00	
9	मरम्मत और रखरखाव- अन्य	277976.00	2052519.00	129397.00	1573588.00

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता

31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाते का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 21. अन्य प्रशासनिक व्यय, आदि। contd...)		चालू वर्ष		विगत वर्ष	
		रु.	रु.	रु.	रु.
डी	**अन्य प्रशासनिक व्यय:**				
1	विज्ञापन और प्रचार	324321.00		892516.00	
2	छपाई और स्टेशनरी	133795.00		607183.00	
3	किराया, दरें और कर	9592058.00		68290.00	
4	वाहन चलाना और रखरखाव	146721.00		437030.00	
5	विद्युत शक्ति	1494265.00		1977079.00	
6	जल प्रभार	8445.00		5140.00	
7	बीमा	153003.00		149061.00	
8	लेखा परीक्षकों के पारिश्रमिक	600000.00		740775.00	
9	सुरक्षा और हाउसकीपिंग व्यय	7125423.00		5009055.00	
10	बैठक व्यय	275848.00		947541.00	
11	सफाई और धुलाई	85256.00		118950.00	
12	कर्मचारियों के प्रशिक्षण	0.00		134166.00	
13	आकस्मिक व्यय	43654.00		178506.00	
14	कानूनी विस्तार	0.00		348830.00	
15	पुरस्कार और प्रोत्साहन	30000.00		36600.00	
16	पदक और पुरस्कार	0.00		22860.00	
17	कार्यालय की आपूर्ति	15849.00		10610.00	
18	पेशेवर शुल्क	293490.00		159240.00	
19	चुनाव खर्च	392099.00		0.00	
20	बैंक शुल्क	48998.03		29677.08	
21	वेबसाइट विकास, रखरखाव और ईमेल खाता	37644.00		1300.00	
22	लाइसेंस शुल्क	300.00		300.00	
23	स्वच्छता व्यय	453805.00		0.00	
24	भर्ती व्यय	159426.00		451326.00	
25	रेपोग्राफिक व्यय	65387.00		214881.00	
26	बागवानी व्यय	25130.00		0.00	
27	स्थानांतरण और पुनवयवस्था कार्य	35106.00	21540023.03	59831.00	12600747.08
इ	**प्रकाशन और बिक्री व्यय:**				
1	पुस्तकों, पत्रिकाओं और बुलेटिन का प्रकाशन	4284710.00		2124147.00	
2	प्रकाशनों का प्रचार	5000.00		136900.00	
3	पुस्तक मेले और पुस्तक प्रदर्शनी	451549.00	4741259.00	291990.00	2553037.00

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता

31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाते का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 21. अन्य प्रशासनिक व्यय, आदि। contd...)		चालू वर्ष		विगत वर्ष	
		रु.	रु.	रु.	रु.
एफ	**शैक्षणिक कार्यक्रम व्यय:**				
1	संगोष्ठी/कार्यशालाओं पर व्यय	667451.00		3054754.00	
2	डॉ. राजा राजेंद्रलालमित्राएम. व्याख्यान	12000.00		0.00	
3	कार्यक्रमों का दस्तावेजीकरण	114730.00	794181.00	59917.00	3114671.00
जी	**अन्य कार्यक्रम व्यय:**				
1	महत्वपूर्ण दिनों का उत्सव	17591.00		604640.00	
2	प्रदर्शनी	41000.00		74287	
3	हिंदी कार्यक्रम	4790.00		47151.00	
4	स्थापना दिवस समारोह	275328.00	338709.00	0.00	726078.00
एच	**पुस्तकालय और संग्रहालय विकास**				
1	सहमति पुस्तकों की बाइंडिंग और शे	65495.00		111067.00	
2	पुस्तकालय स्वचालन कार्यक्रम	247500.00		292000.00	
3	सुश्री और दुर्लभ पुस्तकों का डिजिटलीकरण	0.00		377141.00	
4	संग्रहालय के लिए सामग्री	0.00		11200.00	
5	पेंटिंग्स और कला वस्तुओं का संरक्षण	0.00		11000.00	
6	परिरक्षण सामग्री की खरीद	0.00		23650.00	
7	समाचार पत्रों और पत्रिकाओं की खरीद	15841.00	328836.00	14780.00	840838.00
मैं	**शैक्षणिक और अनुसंधान व्यय:**				
1	रिसर्चफेलो को फेलोशिप	3695243.00		6078463.00	
2	अनुसंधान अध्येताओं के लिए आकस्मिकता	37908.00		109585.00	
3	पीआई/आरए को मानदेय/पारिश्रमिक	1422335.00		0.00	
4	पीआई/आरए . के लिए आकस्मिकता	34944.00	5190430.00	1205607.00	7393655.00
जे	**प्रतिकृतियों की लागत (संग्रहालय):**				
1	स्मारिका की लागत (संग्रहालय)	87650.00		41300.00	
2	पोस्टरों की छपाई (संग्रहालय)	0.00	87650.00	0.00	41300.00
क	**व्यय - उत्तर पूर्वी क्षेत्र:**				
1	एनईआरओ के लिए संगोष्ठी, कार्यशाला	306920.00		154789.00	
2	एनईआर- आंतरिक परियोजना व्यय	242000.00		440000.00	
3	एनईआर- बाहरी परियोजना व्यय	9005.00	557925.00	219120.00	813909.00
ली	**व्यय-स्वच्छता कार्य योजना**	167283.00	167283.00	387915.00	387915.00
	कुल		**36478949.03**		**31000089.08**

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता
31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाते का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 22. अनुदान, सब्सिडी, आदि पर व्यय	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
	रु.	रु.	रु.	रु.
1 संस्थाओं/संगठनों को दिया गया अनुदान		0.00		0.00
2 संस्थाओं/संगठनों को दी जाने वाली सब्सिडी		0.00		0.00
कुल	**0.00**		**0.00**	

अनुसूची 23. रुचि	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
	रु.	रु.	रु.	रु.
1 फिक्स्ड लोन पर		0.00		0.00
2 अन्य ऋणों पर		0.00		0.00
3 अन्य: ओवरड्राफ्ट		0.00		8711.11
कुल		**0.00**		**8711.11**

पूर्व अवधि समायोजन	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
	₹	₹	₹	₹
1 प्रावधान वापस लिखे गए लेखा परीक्षकों के पारिश्रमिक)		60875.00		0.00
कुल		**60875.00**		**0.00**

जगह: कोलकाता
दिनांक: 2.8.2021

हस्ताक्षरित
(सुजीत कुमार दास)
कोषाध्यक्ष

हस्ताक्षरित
(एस. बी. चक्रवर्ती)
महासचिव

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता

31 मार्च 2021 को समाप्ति वर्ष के लिए प्राप्तियां और भुगतान खाता

(राशि रू में)

प्राप्ति	चालू वर्ष	विगत वर्ष	भुगतान	चालू वर्ष	विगत वष
प्रारंभिक शेष			**खर्च**		
हाथ में नकद	46129.00	160983.50	स्थापना व्यय	177737946.00	179393612.00
			कार्यक्रमों और गतिविधियों पर व्यय	11019968.00	14645898.00
			अन्य प्रशासनिक व्यय	24102225.03	14695880.08
बैंक में नकदी			बकाया व्यय के विरुद्ध भुगतान	1715710.00	1444607.00
चालू खाते में	10211346.39	2915732.30			
जमा खातों में	0.00	0.00	**निधियों के विरुद्ध किया गया भुगतान**		
बचत खातों में	39069420.86	32212027.77	बंदोबस्ती निधि	16300.00	445907.00
			निर्धारित निधि	360900.00	104659.00
प्राप्त अनुदान					
भारत सरकार से [एमओसी]	185350000.00	237392000.00	**किए गए निवेश और जमा**		
बाहरी परियोजना के लिए	0.00	384500.00	निर्धारित / बंदोबस्ती निधि में से [निवल]	0.00	0.00
			स्वयं की निधि से डअन्य निवेश.	0.00	20000000.00
निवेश पर आय					
निर्धारित/बंदोबस्ती निधि	559310.00	556980.00	**अचल संपत्तियों और सीडब्ल्यूआईपी पर व्यय**		
खुद के फंड [अन्य निवेश]	0.00	1364714.00	अचल संपत्तियों की खरीद	6212610.00	17120803.00
			प्रगति पर पूंजीगत कार्य पर व्यय	0.00	0.00
ब्याज प्राप्त किया					
बचत खाते पर	948175.00	1372044.00	**वित्त प्रभार**		
कर्मचारी ऋण पर	0.00	0.00	ओवरड्राफ्ट पर ब्याज	0.00	8711.11
अन्य कमाई			**अन्य भुगतान**		
प्रकाशनों की बिक्री	1240583.00	1453093.00	कर्मचारियों से वैधानिक कटौती	31533280.00	29934277.00
सदस्यता शुल्क	42738.00	245887.75	ठेकेदारों से वैधानिक कटौती	420429.00	458233.00

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता
31 मार्च 2021 को समाप्ति वर्ष के लिए प्राप्तियां और भुगतान खाता

(राशि रू में)

प्राप्ति	चालू वर्ष	विगत वर्ष	भुगतान	चालू वर्ष	विगत वष
फोटो एलबम और स्मृति चिन्ह की बिक्री	0.00	88615.00	रिजर्व मनी	648756.00	874489.00
किराया	1559964.00	1933886.00	बयाना जमा राशि की वापसी	18000.00	101000.00
संगोष्ठी के लिए पंजीकरण शुल्क	0.00	37250.00	पार्टियों के लिए अग्रिम	135475.00	1745410.00
अन्य	100074.34	499684.00	कर्मचारियों को अग्रिम	1981769.00	8481110.00
			पूंजीगत संपत्ति के निर्माण के लिए अग्रिम	0.00	1328250.00
निवेश और जमा का नकदीकरण			सुरक्षा जमा की वापसी	1226872.00	706534.00
स्वयं की निधि से [अन्य निवेश]	0.00	20000000.00	जर्नल सदस्यता के लिए अग्रिम	5213321.00	0.00
			सावधि जमा पर भुगतान किया गया टीडीएस (टीडीआर)	39284.00	52345.00
अन्य रसीदें			WBSEDCL को सुरक्षा जमा और बयाना राशि	0.00	0.00
ठेकेदारों से बयाना राशि जमा	18000.00	0.00	पीएम केयर्स फंड में डोनेशन	716831.00	0.00
कर्मचारियों से वैधानिक कटौती	31713922.00	31668682.00			
ठेकेदारों से वैधानिक कटौती	345112.00	570208.00	**जमा शेष**		
सुरक्षा जमा	697694.00	1140268.00	**हाथ में नकद**	36242.00	46129.00
रिजर्व मनी	655996.00	820696.00			
पार्टियों से वसूल किया गया अग्रिम	300995.00	705525.00	**बैंक में नकदी**		
कर्मचारियों से अग्रिम वसूली	1505665.00	5239814.00	चालू खाते में	5595512.70	10211346.39
जर्नल सदस्यता के लिए अग्रिम भुगतान	0.00	106031.12	जमा खातों में	0.00	0.00
पीएम केयर्स फंड में डोनेशन के लिए कर्मचारी से मिला अंशदान	716831.00	0.00	बचत खातों में	6350524.86	39069420.86
कुल	**275081955.59**	**340868621.44**	**कुल**	**275081955.59**	**340868621.44**

जगह: कोलकाता
दिनांक: 2.8.2021

हस्ताक्षरित
(सुजीत कुमार दास)
कोषाध्यक्ष

हस्ताक्षरित
(एस. बी. चक्रवर्ती)
महासचिव

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता

31 मार्च 2021 को समाप्ति वर्ष के लिए महत्वपूर्ण लेखा नीतियां, आकस्मिक देयताएं और खातों का हिस्सा बनने वाले खातों पर नोट्स

अनुसूची - 24

महत्वपूर्ण लेखा नीतियां

1. लेखा सम्मेलन

खातों के वित्तीय विवरण ऐतिहासिक लागत परंपरा के तहत, भारत में लागू लेखांकन मानकों के अनुसार और लेखांकन की प्रोद्भवन पद्धति के अनुसार तैयार किए जाते हैं, जब तक कि अन्यथा न कहा गया हो।

2. सूची मूल्यांकन

a) सोसाइटी के प्रकाशनों के अंतिम स्टॉक का मूल्यांकन पिछले वर्ष की तुलना में एकरूपता रखते हुए प्रकाशनों के प्रिंट मूल्य के आधार पर किया गया है।

b) संरक्षण और परिरक्षण सामग्री को मूल्य पर मूल्यांकित किया गया है।

3. निवेश

टीडीआर (सावधि जमा) के रूप में बैंकों के पास जमा को लागत पर बताया गया है। ऐसी जमाराशियों पर अर्जित ब्याज, लेकिन वर्ष के अंत में बकाया नहीं, ऋण, अग्रिम और अन्य चालू संपत्ति के तहत बैलेंस शीट में अलग से दिखाया गया है।

4. अचल सम्पत्ति

a) अचल संपत्तियों को अधिग्रहण की लागत पर आवक भाड़ा, शुल्क और करों और ऐसे अधिग्रहण से संबंधित आकस्मिक और प्रत्यक्ष खर्चों सहित शामिल किया गया है;

b) मूल्यह्रास के लिए चार्ज करने के बाद अचल संपत्तियों को लिखित मूल्य पर बताया गया है।

5. मूल्यह्रास

अचल संपत्तियों पर मूल्यह्रास की गणना और खातों में आयकर अधिनियम, 1961 में निर्दिष्ट दरों पर अचल संपत्तियों के लिखित मूल्य के आधार पर और वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए लागू की गई है।

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता

31 मार्च 2021 को समाप्ति वर्ष के लिए महत्वपूर्ण लेखा नीतियां, आकस्मिक देयताएं और खातों का हिस्सा बनने वाले खातों पर नोट्स

6. सरकारी अनुदान

सहायता अनुदान को खातों में मान्यता दी जाती है जब और जब इसकी वसूली होती है। कम उपयोग के कारण एक वर्ष के अप्रयुक्त अनुदान को आगे बढ़ाया जाता है और अगले वर्ष के सहायता अनुदान के साथ समायोजित किया जाता है। किसी विशेष शीर्ष के अंतर्गत प्राप्त सहायता अनुदान से अधिक व्यय, जहां भी मामला हो, स्वयं के संसाधनों से पूरा किया गया है। पूंजीगत परिसंपत्तियों का निर्माण शीर्ष के तहत प्राप्त सहायता अनुदान को पूंजीगत निधि के लिए योगदान के रूप में माना गया है, जबकि अन्य शीर्षों (अर्थात सामान्य, वेतन और एसएपी) के तहत प्राप्त सहायता अनुदान को आय के रूप में माना गया है, जिसका अनुदान है राजस्व प्रकृति, पिछले वर्ष की संगति में।

7. कर्मचारी ऋण पर ब्याज के लिए लेखांकन

कर्मचारी ऋण पर ब्याज को वर्ष के दौरान वसूली के आधार पर कमाई के रूप में माना गया है।

8. निवेश पर ब्याज के लिए लेखांकन

निवेश पर अर्जित ब्याज प्रोद्भवन आधार पर प्रदान किया गया है।

9. सेवानिवृत्ति परिलाभ

सेवानिवृत्ति लाभों (ग्रेच्युटी और छुट्टी नकदीकरण) के लिए २०२०-२१ के दौरान सेवानिवृत्त लोगों को भुगतान वास्तविक भुगतान के आधार पर किया गया है।

	एसडी/-	एसडी/-
स्थान: कोलकाता	**[सुजीत कुमार दास]**	**[एस बी चक्रवर्ती]**
दिनांक: 2 अगस्त, 2021	कोषाध्यक्ष	महासचिव

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता

31 मार्च 2021 को समाप्ति वर्ष के लिए महत्वपूर्ण लेखा नीतियां, आकस्मिक देयताएं और खातों का हिस्सा बनने वाले खातों पर नोट्स

अनुसूची – 25

आकस्मिक देयताएं और खातों पर टिप्पणियां

A. आकस्मिक देयताएं

1. सोसाइटी द्वारा/की ओर से दी गई बैंक गारंटी : शून्य (पिछला वर्ष: शून्य)

2. सोसाइटी की ओर से बैंक द्वारा खोले गए साख पत्र: शून्य (पिछला वर्ष: शून्य)

B. खातों पर नोट्स

1. सोसाइटी की स्थापना भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त संगठन के रूप में की गई है और यह पूरी तरह से भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित है।

2. 2020-21 के लिए वार्षिक लेखे पिछले वर्षों के अनुरूप केंद्रीय स्वायत्त निकायों के लिए निर्धारित खातों के समान प्रारूप में तैयार किए गए हैं।

3. सोसाइटी को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 12 एए के तहत पंजीकृत किया गया है और इसलिए इसकी पूरी आय आयकर से मुक्त है।

4. 995 के दौरान सोसाइटी द्वारा प्राप्त 91, बालीगंज प्लेस, कोलकाता - 700019 में उपहार में दी गई संपत्ति (स्वर्गीय प्रोफेसर एसडी चटर्जी द्वारा उपहार में दी गई) का उपयोग गेस्ट हाउस के रूप में किया जा रहा है। संपत्ति से संबंधित एक लंबित मुकदमेबाजी के कारण (द्वितीय सिविल जज - जूनियर डिवीजन, अलीपुर के न्यायालय में दायर 1999 का शीर्षक सूट संख्या 361), संपत्ति के मूल्य को अचल संपत्तियों में शामिल नहीं किया गया है।

5. 79,51,408.00 रुपये की बंदोबस्ती निधि के प्रति सावधि जमा के रूप में निवेश को आवश्यकता पड़ने पर ओवरड्राफ्ट सुविधा प्राप्त करने के लिए भारतीय स्टेट बैंक, पार्क स्ट्रीट शाखा के पास संपार्शावक प्रतिभूति के रूप में रखा गया है।

6. वर्ष 2020-21 के लिए लेखा परीक्षा लंबित होने के कारण, वर्ष 2020-21 के लिए लेखा परीक्षा शुल्क के लिए दावा महानिदेशक (केंद्रीय), कोलकाता के कार्यालय से प्राप्त होना बाकी है। ऐसी परिस्थितियों में वर्ष 2020-21 के खातों में एकमुश्त (पिछले वर्ष की लेखा परीक्षा शुल्क के आधार पर अनुमानित) 6,00,000.00 रुपये की राशि प्रदान की गई है।

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता

31 मार्च 2021 को समाप्ति वर्ष के लिए महत्वपूर्ण लेखा नीतियां, आकस्मिक देयताएं और खातों का हिस्सा बनने वाले खातों पर नोट्स

7. 31.03.2021 को बंदोबस्ती निधि और अन्य के विरुद्ध सावधि जमा पर अर्जित ब्याज को एफडीआर विवरण के साथ समाधान के बाद 2020-21 में हिसाब में लिया गया है।

8. वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान, एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता ने निर्धारिती संख्या (संख्याओं) के संबंध में 90,61,464.00 की राशि के लिए संपत्ति कर के बकाया भुगतान की बकाया राशि का निपटान किया। ११-०६३-39-0001-2, 11-063-39-002-4& 11-063-39-01429 के माध्यम से बकाया संपत्ति कर के एकमुश्त निपटान के रूप में ब्याज और जुर्माना की छूट और मूल राशि के भुगतान का अवसर प्राप्त करना शहरी विकास और नगरपालिका मामलों की पश्चिम बंगाल सरकार की अधिसूचना संख्या 828/एमए/सी-5/सीसी/आईटी-1/2011 दिनांक 29.09.2020 और कोलकाता नगरपालिका के पक्ष में किए गए ऐसे भुगतान का विवरण निगम नीचे प्रस्तुत किया गया है:

अधिसूचना संख्या 828/एमए/सी-5/सीसी/आईटी-1/2011 के अनुसार बकाया संपत्ति कर के एकमुश्त निपटान के लिए एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के संबंध में वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान संपत्ति कर के बकाया भुगतान का विवरण दिनांक 29.09.2020

एस. एन.	आकलन संख्या	वार्षिक मूल्यांकन [रु.]	प्रभाव का वर्ष	वर्ष तक	कुल बकाया राशि [प्रिंसिपल + ब्याज + दंड] रुपये	भुगतान की गई राशि [केवल मूलधन] रु.	ब्याज और जुर्माने की 100% छूट रु.	31.03.2021 को शेष राशि रु.
1	11-063-39-0001-2	604560.00	1968	2019	3,47,90,418.00	60,44,704.00	2,87,45,714.00	0.00
2	11-063-39-0002-4	321230.00	1978	2019	2,20,91,487.00	26,71,688.00	1,94,19,799.00	0.00
3	11-063-39-0142-9	46980.00	1977	2002	3,45,072.00	3,45,072.00	-	0.00
Total					**5,72,26,977.00**	**90,61,464.00**	**4,81,65,513.00**	**0.00**

9. पिछले वर्ष के तदनुरूपी आँकड़ों को जहाँ कहीं आवश्यक हो पुनवयवस्थित और पुनर्समूहित किया गया है।

एसडी/-
[सुजीत कुमार दास]
कोषाध्यक्ष

एसडी/-
[एस बी चक्रवर्ती]
महासचिव

स्थान: कोलकाता
दिनांक: 2 अगस्त, 2021

ENGLISH VERSION

ANNUAL REPORT
2020-2021

The Asiatic Society
1 Park Street, Kolkata 700 016

Published by
Dr. Satyabrata Chakrabarti
General Secretary
The Asiatic Society
1 Park Street
Kolkata 700 016

December, 2021

Cover Design : Dhiman Chakraborty

Printed at
Sailee Press Pvt. Ltd.
4A Manicktola Main Road
Kolkata 700 054
Email : sailleepress@yahoo.com

Message of Condolence

The Asiatic Society, Kolkata offers its deep condolence on the demise of the following Members, Eminent Personalities, Well - wishers and Employees of the Society and all those victims who passed away being inflicted with COVID-19:

Shri Pranab Mukherjee

Professor Anisuzzaman
Professor Hari Vasudevan
Professor Ananda Dev Mukhopadhyay
Professor Amitendrnath Tagore
Professor Robbins Burling
Professor Tulika Sen
Professor Dwaraka Nath Bose
Professor D.N. Jha
Professor Manudeb Bhattacharya
Professor Abdus Subhan
Professor Uttara Chakraborty
Dr. Sudhir Chakraborty
Dr. Manish Pradhan
Shri Laxman Pai
Pandit Jasraj
Shri Basu Chatterjee
Shri Nimai Bhattacharya
Shri Ajit Yogi
Shri Somen Mitra
Shri Chuni Goswami
Shri Monu Mukherjee

Dr. (Smt.) Kapila Vatsyayan
Professor Alok Ranjan Dasgupta
Professor Amalendu Bandyopadhyay
Professor Sisirkana Dhar Chowdhury
Professor Rathindra Narayan Basu
Professor Vinay Shrivastava
Professor Madhukar Anant Mehendale
Professor Chitra Ghosh
Professor Subhasish Biswas
Professor Dipankar Basu
Professor Satyendranath Burman
Shri Soumitra Chattopadhyay
Shri Debesh Roy
Smt. Amala Shankar
Ustad Ghulam Mustafa Khan
Shri S. P. Balasubrahmanyam
Smt. Bijoya Mukhopadhyay
Shri. Shyamal Chakraborty
Major Jaswant Singh
Shri Sunil Kothari [Dance]
Shri Dibyendu Dutta Chowdhury

Contents

1.	The Journey of the Asiatic Society	...	9
2.	Presidential Address	...	12
3.	General Secretary's Address	...	18
4.	The Council of The Asiatic Society (2020-22)	...	21
5.	Planning Board and Standing Finance Committee	...	23
6.	Committees and Sub-Committees	...	25
7.	Awardees of Medals, Plaques and Lectureships for the year 2020	...	28
8.	Major Resolutions adopted & Items reported in the Council during April 2020-March 2021	...	31
9.	Publication of the Asiatic Society	...	38
10.	Activities of the Library Section	...	40
	Library	...	40
	Museum	...	43
	Conservation	...	44
	Reprography	...	45
11.	Activities of the Academic Section	...	46
	A. Internal Research Projects	...	47
	B. On-Going External Research Projects	...`	50
	C. Approved External Research Project yet to be commenced		53
	D. External Research Project: Hosted by the Asiatic Society	...	53

E. Lectures/ Seminars/ Conferences/ Workshops/ Symposium/ Colloquium ... 53

F. Academic Programmes 2020-2021 ... 53

12. Other Activities ... 58

13. Employees of the Asiatic Society (2020-2021) ... 60

14. Finance, Accounts, Budget & Audit ... 67

Visuals

1

The Journey of the Asiatic Society

The Journey

The Asiatic Society, Kolkata is the oldest institution of learning in India and has made a seminal contribution in the revival of Indian history and heralding its renaissance. It was founded by Sir William Jones, a revered philologist and scholar of Anglo-Welsh descent on 15 January, 1784 in a meeting held at the Grand Jury Hall of the Supreme Court, Calcutta.

Sir William Jones (1746-1794) joined the Calcutta Supreme Court as a Puisne Judge in 1783. It was Sir Jone's idea to set up a regular organisation for Oriental studies. Warren Hastings, the then Governor General, himself was deeply interested in Indian classical languages and literature. A group of Company officials were also quite actively involved in oriental studies. Therefore Jones's idea was implemented very easily.

On 15 January , 1784, thirty such interested Europeans met in the Grand Jury Room of the Supreme Court at Calcutta and adopted the proposal of Jones for founding the institution, "The Asiatick Society".

"The Bound of investigations will be the geographic limits of Asia, and within these limits its enquiries will be extended to whatever is performed by man or produced by nature" – a statement contained in the Memorandum of Articles of the Asiatic Society was prepared by Sir William Jones in that historic meeting. Thus began the long journey of the Asiatic Society, Kolkata.

Early Days

William Jones became the first President of the Society and continued in this position until his death in 1794. Warren Hastings was the first

Patron of the Society. Since then the position of the Patron was held by the Governor General and after independence by the Governor of West Bengal. Initially, the Society only had European citizens as its members. It was in 1829 that Indians were allowed to be a part of the society. In 1885, Rajendralala Mitra became the first Indian President of this organization. During the early years of establishment, the organization functioned without a building. After the government granted it land in 1805, its official building was built by 1808. The present building of the society was constructed at the same site in 1961 and inaugurated by former Indian President Dr. Sarvepalli Radhakrishnan on 22nd February 1965.

The name of the Society underwent several changes during the last two centuries such as the Asiatick Society of Bengal (1832-1935), The Royal Asiatick Society of Bengal (1936-1951) and in July 1952 it came to be known as the Asiatic Society.

Vision & Mission

The main objectives of the Society are:

- to organize, initiate and promote researches in Humanities and Science in Asia,
- to establish, build, erect, construct, maintain and run research Institutions, reading rooms, museums, auditoriums and lecture halls,
- to organize lectures, seminars, symposia, discussions, meetings and award of medals, prizes and scholarships in furtherance of the objectives.
- To acquire, finance or publish any periodicals, books or other literature that the Society may think fit for the promotions of its objects;

With the march of time, the Asiatic Society had to expand its range of objectives and consequently the area of research. Of course it has not gone beyond the basic mandate issued by its founder Sir William Jones that it would work with "what is performed by Man and produced by Nature." This mandate is being fully adhered to till now, consistent with the requirements of ever-expanding centre in human knowledge in modern times.

The Asiatic Society has played the pioneering and most crucial role in discovering India's past. The great Indologists and Orientalists like William Jones, Charles Wilkins, HT Colebrooke, BH Hodson, Francis Wilford, Samuel Davis, HH Wilson, James Prinsep had created their intellectual marvels at the Asiatic Society,

The Society has been also a great repository of the cultural heritage of the Country and the Society has been engaged for the last more than 200 years in disseminating the cultural heritage based on its resources by way of acting as a great centre of valuable manuscripts and other documents.

Institute of National Importance

In many ways the Asiatic Society has been the mother institution for the growth and development of many major academic institutions in this country like the School of Tropical Medicine, the Indian Museum, the Geological Survey of India, the Archaeological Survey of India, the Zoological Survey of India, the Botanical Survey of India, and so on and so forth.

In recognition of the Society's importance and its immense contribution in all fields of arts and sciences, Government of India recognized the Asiatic Society as an Institution of National Importance by an Act of Parliament during its bi-centenary year in 1984. With the enactment of the Asiatic Society Act of 1984, the Government of India took over the responsibility of providing the required financial support for its maintenance and development in future. At present, the Society is an Autonomous Organization under Ministry of Culture, Government of India.

Governance

The Society is registered under West Bengal Societies Registration Act, 1961. It is a members'

society. The Administration, direction and management of affairs of the Society are vested in a twenty members Council elected by the members of the Society. Election is held every two years. The learned Council members are primarily experts of different academic disciplines. Besides, there are four nominees of the Govt. of India, one nominee of the Government of West Bengal and one Representative of the Asiatic Society Employees' Union in the Council. The Council meets mandatorily once a month. There are several Standing Committees which help the Council in implementing its mission. Also there is a Planning Board of the Asiatic Society which advises it with respect to the planning and implementation of the developmental programmes of the Society. Similarly, a Standing Financing Committee consisting of Central Govt, State Govt and Council nominees to advise the Council on all matters having financial implications.

The Journey continues ….

In her inaugural speech at the Bi-Centenary Celebrations of the Society at Kolkata on 11th January, 1984, Smt Indira Gandhi, the then Prime Minister of India told, " Some Institutions reflect history and some contribute to it. This Society has done both." Till now, the Society has been carrying forward its programmes in all fronts for achieving its targets.

2

Presidential Address

It all started in March 2020. Before that, in China from November 1919 sporadic reports of the incidence of the disease, which has subsequently been named as Covid 19, were coming. Nobody outside China took it seriously. But beginning from March 2020 the disease started spreading in different countries of the world. And the disease started expanding in an electrifying speed. Some have called it 'globalization' of a totally different type. Earlier, in the second half of the 20th century, if it was globalization of economy, now it is globalization of the disease - Covid 19. Some prefer to call it as just not a disease but the most catastrophic incidence in human history. As on 1st June, 2021 as the worldometer data show, 222 countries of the world have been affected by the disease. Over 17 crores of people the world over have been affected so far and a staggering number of more than 35 lakh, sixtyfour thousand have succumbed to the dreaded disease so far.

The Historical Experience.

Such catastrophic diseases have affected people and societies earlier also. For example, as early as in 5th century B.C. in Athens in ancient Greece, the plague epidemic broke out killing as estimated 75000 to 100000 people. The famous Athenian scholar, Pericles, died from the Plague. Again, during the medieval period, in the 14th century particularly from 1347 to 1351 the Plague resurged in its deadliest form, known as the Black Death in Europe. Also known as Bubonic Plague, having its origin from zoonotic sources, this epidemic travelled a wide area from East to Europe and increase with the increased movement of people due to intensification of trade and commerce. In 1361-62 the Plague returned to England causing the death of around

20 percent of its population. After this, the Plague continued to return intermittently throughout the 14th and 15th centuries. The last outbreak in England occurred in 1665-66 known as the Great Plague of London which killed an estimated 100000 people - almost a quarter of London's population – in 18 months. Another epidemic - known in history as 'Spanish Flu' – though its origin and major outbreak was not in Spain – occurred from 1918 to 1919 overlapping World War I and estimated to have killed, somewhere between 20 and 50 million people worldwide. Some estimates put the number of death in this deadliest pandemic to as high as 100 million. It is interesting to note that the word 'Quarantine' has come from this source as the number of people affected by the disease were not allowed to embark on reaching the shore and they were confined in a ship named as Quarantine.

India's Historical Experience

India was not immune from this periodic outburst of Plague which occurred in a major way towards the end of the 19th century. When Vivekananda and Nibedita took a major role in serving the people afflicted by Plague at that time, this was known as the first humanitarian effort to fight against the disease. Interestingly this effort on their part as well as the effort of the colonial rulers to vaccinate the people met with stiff opposition from the people. The epidemic occurred again in India in 1918 when there was an estimated casualty of 18 million people. A Report released by the Sanitory Commission in 1918 documented that all the rivers of the country, including the Ganga, was clogged up with dead bodies. Is history repeating itself now as far as the disposal of the dead bodies are concerned?

More than the Plague, the incidence of Cholera and Malaria were far more frequent and were far more deadliest in its effects. There is no reliable statistical figure but estimates have been made that 1/3rd of the people of rural Bengal had been liquidated owing to these diseases. In village after village people developed the habit of fleeing away from those affected by the disease. In some extreme cases, family members also left the dying man alone and left the place. Is this part of the history also repeating itself?

The Epidemic now – the Extent and Intensity

Compared to the earlier epidemic occurrences in human history, the present 'Covid 19' outbreak is far more serious, far more devastating and far more extensive and intensive. While the earlier figures of death and affliction due to the epidemic, were largely hypothetical as no scientific census was prevalent - in the present day worldwide data on the disease is accurate and scientific – though there are some complaints of suppression of figures relating to affliction and death – for example, in India. Till 1st of June, 2021, people afflicted by the disease throughout the world have exceeded 17 crores and 14 lakhs whereas number of death has exceeded 35 lakhs. And this, inspite of the best efforts of modern scieince and technology to fight out the microscopic virus causing the devastation. At the initial stage, paradoxically, the developed countries and the urban areas were affected more than the developing ones but this has been compensated more in the second stage where the developing countries as well as the rural areas in those countries have also been equally affected. Some data on the point may be mentioned. As on 1st June, 2021 the following are the figures : US-afflicted 34.15 crores, died 6.09 lakhs, U.K. 44.37 lakhs afflicted and died 1 lakh 27 thousand; France afflicted 56.17 lakhs, died 1 lakh 9 thousands; Italy afflicted 42.17 lakhs, died 1 lakh 26 thousands; Germany afflicted 36.90 lakhs, died 89.2 thousands, Russia afflicted 50.81 lakhs, died 1.21 lakhs. Among non-European countries, Brazil was the most affected with 16.66 crores being afflicted and 4.63 lakhs being dead. It is only recently in the second wave, that India has surpassed Brazil and has occupied the inglorious second position.

The Horrible situation in India

The absolute number of people being afflicted and dead are no less terrible in India. In fact, India is in a second position, second only to the U.S. as far as the effect of pandemic is concerned. The total number of persons affected by the disease in India upto date are : over 2 crores 80 lakhs being afflicted and more than 3 lakhs 50 thousands people being dead. As on the international plane on the national plane also the disease has spreaded all over India. Though there is wide variation in the nature of the spread of the disease state wise, and within a state, region wise, yet there are some states in India where the situation is extremely grave. States ranking high within this category are Maharashtra, Karnataka, Kerala, Tamilnadu, Uttarpradesh, Delhi, Andhra Pradesh, Chhattisgarh etc. West Bengal is also within the category of high rank so far as the spread of the disease is concerned. More important, there is a quick suffling of position among states over time regarding their ranks – indicating that no state is beyond danger. The north-east region for example which were relatively free at the initial stage are now quickly coming up and the disease is increasing at an alarming date there too. In such a grim situation, it is a poor consolation that compared to India's vast population, the per capita figures relating to death (CFR) is low compared to many other developed countries.

The Second Wave

Beginning from December 2020 when the rate of growth of the disease started declining leading the government to 'unlock' the economy and hoping to restore the 'new normal' situation, suddenly, the disastrous 'second wave' started from April 2021 and engulfed the whole of the country in a lightening speed. The disastrous impact of the second wave can be judged by the fact that India added in May, 2021 only, 90 lakh new Covid cases with 1.2 lakh new deaths. Compared to this, in the US, the worst month was in December 2020 when 65.3 lakhs new cases were being added there. Earlier, the world record of daily addition in new cases was held by the US when it added 3.3 lakhs per day but India surpassed this record when in May 2021, the daily addition skyrocketed to more than 4 lakhs per day. Happily this situation has now come down to 1.2 lakhs additions per day but even in this situation, India has the first position in its record of daily addition. India's Covid ordeal in May 2021 was the worst witnessed in any country for any month since the beginning of the pandemic both in terms of absolute number of cases and fatalities.

Dry Statistics do not Reveal Human Misery.

At the initial stage of the pandemic last year, when, in Italy, an average of 800 people were dying everyday, the world public opinion shuddered. But little did we comprehend that in India, at one point of time, the per day fatality would rise to 4500. Though this has now come down to 2500, yet this is also a shattering news. In West Bengal, at the height of the disease last year, the fatality rate increased to 62 per day, but in May 2021 it increased to 183 (28th May). Now that it has come down to 120 per day. Is again a poor consolation.

In the case of these disastrous developments, how is the government responding? And how are the people responding? For one thing, in the face of the Covid 19 phenomenon the world over, the myth of the 'minimum government, maximum governance' has been shattered. State and Public agencies are now accepted as the only saviours to the situation. The response of the government in India has been extremely inadequate. Admittedly there was a huge challenge for the government to deal with this situation but how could we accept the fact that thousands of people would die, as they did, merely because of the lack of oxygen support. And that too, after one year after the onset of the pandemic? Vaccines have now been discovered but where is the government's vaccination policy? That there was no coordinated thinking on vaccination policy affecting millions and millions of people

would become evident from the following governmental policy outlines on vaccine eligibility. The first such declaration was made on 16.1.21 that only the frontline workers including the Army and the medical officers would be entitled to receive it. It was changed on 1.3.21 through which anybody above 60 and 45+ with comorbidities would be entitled. On 1.4.21 it was extended by including all those above 45 in spite of comorbidities. The 5th change was made on 1.5.21 when 15-44 age group was included and a distribution policy of 50% (centre) 25% (state) and 25% (private) was stipulated. The final change has been made on 21.6.21 when 75% free vaccination (centre 50%, state 25%) was declared with private bodies having the rest 25% share. Sometime earlier, it was also stated that state can procure vaccines from the international market but this was an utter failure. In a country like the US, not only are vaccines provided free of cost, but there is a cash incentive for vaccines for designated sections of population. In the wake of the spread of the disease, not only that it did not take any preventive measure but being guided by ulterior motives it encouraged political congregations and religions gatherrings. When, at the outset of the pandemic, the government clamped nationwide indefinite lockdown with a 4 hours notice, it remained callously insensitive to thousands and thousands of migrant labourers working across the boundaries of states all over India. That resulted in deaths for hundreds of them and untold misery for the rest. The government had no policy for providing relief to millions of unorganized workers who lost their livelihood overnight.

But in spite of the above shortcomings, government has come in a big way to deal with the situation. Hospitals are overcrowded and it is now difficult to get bed but once you are admitted, you got everything free of cost. Private sector hospitals and nursing homes have also come in a big way but the cost is exorbitant and beyond the reach of the ordinary men. And as it happens in such cases, taking advantage of the helpless condition of the people, there is fleecing all around from ambulances to hospitals to medicines to burning ghat. An all round atmosphere of fear is lurking over the whole society – the fear that if one is afflicted, he may die unsung and unnoticed – from treatment centres to burning ghats.

A few more disturbing features of the second wave of the pandemic in India may be mentioned. a) A total of 2.27 crores of people in India have been affected by the disease in April and May of which more than 1 crore have been affected in May. b) In April and May a total of 169000 people have died whereas in the whole of the previous 1 year 163000 people had died of the disease; c) whereas in the previous 1 year the disease was mainly confined to urban areas, during the second wave it has engulfed rural areas also; d) One estimate shows that between 1st and 7th May the age group comprising 18-40 years of age constituted 49.70% of the affected people. It shows that whereas in the first phase, it was mainly the elderly people who were affected, in the second phase, a comparatively large number of people belonging to younger generation has been affected. And many of them have succumbed to the disease. One estimate shows that due to the epidemic, 9346 children have been orphaned. There is a forecast of the impending 3rd wave where children may also be affected.

Effects on Economy, Society and Education.

But more important than the statistical figures relating to the spread of the disease is its impact on the psychological, social and economic level as well as its impact on the microlevel of human perception and interhuman relations. While space will not permit me to analyse the cumulative impact of these at the macro level including its immediate and long term fall out, I can now briefly add some quick comments on my part.

At the level of the economy, the sudden declaration of total lockdown which continued for about 9 months, had a devastating impact on every sector

of the economy. Transport, manufacturing, hospitality and tourism sector as well as the informal sector employing millions of people. Thousands of people were crippled resulting in a loss of job for those engaged in these sectors. In the first three quarters of 20-21, the GDP fell by 23 percent compared to the previous year - the highest fall in G.D.P. among all the countries of the world. The final estimate for the whole of the FY 20-21 shows that in quarter 4, the GDP grew by 1.6 % but shrank 7.3 % in the whole financial year. The widespread device of local lockdowns since April this year, after the onset of the second wave would surely affect adversely, the details of which are not yet available. The CMIE Report shows that between April to May 2021 the total loss of job has been more than 2.5 crores escalating the unemployment rate by 3.9 percent. This situation is likely to go more adverse in the coming months. The 'work from home' device which has been resorted to by a huge number of private sector employees and the IT sector, is unavoidable but it has resulted in additional strains for these employees including loss of work environment, no defined working hours and no defined work load. But as the employers are now saving huge establishment cost because of this, this is likely to continue even after the end of the pandemics. Meetings, seminars, workshops are now being held on line. Under the circumstances, it is now unavoidable but it misses the vitality and wormth of the face to face interaction modes.

How the poor have been affected by the spreading epidemic has been revealed by the recent data on escalating medical bills which have pushed crores of Indians into poverty. Out of pocket health spending has forced at last 55 million Indians into poverty. Experts everywhere agree that government support in health care can be a safetynet that protects people who are otherwise pushed to poverty because of medical bills. It is irony that out of pocket (OOP) medical expenses are much lower in developed countries as compared with the developing world. Among the countries with the most covid cases, France has the lowest OOP medical expenses of 9% while India has the highest at 63%. In Turkey, Germany, the U.K. and the U.S. OOP expenses are less than 20%. Again, within India also, there is a marked disparity, as people in the poorest states bear a greater burden of their medical expenses compared with people in more industrialized states.

The insufficient and inefficient public health expenditure has led the Economic Survey of India in 2020-21 to comment. "The health of a nation depends critically in its citizens having access to an equitable, affordable and accountable health care system." The survey estimated that an increase in public spending on health care from 1% to 2.5 – 3% of GDP can reduce private expenditure from 65% to 30% of overall healthcare spending.

The yearlong corona epidemic has had a devastating impact on the whole education system in our country. And it has further intensified the 'digital divide' in our country. Schools, Colleges and Universities all over the nation have remained closed. Libraries, Laboratories and Research Institutions, Medical Colleges are non-functional. IITs, IIMs Technology Colleges are shut down. Research projects are discontinuing. No doubt many of them are functioning through virtual mode. On line education and on line examinations are being resorted to by most of them. In fact, the entire educational system is being run today through this virtual mode. But two things are to be kept in mind regarding this. Virtual mode and on line system of education can be a supplementary tool but it can never replace the face to face mode of teaching. Students who are undergoing this system already feel bored and are becoming inattentive. The difficulty is not only on the student's side but many of the teachers are ill-equipped to deal with the methodological and technological issues associated with this mode of teaching. And then, what about the practical classes, hands on training, clinical training or workshop experiences? With written

examinations being off this year for 2.6 crores of students throughout the country, the nation is still to get an answer for an alternative and efficient mode of assessment for those students.

A more important and serious issue is the question of digital divide existing in our country. The vast majority of educational institutions and students run by the government have very poor infrastructural support. Necessary technical knowledge is lacking, instrumental support like android system or computers are non-existent, internet support in the countryside is lacking and the cost of operating the system can hardly be bourne by them. This has given rise to neo-illterates, particularly amongst the marginal sections of population.

In a study on the 'Loss of learning during the pandemic' where data on 16067 school children in 437 government school across five states, it was found that 42% of students from Class II to Class VI have lost at least one specific foundational ability in languages that they may have acquired in previous years. The corresponding figures for Mathematics is 82%. In another finding of the Centre for Science and Environment (CSE), it was noted "the Covid 19 pandemic has severely exposed India's health care system. While the abysmal state of preparedness in urban India has been in the limelight, a more distressing scenario is emerging from the rural hinterland". Noting that India accounted for every other new Covid 19 case and every third death reported globally in the month May 21, it further pointed out "what escaped everyone's notice is that every second new case and deaths reported from India in May was from the rural districts. This means that every fourth case reported in the world that month was from rural India".

As if these are not enough, scientists are telling us about the impending third wave! The specter of Covid 19 is haunting the whole world even now.

Date : 7th June, 2021

Prof. Swapan Kumar Pramanik
President

3

General Secretary's Report

Respected President, Hon'ble Council Members and Members, Dear Colleagues and Friends of the Asiatic Society, I feel honoured in being able to place before you the Annual Report of the Asiatic Society for the year 2020-2021.

You will kindly remember that we began the period of our report (April 2020 onwards) under a terrific constraint with the declaration of national LOCKDOWN (since 25.03.2020) which was thrust upon allover due to the monstrous effect of the global infliction of COVID-19. This ever powerful virus has jerked the world socially, economically, politically as well as psycho-culturally cutting across all latitudinal and longitudinal divides. The net impact of 'isolation', 'distancing', 'quarantine' etc. have created a new and unforeseen world altogether.

After the initial shock and setback we slowly rolled back to pick up our academic and other activities primarily by using modern technological mode of communication and the related means. The election of the new Council of the Asiatic Society for the year 2020-22 was put on hold. Therefore, as per the Regulation of Society, the old Council continued to function. The 236th Annual General Meeting and Award Giving Ceremony had got to be postponed. The Monthly Bulletin and the Quarterly Journal of the Society were first published online since April, 2020. The Publication and other administrative activities continued basically by 'working from home' till UNLOCK ORDERS were issued in phases by Central and State Governments in June 2020 onwards. All the information is available in our Monthly Bulletins, which were subsequently published in physical mode along with the journal and other important books etc. The Council and the other Committee Meetings were also held online.

In retrospect, while looking back a revelation encircles every common mind. Put together they are constant pains in the immense loss of life, fractured minds with enormous anxieties, forced distancing and social desertion and so on and so forth. Cumulatively they have impacted diverse categories of human groups in every conceivable manner in all parts of the world. The range of all these negative factors notwithstanding people of all strata tried to evolve their adaptive strategies in order to continue their living as meaningfully as possible within the given limitations. We gradually started organizing Council and other Committee meetings since December, 2020. In the meanwhile the earlier postponed election process of the new Council for 2020-2022 was completed and the new Council of the Asiatic Society took over the charge immediately after the Annual General Meeting held on 04.01.2021.

The brief of our academic activities during this period (most of which were organized online) are already mentioned in the Sectional Reports appended. They include various Panel Discussions, Endowment Lectures, observance of Special Days or Occasions (such as World Environment Day), Exhibitions and publications like Monthly Bulletins, the Journal and occasional memoirs. Some of the publications were also released online. This apart, research projects were being carried out by both in-house Research Fellows as well as External Scholars. The varieties of subjects of all these academic activities are in line with the mandate of the Society and also cover major thrust areas identified and recommended by the Peer Review Committee (2011) and endorsed by the Planning Board.

The major academic achievements of the period were completion of all the committed programmes with regard to the 150th Birth Anniversary of Mahatma Gandhi and Bi-centenary of Pandit Iswar Chandra Vidyasagar. These activities included National and International Seminars, Special Lectures and a number of very important publications (kindly see from the sectional reports). In addition to this, the 238th Foundation Day was also observed in a befitting manner, being attended by Shri Jagdeep Dhankhar, the Hon'ble Governor of West Bengal as well as Patron of the Asiatic Society. He was accompanied by the First Lady Smt. Sudesh Dhankhar. Foundation Day Oration was delivered by Professor P. Majumdar, National Science Chair, Government of India and Founder Director, National Institute of Biomedical Genomics, Kalyani, also Emeritus Professor of Indian Statistical Institute, Kolkata. Professor Majumdar talked on *Genes as a Guide to Human History and Culture* which was appreciated by all. On this occasion our recent publication *Saraswati: The River Par Excellence* was released by Dr. Swapan Dasgupta, Hon'ble Member of Parliament (Rajya Sabha). Both the Hon'ble Governor and Dr. Dasgupta spoke highly about the various academic activities of the Society in recent years. Due to the prevailing situation of restrictions related to the pandemic factors the Award Giving Ceremony for the year 2019 could not be held. The awardees have been informed and arrangements are being made to reach the Awards to the Awardees by post or courier services or otherwise. Initiatives were taken to organize the lectures of the various Lectureships that were awarded to eminent persons for the year 2019. Some of them have already been delivered online.

The Society decided to observe 125th Birth Anniversary of Netaji Subhas Chandra Bose suitably. The beginning has been made through arranging two lectures. One was organized online on 23.01.2021, delivered by Shri Girish Maiti, a dedicated researcher on Netaji and the other was organized in physical mode at the Society's Salt Lake campus on 30.01.2021. The second lecture was delivered by Professor Amal Kumar Mukhopadhyay, Former Principal of Presidency College, Kolkata. The subject of discussion was *Mahatma Gandhi and Netaji Subhas Chandra Bose: Their Mutual Discourse.*

We began the observance of Bi-centenary of Dr. Rajendralala Mitra, the first Indian President of the Asiatic Society in 1885 on the occasion of his birthday. This was organized on 15th February, 2021. We have planned to observe this important event in a meaningful manner during the coming months.

Friends, let me reiterate that the new Council is committed to carry forward the rich academic traditions of the Asiatic Society further during its tenure. We sincerely hope that we will be able to reach the target with active participation and all out cooperation of our members, colleagues in the office, friends and well-wishers as we received it in the past. Please keep well and stay safe.

Regards.

Date: 7th June, 2021

S.B. Chakrabarti
General Secretary

Post scripts: Almost in the beginning of the new financial year i.e. 2021-22, the entire country was again gripped with the second wave of CORONA very badly. Our city Kolkata and the outlying districts are undergoing the same anxiety and tensions as in 2020. Lockdown has been imposed again subjecting us to work from home. We have to continue our activities under the imposed limitations until further order.

We pay our respectful tribute to all those Council members, Members of the Society, Staff members and all the innumerable souls who expired for various reasons including COVID during this critical phase.

4

The Council of the Asiatic Society (2020-2022)

President:

Professor Swapan Kumar Pramanick

Vice-President:

Professor Subhas Ranjan Chakraborty

Professor Basudeb Barman

Professor Atis Kumar Dasgupta

Professor Pradip Bhattacharya

General Secretary:

Dr. Satyabrata Chakrabarti

Treasurer:

Dr. Sujit Kumar Das

Anthropological Secretary:

Professor Ranjana Ray

Biological Science Secretary:

Professor Asok Kanti Sanyal

Historical and Archaeological Secretary:

Professor Arun Kumar Bandyopadhyay

Library Secretary:

Professor Tapati Mukherjee

Medical Science Secretary:

Dr. Sankar Kumar Nath

Philological Secretary:

Shri Shyam Sundar Bhattacharya

Physical Science Secretary:

Professor Rajkumar Roychoudhury

Publication Secretary:

Dr. Ramkrishna Chatterjee

Jt. Philological Secretary:

Dr. M. Firoze

Members:

Professor Nabanarayan Bandyopadhyay

Professor Somnath Mukhopadhyay

Professor Mahidas Bhattacharya

Dr. Bishnu Pada Dutta

Representatives of the Government of India:

Additional Secretary (I/C Asiatic Society), Ministry of Culture, Government of India

Director General, National Council of Science Museums, Kolkata

Secretary & Curator, Victoria Memorial Hall, Kolkata

Director, Eastern Zonal Cultural Centre, Kolkata

Representative of the Government of West Bengal :

Director of Public Instruction (DPI), Department of Higher Education, Govt of West Bengal

Representative of the Asiatic Society Employees' Union:

Professor Ranjit Sen

- **The Council assumed office on 7th June, 2021.**

5 Planning Board and Standing Finance Committee

Planning Board

[Constituted under Section 8(1) of the Asiatic Society Act, 1984]

1. Secretary, Ministry of Culture, Government of India
   Chairman

2. Additional Secretary & Financial Advisor, Ministry of Culture, Government of India
   Member

3. Director General, National Council of Science Museum, Kolkata
   Member

4. Director General, Raja Ram Mohan Roy Library Foundation, Kolkata
   Member

5. Secretary & Curator, Victoria Memorial Hall, Kolkata
   Member

6. Principal Secretary, Department of Higher Education, Govt. of West Bengal
   Member

7. President, The Asiatic Society, Kolkata
   Member

8. General Secretary, The Asiatic Society, Kolkata
   Convenor

Standing Finance Committee

[Constituted as per Regulation 4A (1)]

1.	Additional Secretary & Financial Advisor, Ministry of Culture, Government of India	*Chairman*
2.	Director General, National Council of Science Museum, Kolkata	*Member*
3.	Director, Eastern Zonal Cultural Centre, Kolkata	*Member*
4.	Nominee of the Govt. of West Bengal (Presently vacant)	*Member*
5.	General Secretary, The Asiatic Society	*Member*
6.	Treasurer, The Asiatic Society	*Member*
7.	Professor Asok Kanti Sanyal, Biological Science Secretary, The Asiatic Society (Nominated by the Council)	*Member*

6

Committees and Sub Committees

LIBRARY COMMITTEE

[Constituted as per Bye-Laws V]

1. **Professor Swapan Kumar Pramanick,**
   President
2. **Dr. Satyabrata Chakrabarti,**
   General Secretary
3. **Dr. Sujit Kumar Das,**
   Treasurer
4. **Professor Tapati Mukherjee,**
   Library Secretary
5. **Dr. Ramkrishna Chatterjee,**
   Publication Secretary
6. **Professor Arun Kumar Bandyopadhyay,**
   Historical and Archaeological Secretary
7. **Sri Shyam Sundar Bhattacharya,**
   Philological Secretary
8. **Dr. Sankar Kumar Nath,**
   Medical Science Secretary
9. **Professor Asok Kanti Sanyal,**
   Biological Science Secretary
10. **Professor Rajkumar Roychoudhury,**
    Physical Science Secretary
11. **Professor Ranjana Ray,**
    Anthropological Secretary
12. **Dr. M. Firoze,**
    Joint Philological Secretary

13. **Professor Didhiti Chakraborty**
14. **Professor Sachindra Nath Bhattacharya**
15. **Dr. Nibedita Ganguly**

Publication Committee

[Constituted as per Bye-Laws XXXVII]

1. **Professor Swapan Kumar Pramanick,** *President*
2. **Dr. Satyabrata Chakrabarti,** *General Secretary*
3. **Dr. Sujit Kumar Das,** *Treasurer*
4. **Dr. Ramkrishna Chatterjee,** *Publication Secretary*
5. **Professor Subhas Ranjan Chakraborty,** *Vice President*
6. **Professor Tapati Mukherjee,** *Library Secretary, The Asiatic Society*
7. **Professor Arun Kumar Bandyopadhyay,** *Historical and Archaeological Secretary,*
8. **Sri Shyam Sundar Bhattacharya,** *Philological Secretary*
9. **Professor Asok Kanti Sanyal,** *Biological Science Secretary*
10. **Dr. M. Firoze,** *Joint Philological Secretary,*
11. **Professor Aparajita Basu**
12. **Dr. Arunava Mishra**
13. **Shri Nirbed Roy**
14. **Dr. Bijon Kundu**
15. **Dr. Nirmal Bandyopadhyay**
16. **Dr. Rajat Sanyal**
17. **Dr. Sankar Prasad Chakraborty**
18. **Dr. Sabyasachi Chatterjee**

Invitee Members:

1. **Professor Ranjana Ray,** *Anthropological Secretary*
2. **Professor Ram Ahlad Chowdhury**
3. **Dr. Satarupa Dutta Mazumder**

Bibliotheca Indica Committee

[Constituted as per Bye-Laws XXXVIII]

1. **Professor Swapan Kumar Pramanick,** *President,*
2. **Dr. Satyabrata Chakrabarti,** *General Secretary*
3. **Dr. Sujit Kumar Das,** *Treasurer*
4. **Professor Tapati Mukherjee,** *Library Secretary*
5. **Dr. Ramkrishna Chatterjee,** *Publication Secretary*
6. **Sri Shyam Sundar Bhattacharya,** *Philological Secretary*
7. **Dr. M. Firoze,** *Joint Philological Secretary*
8. **Professor Nabanarayan Bandyopadhyay**
9. **Professor Mahidas Bhattacharya**
10. **Professor Badiur Rahaman**
11. **Professor Bela Bhattacharya**
12. **Professor Taraknath Adhikary**
13. **Professor Bijoya Goswami**
14. **Professor Amit Bhattacharya**

Academic Committee

1. **Professor Swapan Kumar Pramanick,** *President*
2. **Dr. Satyabrata Chakrabarti,** *General Secretary,*

3. **Dr. Sujit Kumar Das,**
Treasurer
4. **Professor Subhas Ranjan Chakraborty,**
Vice President
5. **Professor Atis Kumar Dasgupta,**
Vice President
6. **Professor Pradip Bhattacharya,**
Vice President
7. **Professor Basudeb Barman,**
Vice President
8. **Dr. Ramkrishna Chatterjee,**
Publication Secretary
9. **Professor Tapati Mukherjee,**
Library Secretary
10. **Professor Ranjana Ray,**
Anthropological Secretary
11. **Professor Arun Kumar Bandyopadhyay,**
Historical and Archaeological Secretary
12. **Dr. Sankar Kumar Nath,**
Medical Science Secretary
13. **Sri Shyam Sundar Bhattacharya,**
Philological Secretary
14. **Professor Nabanarayan Bandyopadhyay**
15. **Professor Somnath Mukhopadhyay**
16. **Professor Mahidas Bhattacharya**
17. **Professor Satyabati Giri**
18. **Professor Neela Mazoomder**
19. **Professor Susnata Das**
20. **Professor Musaraf Hossain**
21. **Professor Badiur Rahaman**
22. **Professor Shyamal Kumar Chakraborty**
23. **Dr. Chandramalli Sengupta**
24. **Dr. Ramkumar Mukhopadhyay**

Museum Re-orientation and Development Committee

1. **Professor Isha Mohammad**
(Chairman of the Committee);
2. **Professor Swapan Kumar Pramanick,**
President,
3. **Dr. Satyabrata Chakrabarti,**
General Secretary
4. **Dr. Sujit Kumar Das,**
Treasurer
5. **Dr. Ramkrishna Chatterjee,**
Publication Secretary
6. **Professor Tapati Mukhopadhyay,**
Library Secretary
7. **Professor Somnath Mukhopadhyay**
8. **Shri Anurag Kumar**
9. **Professor Adinath Das**
10. **Dr. Soumen Khamrui**
11. **Ms. Shanti Majhi**
12. **Dr. R P Savita**

During the period, the business of the Society was conducted through the following meetings :

- Meeting of the Council : *10 (Ten)*
- Monthly General Meeting : 5 (Five
- Meeting of the Library Committee: *8 (Eight)*
- Meeting of the Publication Committee : *5 (Five)*
- Meeting of the Bibliotheca Indica Committee : *2 (Two)*
- Meeting of the Academic Committee : *8 (Eight)*
- Meeting of the Standing Finance Committee : *1(One)*

7

Recipients of different Medals, Plaques and Lectureships of the Asiatic Society for the year 2020

Medal/Plaque

1. **TAGORE PEACE AWARD**

   William Radice, eminent English Poet and the Translator of Rabindranath Tagore, for his Significant Contribution to the Development of Human Understanding towards Peace.

2. **RABINDRANATH TAGORE BIRTH CENTENARY PLAQUE**

   Professor Viswanathan Prasad Tiwari, eminent Hindi Poet, for his Creative Contribution to Human Culture.

3. **PANDIT ISWAR CHANDRA VIDYASAGAR GOLD PLAQUE**

   Shri Harsh Mander, eminent Human Rights and Peace Worker and Columnist, for his Significant Contribution to Contemporary Social issues.

4. **INDIRA GANDHI GOLD PLAQUE**

   Ustad Amjad Ali Khan, Padma Vibhushan, eminent Indian Classical Sarod Player, for his Significant Contribution to the Understanding of Inter-Cultural Co-operation towards Human Progress.

5. **PROFESSOR SUKUMAR SEN MEMORIAL GOLD MEDAL**

   Professor Samiran Chakrabarti, Former Director of Centre for Vedic Studies at Rabindra Bharati University, for his Significant Contribution in the Academic Field.

6. MEGHNAD SAHA MEMORIAL GOLD MEDAL

Professor Sriram Ramaswamy, FRS, J.C. Bose National Fellow and Professor of Physics at the Indian Institute of Science, Bengaluru, for his Significant Contribution in the Field of Physics.

7. BARCLAY MEMORIAL MEDAL

Professor Partha P. Majumder, National Science Chair and Distinguished Professor and Founding Director, National Institute of Biomedical Genomics , Kalyani, for his Significant Contribution to the Development of Biological Science.

8. G.S.I. SESQUICENTENNIAL COMMEMORATIVE MEDAL

Professor Talat Ahmad, Vice Chancellor, University of Kashmir, for his Significant Contribution in the field of Earth Science.

9. DR. NARESH CHANDRA SEN GUPTA GOLD MEDAL

Justice Fathima Beevi, former Judge of the Supreme Court of India, for her Significant Contribution in the Field of Society & Law in Ancient and Medieval India.

10. PROFESSOR SUHRIT CHANDRA MITRA MEMORIAL PLAQUE

Professor Girishwar Misra, eminent Social Scientist and Psychologist, for his Significant Contribution to Psychology.

11. PROFESSOR HEM CHANDRA RAYCHAUDHURI BIRTH CENTENARY GOLD MEDAL

Professor Kesavan Veluthat, eminent Indian Historian, for his Creative Contribution in the Academic Field.

12. S C CHAKRAVARTI MEDAL

Professor Dipak Kumar Barua, former Professor of Pali, University of Calcutta and former Director, Nava Nalanda Mahavihara, Nalanda, for his Significant Contribution in the Field of Ancient Indian Languages.

13. R P CHANDA CENTENARY MEDAL

Dr. Annapurna Chattopadhyay, former Reader and Head of the Department of History, Raja Narendra Lal Khan Women's College and Guest Teacher of Vidyasagar University , West Medinipur and veteran Archaeology Researcher, for her Significant Contribution in Archaeology.

14. RANADHIR ROY MEMORIAL GOLD MEDAL

Pandit Kushal Das, eminent Indian Classical Sitar and Surbahar Player, for his Creative Contribution in Instrumental Music.

15. PROFESSOR NIRMAL NATH CHATTERJEE MEDAL

Dr Abu Saeed Baidya, Post Doctoral Research Fellow at Department of Geological Sciences, Jadavpur University, for his Significant Contribution to the Knowledge of Economic Geology.

16. SARATLAL BISWAS MEMORIAL MEDAL

Ms. Madhuparna Paul, Senior Research Fellow at Department of Geology, University of Calcutta, for her Best Published Work in Mineralogy and Petrology.

LECTURESHIP:

1. **PANDIT ISWAR CHANDRA VIDYASAGAR LECTURESHIP**

   Professor Amiya Dev, former Professor of Dept of Comparative Literature, Jadavpur University and former Vice Chancellor, Vidyasagar University, for his Significant Contribution in the Field of Humanities.

2. **RAJA RAJENDRALAL (A) MITRA MEMORIAL LECTURESHIP**

   Professor Tapati Guha-Thakurta, eminent Cultural Historian, for her Notable Contribution in the Field of Indological Studies.

3. **INDIRA GANDHI MEMORIAL LECTURESHIP**

   Professor Ramachandra Guha, eminent Indian Writer and Columnist, for his Significant Contribution in the Field of Historical and Philosophical Trends.

4. **PROFESSOR SUNITI KUMAR CHATTERJI MEMORIAL LECTURESHIP**

   Professor E. Annamalai, eminent Linguist, for his Significant Contribution in the Field of Linguistics.

5. **DR. SATYENDRA NATH SEN MEMORIAL LECTURESHIP**

   Professor Asis Kumar Banerjee, Emeritus Professor of Economics, University of Calcutta and former Vice-Chancellor of University of Calcutta, for his Significant Contribution in the Field of Social Science.

6. **DR. PANCHANAN MITRA MEMORIAL LECTURESHIP**

   Professor Sarit Kumar Chaudhuri, Professor of Anthropology at Rajiv Gandhi University, Arunachal Pradesh and former Director, Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya, Bhopal, for his Significant Contribution in the Field of Anthropology.

7. **ABHA MAITI MEMORIAL ANNUAL LECTURESHIP**

   Professor Malini Bhattacharya, eminent Academician in the field the Women's Movement, for her Significant Contribution towards Development of Indian women.

8. **DR. BIMANBEHARI MEMORIAL LECTURESHIP**

   Professor Kanan Bihari Goswami , former Professor and Head, Department of Bengali, Rabindra Bharati University and Emeritus Professor, Dept. of Bengali, Ramakrishna Mission Vivekananda University, for his Notable Contribution in the Field of Bengali Language and Literature.

9. **SWAMI PRANAVANANDA MEMORIAL LECTURESHIP**

   Dr. Nrisingha Prasad Bhaduri, eminent Indologist, for his Significant Contribution in the Field of Religion and Culture.

10. **PROFESSOR MAYA DEB MEMORIAL LECTURESHIP**

    Professor Meena Hariharan, Professor at Centre for Health Psychology, University of Hyderabad, for her Significant Research Work on the Psychological / Social Problems of the Downtrodden Indian Rural Women.

11. **SUDHA BASU MEMORIAL BIENNIAL LECTURESHIP**

    Professor Jogen Chowdhury, eminent Indian Painter, for his Significant Contribution in the Field of Fine Arts and Culture.

8

Major Resolutions Adopted and Items Reported in the Council during April 2020-March 2021

Council Meeting held on 29th May, 2020

Under Agenda item no 1, the General Secretary reported the members that the office remained closed from 24th March, 2020 due to the prevailing pandemic situation and only essential services were maintained therein. He informed the members that the academic committee meeting could not take place in the month of March, 2020 and the meeting of the Council which was supposed to be held on 27th March, 2020 was postponed. He also reported that due to the prevailing pandemic situation the Society was not in a position to hold any sectional meeting including the Council meeting during the month of April, 2020. Further, he apprised the members that during this period the employees had worked from home and a number of publications including monthly bulletins for April 2020 and May 2020 were made on digital platform.

The Council noted the facts.

Council Meeting held on 30th June, 2020

The Council approved with a decision to display the names of the recipients of different Medals, Plaques and Lectureships of the Asiatic Society for the year 2019 on the website of the Society and also to publish them in Society's Monthly Bulletin.

Council Meeting held on 30th July, 2020

1. The Council noted the facts and accepted the following recommendations made by the Committee constituted for examining the proposal of introduction of NPS for the employees of the Society:

    i. The Registration process for implementation of National Pension Scheme (NPS) in the Asiatic Society, Kolkata may be initiated and completed at the earliest.

ii. For employees who have joined in the month of July 2020, including subsequent new joiners, their NPS contributions may be retained and the accumulated amount may be deposited in their NPS accounts after enrolling them following completion of the NPS registration process.

iii. For those employees of the Society, who have joined on or after 01.01.2004 [i.e. date of introduction of NPS by the Government of India], they will have to switch over from EPF (through exit from EPF Scheme) to NPS with a cut-off date to be determined later after completion of the NPS registration process.

iv. For those employees of the Society, who have joined before 01.01.2004 [i.e. date of introduction of NPS by the Government of India], they will be given an option between joining NPS taking exit from EPF or to continue in the EPF Scheme with the condition that the EPF Wage ceiling limit of Rs.15,000 will be applicable while calculating the employer's contribution to EPF. A cut-off date for exercising the option and consequent changes will be fixed on completion of the NPS registration process.

v. Efforts are to be made to complete the entire process within the current financial year (i.e. 2020-21) and till such switch over between EPF and NPS takes place, status quo may be maintained in respect of employer's contribution to EPF.

2. The Council noted the communication vide no F.No.20-15/2019-A&A dated 19.07.2020 received from A&A Section of the Ministry of Culture for taking immediate action on certain issues relating to proposed revision of Recruitment Rules of the Society and decided:

i. To constitute a committee for examining the Ministry's proposal of abolishing the posts which are lying vacant for more than 5 years and making necessary recommendations in this regard.

ii. To send the proposal for revival of the posts which are lying vacant for more than 2 years and less than 5 years to the Ministry immediately.

iii. To fill up immediately the posts which are lying vacant for less than 2 years in accordance with the existing Recruitment Rules of the Society.

iv. To convene a meeting of the Committee already constituted for framing the Recruitment Rules for the employees of the Society to make necessary justification of conversion of various posts as sought by the Ministry in the said communication.

v. To constitute a Committee for exercising necessary review of manpower requirement of the Asiatic Society, Kolkata in the present scenario keeping in view of its functional requisite.

The Council also authorized the General Secretary to constitute the Committees mentioned in (i) and (v) above and decided to include one or two experts from the Ministry in the Committee mentioned in (v) above.

Council Meeting held on 28th August, 2020

1. The Council reviewed the latest position following the Communication to the Ministry of Culture vide Resolution to Agenda Items No 2 and 9 of the minutes of the meeting of the Council held on 29th May, 2020 as well as the appeal made by

the Council on 04.08.2020 to the Hon'ble Minister of Culture, Govt. of India, Shri Prahlad Singh Patel. The appeal was made on the following grounds:

i. In response to the Ministry of Culture's directive vide No F. No. 20-5/2015-A&A (Part) dated 23.07.2020, the Council requested for the constitution of a High Power Committee consisting of the Representatives of the Ministry of Culture, the Council of the Asiatic Society, the employees of the Society and one or two external experts, who should review the entire matter relating to the extension of service up to 65 years for the employees who joined before 01.12.1998 (vide. Clause 6 of By-Law VI.B and SR 18 of the Service Rules)and suggest some concrete measures in order to resolve this old issue with a reasonable approach;

ii. The Council requested the Ministry of Culture not to act in a haste without providing some alternative means including consideration of Pension for the employees who will be otherwise affected very badly; and

iii. The Council emphatically expressed to maintain status quo specially during the prevailing pandemic situation which has already affected all sections of the employees in many ways and therefore not to push them into further financial hardship.

A few minutes before the meeting, the Council received Ministry's observation by email in this regard that the matter is under consideration to the higher authority in the Ministry and the decision will be informed to the Society in due course. In this background, the Council unanimously decided that pending the receipt of communication from the ministry it will maintain the status quo so far the issue of extension of service up to 65 years for the employees who joined before 01.12.1998 (vide. Clause 6 of By-Law VI.B and SR 18 of the Service Rules) is concerned, specially keeping in view the existing pandemic situation. This condition of extension has been continuing for long and therefore the present Council do not consider it judicious to take an abrupt step unilaterally specially under the pandemic situation without having any alternative protective measures. This will further push the employees into a hard crisis. Even the Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modiji expressed very clearly on a number of occasions to ensure that the working people are not affected adversely during this COVID-19 phase.

In view of the above, the Council unanimously decided not to discontinue the matter of extension right now before evolving some alternative protective measures including consideration of pension scheme for the employees. Under the circumstances, the Council further decided to allow the cases of extension of four employees which were deferred during the Council meeting of 30.07.2020 and also to grant two applications of extension which were received by the office for consideration in the meeting of 28.08.2020. The Council authorised the General Secretary to take necessary action in this regard expeditiously.

Council Meeting held on 29th September, 2020

1. The Council decided to organize all the endowment lectures in virtual mode and to hand over the Medals/Plaques to the recipients either in person or by post according to the situation.

2. The Council re-nominated Professor Kunal Ghosh, Ph.D. D.Sc. FNA, a life member and Fellow of the Society in the Council of the Indian National Science Academy for the year 2021.

3. Under any other item, the General Secretary reported that he had written a letter to the Chairman of the Election Committee for the

election of the office bearers and other members of the Council of the Asiatic Society for 2020-22, expressing the concern of the members raised in the Monthly General Meeting for the month of September, 2020. The Chairman in his reply reiterated the apprehension of the existing pandemic situation and imposed limitation on the part of the members' physical presence for casting their votes at the Society's premises as per the existing Election Regulations. In the meanwhile, the Administrative Officer of the Society, who is required to provide necessary administrative support and logistics, had also some discussions with the Chairman in this regard. He had also pointed out about the current availability of the administrative staffs, who are attending office maintaining the roster and other limitations.

Council Meeting held on 24th November, 2020

1. Approved the Annual Accounts of The Asiatic Society, Kolkata for the year 2019-20 and authorized the General Secretary to make arrangements for undertaking the audit and certification of the accounts by the Office of the Director General of Audit, Central, Kolkata.

Council Meeting held on 24th December, 2020

1. While the Council members of the Asiatic Society cannot defy the obligatory directives issued by the Ministry of Culture, Govt. of India on 23.07.2020 and 07.12.2020 according to the existing Regulations and Bye-Laws of the Society so far the age of retirement of the employees is concerned ,they cannot ignore altogether the responsibility of dispensing with recent representations addressed by the Employees' Union to the Hon'ble Minister of Culture on 10.08.2020, the Secretary of the Ministry of Culture on 10.12.2020 and to the General Secretary of the Asiatic Society on 22.12.2020 , which justifies the cause of continuation of their extension of services as per the Bye-Laws of the Society as well as non-availability of pension and medical benefits after retirement. Simultaneously, the appeal of the Council addressed to the Hon'ble Minister of Culture dated 04.08.2020 has not ceased its relevance for the reason that without thinking for or providing with some alternative package stopping of the existing benefits forthwith, it will appear to be simply inhumane, specially in the prevailing pandemic situation. Moreover, when the system has run uninterruptedly for a pretty long time since 1984, to change it overnight requires discussion, persuasion and a workable solution to be arrived at by the participation of all the three involved stakeholders e.g. The Ministry of Culture, Govt of India , the Council of the Asiatic Society as well as the Employees of the Asiatic Society. Therefore, the Council strongly feels and reiterates to its earlier appeal to the Ministry of Culture for constitution of a High Power Committee in public interest to look into the matter from all possible angles in order to find out a way to get out of this current impasse. This will facilitate the smooth functioning of this heritage institution and to fulfil its given mandate and committed academic programmes for which it has earned and has been receving appreciation from the academia of not only in this country but also from abroad.

The Council requests the Ministry of Culture , Govt of India seriously to re-examine and to re-consider its already issued directives and pending a reasonable solution , the Council proposes to extend the cases prayed for during the month of December, 2020 up to 31.03.2021 following the existing norm . The Council also

requests the Ministry of Culture to take up expeditiously the issue of extending pensionery benefits for the employees of the Asiatic Society [which seems to be long due as per the correspondences of the Society with Ministry of Culture since 2000] at par with other similar organizations under Ministry of Culture, Govt of India.

2. Under any other item, with the permission of the Chair, the General Secretary reported that Shri Jagdeep Dhankhar, the Hon'ble Governor and Patron of the Asiatic Society has kindly consented to be present on the occasion of 238th Foundation Day of the Society to be celebrated on 15th January, 2021 at Vidyasagar Hall from 11:00 a.m. onwards. The General Secretary also informed the members that on this occasion Professor Partha P. Majumder, Founding Director of National Institute of Biomedical Genomics and the President of Indian Academy of Sciences will deliver the Foundation Day Oration and he requested all the members to be present on this occasion.

   The General Secretary also reported that 236th Annual General Meeting of the Society will be held on 4th January 2021 following all the security norms relating to COVID 19 and the meeting will be streamed live on the face book page of the Society.

   The Publication Secretary reported that the book entitled "Saraswati: The River par Excellence" is expected to be released shortly.

   The General Secretary put it on record the cooperation of the existing Council members. He on behalf of the Council extended its thanks to the Ministry of Culture, Government of India for their cooperation. The General Secretary also extended thanks to all the employees of the Asiatic Society for their full cooperation in the last two and half years tenure of the existing Council.

Council Meeting held on 19th January, 2021

1. The Council accepted the proposal for opening up of new membership of the Asiatic Society, Kolkata and decided to constitute a Committee with following members to examine the whole process involved therein and to place their observations /recommendations in this regard in the next meeting of the Council:

   i. Professor Basudev Barman as Chairman

   ii. Professor Subhas Ranjan Chakraborty

   iii. Professor Tapati Mukherjee

   iv. Dr Ramkrishna Chatterjee

   v. Professor Ranjit Sen

   vi. Dr. Bishnupada Dutta

2. The Council decided to adopt Medical Expenses Reimbursement Scheme for the outpatient medical treatment of the employees of the Society and their eligible dependent family members w.e.f. 01.01.2021. Under this scheme, expenses incurred in outpatient medical treatment on the advice of Registered Medical Practitioners will be reimbursed at Central Government Health Scheme [CGHS], Kolkata rate, 2014 following the norms specified therein. The Council further decided to frame and circulate a detailed guideline for the purpose.

3. Under Any other item, Dr. Ramakrishna Chatterjee, Publication Secretary of the Society requested the Council to observe the 200th birth anniversary of Raja Rajendralala Mitra, a polymath and the first Indian President of the Asiatic Society throughout the year in a befitting manner.

The Publication Secretary also highlighted the extreme concern of the society about the relocation of rare and important books and documents numbering more than one lakh, which were housed in the Metcalfe Hall and requested the General Secretary to take up the matter with the Hon'ble Minister for an earliest solution to this issue.

Council Meeting held on 25th February, 2021

1. The Council approved the recommendations of the sub-committee constituted by the Academic Committee in its meeting held on 15.02.2021 to frame the bye-laws for Professor Annapurna Chattopadhyay Endowment Award [copy enclosed] with the modification that the award shall be for a work published during the last three preceding calendar years from the date of the meeting held in this regard. The Council also decided to place it before the next Monthly General Meeting of the Society for its approval by the general members.

2. The Council noted the facts and approved the arrangement for payment of entire amount of arrear property tax of Rs 90, 61, 464/- [Rupees ninety lakh sixty one thousand four hundred sixty four] only to Kolkata Municipal Corporation in the financial year 2020-21 by availing the benefit of Kolkata Municipal Corporation Incentive (Waiver of Interest & Penalty to the property tax prayers) Scheme-2020.

3. The Council accepted the proposal in principle and decided to constitute a Committee with following members for initiating actions on all the endowment lectureships as well as the various awards of the Asiatic Society by making necessary amendments to the respective bye-laws in each category:

   i. Professor Basudev Barman Chairman,

   ii. Professor Subhas Ranjan Chakraborty Member

   iii. Professor Tapati Mukherjee Member

   iv. Dr. Nibedita Ganguly Member

   v. Dr. Sujit Kumar Das Convenor

4. Under any other item, Dr. Ramkrishna Chatterjee, Publication Secretary of the Society informed the members that a Book Bazar would be organised in the premises of the Asiatic Society at 1 Park Street on and from 2nd March, 2021 to 8th March, 2021.

Dr. Ramkrishna Chatterjee mentioned about handing over various awards of the Society for the year 2019, which could not be completed due to pandemic situation. The Council decided that from April 2021 onwards the Society may give these awards to the recipients based in Kolkata in the Monthly General Meeting of the Society as far as possible.

Council Meeting held on 23rd March, 2021

1. The General Secretary reported that the constituted Committee had visited the Currency Building and met the Regional Director, ASI, Kolkata. The minutes of the discussion duly endorsed by the General Secretary had been sent to the Regional Director , ASI and after the response received from him, the General Secretary wrote a letter to the Secretary, Ministry of Culture, and asked for an appointment in his next visit to Kolkata so that a delegation of the Council members would meet him for an immediate solution of the problem.

   Dr. Ramkrishna Chatterjee, Publication Secretary, requested the Council to meet the Hon'ble Governor of West Bengal and Patron of the Society to apprise him of the whole situation.

2. The Council accepted the proposal for holding of 237th Annual General Meeting of the Society on first Monday of June [i.e. 7th June 2021] instead of first Monday of May [i.e.3rd May 2021] due to the ensuing assembly election in West Bengal. The Council also resolved that the decision regarding arrangement for Award Giving Ceremony of the Asiatic Society, Kolkata to be held at the Society's 237th Annual General Meeting would be taken later considering the pandemic situation. The Council further decided to apprise the Hon'ble Governor of West Bengal and Patron of the Society of the decision of the Council.

3. Under Any other item with the permission of the Chair, Professor Nabanarayan Bandyopadhyay reported that Professor Tapodhir Bhattacharjee, Former Vice-Chancellor, Assam University would deliver K.K. Handique Memorial Lecture 2020 on 30th March, 2021 at 3 p.m. on virtual mode on "Poetics of History in the Sanskrit Secondary Epics". He requested all the members to participate in this program.

Dr. Ramkrishna Chatterjee, Publication Secretary of the Society requested the Council to make a detailed plan for observance of 200th birth anniversary of Raja Rajendralala Mitra, First President of the Asiatic Society. He requested the Council to include the name of the Director of EZCC in the organizing committee constituted for the purpose.

9

Publication of the Asiatic Society

Just after four years of its inception, the Asiatic Society started its publication in 1788 with the publication of *Asiatick Researches*. In the words of Sir William Jones, "It will flourish, if naturalists, chemists, antiquaries, philologers and men of science, in different parts of Asia, will commit their observations to writing and send them to the Asiatick Society at Calcutta; it will languish, if such communications shall be long intermitted; and it will die away if they shall entirely cease." The Society has been publishing original and noteworthy books and articles to maintain its glory and high academic standard as in the past, and the Society is known to the world of learning for its being the first publication house in the country.

Two statutory committees, viz., Publication Committee and Bibliotheca Indica Committee recommend articles, communications, book-reviews for publication in the Journal of the Asiatic Society and manuscripts for publication in book form in different series, viz., Bibliotheca Indica, Monograph, Seminar & Public Lecture, Catalogues & Bibliographical Works etc. and some under Miscellaneous publications.

The Asiatic Society publishes books in the above-mentioned series, besides Journal, Monthly Bulletin and some booklets on different occasions.

During this period (01.04.2020 – 31.03.2021) 17 titles of books, four issues of the Journal of the Asiatic Society, ten issues of the Monthly Bulletin, and two numbers of other publications including booklets have been published.

The Asiatic Society Book Bazaar has been held from 2 March 2021 to 8 March 2021 following COVID-19 protocols. Efforts to contact the book-sellers, academic institutions, libraries etc. have also been made for enhancement of sales proceeds.

Publications during 2020– 2021

Books

1. *Prabuddha Bharat : Understanding Ambedkar in the Passage of Time/* ed. by Arun Bandopadhyay
2. *Sadeq Hedayat among Indians* edited with an Introduction by Mahmood Alam
3. *Flying Feathers : Colour Drawings of Birds in the Collection of The Asiatic Society (1810-1815)* edited by Asok Kanti Sanyal
4. *Vision and Creation : Survey of Old Religious Architecture and Monuments of Calcutta from 1630 to 1947 AD* by Somnath Mukhopadhyay and Kalyan Chandra Chattopadhyay
5. *The Rigveda Samhita–Vasanti Bhasya,* Volume II translated into English with the Riks transliterated and annotated by Basanta Kumar Ganguly
6. *Karakatattvasamgrahah : A Collection of some Post-Paninian Grammatical Works on Karaka Relations* edited by Karunasindhu Das
7. *Genesis of Anandavardhana's Theory of Dhvani–Its Technical, Historical and Literary Background* by Bidyut Baran Ghosh
8. *Saraswati : The River par Excellence* edited by S. K. Acharyya, Kunal Ghosh and Amal Kar
9. *The Srauta Sutra of Aswalayana* with the Commentary of Gargya Narayana edited by Ramanarayana Vidyaratna
10. *Mrichchhakatika : A Myriad Prism* edited by Biswanath Banerjee
11. *Sannipatachandrika* edited by Brahmananda Gupta and Abichal Chattopadhyay
12. *Saddharmapundarikasutram* with N. D. Mironov's Readings from Central Asian Mss. revised by Nalinaksha Dutt
13. *The Dharmashastras in Socio-Legal Perspective* edited by Tapati Mukherjee
14. *A Classified Catalogue of Siamese Collections* compiled by Archana Ray
15. *Secular Architecture in Classical Vastu Text* by Anasuya Bhowmik
16. *Literary Music from Jaidev to Gurudev* by Srikumar Chatterjee
17. Udayanacharya's *Atmatattvaviveka* with the Commentaries of Sankara Misra, Bhagiratha Thakkura and Raghunatha Tarkikasiromani edited by Mahamahopadhyaya Vindhyesvariprasada Dvivedin and Pandit Lakshmana Sastri Dravida

Periodicals

Journal of The Asiatic Society,

Vol. LXII	No. 1	2020
	No. 2	2020
	No. 3	2020
	No. 4	2020

Monthly Bulletin of The Asiatic Society,

Vol. XLIX	Nos. 4 – 10	2020 = 7 issues
Vol. L	Nos. 1 – 3	2021 = 3 issues

Booklets

Annual Report 2019-2020

Catalogue of Publications, January 2021

10

Activities : Library Section

Library

The Library of the Asiatic Society with its long glorious history of two hundred thirty-seven years is the most important component of the Society. The Library is enriched with a vast collection of books and journals apart from manuscripts and artifacts slated for Oriental Studies. Its importance lies not in numerical strength but in its rich and unique content.

The holding consists of more than 1,33,564 books and 1,09,000 bound volumes of Journals in different European, Sino-Tibetan, Russian, South Asian, Persian, Urdu, Arabic, Pali, Prakrit, Bengali, Sanskrit and other Indian languages. The library of the Society offers bibliographic and documentation services to scholars pursuing research in different branches of study and belonging to different parts of India and abroad. The reading room equipped with books, periodicals, microfilm and microfiche is open to readers from Monday to Friday between 9.45 a.m. to 7.00 p.m. and on Saturday from 10 a.m. to 5.00 p.m. User services through the internet and e-mail have also been successfully rendered from time to time. Computerized index of the articles published in the Journal of the Asiatic Society is also consulted by the readers. The activities of the Library are planned and monitored by the Library Committee set up by the Council. Efforts have been made by the library of the Asiatic Society to deliver the level best services to the users during the pandemic period of COVID-19.

Activities during the period:

- Remote Access provided to Subscribed Journals: Sage - 42 titles, Cambridge University Press - 5 titles, Taylor & Francis - 6 titles.
- Remote Trial Access provided to Online Text Books of Cambridge University Press: 705 titles.
- Remote Trail Access providedto Sage E-books: Total No. of Books = 4140 *[Sociology (851), History (197), Political Science (523), Philosophy (827), Mass Com. (403) and Education (1339)].*
- Remote Trial Access of Oxford Scholarship Online (E-books): Total No. of Books = 9026 *[Anthropology (611), Social Work (43), History (4872), Political Science (609), Philosophy (559), Mass Com. (505), Sociology (348) and Public Policy (1479)].*
- The Library was physically open to Readers & Scholars of India & Abroad for 185 days and served 1067 readers.
- 257 books have been accessioned and 367 books have been processed in different languages and different subjects.
- Library subscribed to 378 issues of journals. The library received 109 issues of journals on exchange and 47 issues of journals as Gift during the period.
- 1067 readers used the Library. 517 books were issued to the users and 1173 books were returned by them.

Exhibitions and display of Books & Journals:

Exhibitions on various topics are frequently organised as a part of various seminars and conferences organised by the Society from time to time. To felicitate dignitaries on their visit to the Society, exhibitions showcasing the treasures of the Asiatic Society are also organised. In these exhibitions, the Library displays rare books, journals, photographs, documents etc. emphasizing the rich and varied resources of the Library. During the pandemic period of COVID 19, following colloquium, webinars and exhibitions both virtual and physical displays of books & journals were arranged which were highly appreciated by the scholars and media.

- **July 24, 2020:**

  An online colloquium on *"The role of library in higher education against a background of pandemic-sick global scenario".*

  Speakers:

  Dr. Narayan Chandra Ghosh, Librarian, Indian Institute of Management Calcutta and Dr. Pritam Gurey, Librarian, The Asiatic Society, Kolkata.

- **August 2, 2020:**

  A virtual exhibition on the birth anniversary of Acharya Prafulla Chandra Roy - *"Acharya Prafulla Chandra Roy and his endearing relationship with The Asiatic Society"*

- **August 7, 2020:**

  An online tribute to Rabindranath Tagore on the occasion of his death anniversary - *"Rabindranath Tagore and Patrick Geddes on environment: Confluence of minds".*

  Speakers:

  Prof. Tapati Mukherjee, Library Secretary, The Asiatic Society, Kolkata and Shri Arunendu Bandyopadhyay, Noted Essayist.

- **October 10, 2020:**

  A virtual tribute to the father of the nation Mahatma Gandhi on the occasion of his 150th birth anniversary– *"Mahatma in the eyes of a Gandhian Anthropologist Professor Nirmal Kumar Bose, erstwhile President of The Asiatic Society".*

- **December 19, 2020:**

  On the occasion of the visit of the Hon'ble Prahlad Singh Patel, Minister (Independent Charge) Tourism and Culture, Government of India display of rare books and journals were arranged.

- **January 15, 2021:**

  On the occasion of the *Foundation Day of the Asiatic Society* a display of rare books and journals were arranged.

  Shri Jagdeep Dhankhar, Hon'ble Governor of West Bengal, visited the library on this occasion.

All the above mentioned online programs are available on the Society's Youtube channel (https://www.youtube.com/c/TheAsiaticSociety).

Digitization:

The Society is planning to boost up the Digitization Programme of its rich collection. Under the in-house digitization programme, a total of 125 manuscripts have been digitized and metadata of more than 1219 documents (including books and manuscripts) have been created. To expedite the work of digitization, a work order for the 1st Phase of Digitization [11,397 manuscripts (approximately 15,00,000 pages)] has been issued to the best value bidder and the work will start soon.

Digital Archive:

The digital archive of the Society has been revamped and 542 manuscripts, 585 microfiche collection materials, 425 books have been uploaded to the internal server of the society. Presently, the archive is available only on the LAN of the Society premises.

Digital Library:

A Digital Library has been set up on the 3rd Floor in the newly constructed building of the Society at Salt Lake. The content of the digital library comprises Asiatic Researches (1788-1839), Gleanings in Science, all volumes of Journal of the Asiatic Society, Yearbook, all books in Bibliotheca Indica Series, Memoirs etc. Readers from the Salt-Lake area visit and access the digital library as per their needs.

Web OPAC:

Web OPAC is active. The database is being updated regularly. It is being utilized very well by the members of the society as well as by the external researchers and scholars for searching catalogue entries. Extensive use of OPAC was done by scholars around the globe during the pandemic period and reference services were provided on basis of their demands.

Library Automation:

As a part of Library automation, six trainees were appointed on a purely temporary basis and were engaged in entering data in the Libsys package for full cataloguing and other allied work. Data for 3015 vols. of books have been entered in LibSys by the Library Trainees from September 2020 to March 2021. Data for 526 vols. of books have been entered by the staff of the Library during the period.

Physical Stock Verification of Library Books

The work of physical verification was started in September 2019 with the help of the barcoding of books. As on 31st March 2021, the total number of print books verified was 32,390.

Circulation:

The automated circulation system is maintained side by side with the manual circulation system.

Collection Development:

Procurement of books and journals as per budget provision has been achieved. For the selection of

books by the members, research scholars and staff, catalogues of renowned publishing houses were utilized.

Eminent Visitors during the period:

- Sri Prahlad Singh Patel, Hon'ble Minister (Independent Charge) Tourism and Culture, Government of India on 19th December 2020.
- Sri Jagdeep Dhankar, Hon'ble Governor of West Bengal on the occasion of 237th Foundation Day of the Society on 15th January 2021.

Museum

The Museum of the Asiatic Society is a repository of priceless & unique collection of manuscripts in different languages and scripts. A good number of catalogues published by the Asiatic Society both Descriptive and Tabular which are remarkable deeds of the study and research of manuscripts. Manuscripts collection of the Society is varied and rich and covers most of Indian languages and scripts. The total number of manuscripts now possessed by the Society in its Museum is over 50,000. The manuscripts are deposited under different collections viz, Indian Museum Collection, Govt. Collection, Society Collection, New Society Collection, R.K. Dev Collection, Hodgson Collection, Islamic Collection. The oldest manuscript possessed by the Society is **Kubjikamatam** of 7th century A.D. written in Gupta Brahmi Script.

Except for Manuscripts the Museum & Manuscript Section of the Asiatic Society also possesses old coins in various metals, inscription inscribed on Copper Plates and 78 valuable oil-paintings, mostly portraits. Many of these were painted by Robert Home, Joshua Reynolds, Guido, Daniell etc. The famous paintings that are housed in this Museum are of Cleopatra, A Ghat at Benaras, Cupid asleep on the cloud, Warren Hastings, John Dewitt, Wellesley and Infant Christ.

Sculptures both in stone and metal in the possession of the Asiatic Society are rich in respect of number and historical importance. Among these, the Brahma, material-Black Basalt Stone, Period 12th C.A.D., Vishnu, material- Black Basalt Stone, Period 11th Century A.D., Brass statue of Dhurm Raja, (at present, this statue is in Bhutan) 1864, Ashokan Rock Edicts from 250 BC are some of the rare of this objects of the museum.

The Museum also possesses a large number of survey maps drawn by British surveyors in the 18th & 19th century. Some remarkable maps reflect the change of socio-political, economic & cultural scenario of India.

In addition, the Museum of the Asiatic Society preserves a large number of Old letters and Rare Books some of which date back to 1784, just after the Society was founded.

Brief activities during the period:

- The work of cataloguing of the manuscripts is in progress. The works of the foliation of 9064 folios and 98 Top sheets/ handlists of the manuscripts have also been done.
- Rechecking and compliation of 686 Vaisnava texts of various collection have been done.

- Descriptive catalogue of manuscripts (Philosophy) has been submitted for publication.
- The contents of 6 English files containing 360 letters relating to the various activities of the Society and personal collection have been documented.
- During the period, service was extended to 51 readers and scholars of Indian origin who consulted 450 manuscripts and other documents in the Reading Room of the Museum of the Asiatic Society.
- 3 visitors from within the country have visited the Museum during the period.
- Newly installed Art Repository of Godrej make for safe keeping of photographs.

Online Events:

- Virtual Exhibition on the Museum Treasures of The Asiatic Society. Society's first online event.
- Exhibition of manuscripts, letters, lithographs, coins on the occasion of the Foundation day on 15th January 2020
- Observance of International Museum Day through tele-talks by academicians and museum professionals on 18th May 2020.
- Exhibition on the occasion of the 159th Birth Anniversary of Acharya Prafulla Chandra Ray on 30th August 2020
- Audio-Visual description of the Narrative Art as expressed in the illustrated Manuscript "Devi Mahatmyam" on 22nd October 2020.
- Exhibition on the occasion of visit of Sri Prahlad Singh Patel, Hon'ble Minister (Independent Charge) Tourism and Culture, Government of India on 19th December 2020.

Conservation

The Conservation Laboratory of the Asiatic Society has been preserving and restoring rare books, manuscripts, plates, maps, etc. Since 1984 with special care and devotion. The functions of the division are highly technical and works are being done in precision to avoid damage. The skilled and professionally trained staff of this division is capable of performing a wide range of treatments on bound materials including medieval manuscripts and old and rare books.

Brief activities during the period:

No. of books & mss. were physically verified from the Conservation point	448
From the above no of book-worm infested books and mss, were fumigated	575
No. of sheets (full of patches) were de-laminated before lamination	461
No. of sheets were paginated before treatment	1,126
No. of brittle & fragile sheets were de-acidified before lamination	555
No. of brittle & fragile sheets were collated	555
No. of warm eaten and jammed sheets of mss, and rare books were carefully separated for its reconditioning	254

No. of torn sheets were mended before lamination	310
No. of brittle & fragile sheets of paper manuscript examined for treatment	362
No. of brittle & fragile sheets of paper manuscripts restored	362
No. of delicate sheets laminated using tissue paper (U.K. Origin) & cellulose acetate foil	1,028
No. of delicate sheets laminated using tissue paper (U. K. Origin) & C.M.C. and M.C. paste	818
No. of sheets trim after mending and lamination	557
No. of volumes departmentally bound	147
No. of volumes spiral binding	32

Reprography

Reprography is the reproduction of graphics through mechanical or electrical means such as photography or xerography. The Reprography section of the Asiatic Society, is entrusted with the work of photocopy, digitization and general photography.

The work done by the section during the period is described below:

1) **Photocopy:** During the period the section prepared 4985 photocopies of library materials under reader service and 8074 photocopies of documents for official purpose.

2) **Digitization:** Earlier a project had been given to the section for digitization of old and rare manuscripts and books of the society to prevent these invaluable collections from frequent handling by users. Later the project was extended in order to cope up with the modern technology. Digitization work is carried out with the help of one 'Bookeye 2', one 'Bookeye 4' scanners and digital camera. During the period the section prepared 1,960 exposures of 1,960 folios from 32 manuscripts.

3) **General Photography:** The section is also responsible for making photo coverage of Seminars, Lectures, Workshops organised by the Society and also of important dignitaries who visited the Society. These photographs are published regularly in the Monthly Bulletin of the Society. Photographs were also taken from books as requisitioned by the scholars. During the period 360 nos. of photographs were taken for official purpose.

11

Activities of the Academic Section

Academic activities including research, national and international seminars and conferences, workshops, endowment /memorial lectures, special lectures and exhibitions constitute one of the most important frontal activities of the Asiatic Society. A brief overview of such activities organized in 2020-2021 (April 2020 - March 2021) is given below:

1. Research Fellows : 20
2. Ongoing 'Internal' Research Projects : 19
3. Ongoing ' External' Research Projects: 20
4. Research Assistants :09
5. Webinars /National Seminars : 14
6. Endowment/Memorial Lectures : 07
7. Special Lectures : 06
8. Foundation Day Lecture: 01
9. Book Release Programs: 03
10. Exhibitions: 05
11. Other Academic Programs: 06

Details of these research and other academic activities are given below:

A. Internal Research Projects :

The following Research Fellows are engaged in different projects:

1. PROJECT: FOLKLORE AND CULTURE

- Name of the Research Fellow: Sri Biswajit Biswas
- Name of the Supervisor: Professor Rajat Kanti Das
- Date of joining: 07.06.2017
- Topic**:** **"**Matua Religious Sect: A study of Folklore, Spirituality and its acceptance in West Bengal with an Ethnographic lens"
- The term completed on 31.12.2020.
- Final Report not yet submitted

2. PROJECT: DR. ZAKIR HUSSAIN FELLOWSHIP

- Name of the Research Fellow: Imran Philip
- Name of the Supervisor: Dr.Kaustubh Mani Sengupta
- Date of joining: 20.03.2017
- Topic: Gender, Religion and the Changing Position of Muslim Women in Bengal, (1873-1952)
- The term was completed on 31.03.2021.
- Final Report not yet submitted

3. PROJECT: WOMEN STUDIES

- Name of the Research Fellow: Dr. Parama Chatterjee
- Name of the Supervisors: Prof. Ishita Mukhopadhyay and Prof. Ranjana Ray.
- Date of joining: 16.04.2018
- Topic: Socio-Cultural aspects of Menstruation : A Study of Adolescent Girls in West Bengal Compared to two other states of South India
- The term would be completed on 15.04.2021 (3rd year).

4. PROJECT: TAGORE STUDIES

- Name of the Research Fellow: Smt. Sulagna Saha
- Name of the Supervisor: Prof. Tapati Mukherjee
- Date of joining: 18.04.2018
- Topic: Rabindranath Tagore and Sri Lanka : a Vibrant Encounter
- The term would be completed on 17.04.2021 (3rd year)

5. PROJECT: TIBETAN STUDIES

- Name of the Research Fellow: Sri Dipankar Salui
- Name of the Supervisor: Prof. Sanjit Kumar Sadhukhan
- Date of joining: 18.04.2018
- Topic: A Historical Chronology of Indian Kings Based on d pag bsam ljon bzang
- The term would be completed on 17.04.2021 (3rd year).

6. PROJECT: ISLAMIC HISTORY AND CULTURE

- Name of the Research Fellow**:** Md Alamgir Hossain
- Name of the Supervisor**:** Prof. Kazi Sufior Rahaman
- Date of joining: 15.05 2018.
- Topic: Bengal Politics as Reflected in the Muslim Edited Print Medias (1906-47)
- The term would be completed on 14.05 2021(3rd year).

7. PROJECT: SARAT CHANDRA ROY RESEARCH FELLOWSHIP

- Name of Research Fellow: Smt. Amrita Das Gupta
- Name of the Supervisor: Professor Ranjana Ray
- Date of joining: 22.04.2015
- Topic: A study among the migrated tribal groups living in the urban areas of West Bengal: appraisal of cultural heritage.
- The term completed and Final Report submitted on November 2020.

8. PROJECT: RAJENDRA LALA MITRA FELLOWSHIP IN BUDDHIST STUDIES

- Name of the Research Fellow: Sri Priyanku Chakraborty
- Name of the Supervisor: Professor Aiswarya Biswas
- Date of joining: 27.02.2017
- Topic: Buddhism in Tripura : Interpreting Epigraphy, Sculptures and Architectures (c. 6th – 12th Cen. CE)
- The tenure completed on 31.03.2021.
- Final Report not yet submitted

9. PROJECT : SIR WILLIAM JONES RESEARCH FELLOWSHIP IN SANSKRITIC STUDIES

- Name of the Research Fellow : Smt. Tista Biswas
- Name of the Supervisor : Prof. Tarak Nath Adhikari
- Date of joining: 13.02.2017
- Topic: Some Elements of Vedic Culture as Reflected in the Skanda Purāṇa
- The tenure completed on 31.03. 2021.
- Final Report not yet submitted

10. PROJECT: HISTORY OF MEDICINE

- Name of the Research Fellow: Sri. Suman Hazra
- Name of the Supervisor: Prof. Gopal Krishna Chakrabarty
- Date of joining: 10.02.2017
- Topic: "Vaccination and Child Health in Kolkata: From the Colonial to the Present Era"
- The tenure completed on 31.03.2021.
- Final Report not yet submitted.

11. PROJECT: HISTORY OF SCIENCE

- Name of Research Fellow: Smt. Sujata Banerjee
- Name of the Supervisor: Professor Arun Bandopadhyay & Professor Rajkumar Roychoudhury.
- Date of joining: 21.02.2017
- Topic: Science and Technical Education in India: A study of the Indian Institute of Science, Bangalore and Indian Institute of Technology, Kharagpur (1909-1964)
- The tenure completed on 20.02.2020.
- Final Report submitted on 31.12.2020.

12. PROJECT: HISTORY OF SCIENCE

- Name of the Research Fellow: Smt. Sunayana Maiti
- Name of Supervisors: Professor Arun Bandopadhyay and Professor Rajkumar Roychoudhury.
- Date of joining: 01.03.2017
- Topic: Interface of Scientific and Technological Education, and Industrial Research in India, c.1920s-1960s: The Central Glass and Ceramics Research Institute, and the Saha Institute of Nuclear Physics

- The tenure completed on 31.03.2021.
- Final Report not yet submitted.

13. PROJECT: INDOLOGY

- Name of the Research Fellow: Dr. Praggnaparamita Biswas
- Name of the Supervisor: Prof. Tapati Mukherjee
- Date of joining: 20.03.2017
- Topic: Friedrich Max-Müller's Indology Revisited: A Holistic Approach to Evaluate the Turning Points
- The tenure completed on 31.03.2021.
- Final Report not yet submitted .

14. PROJECT: INDOLOGY

- Name of the Research Fellow: Smt. Smita Halder
- Name of the Supervisor: Prof. Susmita Basu Majumdar
- Date of joining: 15.02.2017
- Topic: Exploring the Malwa Corridor: Looking Beyond Cities and Trade Routes (c. 3rd Century BCE to 3rd Century CE)
- The term completed on 14.02.2020.
- Final Report submitted on 30.03.2021.

15. PROJECT: NORTH-EAST INDIA STUDIES

- Name of the Research Fellow: Ms. Mary Vanlalthanpuii
- Name of the Supervisor: Professor Paula Banerjee
- Date of joining: 07.03.2017
- Topic: Women and Church Politics, a study of Mizoram Presbyterian Church and the Baptist Church of Mizoram
- The tenure completed on 31.03.2021.
- Final Report not yet submitted.

16. PROJECT: NORTH-EAST INDIA RESEARCH STUDIES

- Name of the Research Fellow**:** Smt. Manasi Dilip Nadkarni
- Name of the Supervisor**:** Shri Shyamsundar Bhattacharya
- Date of joining**:** 31.03.2017
- Topic: The Socio-Linguistic Profile of Kuki-Chin people of Manipur (with special reference to Smite)
- The term completed on 30.03.2020.
- Final Report Submitted on November 2020.

17. PROJECT: VEDIC DICTIONARY OF PROPER NAMES

- Name of the Research Fellows**:**

  1. Samima Yeasmin

  Date of Joining:19.07.2019.

  Date of Completion: 18.07.2021. (2nd.year)

  2. Smt. Pranati Ghosal

  Date of Joining: 24.07.2019.

  Date of Completion: 23.07.2021. (2nd.year)
- Name of the Hony.Project Director: Prof. Samiran Chakraborty

18. PROJECT: PANDIT ISWAR CHANDRA VIDYASAGAR RESEARCH FELLOWSHIP

- Name of the Research Fellows**:** Sri Pradyut Shil [Language & Literature]
- Name of the Supervisor: Prof. Mahidas Bhattacharya
- Date of joining: .27.01.2020
- Topic: 'Vidyāsāgarer Shikshā o Samājbhānvnār Āloke Birsiṃha o

Tatsaṃlagna Grāmgulir Bartamān Shikṣhāgata Ebong Samājgata Abasthān'

- Date of Completion : 26.01.2022 (2nd year)

19. PROJECT: PANDIT ISWAR CHANDRA VIDYASAGAR RESEARCH FELLOWSHIP

- Smt. Basudhita Basu [Social Science]
- Name of the Supervisor : Prof. Swapan Kumar Pramanick
- Date of Joining: 27.01.2020.
- Topic: Reconsidering the Reformer: Contribution of Vidyasagar towords Medicine and Health
- Date of Completion: 26.01.2022. (2nd .year)

B. On-going External Research Projects:

01. PROJECT: PROJECT: ANCIENT INDIAN CONCEPT OF TECHNICAL SCIENCE AS PROPOUNDED IN SRIKUMARA'S SHILPARATNA

- Project Investigator: Dr. Rita Bhattacharyya
- Date of commencement of the project 16.03.2015
- Date of completion: 14.09.2019
- Final report is submitted on 08.10.2020.

02. PROJECT: LALITKALA O NANDANTATTVER PARIBHÂSHÂ

- Project Investigator: Dr. Somnath Mukherjee
- Date of commencement of the Project: 22.06.2016.
- Date of completion:30.04.2020
- Interim Report Submitted regularly.

03. PROJECT : A CORPUS OF INSCRIBED IMAGES OF EASTERN INDIA (4TH TO 13TH CENTURIES CE)

- Project Investigators: Professor Goutam Sengupta, Dr. Sayantani Pal and Dr. Rajat Sanyal
- Date of commencement of the project: 01.06.2017
- Date of completion: 31.05.2021.
- Interim report submitted regularly.
- Work is continuing.

04.PROJECT: BENGALI TRANSLATION OF SANTAL FOLK TALES COMPILED, TRANSLATED INTO ENGLISH FROM SANTALI BY REVEREND P.O. BODDING.

- Project Investigator: Shri Kumar Rana.
- Date of commencement of the project: 28.07.2017.
- Date of completion: 30.06.2019
- Final report is submitted on 04.11.2020 and sent for publication.

05. PROJECT: 'UNDERSTANDING DEVELOPMENTAL PROCESS: A CASE OF "DENOTIFIED' TRIBES" IN WEST BENGAL'.

- Project Investigator: Dr. Bidhan Kanti Das
- Date of commencement of the Project: 28.02.2018
- Date of completion: 30.04.2021.
- The work is continuing.

06. PROJECT: REVISING THE UTOPIA: MOULANA BHASANI AND THE CHAR AREAS IN ASSAM

- Project Investigator: Dr. Gorky Chakraborty
- Date of commencement of the project: 01.03. 2017

- Date of completion: 31.01. 2021.
- Final Report not yet submitted.

07. PROJECT : THE ROLE OF THE ASIATIC SOCIETY IN SOCIO-CULTURAL SCENARIO OF BENGAL AND IN SHAPING INDO-OCCIDENT INTERACTION IN EIGHTEENTH AND MID-NINETEENTH CENTURY

- Project Investigator: Prof. Tapati Mukherjee
- Date of commencement of the project: 05.09.2017.
- Date of completion: 04.09.2021.
- Interim Report Submitted regularly.
- The work is continuing.

08. PROJECT : IMPACT OF ECONOMIC ENVIRONMENT AND CULTURE ON EMPOWERMENT OF WOMEN ENGAGED IN SELF HELP GROUP ACTIVITIES : A STUDY OF SELECTED STATES IN NORTH AND NORTH-EAST INDIA

- Project Investigators: Professor Sharmistha Banerjee & Dr. Mrs. Arijita Dutta
- Date of Commencement of the Project: 18.09.2017.
- Date of completion: 17.09.2019.
- Final report submitted on 01.12.2020 & sent to Publication section.

09. PROJECT: A DICTIONARY OF BENGALI PREFIXES AND SUFFIXES

- Principal Investigator: Dr. Anita Bandyopadhyay
- Date of Commencement of the project: 01.07.2017.
- Date of completion: 01.07.2021.
- Interim report submitted regularly.
- The work is continuing.

10. PROJECT. PERFORMING ART AS FOUND IN THE RAMAYANA AND THE MAHABHARATA – A SOCIO-CULTURAL APPROACH

- Principal Investigator: Dr. Bijoya Goswami and Dr. Nandini Bhowmik.
- Date of commencement of the project: 12.10.2017
- Date of completion: 11.10.2020.
- Final Report not submitted.

11. PROJECT: SOCIETY AS REFLECTED IN THE PRINCIPAL UPANISADS

- Principal Investigator: Prof. Mrinal Kanti Gangopadhyay
- Date of commencement of the Project: 11.01.2018.
- Date of completion: 17.02.2021
- Final report is submitted on November 2020 & sent to Publication section.

12. PROJECT: EDITING AND TRANSLATION OF TWO UNPUBLISHED NAVYA NYAYA MANUSCRIPTS.

- Principal Investigator: Late Prof. Subuddhi Charan Goswami (upto 2019).
- Principal Investigator : Prof. Sanjit Kumar Sadhukhan (since 11.10.2019).
- Date of commencement of the project: 30.09.2018
- Date of completion: 10.10.2021. Interim report submitted regularly.
- The work is continuing.

13. PROJECT: RECOVERING THE HISTORY OF AN UNDERPRIVILEDGED SOCIAL GROUP: THE VARIED EXPERIENCE OF PULAYAS IN

NINETEENTH AND TWENTIETH CENTURY KERALA

- Principal Investigators: Prof. Rajsekhar Basu and Prof. Arun Kumar Bandyopadhyay.
- Date of commencement of the project: 20.05.2018.
- Date of completion: 30.09.2021.
- Interim report submitted regularly.
- The work is continuing.

14. PROJECT: A CHRONOLOGICAL HISTORY OF THE ASIATIC SOCIETY : A TIMELINE STUDY FROM 1784-2018

- Principal Investigator: Dr. Nibedita Ganguly
- Date of commencement of the project : 12.02.2019
- Date of completion: 11.08.2021.
- Interim report submitted regularly.
- The work is continuing.

15. PROJECT:ETHNOLINGUISTIC STUDY OF CHAKHESANG LANGUAGE :A QUANTITATIVE APPROACH

- Project Investigator : Dr. Sibansu Mukherjee
- Date of commencement of the project: 01.07.2019
- Date of completion: 30.06.2021.
- Interim report submitted regularly.
- The work is continuing.

16. PROJECT: VAISHNAVA TEMPLES OF NABADWIP AND THE VAISHNAVA COMMUNITY

- Principal Investigator: Dr . Buddhadeb Bandyopadhyay (since 17.03.2021)
- Date of commencement of the project: 12.07.2019
- Date of completion: 11.07.2021.(2nd year)
- Interim report submitted regularly.
- The work is continuing

17. PROJECT: KARNAPRAKASA -AN IMPORTANT ASTRONOMICAL KARNA TEXT OF THE 11TH CENTURY C.E CRITIAL EDITION, ENGLISH TRANSLATION

- Principal Investigator: Dr. Somnath Chatterjee
- Date of commencement of the project: 25.10.2019.
- Date of completion: 24.10.2021.
- The work is continuing.

18. PROJECT: FERTILITY CHOICE AND REPRODUCTIVE HEALTH BEHAVIOUR OF WOMEN : A COMPARATIVE STUDY AMONG THE TRIBES OF NORTH –EAST AND CENTRAL INDIA

- Principal Investigator: Dr. Purba Chattopadhyay
- Co-Investigator : Prof. Sudeshna Basu Mukherjee
- Date of commencement of the project: 01.10.2019.
- Date of completion: 30.09.2022.
- The work is continuing.

19. PROJECT: "A HISTORICAL PERSPECTIVE OF THE ROLE OF ENDANGERED MEDICINAL PLANTS IN INDIA HEALTH CARE SYSTEM AND THEIR CONSERVATION IN COLONIAL BENGAL"

- Principal Investigator: Baisakhi Bandyopadhyay

- Date of commencement of the project: 29.04.2019
- Date of completion: 28.04.2021
- Interim report submitted regularly.
- The work is continuing

20. PROJECT: "CAN WE PROVE THAT WE NEVER KNOW WRONGLY? A RE-EVALUATION OF THE PRABHAKARA THEORY OF ERROR"

- Principal Investigator: Dr Mainak Pal
- Date of commencement of the project: 01.01.2021
- Date of completion: 31.12.2022

C. Approved External Project Yet to Be Commenced

1. 'The Paippalada-Samhita of the Atharvaveda-English translation, Indices and an account of its contents and history' Principal Investigator of the project: Professor Dipak Bhattacharya,

D. External Research Project: Hosted by The Asiatic Society

1. Prof. (Dr.) Durga Basu, is working on the project entitled: "Vernacular Temple Architecture of India", with the financial assistance from Indian Council of Social Science Research (ICSSR).

   Date of commencement of Research Project 01.01.2019.

   The work is continuing.

E. Lectures/Seminars/Conferences/ Workshops/Symposium/Colloquium

During the year 2020-21, a substantial number of academic programs were organized at the national and international level. In most of the cases the programs were in collaboration with the Universities or renowned academic institutes. Eminent scholars from different parts of the country and abroad participated in these academic program and presented their erudite papers. Co-ordinators of the respective program are at present pre-occupied with editing those papers for publications. Proceedings of a few of the conferences have already been published. Some of the proceedings are in the press and work of editing other proceedings of the seminars is continuing.

Here in below we are giving only the titles of the Lectures/Seminars/Conferences

April, 2020 :

Due to COVID-19 no academic programme were organized.

May, 2020 :

- **18th May 2020**

  Observance of International Museum Day on 18th May 2020 A Virtual Exhibition of its Museum Treasures organized by the Museum section of the Asiatic Society Kolkata. Tele talks by academicians and museum professionals.

June, 2020 :

- **5th June 2020**

  Online Colloquium in the observance of World Environment Day.

  Speakers: Prof. Asok Kanti Sanyal, Prof.(Dr.) Sankar Kumar Ghosh, Prof. Arun Kumar Bandyopadhyay, Prof. Swati Nandi Chakraborty.

- **22nd June 2020**

  Webinar on Interpreting Indian Constitution as perceived by Dr. B.R. Ambedkar.

  Speaker **:** Prof. Swapan Kumar Pramanick

July 2020:

- **24th July 2020**

  Webinar on The Role of Library Higher Education against a Background of Pandemic sick Global Scenario.

  Speakers: Dr. Narayan Chandra Ghosh & Dr. Pritam Gurey

  Co-ordinator : Prof. Tapati Mukherjee

- **27th July 2020**

  Online Panel Discussion on Printed Books versus E-Books.

August, 2020

- **5th August 2020**

  Virtual Exhibition on Acharya Prafulla Chandra Ray and his endearing relationship with The Asiatic society.

  Organizer : Library of the Asiatic society.

- **7th August 2020**

  Webinar on Rabindranath Tagore and Patrick Geddes on Environment confluence of Minds:.

  Speakers **:** Prof. Tapati Mukhopadhyay & Shri Arunendu Bandyopadhyay**.**

- **15th August 2020**

  Release of Print Edition "Prabuddha Bharat : understanding of Ambedkar in the passage of time"

  Speaker: Prof Arun Bandyopadhyay

- **24th August 2020**

  Webinar on Panorama of a Pandemic : COVID – 19.

  Speaker : Dr. Kajal Krishna Banik

  Moderator: Dr. Sankar Kumar Nath.

September 2020:

- **14th September 2020**

  Aasu bhasan pratiyogita : COVID-19 ka manav jati par prabhab.

- **16th September 2020**

  Virtual Exhibition on a Brief Sketch of the Society as Revealed Through 18th- century Lithographs.

- **18th September 2020**

  G.S.I Sesquicentennial Commemorative Lecture 2019

  Speaker**:** Prof Somnath Dasgupta, INSA Senior Scientist of IISER & Former Vice Chancellor Assam University

  Topic: "A Tale of Three Supercontinents : The Indian Connection''.

- **24th September 2020**

  Webinar on Health,Hygiene and Epidemic in Ancient India : Prevention and Remedies.

  Speakers : Prof. Nabanarayan Bandyopadhyay, Prof. Didhiti Chakraborty, Prof. Tapati Mukherjee, Prof. Anjalika Mukherjee, Prof. Bijoya Goswami.

- **26th September 2020**

  Hindi Webinar on_ Pandit Iswarchandra Vidyasagar : Navbharat ke Srijak .

  Co-Ordinator : Prof. Dr. Ram Ahalad Chowdhury.

Speakers : Dr. Kamal Kishore Goyenka, Dr. Jaya Priyadarshini Sukla, Shri Lal Singh, Shri Birvadra Kakridoli, Dr. Archana Pandey, Smt Madhurima Bhattacharya.

- **28th September 2020**

  Online Exhibition on Iswarchandra Vidyasagar as Printer and Publisher

- **30th September 2020**

  Online Panel discussion on Vidyāsagar Smaraṇe: Ādibasī Unnayan O Mātribhāsā Siksha.

  Co-Ordinator: Boro Baske

  Speakers : Prof. Pabitra Sarkar, Prof Mahidas Bhattacharya, Smt Archana Banerjee, Kumar Rana.

October, 2020:

- **1st October2020**

  Observance of the Concluding Ceremony of 150th Birth Anniversary of Mahatma Gandhi. An Inter Departmental Quiz competition held at the Asiatic Society.

- **2nd October 2020**

  Observance of the Concluding Ceremony of 150th Birth Anniversary of Mahatma Gandhi, Special Lecture on Revisiting Gandhi's Life and legacy at the Asiatic Society.

  Speaker: Dr. Satyabrata Chakrabarti.

- **5th October 2020**

  Webinar on Revisiting of Buddhism in the Light of Present Pandemic Covid-19.

  Speakers: Prof. Suniti Kumar Pathak & Prof. Angraj Chaudhury.

  Co-ordinator: Dr. Bandana Mukherjee

- **9th October 2020**

  Webinar on Bengali Scripts Reforms: Vidyasagar and Beyond.

  Speakers : Prof. Pabitra Sarkar Prof.Palash Baran Pal & Prof. Asis Khastagir.

  Co-ordinator : Shri Shyam Sundar Bhattacharya.

- **10th October 2020**

  On the occasion of 150th Birth anniversary of Mahatma Gandhi, A Special Lecture on Mahatma in the Eyes of a Gandhian Anthropologist : Prof. Nirmal Kumar Bose, Erstwhile President of the Asiatic Society.

  Speaker : Dr. Satyabrata Chakrabarti.

- **14th October 2020**

  3rd Raja Rajendralala Mitra Memorial Lecture.

  Topic : "Rajendralala Mitra – A Time Traveller in the Twentieth Century- A possible Scenario"

  Speaker: Prof. Malavika Karlekar, Editor, Indian Journal of Gender Studies and Curator of Representing Indian Women a Visual Documentary, (1875-1947) Centre for Women's Development Studies. New Delhi.

- **16th October 2020**

  An Online Annual Presentation Program by the Research Fellows of the Asiatic Society.

- **17th October 2020**

  Dr. Panchanan Mitra Memorial Lecture 2019.

  Topic : "Naga Oral Tradition with Special Focus on Migration Narratives and Identity Assertions."

  Speaker : Dr. Anungla Aier, Social Anthropologist and Former Director, Deptt. of Higher Education, Govt. of Nagaland.

- **21st October 2020**

  Swami Pranavananda Memorial Lecture, 2019.

  Topic "Cultural history of Bengal from Swami Vivekananda to Swami Pranavananda."

  Speaker : Prof. Achinta Biswas

- **22nd October 2020,**

  An Audio Visual Depiction of the Narrative Art in the Manuscript "**Devī Māhātmyam**" in the collection of the Asiatic Society, Kolkata.

- **31st October 2020**

  Pledge Taking in Observance of the Rashtriya Ekta Diwas (National Unity Day).

November, 2020

- **4th November 2020**

  Release of an Album entitled Flying Feathers: Colour Drawings of Birds in the collection of the Asiatic Society, 1810 – 1815, edited by Ashok Kanti Sanyal. The Album released by Shri Soumen Mitra, IPS.

- **4th November 2020**

  Special Lecture on Demystifying Sundarbans by Dr. Subrata Mukherjee, IFS.

- **9th November 2020**

  Inauguration event of Digital Standee by Dr. Satyabrata Chakrabarti, General Secretary, The Asiatic Society, Kolkata .

- **26th November 2020**

  Webinar on Revisiting the Constitution : A Journey of 70 years.

  Speaker: Dr. Satyabrata Chakrabarti General Secretary of the Asiatic Society Kolkata

December, 2020:

No Academic Program was held in the months of December 2020 due to Pandemic.

January, 2021:

- **9th January 2021**

  Online L.P.Tessitori Memorial Lecture 2020 in collaboration with Rajasthani Pracharini Sabha and The Asiatic Society.

  Key-note address : Dr. Fausto Freshi, President, Society Indologica 'Luigi Pio Tesssitori' Udine, Italy.

  Speakers: Dr. Gianluca Rubagotti, Consulate General of Italy, Kolkata, Shri Shyam Sundar Bhattacharya, Philological Secretary, the Asiatic Society.

- **15th January 2021**

  Celebration of the 238th Foundation Day of The Asiatic Society. Chief Guest: Shri Jagdeep Dhankhar, Hon'ble Governor of West Bengal, Patron of the Asiatic Society & First Lady Smt. Sudesh Dhankar. Foundation day Oration by Professor Partha P. Majumder, National Science chair, Govt. of India, Founding Director, National Institute of Biomedical Genomics, Kalyani, Emeritus Professor, Indian Statistical Institute, and president, Indian Academy of Sciences.

  Topic : Genes as a Guide to Human History and Culture.

  Release of book entitled *"Saraswati: The River par Excellance"* by Dr.Swapan Dasgupta Hon'ble Member of Parliament [Rajya Sabha].

- **23rd January 2021**

  In observance of 125th Birth Anniversary of Subhas Chandra Bose. The Asiatic society

organised a Special Lecture on **A Tribute to Netaji.**

Speaker : Sri Girish Maiti (Key-note Address)

- **30th January 2021**

Special Lecture to commemorate 125th Birth Anniversary of Subhas Chandra Bose, a tribute to Netaji Subhas Chandra Bose organised at Rajendralala Mitra Bhavan, CL-24, Sec II, Salt Lake, Kolkata 700091

Topic : 'Mahatma Gandhi & Netaji Subhas Chandra Bose : The Mutual Discourse'.

Speaker : Professor Amal Kumar Mukhopadhyay, the distinguished Political Scientist and former Principal of Presidency college.

- **30th January 2021- 8th February 2021**

An Art Exhibition organised on the occasion of 125th Birth Anniversary of Subhas Chandra Bose in collaboration with Rekha Chitram inaugurated by Prof. Isha Mahammad, former President of the Asiatic Society. The Exhibition was open in between 1-7pm .

- **31st January 2021**

Abha Maiti Annual Memorial Lecture 2019.

Speaker : Professor Nirmala Banerjee

Topic : 'Why is Understanding Gender Important for us To-Day?'

February, 2021:

- **5th February 2021**

A Special Lecture on *The Vedas as Literature* at Humayun Kabir Hall.

Speaker : Professor Samiran Chandra Chakrabarti.

- **8th February 2021**

Dr. Satyendra Nath Sen Memorial Lecture,2019.

Topic **:** 'An alternative path to resolve the current problems of economic slow-down and corona pandemic situation in the country.'

Speaker: Dr. Asim Kumar Dasgupta

March, 2021:

- **2-8 March 2021**

Book Bazar 2021 organised at the Vidyasagar Hall from 1-7pm each day.

- **8th March 2021**

A colloquium on *The Publishing World in the Pandemic Year* .

Speakers : Dr Ram Kumar Mukhopadhyay, Professor Anil Acharya and Shri Tridib Chatterjee.

12

Other Activities

Presence in the Social Media

Society has its strong presence in Social Media through Facebook, Twitter, Youtube, Whatsapp etc.

- In the Facebook page (**https://www.facebook.com/The-Asiatic-Society-Kolkata-455881717925308**) of the Society, there were more than 1200 followers added in the said period. Society posts it's regular updates on this platform and several Live programmes have also been conducted. More than 120 posts have been made and the total reach was more than 1.1 Lakhs in the said year.
- More than 300 followers were added to the Twitter Account of the Society **(https://twitter.com/asiatic_society**) and regular updates are also been posted here. More than 50 tweets and 250 re-tweets have been done. The total reach was more than 41,000 of its programme in the last year.
- The Youtube Channel of the Society (**https://www.youtube.com/c/TheAsiaticSociety**) has also been started for better reach to the Global audience. Presently, there are more than 900 subscribers in this channel and more than 35 videos have been uploaded by the Society in this period, which is acclaimed globally.
- The society also created Whatsapp group with the employees of the Society for better communication and to spread the events more. The society also posts its events regularly on the Whatsapp groups created by the Ministry of Culture also to promote its events more.

Along with these initiatives, the Society also has its website, and bulk email service is also been used to reach its audience and members of the Society.

Website

- The website of the Society (www.asiaticsocietykolkata.org) is maintained and updated on regular basis. All Bulletins and Journals published by the Society is uploaded for the last 2 years on the website for readers all around the globe. The revamping process of the website is also under process.

Server and Computers

- Network Switches, Servers and Computers (both Desktop and Laptop) and other accessories (Printer, Scanners, cables etc) are being maintained properly. Backup of servers [Library Automation Software-LibSys, Digital Archive-DSpace] are being taken on a regular basis.

Hindi Programme

- On the occasion of the inauguration of the Digital Standy on 9th November 2020, a small audio-visual programme in Hindi was live-streamed on the Facebook page of the Asiatic Society.
- Celebrated Hindi Divas on 14th September 2020 with an extempore competition among the staff members of the Society and two speeches regarding the importance of Hindi Day. The programme was live-streamed on the Facebook page of the Society.

13

Employees of the Asiatic Society [2020-2021]

1. **Dr. Pritam Gurey**
   Librarian
2. **Shri Dhiman Chakraborty**
   Controller of Finance
3. **Shri Arupratan Bagchi**
   Administrative Officer
4. **Shri Pradip Kumar Saha**
   Accounts Officer
5. **Shri Dilip Kumar Roy**
   Section Officer
6. **Shri Tapas Chatterjee**
   Section Officer
7. **Smt. Sujata Mishra**
   Assistant Librarian
8. **Smt. Amita Bhattacharya (Ghosal)**
   Assistant Librarian
9. **Shri Ramaprasanna Sinha**
   Conservation Officer
10. **Shri Nirmalendu Ghosal**
    Publication Officer
11. **Dr. Bandana Bhattacharya**
    Research Officer

12. **Smt. Arati Kundu**
Reprography cum Photography Officer

13. **Shri Arpan Ghosh**
Security Officer

14. **Shri Amit Ghosh**
Maintenance Engineer

15. **Shri Subrata Banerjee**
Accountant

16. **Shri Bhaskar Ghosh**
Accountant

17. **Shri Nanda Roy**
Assistant Security Officer

18. **Shri Sushil Kumar Roy**
Assistant Security Officer

19. **Shri Tanmoy Das**
Assistant Maintenance Engineer
[Joined on 13.7.2020]

20. **Shri Gadadhar Hazra**
Senior Assistant

21. **Smt. Sutapa Sengupta**
Senior Assistant

22. **Shri Achinta Kumar Dey**
Senior Assistant [Retired on 28.02.2021]

23. **Shri Somendra Nath Das**
Senior Assistant

24. **Smt. Bandana Bhattacharyya**
Senior Assistant

25. **Smt. Dipa Ghatak**
Senior Assistant

26. **Shri Sanjoy Roy Choudhury**
Senior Assistant

27. **Shri Asim Kumar Dutta**
Senior Assistant

28. **Shri Swarup Manna**
Senior Assistant

29. **Shri Saroj Kumar Maity**
Senior Assistant

30. **Shri Murari Bhattacharyya**
Senior Assistant

31. **Shri Rathindranath Bhattacharyya**
Stenographer

32. **Shri Palash Kanti Dutta**
Stenographer

33. **Smt. Anuradha Bysack**
Stenographer

34. **Shri Sukhendu Bikash Pal**
Senior Publication Assistant

35. **Dr. Shakti Mukherjee**
Senior Publication Assistant

36. **Dr. Dalia Bandury**
Senior Publication Assistant

37. **Smt. Rupa Mukhopadhyay**
Senior Technical Assistant

38. **Shabbir Ahmed**
Senior Technical Assistant

39. **Shri Jayanta Sikdar**
Senior Technical Assistant

40. **Dr. Keka Adhikari (Banerjee)**
Curator

41. **Dr. Bibekananda Banerjee**
Senior Cataloguer [Retired on 31.01.2021]

42. **Dr. Jagatpati Sarkar**
Senior Cataloguer

43. **S.S.F.I Alquaderi**
Cataloguer

44. **Dr. Archana Ray**
Cataloguer

45. **Ms Farhin Saba**
Cataloguer

46. **Ms. Salma Khan**
Library Information Assistant

47. **Shri Swapnanil Chatterjee**
Library Information Assistant

48. **Ms. Uma Rakshit**
Library Information Assistant

49. **Shri Dilip Kumar Dey**
Conservation Assistant (LIA) [Retired on 31.10.2020]

50. **Smt. Moli Bhowmick**
Conservation Assistant (LIA)

51. **Smt. Gouri Mitra**
Conservation Assistant (LIA)

52. **Shri Kalyan Sen**
Conservation Assistant (LIA)

53. **Shri Dibakar Maity**
Conservation Assistant (LIA)

54. **Smt. Anita Roy**
Conservation Assistant (LIA)

55. **Shri Ashok Jha**
Junior Assistant [Retired on 30.04.2020]

56. **Shri Gobindalal Chatterjee**
Junior Assistant [Retired on 30.04.2020]

57. **Shri Kalyan Roy**
Junior Assistant [Retired on 30.11.2020]

58. **Shri Somnath Bhattacharyya (1)**
Junior Assistant

59. **Shri Subrata Mukherjee**
Junior Assistant [Retired on 30.09.2020]

60. **Shri Subrata Sarkar**
Junior Assistant [Retired on 31.01.2021]

61. **Shri Tamal Ghosh**
Junior Assistant

62. **Riyaz Ahmed**
Junior Assistant

63. **Shri Dibyendu Dutta Chowdhury**
Junior Assistant [Demised on 22.05.2020]

64. **Shri Debasis Dutta**
Junior Assistant

65. **Shri Murari Majumder**
Junior Assistant

66. **Shri Swapan Kumar Das**
Junior Assistant

67. **Shri Paresh Chakraborty**
Junior Assistant

68. **Shri Anupam Chowdhury**
Junior Assistant

69. **Shri Utpal Bhadra**
Junior Assistant

70. **Shri Supravat Majumder**
Junior Assistant

71. **Shri Tapas Karmakar**
Junior Assistant

72. **Shri Rampravesh Kumhar**
Junior Assistant

73. **Shri Ashim Krishna Roy**
Junior Assistant

74. **Shri Prasanta Ganguly**
Reprography cum Photography Assistant

75. **Shri Samik Biswas**
Publication Assistant cum Proof Reader

76. **Ms Sagarika Sur**
Publication Assistant cum Proof Reader

77. **Shri Aloke Dolui**
Data Entry Operator

78. **Shri Dipankar Sukul**
Lower Division Clerk [Retired on 31.01.2021]

79. **Shri Bholanath Ganguly**
Lower Division Clerk

80. **Shri Gopal Aich**
Lower Division Clerk

81. **Shri Tapan Ghatak**
Lower Division Clerk

82. **Shri Suchand Mukherjee**
Lower Division Clerk

83. **Smt. Mala Chatterjee**
Lower Division Clerk

84. **Shri Satrughna Manik**
Lower Division Clerk

85. **Shri Bhaskar Ghosh**
Lower Division Clerk

86. **Smt. Pranati Mitra**
Lower Division Clerk

87. **Smt. Chhanda De**
Lower Division Clerk

88. **Smt. Satarupa Banerjee**
Lower Division Clerk

89. **Ms. Sudipta Naskar**
Lower Division Clerk

90. **Shri Kashinath Guine**
Lower Division Clerk

91. **Shri Krishnendu Dutta Chowdhury**
Lower Division Clerk

92. **Shri Pranab Kumar Majee**
Lower Division Clerk

93. **Shri Sandeep Rajoriya**
Lower Division Clerk

94. **Shri Rahul Dolui**
Lower Division Clerk [Joined on 06.07.2020]

95. **Shri Akash Das**
Lower Division Clerk [Joined on 13.07.2020]

96. **Shri Atim Kumar Mondal**
Lower Division Clerk [Joined on 14.07.2020]

97. **Shri Jyotirmay Tudu**
Lower Division Clerk [Joined on 17.07.2020]

98. **Shri Sujoy Bhowmick**
Lower Division Clerk [Joined on 01.09.2020]

99. **Ms. Tithi Paul**
Lower Division Clerk [Joined on 04.09.2020]

100. **Shri Shyamal Chakraborty**
Head Security Guard

101. **Shri Biswanath Nandy**
Head Security Guard

102. **Shri Badal Chatterjee**
Head Security Guard

103. **Shri Gouranga Samal**
Head Security Guard

104. **Mustaque Hossian**
Head Security Guard

105. **Shri Chakradhar Bera**
Driver

106. **Shri Dulal Chandra Dey**
Driver

107. **Shri Tapan Kumar Dolui**
Driver

108. **Abdul Rashid**
Electric Mistry

109. **Shri Lakshan Chandra Manik**
Carpenter

110. **Shri Asto Ghosh**
Cook

111. **Shri Shyamal Mondal**
Liftman

112. **Shri Tapas Das**
Binder/Mender

113. **Shri Rabindranath Dey**
Binder/Mender

114. **Shri Alip Ghosh**
Binder/Mender

115. **Shri Somnath Bhattacharyya (2)**
Binder/Mender

116. **Shri Sankar Das**
Binder/Mender

117. **Shri Gopal Chandra Sinha**
Binder/Mender

118. **Shri Rakesh Sharma**
Binder/Mender

119. **SK Sajahan**
Attendant [Retired on 31.12.2020]

120. **Shri Sushil Chanda**
Attendant

121. **Shri Radhyshyam Mishra**
Attendant

122. **Shri Kali Charan Shaw**
Attendant

123. **Shri Goutam Das**
Attendant

124. **Smt. Sabitri Dasgupta**
Attendant

125. **Shri Prakash Ghosh**
Attendant

126. **Shri Sanjoy Paridha**
Junior Attendant

127. **Shri Bidyadhar Sahoo**
Junior Attendant

128. **Shri Tapan Ghorai**
Junior Attendant

129. **Shri Debnarayan Saha**
Junior Attendant

130. **Shri Biswajit Ghosh**
Junior Attendant

131. **Smt. Tultul Dey**
Junior Attendant

132. **Shri Amit Kumar Ghosh**
Junior Attendant

133. **Shri Sanjit Singh**
Junior Attendant

134. **Shri Ranjit Singh**
Junior Attendant

135. **Smt. Lina Banerjee**
Junior Attendant

136. **Shri Prem Sankar Singh**
Junior Attendant

137. **Smt. Dipali Dey**
Junior Attendant

138. **Shri Kashinath Nandy**
Junior Attendant

139. **Shri Bharat Kumhar**
Junior Attendant

140. **Shri Rajesh Polai**
Junior Attendant

141. **Shri Ritesh Pradhan**
Junior Attendant

142. **Smt. Sarmistha Laha**
Junior Attendant

143. **Shri Surojit Das**
Junior Attendant

144. **Shri Rakesh Kumhar**
Junior Attendant

145. **Shri Sourav Majee**
Junior Attendant

146. **Shri Chandan Hela**
Junior Attendant

147. **Shri Bhagyajay Satapathy**
Junior Attendant

148. **Ms Shrabani Dutta Chowdhury**
Junior Attendant [Joined on 02.11.2020]

149. **Shri Harish Das**
Security Guard

150. **Shri Uttam Das**
Security Guard

151. **Shri Shibaji Pandey**
Security Guard

152. **Shri Tarakeswar Chowbey**
Security Guard

153. **Shri Bansi Bewra**
Security Guard

154. **Shri Raj Kumar Prasad**
Security Guard

155. **Shri Amal Pal**
Security Guard

156. **Shri Shiboprasad Banerjee**
Security Guard

157. **Shri Manik Mukherjee**
Security Guard

158. **Shri Pradip Chakraborty**
Security Guard

159. **Shri Bibhas Dutta**
Security Guard

160. **Shri Swapan Sarkar**
Security Guard

161. **Shri Rabindranath Das**
Security Guard

162. **Shri Rajkisore Prasad**
Security Guard

163. **Shri Sudarshan Bera**
Security Guard

164. **Shri Atanu Batabyal**
Security Guard

165. **Shri Ashok Kumar Roy**
Security Guard

166. **Shri Basudeb Das**
Security Guard

167. **Shri Uttam Santra**
Safaiwala

168. **Shri Nihar Ranjan Majumder**
Safaiwala

169. **Shri Tapan Kumar Das**
Safaiwala

170. **Shri Bharat Hela**
Saafaiwala

171. **Smt. Laxmi Hela**
Safaiwala

172. **Safiq Ali Khan**
Safaiwala

173. **Ms Parul Debi**
Safaiwala

174. **Shri Banibrata Bhattacharya**
System Engineer [Contractual Basis]

175. **Smt. Suranjana Chaudhury**
Publication Assistant cum Proof Reader [Contractual Basis]

176. **Shri Chandan Adhikary**
Casual Labourer

177. **Shri Ratan Dutta**
Casual Labourer

178. **Shri Guddu Prasad**
Casual Labourer

179. **Shri Rajesh Kr. Pandey**
Casual Labourer

180. **Shri Chhattu Sarkar**
Casual Labourer

181. **Ekramul Haque**
Casual Labourer

182. **Shri Bikesh Kumar Singh**
Casual Labourer

183. **Ms Shilpa Kar**
Casual Labourer

The Asiatic Society Kolkata

Audit Report 2020-2021

* As adopted in the Extraordinary General Meeting of the Asiatic Society, Kolkata held on 6th December, 2021.

14

Annual Audit Report 2020-2021

SEPARATE AUDIT REPORT OF THE COMPTROLLER & AUDITOR GENERAL OF INDIA ON THE ACCOUNTS OF THE ASIATIC SOCIETY, KOLKATA, FOR THE FINANCIAL YEAR ENDED 31 MARCH 2021

We have audited the attached Balance Sheet of The Asiatic Society, Kolkata (Society), as at 31 March 2021, the Income & Expenditure Account and Receipts & Payments Account, for the year ended on that date under Section 19(2) of the Comptroller and Auditor General's (Duties, Powers and Conditions of Service) Act, 1971, read with Section-5(2) of The Asiatic Society. Act, 1984. These financial statements are the responsibility of the Society's management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements, based on our audit.

2. This Separate Audit Report contains the comments of the Comptroller & Auditor General of India (CAG) on the accounting treatment only, with regard to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards and disclosure norms, etc. Audit observations on financial transactions with regard to compliance with the Law, Rules and Regulations (i.e. Propriety and Regularity) and efficiency-cum-performance aspects, etc., if any, are reported through Inspection Reports/CAG's Audit Reports separately.

3. We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from

material misstatements. An audit includes examining, on a test basis, evidence supporting the amounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by the Management, as well as evaluating the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

4. Based on our audit, we report that:

i. We have obtained all the information and explanations, which, to the best of our knowledge and belief, were necessary for the purpose of our audit;

ii. The Balance Sheet, Income & Expenditure Account and Receipts & Payments Account dealt with by this report have been drawn up in the format prescribed by the Ministry of Finance, Government of India

iii. In our opinion, proper books of accounts and other relevant records have been maintained by The Asiatic Society, Kolkata, as required, insofar as it appears from our examination of such books.

iv. We further report that

Comments on Accounts:

A Income and Expenditure Account

1.1 Income

1.1.1 Intcrest Earned (Schedule 17): ₹30.40 lakh

As per the Memorandum of Understanding (MoU) between the MoC and the Society, for the financial year 2020-21, all interest and other earnings against the Grants-in-aid and advances, were to be mandatorily remitted to the Government of India (Go I), immediately after finalization of the accounts. The Society had earned ₹30.40 lakh as interest on the grants received by it, and it recognized this amount as ' Income', instead of showing it as being payable to the Gol. Despite a similar observation having being highlighted in the previous year's Audit Report, the Society did not take necessary steps in this regard. This resulted in overstatement of Interest Earned and understatement of 'Current Liabilities & Provisions' by ₹30.40 lakh each. Consequently, deficit was understated by the same amount.

B General

2.1 The Society made payment towards 'Security and House Keeping Charges' (₹5.76 lakh) and 'Electricity Charges' (₹0.99 lakh), pertaining to the month of March 2020, and showed it as expenditure during the current financial year 2020-21, instead of showing it as Prior Period Expenses.

2.2 Despite similar observations having being highlighted in the previous year's Audit Report, the Society did not take necessary steps in the following cases:

a) 'Rent Receivable' and 'Subscription Receivable', amounting to ₹46.66 lakh and ₹20.62 lakh, respectively, need to be reviewed, because they are being accumulated year after year.

b) The Society has not made provisions for retirement benefits on actuarial valuation basis, in contravention of Accounting Standard IS issued by ICAL

2.3 The Society had booked an amount of ₹28.88 lakh under the head 'Advance payment of Journal Subscription'. The amounts incorporated therein have, however, been lying unadjusted since the last two to five years. This needs to be reviewed.

C Grants-in-Aid

The Society is financed by grants received from the Government of India. During the financial year 2020-21, it received grants amounting to ₹18.53 crore. In addition, the previous year's unspent balance was ₹1.01 crore. During the financial year 2020-21, it spent ₹22.07 crore, thereby incurring excess expenditure of ₹2.53 crore, which was met from its Internal Resource Generation.

D Net Effect

The net effect of the comments given in the preceding paragraphs is that the Deficit (being the excess of Expenditure over Income) was understated by ₹30.40 lakh, for the year ended 31 March 2021.

E Management Letter

Deficiencies which have not been included in the Audit Report have been brought to the notice of the General Secretary, The Asiatic Society, Kolkata, through a Management Letter, issued separately, for remedial/corrective action.

v. Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet and Income and Expenditure Account and Receipts and Payments Account dealt with by this report are in agreement with the books of accounts.

vi. In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements, read together with the Accounting Policies and Notes on Accounts, and subject to the significant matters stated above and other matters mentioned in Annexure to this Audit Report, give a true and fair view, in conformity with accounting principles generally accepted in India:

a. insofar as it relates to the Balance Sheet, of the state of affairs of The Asiatic Society, Kolkata as at 31 March 2021, and

b. insofar as it relates to Income and Expenditure Account of the Deficit, for the year ended on that date.

For and on behalf of the C&AG of India

Place: Kolkata
Date: 22. 11.2021

(Deepak Narain)
Director General of Audit
(Central) Kolkata

Annexure

A. Adequacy of the Internal Audit system

The Internal Audit System is not adequate, on the account of following:

i. No Internal Audit Manual is in use.

ii. There is no Internal Audit wing in the Society. The activities of the Society are being audited periodically, through the Internal Audit wing of the Ministry of Culture. No such audit has, however, been conducted, since the audit for the financial year 2016-17.

B. Adequacy of the Internal Control System

The Internal Control System of the Society is not adequate in the following areas:

i. The organizational chart of the Society does not clearly indicate the allocation of duties and responsibilities of its officials and employees.

ii. Its head of accounts are not coded.

iii. The Society does not have a proper mechanism for adjustment of long pending advances, paid to its staff and other persons/ entities.

iv. The Society is not maintaining either a Bill Register, or an Expenditure Control Register.

v. Cash disbursement is being allowed out of the cash receipts of the Society.

vi. Cheque protectors are not being used.

vii. No schedule of dates has been prepared in regard to recurring payments, such as E.P.F, TDS, Telephone Bills, Electricity Bills etc.

viii. There is no Centralized Purchasing system in place.

ix. No norms have been fixed in regard to stock levels to be held for different consumable stocks, to ensure that the stock levels can be maintained accordingly.

C. System of Physical verification of Fixed Assets and Inventory

The Society is not maintaining a 'Fixed Assets Register'. Further, no physical verification of the 'Fixed Assets' (including inventories) was conducted during the financial year 2020-21.

D Statutory Liabilities

The Society booked an amount of ₹ 0.37 lakh undtlr the head 'Statutory Liabilities', which have been shown as having been due since the financial year 2014-15. This amount, being more than seven years old, needs to be reviewed.

THE ASIATIC SOCIETY, KOLKATA

Reply of the Society on the comments on accounts made in the Separate Audit Report on the Accounts of The Asiatic Society, Kolkata for the year 2020-21, audited by the Office of the Director General of Audit (Central), Kolkata Under Section 19 (2) of Comptroller & Auditor General's (Duties, Powers and Conditions of Service) Act of 1971

Item	Comments on Accounts	Reply of The Asiatic Society, Kolkata
A	**Income & Expenditure Account**	
1.1	**Income**	
1.1.1	**Interest Earned (Schedule 17) : ₹ 30.40 lakh** As per the Memorandum of Understanding (MoU) between the MoC and the Society, for the financial year 2020-21, all interest and other earnings against the Grants-in-aid and advances, were to be mandatorily remitted to the Government of India (GoI), immediately after finalization of the accounts. The Society had earned ₹ 30.40 lakh asinterest on the grants received by it, and it recognized this amount as 'Income', instead of showing it as being payable to the GoI. Despite a similar observation having being highlighted in the previous year's Audit Report, the Society did not takenecessary steps in this regard. This resulted in overstatement of interest Earned and understatement of 'Current Liabilities & Provisions' by ₹ 30.40 lakh each. Consequently, deficit was understated by the same amount.	Accounting of all interest and other earnings against the Grants-in-aid received from the Ministry of Culture, Government of India have been accounted in uniform pattern on year-to-year basis and the same have been capitalized over the years.
B	**General**	
2.1	The Society made payment towards 'Security and House Keeping Charges' (₹ 5.76 lakh) and 'Electricity Charges' (₹ 0.99 lakh), pertaining to the month of March 2020, and showed it as expenditure during the current financial year 2020-21,	The provisions for 'Security and House Keeping Charges'(₹ 5.76 lakh) and 'Electricity Charges' (₹ 0.99 lakh) pertaining to the month of March, 2020 could not be made in the year 2019-20 due to non- receipts of bills/invoices from the vendors within the closure of books of accounts of The

Item	Comments on Accounts	Reply of The Asiatic Society, Kolkata
	insteadof showing it as Prior Period Expenses.	Asiatic Society, Kolkata i.e. as on 31st March, 2020. All the bills were received in the month of April, 2020 and payments had been made accordingly during the year 2020-21 under the head of 'Security and House Keeping Charges' and 'Electricity Charges'. Though provision could not be made during the year 2019-20 due to non-receipts of bill but 12 months expenditure (i.e. from March, 2020 to February, 2021) have been booked during the year 2020-21.
2.2 **a)** **b)**	Despite similar observations having being highlighted in the previous year's Audit Report, the Society did not take necessary steps in the following cases: 'Rent Receivable' and 'Subscription Receivable', amounting to ₹ 46.66 lakh and ₹ 20.62 lakh, respectively, need to be reviewed, because they are being accumulated year after year. The Society has not made provisions for retirement benefits on actuarial valuation basis, in contravention of Accounting Standard 15 issued by ICAI.	**a)** The Receivables have been accounted in uniform pattern on year to year basis. The Accumulated balances will be reviewed and necessary action will be taken accordingly. **b)** Since the payment of Retirement benefits comprising Gratuity and Leave encashment are made on cash basis and provided in budget on year to year basis, no such provision is made in FY 2020-21. Moreover, the Society is fully funded by the Government of India and it has no corresponding investments / own funds to meet the payment of Retirement benefits of the employees, hence no such provision is made in the books of accounts of the Society for the year 2020-21.
2.3	The Society had booked an amount of ₹ 28.88 lakh under the head 'Advance payment of Journal Subscription'. The amounts incorporated therein have, however, been lying unadjusted since the last two to five years. This needs to be reviewed.	The unadjusted advances against journal subscription prior to 2020-21 would be ₹ 28.88 Lakh instead of ₹ 28.79 lakh (₹ 3042/- prior to 2016-17, ₹ 19,84,939/- for 2016-17, ₹ 8,90,887/- for 2017-18 & ₹ 9,292/- for 2018-19).

Item	Comments on Accounts	Reply of The Asiatic Society, Kolkata
		Intimation given to the Library Section of The Asiatic Society, Kolkata for checking the records for receipts of Journal against the unadjusted advances against Journal subscription. The adjustment will be done in the current year on receipts of the report from the Library Section.
C	**Grants-in-Aid** The Society is financed by grants received from the Government of India. During the financial year 2020-21, it received grants amounting to ₹ 18.53 crore. In addition, the previous year's unspent balance was ₹ 1.01 crore. During the financial year 2020-21, it spent ₹ 22.07 crore, thereby incurring excess expenditure of ₹ 2.53 crore, which was met from its Internal Resource Generation.	The Utilization Certificate (U.C) of Grants-in-aid of a year are prepared on the basis of Receipts & Payments Account for that particular year (in this case, 2020-21) and advance payments for activities of that year (in this case, 2020-21) which are reflected through Receipts & Payments Account gets incorporated as Utilization of Grants-in-aid in the Utilization Certificate of the corresponding year. This has been practiced uniformly.
D	**Net Effect** The net effect of the comments given in the preceding paragraphs is that the Deficit (being the excess of Expenditure over Income) was understated by ₹ 30.40 lakh, for the year ended 31st March 2021	The suggestions of the Audit have been noted. Corrective actions through Rectification/ Adjustments entries have already been taken for some cases as mentioned in the respective paragraphs and appropriate actions for the remaining observations are being taken.
E	**Management Letter** Deficiencies which have not been included in the Audit Report have been brought to the notice of the General Secretary, The Asiatic Society, Kolkata, through a Management Letter, issued separately, for remedial/corrective action.	The suggestions of the Audit on the deficiencies that have been mentioned in the management letter dated 22.11.2021 have been noted. Corrective actions have been initiated on all the seven points mentioned therein and appropriate actions for necessary accounting rectifications will be taken during the financial year 2021-22.

Sd/-
(Sujit Kumar Das)
Treasurer

Sd/-
(S.B.Chakrabarti)
General Secretary

Place: Kolkata
Date: 23rd November, 2021

The Asiatic Society Kolkata

Audited Annual Accounts for the year 2020-2021

*** As adopted in the Extraordinary General Meeting of the Asiatic Society, Kolkata held on 6th December, 2021.**

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2021

	Schedule	Current Year ₹	Previous Year ₹
FUNDS & LIABILITIES			
CAPITAL FUND	1	423389415.20	441699261.75
RESERVES & SURPLUS	2	0.00	0.00
EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS	3	23867640.99	23037777.99
SECURED LOANS AND BORROWINGS	4	0.00	0.00
UNSECURED LOANS AND BORROWINGS	5	0.00	0.00
DEFERRED CREDIT LIABILITIES	6	0.00	0.00
CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS	7	10783920.55	31547594.69
TOTAL		**458040976.74**	**496284634.43**
ASSETS			
FIXED ASSETS	8	263932701.13	243012340.53
INVESTMENTS - FROM EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS	9	19088423.00	19113376.00
INVESTMENT- OTHERS	10	43789500.00	43789500.00
CURRENT ASSETS, LOANS & ADVANCES, ETC.	11	131230352.61	190369417.90
MISCELLANEOUS EXPENDITURE [to the extent not written off or adjusted]		0.00	0.00
TOTAL		**458040976.74**	**496284634.43**
SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES	24		
CONTINGENT LIABILITIES & NOTES ON ACCOUNTS	25		

Place: Kolkata
Date: 2nd August, 2021

Sd/-
[Sujit Kumar Das]
Treasurer

Sd/-
[S.B.Chakrabarti]
General Secretary

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AT AT 31ST MARCH 2021

SCHEDULE 1. CAPITAL FUND	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
Balance as at the beginning of the year		441699261.75		423917503.44
Add: Adjustments during the year		21192385.14		619004.00
"Add: Contributions towards Corpus/ Capital Fund"[Grants-in-Aid : Creation of Capital Assets]"		0.00		5439000.00
"Add/ (Deduct) : Balance of net income (expenditure)" transferred from the Income & Expenditure Account"		(39502231.69)		12961762.31
Balance at the year end		**423389415.20**		**441699261.75**

SCHEDULE 2. RESERVES & SURPLUS	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
1 Capital Reserve				
As per Last Account	0.00		0.00	
Additions during the year	0.00		0.00	
Less: Deductions during the Year	0.00	0.00	0.00	0.00
2 Revaluation Reserve				
As per Last Account	0.00		0.00	
Additions during the year	0.00		0.00	
Less: Deductions during the Year	0.00	0.00	0.00	0.00
3 Special Reserve				
As per Last Account	0.00		0.00	
Additions during the year	0.00		0.00	
Less: Deductions during the Year	0.00	0.00	0.00	0.00
4 General Reserve				
As per Last Account	0.00		0.00	
Additions during the year	0.00		0.00	
Less: Deductions during the Year	0.00	0.00	0.00	0.00
Total		**0.00**		**0.00**

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

SCHEDULES FORMING PART OF THE BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2021

(Amount in ₹)

SCHEDULE 3. ENDOWMENT FUNDS & EARMARKED FUNDS

Sl. No.	Fund Category	Opening Balance	Additions to the fund			Total	Utilization / Expenditure towards objectives of funds					Total	Net Balance as at the year end
		A	B			[A+B]	C[I]					C	[A+B-C]
			Donnations/ Grants/ Contribu-tions	Income from Investments made on account of fund	Other addi-tions		Capital Expenditure [i]		Revenue Expenditure [ii]			C [i] + C [ii]	
							Fixed Assets	Others	Salaries, Wages & Allowances, etc.	Rent	Other Adminis-trative Expenses		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
a	ENDOWMENT FUNDS [Fund wise break up in Schedule 3 (a)]	21632884.74	0.00	1207063.00	0.00	22839947.74	0.00	0.00	0.00	0.00	16300.00	16300.00	22823647.74
b	EARMARKED FUNDS [Fund wise break up in Schedule 3 (b)]	1404893.25	0.00	0.00	0.00	1404893.25	0.00	0.00	360900.00	0.00	0.00	360900.00	1043993.25
	Total [a + b]	**23037777.99**	**0.00**	**1207063.00**	**0.00**	**24244840.99**	**0.00**	**0.00**	**360900.00**	**0.00**	**16300.00**	**377200.00**	**23867640.99**
	Previous Year	**21918710.99**	**384500.00**	**1324748.00**	**0.00**	**23627958.99**	**0.00**	**0.00**	**66000.00**	**0.00**	**524181.00**	**590181.00**	**23037777.99**

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

SCHEDULES FORMING PART OF THE BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2021

(Amount in ₹)

SCHEDULE 3(A)- ENDOWMENT FUNDS - FUND WISE BREAK UP

Sl. No.	Title of the Endowment Fund	Opening Balance	Additions to the fund			Total	Utilization / Expenditure towards objectives of funds					Total	Net Balance as at the year end
		A	B			[A+B]	C[I]					C	[A+B-C]
			Donnations/ Grants/ Contribu-tions	Income from Investments made on account of fund	Other addi-tions		Capital Expenditure [i]		Revenue Expenditure [ii]			C [i] + C [ii]	
							Fixed Assets	Others	Salaries, Wages & Allowan-ces, etc.	Rent	Other Adminis-trative Expenses		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
1	Abha Maity Lecture Fund	492352.02	0.00	27472.06	0.00	519824.08	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	519824.08
2	Annadale Medal Fund	503937.10	0.00	28118.48	0.00	532055.58	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	532055.58
3	B B Majumder Lecture Fund	422150.06	0.00	23554.96	0.00	445705.02	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	445705.02
4	Barclay Medal Fund	512259.88	0.00	28582.87	0.00	540842.75	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	540842.75
5	Bimala Charan Law Coll. Fund	18248.38	0.00	1018.22	0.00	19266.60	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	19266.60
6	Bimala Charan Law Medal Fund	481759.23	0.00	26881.01	0.00	508640.24	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	508640.24
7	Biren Roy Medal Fund	61913.89	0.00	3454.65	0.00	65368.54	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	65368.54
8	D P Khaitan Medal Fund	504400.85	0.00	28144.36	0.00	532545.21	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	532545.21
9	Dr Prabhati Mukherjee Medal Fund	417252.43	0.00	23281.68	0.00	440534.11	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	440534.11
10	Hem Ch. Roy Chowdhury Medal Fund	106868.55	0.00	5963.01	0.00	112831.56	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	112831.56

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

SCHEDULES FORMING PART OF THE BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2021

(Amount in ₹)

SCHEDULE 3(A)- (Continued)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
11	Indian Science Congress Fund	522981.62	0.00	29181.12	0.00	552162.74	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	552162.74
12	Indira Gandhi Medal Fund	498834.53	0.00	27833.77	0.00	526668.30	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	526668.30
13	Indira Gandhi Lecture Fund	662308.75	0.00	36955.24	0.00	699263.99	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	699263.99
14	Joy Govinda Law Medal Fund	525673.21	0.00	29331.30	0.00	555004.51	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	555004.51
15	Maya Deb Medal Fund	371493.95	0.00	20728.47	0.00	392222.42	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	392222.42
16	Meghnad Saha Memorial Fund	490110.40	0.00	27346.98	0.00	517457.38	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	517457.38
17	N N Chatterjee Medal Fund	491117.68	0.00	27403.19	0.00	518520.87	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	518520.87
18	Naresh Ch. Sengupta Medal Fund	480510.28	0.00	26811.32	0.00	507321.60	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	507321.60
19	Panchanan Mitra Lecture Fund	151757.03	0.00	8467.68	0.00	160224.71	0.00	0.00	0.00	0.00	4100.00	4100.00	156124.71
20	Paul Jones Bruhl Medal Fund	473341.61	0.00	26411.32	0.00	499752.93	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	499752.93
21	Pramathanath Bose Medal Fund	485371.17	0.00	27082.55	0.00	512453.72	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	512453.72
22	Prasanta Roy & Gita Roy Medal Fund	196649.98	0.00	10972.60	0.00	207622.58	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	207622.58
23	Priyabrata Roy Medal Fund	224309.14	0.00	12515.91	0.00	236825.05	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	236825.05
24	Pt Iswarchandra Vidyasagar Lec Fund	1373553.41	0.00	76640.98	0.00	1450194.39	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	1450194.39
25	Rajasthani Fund	543279.01	0.00	30313.66	0.00	573592.67	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	573592.67
26	Ramaprasad Chandra Medal Fund	415088.46	0.00	23160.94	0.00	438249.40	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	438249.40

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

SCHEDULES FORMING PART OF THE BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2021

(Amount in ₹)

SCHEDULE 3(A)- (Continued)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
27	Ranadhir Roy Medal Fund	239373.81	0.00	13356.48	0.00	252730.29	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	252730.29
28	Sarat Chandra Roy Medal Fund	488911.46	0.00	27280.08	0.00	516191.54	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	516191.54
29	Suniti Kumar Chatterjee Lecture Fund	368338.13	0.00	20552.38	0.00	388890.51	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	388890.51
30	S C Chakraborty Medal Fund	487296.52	0.00	27189.98	0.00	514486.50	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	514486.50
31	S N Dey & Manjula Dey Medal Fund	503297.51	0.00	28082.79	0.00	531380.30	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	531380.30
32	S N Sen Lecture Fund	242800.17	0.00	13547.67	0.00	256347.84	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	256347.84
33	Saratlal Biswas Medal Fund	484675.19	0.00	27043.71	0.00	511718.90	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	511718.90
34	Sir Jadunath Sarkar Medal Fund	475342.40	0.00	26522.96	0.00	501865.36	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	501865.36
35	Sir Willam Jones Medal Fund	355913.15	0.00	19859.10	0.00	375772.25	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	375772.25
36	Sudha Basu Memorial Lecture Fund	368275.29	0.00	20548.88	0.00	388824.17	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	388824.17
37	Sukumar Sen Medal Fund	496872.48	0.00	27724.29	0.00	524596.77	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	524596.77
38	Surit C Mitra Medal Fund	471021.07	0.00	26281.84	0.00	497302.91	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	497302.91
39	Swami Pranabananda Medal Fund	331047.36	0.00	18471.65	0.00	349519.01	0.00	0.00	0.00	0.00	6100.00	6100.00	343419.01
40	GSI Sesquicent Com L/M Fund	907128.50	0.00	50615.59	0.00	957744.09	0.00	0.00	0.00	0.00	6100.00	6100.00	951644.09
41	Tagore Peace Award Fund	388577.60	0.00	21681.70	0.00	410259.30	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	410259.30
42	Foreign Donation - Japan	3596491.48	0.00	200675.57	0.00	3797167.05	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	3797167.05
	Total	**21632884.74**	**0.00**	**1207063.00**	**0.00**	**22839947.74**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**16300.00**	**16300.00**	**22823647.74**

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

SCHEDULES FORMING PART OF THE BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2021

(Amount in ₹)

SCHEDULE 3(B)- EARMARKED FUNDS - FUND WISE BREAK UP

Sl. No.	Title of the Earmarked Fund	Opening Balance	Additions to the fund			Total	Utilization / Expenditure towards objectives of funds					Total	Net Balance as at the year end
		A	B			[A+B]	C[I]					C	[A+B-C]
			Donnations/ Grants/ Contribu-tions	Income from Investments made on account of fund	Other addi-tions		Capital Expenditure [i]		Revenue Expenditure [ii]			C [i] + C [ii]	
							Fixed Assets	Others	Salaries, Wages & Allowan-ces, etc.	Rent	Other Adminis-trative Expenses		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
1	Manuscript Recource Centre (ASK-MRC)	533494.50	0.00	0.00	0.00	533494.50	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	533494.50
2	Bharatiya Rastriya Bigyan Academy (INSA)	321984.60	0.00	0.00	0.00	321984.60	0.00	0.00	90900.00	0.00	0.00	90900.00	231084.60
3	Indian Council of Social Science Research	355463.00	0.00	0.00	0.00	355463.00	0.00	0.00	270000.00	0.00	0.00	270000.00	85463.00
4	Govt of WB Grant for Publication	25000.00	0.00	0.00	0.00	25000.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	25000.00
5	GoI Grant for Seminar on Ayurvedic Medicine	63365.10	0.00	0.00	0.00	63365.10	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	63365.10
6	Indira Gandhi Manab Sangrahalaya	45000.00	0.00	0.00	0.00	45000.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	45000.00
7	Indian Council for Philosohical Research	63.20	0.00	0.00	0.00	63.20	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	63.20
8	Indian Council for Historical Research	60522.85	0.00	0.00	0.00	60522.85	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	60522.85
	Total	**1404893.25**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**1404893.25**	**0.00**	**0.00**	**360900.00**	**0.00**	**0.00**	**360900.00**	**1043993.25**

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AT AT 31ST MARCH 2021

SCHEDULE 4. SECURED LOANS AND BORROWINGS	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
1 Central Government		0.00		0.00
2 State Government (Specify)		0.00		0.00
3 Financial Institutions		0.00		0.00
4 Banks		0.00		0.00
5 Other Institutions & Agencies		0.00		0.00
6 Debentures & Bonds		0.00		0.00
7 Others (Specify)		0.00		0.00
Total		**0.00**		**0.00**

SCHEDULE 5. UNSECURED LOANS AND BORROWINGS	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
1 Central Government		0.00		0.00
2 State Government (Specify)		0.00		0.00
3 Financial Institutions		0.00		0.00
4 Banks		0.00		0.00
5 Other Institutions & Agencies		0.00		0.00
6 Debentures & Bonds		0.00		0.00
7 Fixed Deposits		0.00		0.00
8 Others (Specify)		0.00		0.00
Total		**0.00**		**0.00**

SCHEDULE 6. DEFERRED CREDIT LIABILITIES	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
a Acceptances secured by hypothecation of capital equipment and other assets		0.00		0.00
b Others		0.00		0.00
Total		**0.00**		**0.00**

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AT AT 31ST MARCH 2021

SCHEDULE 7. CURRENT LIABILITIES & PROVISIONS	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
A Current Liabilities				
1 Acceptances		0.00		0.00
2 Sundry Creditors				
i] For Goods	0.00		0.00	
ii] Others	0.00	0.00	71422.89	71422.89
3 Advance Received [Subscrption]		10500.00		15500.00
4 Interest Accrued but not due on Loans/Borrowings		0.00		0.00
5 Statutory Liabilities				
i] For Goods	0.00		0.00	
ii] Others	2399470.20	2399470.20	2406868.00	2406868.00
6 Other Current Liabilitis		6695593.35		7338093.80
Total [A]		**9105563.55**		**9831884.69**
B Provisions				
1 For Taxation		0.00		0.00
2 Gratuity		0.00		10000000.00
3 Superannuation / Pension		0.00		0.00
4 Accumulated Leave Encashment		0.00		10000000.00
5 Trade Warranties / Claims		0.00		0.00
6 Others		1678357.00		1715710.00
Total [B]		**1678357.00**		**21715710.00**
Total [A + B]		**10783920.55**		**31547594.69**

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AT AT 31ST MARCH 2021

(Amount in ₹)

SCHEDULE 8. FIXED ASSETS

Asset Category		GROSS BLOCK				DEPRECIATION				NET BLOCK	
	Rate of Depreciation	Cost/ Valuation as at beginning of the year	Additions at during the Year	Adjustments during the Year	Cost/ Valuation at the year end	As at the beginning of the year	Additions during the Year	Deductions during the Year	Total up to the year end	As at the current year end	As at the previous year end
		[1]	[2]	[3]	[4=1+2-3]	[5]	[6]	[7]	[8=5+6-7]	[9=4-8]	10
A. Fixed Assets :											
1. Land :											
a] Freehold	0%	5371000.00	0.00	0.00	5371000.00	0.00	0.00	0.00	0.00	5371000.00	5371000.00
b] Leasehold	0%	59100.00	0.00	0.00	59100.00	354.96	0.00	0.00	354.96	58745.04	58745.04
2. Building											
a] on Freehold Land	10%	99339064.05	638885.00	28251739.00	128229688.05	21490450.67	10648382.00	0.00	32138832.67	96090855.38	77848613.38
b] on Leasehold Land	10%	232764.00	0.00	0.00	232764.00	159720.70	7304.00	0.00	167024.70	65739.30	73043.30
3. Plant & Machinery	15%	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
4. Vehicles	15%	3651417.00	0.00	0.00	3651417.00	2161082.03	223550.00	0.00	2384632.03	1266784.97	1490334.97
5. Furniture & Fixture	10%	32885361.34	3038377.00	0.00	35923738.34	20448931.83	1395562.00	0.00	21844493.83	14079244.51	12436429.51
6. Office Equipment	15%	48458743.66	1983923.00	0.00	50442666.66	27797235.27	3384455.00	0.00	31181690.27	19260976.39	20661508.39
7. Computer, Software & Networking	40%	22370606.20	341697.00	0.00	22712303.20	18324373.47	1726533.00	0.00	20050906.47	2661396.73	4046232.73
8. Electrical Installations	10%	14433649.21	0.00	0.00	14433649.21	7309063.50	712459.00	0.00	8021522.50	6412126.71	7124585.71
9. Library Books & Journals	0%	106231866.32	76448.00	4880637.60	111188951.92	0.00	0.00	0.00	0.00	111188951.92	106231866.32

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AT AT 31ST MARCH 2021

(Amount in ₹)

SCHEDULE 8. FIXED ASSETS (contdss)

Asset Category	Rate of Depreciation	GROSS BLOCK				DEPRECIATION				NET BLOCK	
		Cost/ Valuation as at beginning of the year	Additions at during the Year	Adjustments during the Year	Cost/ Valuation at the year end	As at the beginning of the year	Additions during the Year	Deductions during the Year	Total up to the year end	As at the current year end	As at the previous year end
		[1]	[2]	[3]	[4=1+2-3]	[5]	[6]	[7]	[8=5+6-7]	[9=4-8]	10
10. Tubewell & Water Supply	10%	5991318.85	0.00	0.00	5991318.85	2727507.67	326381.00	0.00	3053888.67	2937430.18	3263811.18
11. Other Assets											
a] Microfilm & Documentation	0%	5930073.86	0.00	0.00	5930073.86	5930073.86	0.00	0.00	5930073.86	0.00	0.00
b] Mss & Art Objects-Museum	0%	4406170.00	133280.00	0.00	4539450.00	0.00	0.00	0.00	0.00	4539450.00	4406170.00
Total of Current Year [A]		349361134.49	6212610.00	33132376.60	388706121.09	106348793.96	18424626.00	0.00	124773419.96	263932701.13	243012340.53
Previous Year		286172268.49	17120803.00	46068063.00	349361134.49	89569956.96	16778837.00	0.00	106348793.96	243012340.53	
B. Capital Work in Progress :											
Salt Lake Campus		0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Park Street Building		0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Total of Current Year [B]		0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Previous Year		45120833.00	0.00	45120833.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
Total [A+B]		349361134.49	6212610.00	33132376.60	388706121.09	106348793.96	18424626.00	0.00	124773419.96	263932701.13	243012340.53
Previous Year		331293101.49	17120803.00	91188896.00	349361134.49	89569956.96	16778837.00	0.00	106348793.96	243012340.53	

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AT AT 31ST MARCH 2021

SCHEDULE 9. INVESTMENTS FROM EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
1 In Government Securities		0.00		0.00
2 Other Approved Securities		0.00		0.00
3 Shares		0.00		0.00
4 Debentures & Bonds		0.00		0.00
5 Subsidiaries and Joint Ventures		0.00		0.00
6 Others: TDRs with SBI Park Street & UBI Park Street		19088423.00		19113376.00
Total		**19088423.00**		**19113376.00**

SCHEDULE 10. INVESTMENTS - OTHERS	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
1 In Government Securities		500.00		500.00
2 Other Approved Securities		0.00		0.00
3 Shares		0.00		0.00
4 Debentures & Bonds		0.00		0.00
5 Subsidiaries and Joint Ventures		0.00		0.00
6 Others: TDRs with SBI Park Street		43789000.00		43789000.00
Total		**43789500.00**		**43789500.00**

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AT AT 31ST MARCH 2021

SCHEDULE 11. CURENT ASSETS, LOANS & ADVANCES, ETC.	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
A Current Assets				
1 Inventories				
a Stores & Spares	0.00		0.00	
b Loose Tools	0.00		0.00	
c Stock in Trade				
(i) Finished Goods [Printed Publications]	29300861.00		26553657.00	
(ii) Work in Progress	0.00		0.00	
(iii) Raw Materials [Preservation Materials]	24871.00	29325732.00	14878.00	26568535.00
2 Sundry Debtors				
a Debts outstanding for a period exceeding six months	35881.22		35881.22	
b Others	0.00	35881.22	0.00	35881.22
3 Cash Balances in Hand		36242.00		46129.00
4 Bank Balances				
a With Scheduled Banks				
(i) On Current Account	5595512.7		10211346.39	
(ii) On Deposit Account	0.00		0.00	
(iii) On Savings Account	6350524.86	11946037.56	39069420.86	49280767.25
b With Non-Scheduled Banks				
(i) On Current Account	0.00		0.00	
(ii) On Deposit Account	0.00		0.00	
(iii) On Savings Account	0.00	0.00	0.00	0.00
5 Post Office Savings Account		0.00		0.00
Total [A]		**41343892.78**		**75931312.47**

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AT AT 31ST MARCH 2021

SCHEDULE 11. CURENT ASSETS, LOANS & ADVANCES, ETC. (contds...)	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
B Loan, Advances & Other Assets				
1 Loans				
a Employees	671148.00		561527.00	
b Other Entities engaged in similar activities	0.00		0.00	
c Others	0.00	671148.00	0.00	561527.00
2 Advances and other amounts recoverable in cash or kind or for value to be received				
a On Capital Account	50719451.00		78083343.00	
b Adv. Payment to Journal Subscription	8101481.31		7768797.91	
c Security Deposits	1445589.84		1445589.84	
d Earnest Money	2500.00		2500.00	
e With Dept. of Income Tax [TDS]	684.00		684.00	
f Others [Employees / Scholars/Suppliers]	14521163.73	74790869.88	15958428.73	103259343.48
3 Income Accrued				
a On Investments from Earmarked/ Endowment Fund	1926430.00		1333794.00	
b On Investments- Others	4827184.00		3003299.00	
c On Loans and Advances	0.00		0.00	
d Rent Receivable	4665945.40		3865485.40	
e Subscription Receivable	2062414.55		1748282.55	
f TDS Receivable	939900.00		666374.00	
g Institutional Membership Fee Receivable	2568.00	14424441.95	0.00	10617234.95
4 Claims Receivable		0.00		0.00
Total [B]		**89886459.83**		**114438105.43**
Total [A+B]		**131230352.61**		**190369417.90**

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2021

INCOME	Schedule	Current Year ₹	Previous Year ₹
Income from Sales / Service	12	0.00	0.00
Grants / Subsidies	13	185350000.00	231953000.00
Fees / Subscriptions	14	364438.00	541587.50
Income from Investments	15	2360424.00	2340624.00
Income from Roylty, Publication, etc.	16	1235583.00	1541708.00
Interest Earned	17	3039623.00	4261347.00
Other Income	18	39199.34	499684.00
Increase / (Decrease) in Stock of Finished Goods & Work-in-Progress	19	2757197.00	946132.00
Total [A]		**195146464.34**	**242084082.50**
EXPENDITURE			
Establishment Expenses	20	179805996.00	181334683.00
Other Administrative Expenses, etc.	21	36478949.03	31000089.08
Expenditure on Grants, Subsidies, etc.	22	0.00	0.00
Interest	23	0.00	8711.11
Depreciation [Net total at the year end corresponding to schedule 8]	8	18424626.00	16778837.00
TOTAL [B]		**234709571.03**	**229122320.19**
Balance being excess of Income over Expenditure (A-B)		(39563106.69)	12961762.31
Prior Period Adjustments		60875.00	0.00
Transfer to Special Reserve		0.00	0.00
Transfer to / from General Reserve		0.00	0.00
Balance being Surplus / (Deficit) Carried forward to Corpus / Capital Funds		**(39502231.69)**	**12961762.31**
SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES	24		
CONTINGENT LIABILITIES & NOTES ON ACCOUNTS	25		

Sd/-
[Sujit Kumar Das]
Treasurer

Sd/-
[S.B.Chakrabarti]
General Secretary

Place: Kolkata
Date: 2nd August, 2021

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Schedules forming part of Income & Expenditure Account for the year ended 31st March 2021

SCHEDULE 12. INCOME FROM SALES / SERVICES		Current Year		Previous Year	
		₹	₹	₹	₹
1	Income from Sale		0.00		0.00
2	Income from Services		0.00		0.00
	Total		**0.00**		**0.00**

SCHEDULE 13. GRANTS / SUBSIDIES		Current Year		Previous Year	
		₹	₹	₹	₹
	(Irrevocable Grants & Subsidies received)				
1	Central Government		185350000.00		231953000.00
2	State Government (specify)		0.00		0.00
3	Government Agencies		0.00		0.00
4	Institutions / Welfare Bodies		0.00		0.00
5	International Organizations		0.00		0.00
6	Others		0.00		0.00
	Total		**185350000.00**		**231953000.00**

SCHEDULE 14. FEES / SUBSCRIPTIONS		Current Year		Previous Year	
		₹	₹	₹	₹
1	Entrance / Admission Fees		0.00		37250.00
2	Annual Fees / Subscriptions		350300.00		358399.75
3	Life Membership Fees		14138.00		145937.75
4	Seminar / Programme Fees		0.00		0.00
5	Consultancy Fees		0.00		0.00
6	Others		0.00		0.00
	Total		**364438.00**		**541587.50**

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Schedules forming part of Income & Expenditure Account for the year ended 31st March 2021

SCHEDULE 15. INCOME FROM INVESTMENTS	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
(Income from Investment from Earmarked / Endowment Funds transferred to Funds)				
1 Interest on Investments against Endowment Funds **[WD-01]**		1207063.00		1324748.00
2 Dividend		0.00		0.00
3 Rent **[WD-02]**		2360424.00		2340624.00
4 Others		0.00		0.00
Total		**3567487.00**		**3665372.00**
Transferred to Endowment Funds		**1207063.00**		**1324748.00**
Net Income from Investments		**2360424.00**		**2340624.00**

SCHEDULE 16. INCOME FROM ROYALTY, PUBLICATION, ETC.	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
1 Income from Royalty		0.00		0.00
2 Income from Publications		1235583.00		1453093.00
3 Others : Sale of Photos / Replicas		0.00		88615.00
Total		**1235583.00**		**1541708.00**

SN Others : Sale of Photos / Replicas [Break-up of Item No.3]	
a Sale of Mementos	0.00
b Sale of Photo Albums	0.00
Total	**0.00**

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Schedules forming part of Income & Expenditure Account for the year ended 31st March 2021

SCHEDULE 17. INTEREST EARNED	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
1 On Term Deposits				
(a) With Scheduled Banks [WD-01]	1978057.00		2566276.00	
(b) With Non- Scheduled Banks	0.00		0.00	
(c) With Institutions	0.00	1978057.00	0.00	2566276.00
2 On Savings Accounts				
(a) With Scheduled Banks	948175.00		1372044.00	
(b) With Non- Scheduled Banks	0.00		0.00	
(c) With Institutions	0.00	948175.00	0.00	1372044.00
3 On Loans				
(a) Employees / Staff				
(i) Interest on H.B.Loan	2834.00		55160.00	
(ii) Interest on Computer Loan	68064.00		120136.00	
(iii) Interest on Scooter Loan	42493.00		147731.00	
(b) Others	0.00	113391.00	0.00	323027.00
4 Interest on Debtors and Other Receivables		0.00		0.00
Total		**3039623.00**		**4261347.00**

SCHEDULE 18. OTHER INCOME	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
1 Sale/ Disposal of Assets		0.00		0.00
2 Export Incentives Realized		0.00		0.00
3 Miscellaneous Receipts		39199.34		499684.00
Total		**39199.34**		**499684.00**

SN	Miscellaneous Receipts [Break-up of Item No.3]	Current Year ₹
a	Micro Film / Xerox	28513.00
b	Sale of Scrap Materials	0.00
c	Service Charge	0.00
d	Others	10686.34
	Total	**39199.34**

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Schedules forming part of Income & Expenditure Account for the year ended 31st March 2021

SCHEDULE 19. (INCOME FROM INVESTMENT FROM EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS TRANSFERRED TO FUNDS)		Current Year		Previous Year	
		₹	₹	₹	₹
1	**Closing Stock**				
(a)	Finished Goods [Printed Publications]	29300861.00		26553657.00	
(b)	Work-in-Progress	0.00		0.00	
(c)	Raw Materials [Preservation Materials]	24871.00	29325732.00	14878.00	26568535.00
2	**Less: Opening Stock**				
(a)	Finished Goods [Printed Publications]	26553657.00		25558047.00	
(b)	Work-in-Progress	0.00		0.00	
(c)	Raw Materials [Preservation Materials]	14878.00	26568535.00	64356.00	25622403.00
	Total		**2757197.00**		**946132.00**

SCHEDULE 20. ESTABLISHMENT EXPENSES		Current Year		Previous Year	
		₹	₹	₹	₹
1	Salary & Wages		136617909.00		139604118.00
2	Allowances & Bonus		8296218.00		8604266.00
3	Employer's Contribution to EPF		12588510.00		13006614.00
4	Administrative Charges on EPF		677403.00		703394.00
5	Contribution to Other Funds (NPS)		0.00		0.00
6	Leave Salary Contribution		48840.00		95260.00
7	Staff Welfare Expenses		48502.00		121918.00
8	Expenses on Employees' Retirement & Terminal Benefits		19294941.00		15966815.00
9	Leave Travel Concession (LTC)		391491.00		703449.00
10	Leave Encashment (LTC)		132444.00		374777.00
11	Reimbursement of Medical Expenses		1616762.00		1973044.00
12	Honorarium		1800.00		84200.00
13	Reimbursement of News Paper & Telephone Charges		91176.00		96828.00
	Total		**179805996.00**		**181334683.00**

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Schedules forming part of Income & Expenditure Account for the year ended 31st March 2021

SN	Salary & Wages [Break-up of Item No.1]	₹
a	Salaries & Wages to Regular Employees	133983764.00
b	Salaries & Wages to Contractual Employees	2634145.00
	Total	**136617909.00**

SCHEDULE 21. OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES, ETC.		Current Year		Previous Year	
		₹	₹	₹	₹
A	**Travelling & Conveyance Expenses:**				
1	Travelling Allowance [TA/DA]	0.00		76321.00	
2	Local Conveyance (staff)	21193.00		218112.00	
3	Local Conveyance (others)	9000.00	30193.00	0.00	294433.00
B	**Communication Charges:**				
1	Telephone	21978.00		63401.00	
2	Postage & Communication Charges	163338.00		296926.00	
3	Internet Charges	464625.00	649941.00	299591.00	659918.00
C	**Repairs & Maintenance:**				
1	Repairs & Maintenance- Building	377943.00		282186.00	
2	Repairs & Maintenance- Lift	235676.00		97483.00	
3	Repairs & Maintenance- AC Machine	659534.00		659797.00	
4	Repairs & Maintenance- Generator	13570.00		14108.00	
5	Repairs & Maintenance- Furniture	9943.00		2350.00	
6	Repairs & Maintenance- Computer	276207.00		93102.00	
7	Repairs & Maintenance- Electrical	135757.00		262303.00	
8	Repairs & Maintenance- Equipment	65913.00		32862.00	
9	Repairs & Maintenance- Others	277976.00	2052519.00	129397.00	1573588.00

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Schedules forming part of Income & Expenditure Account for the year ended 31st March 2021

SCHEDULE 21. OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES, ETC. (contd...)		Current Year		Previous Year	
		₹	₹	₹	₹
D	**Other Administrative Expenses:**				
1	Advertisement & Publicity	324321.00		892516.00	
2	Printing & Stationery	133795.00		607183.00	
3	Rent, Rates & Taxes	9592058.00		68290.00	
4	Vehicle Running & Maintenance	146721.00		437030.00	
5	Electricity & Power	1494265.00		1977079.00	
6	Water Charges	8445.00		5140.00	
7	Insurance	153003.00		149061.00	
8	Auditors' Remuneration	600000.00		740775.00	
9	Security & Housekeeping Expenses	7125423.00		5009055.00	
10	Meeting Expenses	275848.00		947541.00	
11	Cleaning & Washing	85256.00		118950.00	
12	Staff Training	0.00		134166.00	
13	Contingencies	43654.00		178506.00	
14	Legal Expenses	0.00		348830.00	
15	Awards & Incentives	30000.00		36600.00	
16	Medals & Awards	0.00		22860.00	
17	Office Supplies	15849.00		10610.00	
18	Professional Fees	293490.00		159240.00	
19	Election Expenses	392099.00		0.00	
20	Bank Charges	48998.03		29677.08	
21	Website Development, Maint & Email Account	37644.00		1300.00	
22	License Fees	300.00		300.00	
23	Sanitation Expenses	453805.00		0.00	
24	Recruitment Expenses	159426.00		451326.00	
25	Repographic Expenses	65387.00		214881.00	
26	Horticulture Expenses	25130.00		0.00	
27	Shifting & Rearrangement Works	35106.00	21540023.03	59831.00	12600747.08
E	**Publication & Sales Expenses:**				
1	Publication of Books,Journals & Bulletin	4284710.00		2124147.00	
2	Promotion of Publications	5000.00		136900.00	
3	Book Fairs & Book Exhibitions	451549.00	4741259.00	291990.00	2553037.00

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Schedules forming part of Income & Expenditure Account for the year ended 31st March 2021

SCHEDULE 21. OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES, ETC. (contd...)		Current Year		Previous Year	
		₹	₹	₹	₹
F	**Academic Programme Expenses:**				
1	Expenses on Seminar / Workshops	667451.00		3054754.00	
2	Dr. Raja Rajendralala Mitra M. Lecture	12000.00		0.00	
3	Documentation of Programmes	114730.00	794181.00	59917.00	3114671.00
G	**Other Programme Expenses:**				
1	Celebration of Important Days	17591.00		604640.00	
2	Exhibition	41000.00		74287	
3	Hindi Programme	4790.00		47151.00	
4	Celebration of Foundation Day	275328.00	338709.00	0.00	726078.00
H	**Library & Museum Development:**				
1	Consv. & Binding of Books & Mss	65495.00		111067.00	
2	Library Automation Programme	247500.00		292000.00	
3	Digitization of Mss & Rare Books	0.00		377141.00	
4	Materials for Museum	0.00		11200.00	
5	Preservation of Paintings & Art Objects	0.00		11000.00	
6	Purchase of Preservation Materials	0.00		23650.00	
7	Purchase of Newspapers & Periodicals	15841.00	328836.00	14780.00	840838.00
I	**Academic & Research Expenses:**				
1	Fellowship to Research Fellows	3695243.00		6078463.00	
2	Contingency to Research Fellows	37908.00		109585.00	
3	Honorarium/Remuneration to PI/RA	1422335.00		0.00	
4	Contingecy to PI/RA	34944.00	5190430.00	1205607.00	7393655.00
J	**Cost of Replicas (Museum):**				
1	Cost of Souvenir (Museum)	87650.00		41300.00	
2	Printing of Posters (Museum)	0.00	87650.00	0.00	41300.00
K	**Expenses -North Eastern Region:**				
1	Seminar, Workshop for NER	306920.00		154789.00	
2	NER- Internal Project Expenses	242000.00		440000.00	
3	NER- External Project Expenses	9005.00	557925.00	219120.00	813909.00
L	**Expenses- Swatchhwata Action Plan**	167283.00	167283.00	387915.00	387915.00
	Total		**36478949.03**		**31000089.08**

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Schedules forming part of Income & Expenditure Account for the year ended 31st March 2021

SCHEDULE 22. EXPENDITURE ON GRANTS, SUBSIDIES, ETC.	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
1 Grants given to Institutions / Organisations		0.00		0.00
2 Subsidies given to Institutions / Organisations		0.00		0.00
Total		**0.00**		**0.00**

SCHEDULE 23. INTEREST	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
1 On Fixed Loans		0.00		0.00
2 On Other Loans		0.00		0.00
3 Others: Overdraft		0.00		8711.11
Total		**0.00**		**8711.11**

PRIOR PERIOD ADJUSTMENTS	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
1 Provisions Written Back (Auditors' remuneration)		60875.00		0.00
Total		**60875.00**		**0.00**

Sd/-
[Sujit Kumar Das]
Treasurer

Sd/-
[S.B.Chakrabarti]
General Secretary

Place: Kolkata
Date: 2nd August, 2021

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

RECEIPTS & PAYMENTS ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2021

(Amount in ₹)

RECEIPTS	Current Year	Previous Year	PAYMENTS	Current Year	Previous Year
Opening Balance			**Expenses**		
Cash in Hand	46129.00	160983.50	Establishment Expenses	177737946.00	179393612.00
			Expenses on Programmes & Activities	11019968.00	14645898.00
			Other Administrative Expenses	24102225.03	14695880.08
			Payment against Outstanding Expenses & Provisions	1715710.00	1444607.00
Cash at Bank					
In Curent Accounts	10211346.39	2915732.30			
In Deposit Accounts	0.00	0.00	**Payments made against Funds**		
In Savings Accounts	39069420.86	32212027.77	Endowment Funds	16300.00	445907.00
			Earmarked Funds	360900.00	104659.00
Grants Received					
From Govt. of India [MoC]	185350000.00	237392000.00	**Investments & Deposits made**		
For External Project	0.00	384500.00	Out of Earmarked/ Endowment Funds [Net]	0.00	0.00
			Out of Own Funds [other Investments]	0.00	20000000.00
Income on Investments from					
Earmarked/Endowment Funds	559310.00	556980.00	**Expenditure on Fixed Assets & CWIP**		
Own Funds [other Investments]	0.00	1364714.00	Purchase of Fixed Assets	6212610.00	17120803.00
			Expenditure on Capital Work in Progress	0.00	0.00
Interest received					
On Savings Account	948175.00	1372044.00	**Finance Charges**		
On Staff Loan	0.00	0.00	Interest on Overdraft	0.00	8711.11
Other Income			**Other payments**		
Sale of Publications	1240583.00	1453093.00	Statutory Deductions from Employees	31533280.00	29934277.00
Membership Fees	42738.00	245887.75	Statutory Deductions from Contractors	420429.00	458233.00

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

RECEIPTS & PAYMENTS ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2021

(Amount in ₹)

RECEIPTS	Current Year	Previous Year	PAYMENTS	Current Year	Previous Year
Sale of Photo Albums & Mementos	0.00	88615.00	Reserve Money	648756.00	874489.00
Rent	1559964.00	1933886.00	Refund of Earnest Money Deposit	18000.00	101000.00
Registration Fees for Seminar	0.00	37250.00	Advance to Parties	135475.00	1745410.00
Others	100074.34	499684.00	Advance to Employees	1981769.00	8481110.00
			Advance for Creation of Capital Assets	0.00	1328250.00
Encashment of Investments & Deposits			Refund of Security Deposit	1226872.00	706534.00
			Advance for Journal Subscription	5213321.00	0.00
Out of Own Funds [other Investments]	0.00	20000000.00	TDS paid on Term Deposits (TDR)	39284.00	52345.00
Other Receipts			Security Deposit & Earnest Money to WBSEDCL	0.00	0.00
Earnest Money Deposit from Contractors	18000.00	0.00	Donation to PM CARES Fund	716831.00	0.00
Statutory deductions from Employees	31713922.00	31668682.00			
Statutory deductions from Contractors	345112.00	570208.00	**Closing Balance**		
Security Deposits	697694.00	1140268.00	**Cash in Hand**	36242.00	46129.00
Reserve Money	655996.00	820696.00			
Advance Recovered from Parties	300995.00	705525.00	**Cash at Bank**		
Advance Recovered from Employees	1505665.00	5239814.00	In Curent Accounts	5595512.70	10211346.39
Advance Payment for Journal Subscriptions	0.00	106031.12	In Deposit Accounts	0.00	0.00
Contribution received from Employee for donation to PM CARES Fund	716831.00	0.00	In Savings Accounts	6350524.86	39069420.86
Total	**275081955.59**	**340868621.44**	**Total**	**275081955.59**	**340868621.44**

Place: Kolkata
Date: 2nd August, 2021

[Sujit Kumar Das]
Treasurer

[S.B.Chakrabarti]
General Secretary

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Significant Accounting Policies, Contingent Liabilities & Notes on Accounts forming part of Accounts for the year ended 31st March 2021

SCHEDULE – 24

SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES

1. Accounting Convention

The financial statements of accounts are prepared under historical cost convention, in accordance with the applicable Accounting Standards in India and on the accrual method of accounting, unless otherwise stated.

2. Inventory Valuation

a) The closing stock of Publications of the Society has been valued on the basis of print price of the publications, keeping uniformity with that of previous year.

b) Conservation & Preservation Materials have been valued at cost.

3. Investments

Deposits with Banks in the form of TDRs (Fixed deposits) are stated at cost. Interest accrued on such deposits but not due at the year end is shown separately in Balance Sheet under "Loans, Advances & Other Current Assets".

4. Fixed Assets

a) Fixed Assets have been accounted at cost of acquisition inclusive of inward freight, duties & taxes and incidental & direct expenses related to such acquisitions;

b) Fixed Assets are stated at written down value after charging for depreciation.

5. Depreciation

Depreciation on Fixed Assets have been calculated and provided in the accounts on the basis of written down value of the fixed assets at the rates specified in the Income Tax Act, 1961 and as applicable for the financial year 2020-21.

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Significant Accounting Policies, Contingent Liabilities & Notes on Accounts forming part of Accounts for the year ended 31st March 2021

6. Government Grants

Grants-in-aid are recognized in accounts as and when the same is realized. A year's unutilized grant due to underutilization is carried forward and adjusted with next year's grants-in-aid. Expenditure in excess of grants-in-aid received under a particular head, wherever the case may be, have been met out of own resources. Grants-in-aid received under the head "Creation of Capital Assets" has been treated as contributions towards Capital Fund while Grants-in-aid received under other heads (viz. General, Salaries& SAP) have been treated as Income, being grants of revenue nature, in consistency with that of previous year.

7. Accounting for interest on Staff Loan

Interest on Staff Loan has been considered as earning based on realization during the year.

8. Accounting for Interest on Investments

Interest earned on investments has been provided on accrual basis.

9. Retirement Benefit

Payments to the retirees during 2020-21 towards retirement benefits (gratuity &leave encashment) have been accounted for on actual payment basis.

	Sd/-	**Sd/-**
Place: Kolkata	**[Sujit Kumar Das]**	**[S.B.Chakrabarti]**
Date: 2nd August, 2021	Treasurer	General Secretary

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Significant Accounting Policies, Contingent Liabilities & Notes on Accounts forming part of Accounts for the year ended 31st March 2021

SCHEDULE – 25

CONTINGENT LIABILITIES & NOTES ON ACCOUNTS

A. CONTINGENT LIABILITIES

1. Bank Guarantee given by / on behalf of the Society : Nil (Previous Year: Nil)

2. Letters of Credit opened by Bank on behalf of the Society: Nil (Previous Year: Nil)

B. NOTES ON ACCOUNTS

1. The Society has been set up as an autonomous organization under the Ministry of Culture, Government of India and is wholly financed by the Government of India.

2. The Annual Accounts for 2020-21 have been prepared in the Uniform Format of Accounts prescribed for Central Autonomous Bodies in consistency with that of previous years.

3. The Society has been registered u / s 12 AA of the Income Tax Act, 1961 and hence its entire income is exempt from Income Tax.

4. The gifted property at 91, Ballygunge Place, Kolkata – 700019 received by the Society during 1995 (gifted by Late Professor S.D.Chatterjee) is being used as Guest House. Due to a pending litigation pertaining to the property (Title Suit No. 361 of 1999 filed in the Court of the 2nd Civil Judge – Jr. Division, Alipore), the value of the property has not been included in Fixed Assets.

5. Investments in the form of Fixed Deposits against Endowment Funds of Rs.79,51,408.00have been kept with State Bank of India, Park Street Branch as collateral security to avail overdraft facility as and when required.

6. Pending the audit for the year 2020-21, the claim for audit fees for the year 2020-21 is yet to be received from the office of the Director General of Audit (central), Kolkata. Under such circumstances, an amount of Rs.6,00,000.00 in lump sum (estimated on the basis of last year's audit fees) has been provided for in the accounts for the year 2020-21.

7. Accrued Interest on Fixed Deposits against Endowment Funds & Others as on 31.03.2021have been accounted for in 2020-21 after reconciliation with FDR statements.

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Significant Accounting Policies, Contingent Liabilities & Notes on Accounts forming part of Accounts for the year ended 31st March 2021

8. During the financial year 2020-21, The Asiatic Society, Kolkata settled the outstanding dues of arrear payment of Property Tax for a sum of Rs.90,61,464.00 in respect of Assessee No(s). 11-063-39-0001-2, 11-063-39-002-4& 11-063-39-01429 availing the opportunity of waiver of interest and penalty and payment of principal amount only as one time settlement of outstanding Property Tax vide Notification No.828/MA/C-5/CC/IT-1/2011 dated 29.09.2020of the Government of West Bengal of Urban Development and Municipal Affairs [Municipal Affairs Branch] and the details of such payment made in favour of Kolkata Municial Corporation is furnished below :

Statement of arrear payment of Property Tax during the FY 2020-21 in respect of The Asiatic Society, Kolkata for one time settlement of outstanding Property Tax as per notification vide No. 828/MA/C-5/CC/IT-1/2011 dated 29.09.2020

SN	Assessee Number	Annual Valuation [₹]	Year of effect	Year Up to	Total outstanding dues [Principal+ Interest+ Penalty] ₹	Amount paid [Principal only] ₹	100% waiver of interest and penalty ₹	Balance as on 31.03.2021 ₹
1	11-063-39-0001-2	604560.00	1968	2019	3,47,90,418.00	60,44,704.00	2,87,45,714.00	0.00
2	11-063-39-0002-4	321230.00	1978	2019	2,20,91,487.00	26,71,688.00	1,94,19,799.00	0.00
3	11-063-39-0142-9	46980.00	1977	2002	3,45,072.00	3,45,072.00	-	0.00
Total					**5,72,26,977.00**	**90,61,464.00**	**4,81,65,513.00**	**0.00**

9. Corresponding figures for the previous year have been rearranged and regrouped wherever necessary.

Place: Kolkata
Date: 2nd August, 2021

Sd/-
[Sujit Kumar Das]
Treasurer

Sd/-
[S.B.Chakrabarti]
General Secretary

Visuals

(दृश्य-सामग्री)

Shri Jagdeep Dhankar, Hon'ble Governor of West Bengal along with Smt. Sudesh Dhankar, First Lady, being greeted by Prof. Swapan Kumar Pramanik, President at the 238th Foundation Day of Asiatic Society on 15th January 2021. Dr. Swapan Dasgupta, Hon'ble Member of Parliament, Rajya Sabha and Prof. Partha P. Majumdar, National Science Chair, Government of India & Founding Director, National Institute of Biomedical Genomics, Kalyani were also present.

Dr. S.B. Chakrabarti, General Secretary delivering the inaugural speech at the 238th Foundation Day of Asiatic Society on 15th January 2021.

Dr. S.B. Chakrabarti, General Secretary placing the wreath at the tomb of Sir Willam Jones the Founder President, at the Park Street Cemetery on the 238th Foundation Day of Asiatic Society on 15th January 2021.

Shri Prahlad Singh Patel, Hon'ble Minister of State for Tourism and Culture (Independent Charge), Government of India interacted with the Council members during his visit to the Society on 19th December 2020.

Shri Prahlad Singh Patel, Hon'ble Minister of State for Tourism and Culture (Independent Charge), Government of India visiting the Society's Museum on 19th December 2020.

Webinar on G.S.I Sesquicentennial Commemorative Lecture – *"A Tale of Three Supercontinents : The Indian Connection"* hosted at Society's YouTube channel on 18th September 2020.
Speaker: Prof. Somnath Dasgupta.

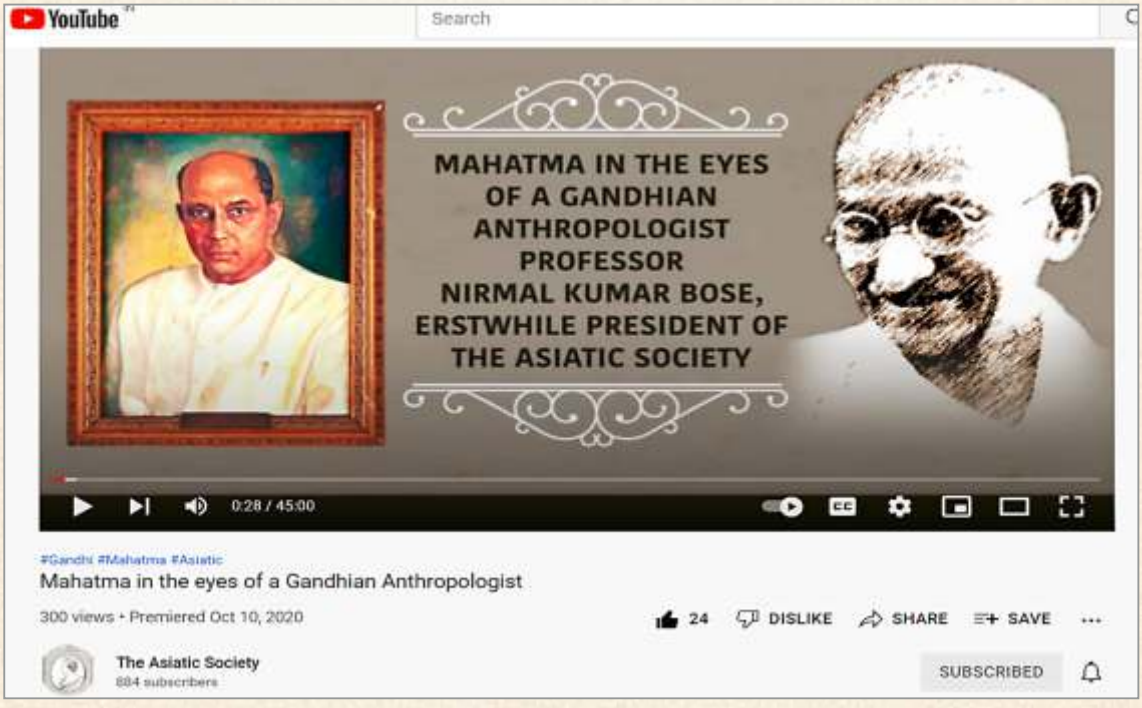

A virtual tribute to the Father of the Nation, Mahatma Gandhi on the occasion of his 150th birth anniversary hosted at Society's YouTube channel on 10th October 2020.

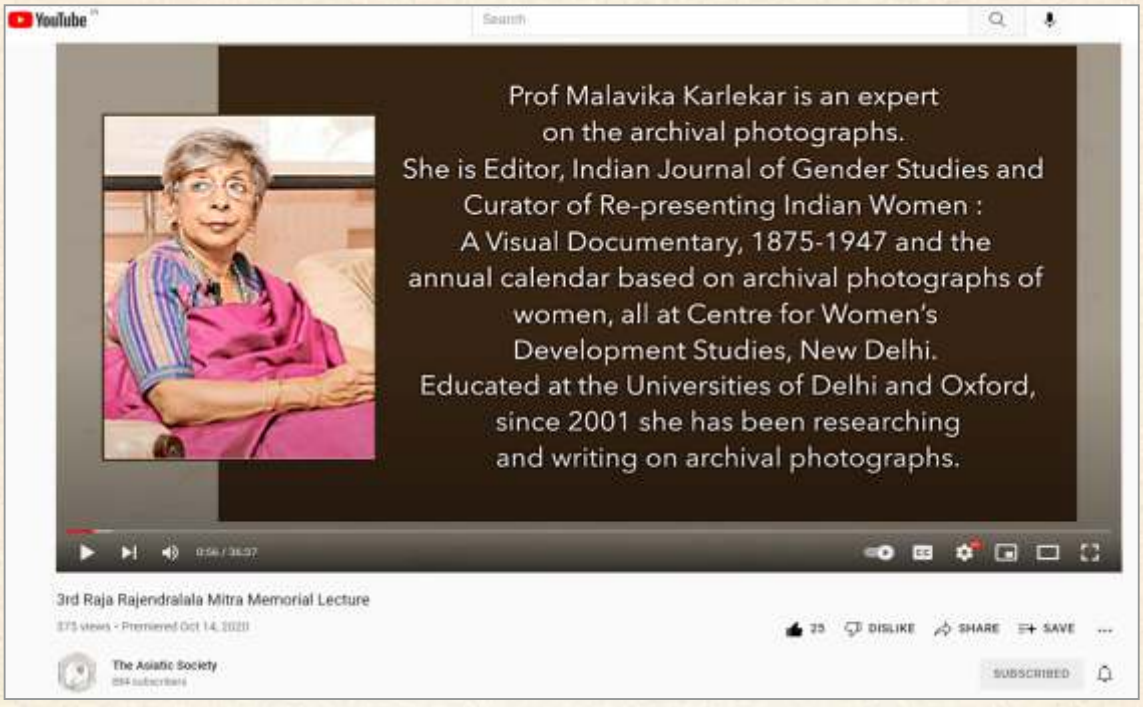

Webinar on 3rd Raja Rajendralala Mitra Memorial Lecture - *"Rajendralala Mitra – A Time Traveller in the Twentieth Century- A possible Scenario"* hosted at Society's YouTube channel on 10th October 2020. Speaker : Prof. Malavika Karlekar.

An audio-visual depiction of the narrative art in the manuscript *'Devi Mahatmyam'* from the collection of the Asiatic Society, Kolkata hosted at Society's YouTube channel on 22nd October 2020.

Webinar - "*Bengali Script Reform: Vidaysagar and Beyond*" organized in observance of the 200th Birth Anniversary of Iswar Chandra Vidyasagar hosted at Society's YouTube channel on 9th October 2020. Speakers : Prof. Pabitra Sarkar, Prof. Palash Baran Pal and Prof. Asis Khastagir.

Webinar on "*Revisiting the Constitution : A Journey of 70 years"* hosted at Society's YouTube channel on 26th November 2020. Speakers : Prof. Prasanta Ray, Hon'ble Justice Pratap Kumar Ray, Shri Subhash Dutta and Dr. Satyajit Das Gupta.

Shri Padma Lochan Sahu, Joint Secretary, Ministry of Culture, Government of India during his visit at the Society's Museum on December 2020.

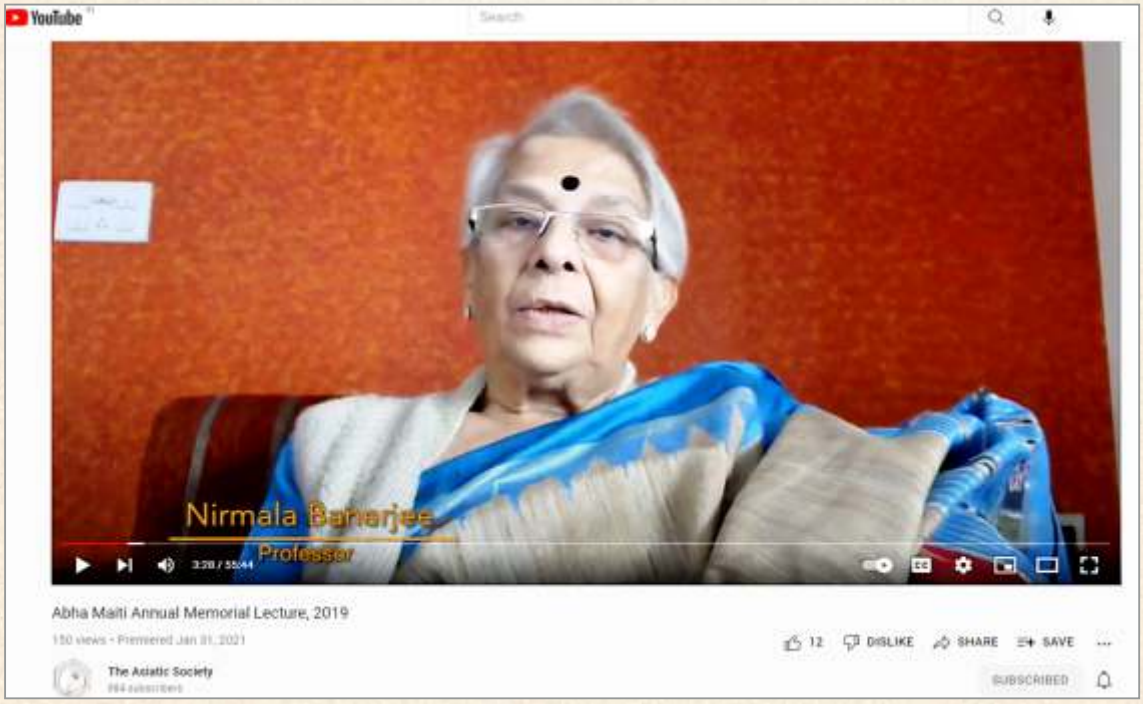

Webinar on Abha Maiti Annual Memorial Lecture – *"Why is Understanding Gender Important for us To-Day?"* hosted at Society's YouTube channel on 31st January 2021.
Speaker : Prof. Nirmala Banerjee.

Webinar on Dr. Satyendra Nath Memorial Lecture - *"An alternative path to resolve the current problems of economic slow-down and corona pandemic situation in the country"* hosted at Society's YouTube channel on 8th February 2020. Speaker : Dr. Asim Kumar Dasgupta.

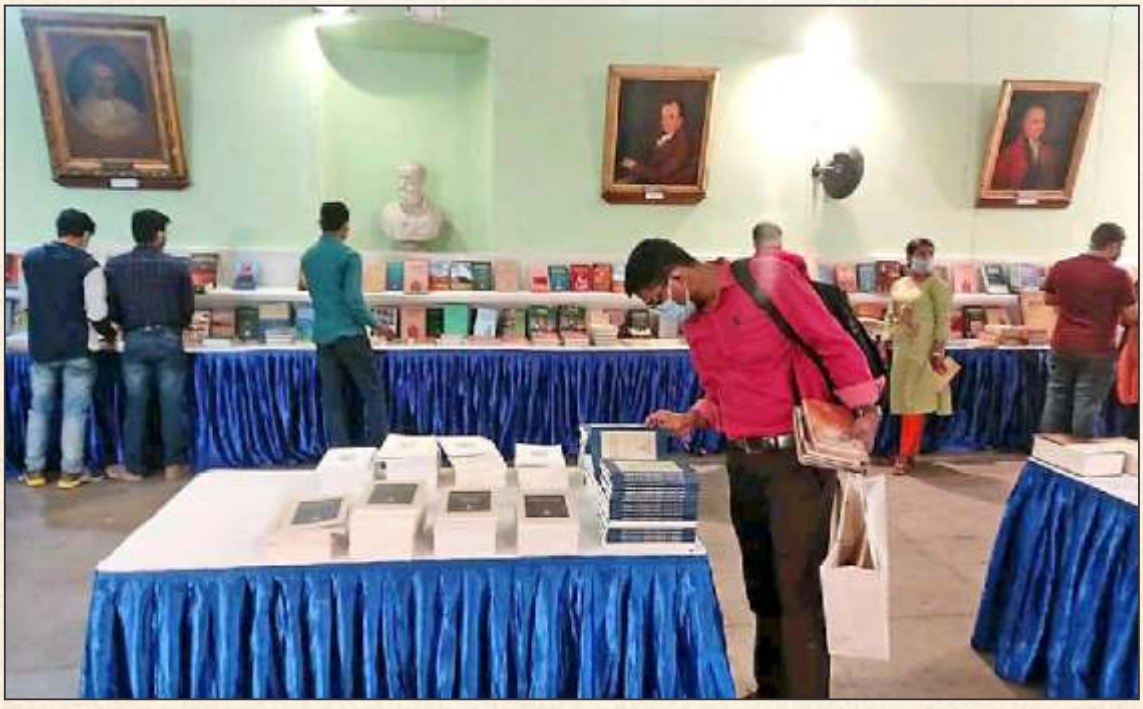

A Book Bazaar organized by the Publication Section from 2nd March 2021 to 8th March 2021.

The International Women's Day being observed at the Society on 8th March 2021.

A Book Exhibition organized by the Library on the occasion of International Women's Day on 8th March 2021.

The Asiatic Society
Kolkata

1, Park Street, Kolkata - 700016

[An Institution of National Importance declared by an Act of Parliament and an Autonomous Organization under the Ministry of Culture, Government of India]

Digital & Social Media Presence

Website URL :
www.asiaticsocietykolkata.org

YouTube

YouTube Channel ID:
www.youtube.com/c/TheAsiaticSociety

Facebook Page Link:
www.facebook.com/The-Asiatic-Society-Kolkata-455881717925308/

twitter

Twitter Handle:
www.twitter.com@asiatic_society